

श्री देव्यै नमः



श्री देवीनामस्तोत्रमञ्जरी

द्वितीयो भागः

श्री देवीनामावलीमञ्जरी

ஸ்ரீ தேவீநாம ஸ்தோத்திர மஞ்ஜரீ
இரண்டாம் பாகம்



॥ श्रीः ॥

श्री देवीनामस्तोत्रमञ्जरी

द्वितीयो भागः

श्री देवीनामावलीमञ्जरी

ஸ்ரீ தேவீநாமஸ்தோத்ர மஞ்ஜரீ

இரண்டாம் பாகம்

ஸ்ரீ தேவீநாமாவளி மஞ்ஜரீ

ஸ்ரீ காஞ்சீ காமகோடி பீடாதிபதி ஜகத்குரு

ஸ்ரீ சங்கராசார்ய

ஸ்ரீ ஜயேந்திர ஸரஸ்வதீ ஸ்ரீ சரணர்களின்

பீடாரோஹண ஸ்வர்ண ஜயந்தீ மலராக

ஸ்ரீ ஜகத்குரு ஸ்ரீ சரணங்களில் ஸமர்ப்பிக்கப்பட்டது

வெளியிடுவோர் :

ஸ்ரீ மஹாபெரியவாள் டிரஸ்ட்

குரு கிருபா, 94, I.T.I. Layout, M.S.R.I.T. Post

பங்களூர் - 560 054

சித்ரபாணு - 2003

Copyright with Publisher

Sri Devinama Stotra Manjari

Second Part

SRI DEVI NAMAVALI MANJARI

First Edition : 2003 - 500 copies

தொகுத்தளித்தவர் :

வைத்ய S.V. ராதாகிருஷ்ண சாஸ்திரி

ஸ்ரீரங்கம்

Published by :

SRI MAHA PERIYAVAI TRUST

GURUKRIPA,

94. I.T.I. LAYOUT,

M S R I T,

BANGALORE - 560 054

Copies available at :-

Smt. P. Vijaya,

Door No. 11, Plot No. 7, Ganapathy Street,

St. Thomas Nagar, Madipakkam,

Chennai - 600 091

Price : Rs. 151/-

Lasertypeset & Printed at :

V.K.N. ENTERPRISES,

8/1, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Chennai-4

Phone : 2495 07 75

विषयानुक्रमणिका

देवीनामावलीमञ्जरी

श्री कालीशतनामावलिः	1
श्री कालीसहस्रनामावलिः (ककारादि)	3
श्री कालीसहस्रनामावलिः	22
श्री ताराशतनामावलिः	43
श्री तारा सहस्रनामावलिः (तकारादि)	45
श्री तारा सहस्रनामावलिः	64
श्री षोडशीशतनामावलिः	83
श्री षोडशीसहस्रनामावलिः	85
भुवनेश्वरी शतनामावलिः	103
भुवनेश्वरी सहस्रनामावलिः (भकारादि)	105
छिन्नमस्ताशतनामावलिः	123
छिन्नमस्ता सहस्रनामावलिः	125
त्रिपुरभैरवीशतनामावलिः	144
त्रिपुरभैरवीसहस्रनामावलिः	146

धूमावती शतनामावलि:	162
धूमावतीसहस्रनामावलि:	164
बगलामुखी शतनामावलि:	183
बगलामुखी सहस्रनामावलि:	185
मातङ्गी शतनामावलि:	203
मातङ्गी सहस्रनामावलि:	205
कमलाशतनामावलि:	224
कमलासहस्रनामावलि:	226
दुर्गाशतनामावलि:	245
दुर्गासहस्रनामावलि:	247
सरस्वतीशतनामावलि:	268
सरस्वती सहस्रनामावलि:	270
श्री बालाशतनामावलि:	289
श्री बालासहस्रनामावलि:	291
श्री कामाक्षीपञ्चशतीनामावलि:	310

श्रीगुरुभ्यो नमः

श्रीमात्रे नमः

देवीनामस्तोत्रमञ्जरी

द्वितीयो भागः

देवीनामावलीमञ्जरी

श्रीकाली-अष्टोत्तर-शतनामावलिः

काल्यै नमः

कपालिन्यै

कान्तायै

कामदायै

कामसुन्दर्यै

कालरात्र्यै

कालिकायै

कालभैरवपूजितायै

कुरुकुलायै

कामिन्यै १०

कमनीय स्वभाविन्यै

कुलीनायै

कुलकर्त्र्यै

कुलवर्त्मप्रकाशिन्यै

कस्तूरीरसनीलायै

काम्यायै

कामस्वरूपिण्यै

ककारवर्णनिलयायै

कामधेन्वे

करालिकायै २०

कुलकान्तायै

करालास्यायै

कामातार्यै

कलावत्यै

कृशोदर्यै

कामाख्यायै

कौमार्यै

कुलपालिन्यै

कुलजायै

कुलकन्यायै ३०

कुलहायै

कुलपूजितायै

कामेश्वर्यै

कामकान्तायै

कुञ्जेश्वरगामिन्यै

कामदात्र्यै

कामहर्त्र्यै	कीर्त्यै
कृष्णायै	कुलपालिकायै
कपर्दिन्यै	कामदेवकलायै
कुमुदायै ४०	कल्पलतायै
कृष्णदेहायै	कामाङ्गवर्धिन्यै
कालिन्यै	कुन्तायै
कुलपूजितायै	कुमुदप्रीतायै ७०
काश्ययै	कदम्बकुसुमोत्सुकायै
कृष्णमात्रे	कादम्बिन्यै
कुलिशांग्यै	कमलिन्यै
कलायै	कृष्णानन्द प्रदायिन्यै
क्रीरूपायै	कुमारीपूजनरतायै
कुलगम्यायै	कुमारीगणशोभितायै
कमलायै ५०	कुमारीरञ्जनरतायै
कृष्णपूजितायै	कुमारीव्रतधारिण्यै
कृशांग्यै	कङ्काल्यै
किन्नर्यै	कमनीयायै ८०
कर्त्र्यै	कामशास्त्रविशारदायै
कलकण्ठयै	कपालखट्वाङ्गधरायै
कार्तिक्यै	कालभैरवरूपिण्यै
कंबुकण्ठयै	कोटर्यै
कौलिन्यै	कोटराक्ष्यै
कुमुदायै	काश्यै
कामजीविन्यै ६०	कैलासवासिन्यै
कुलस्त्रियै	कात्यायन्यै
कीर्तिकायै	कार्यकर्यै
कृत्यायै	काव्यशास्त्रप्रमोदिन्यै ९०

कामाकर्षणरूपायै	कीर्तिवर्धिन्यै १००
कामपीठनिवासिन्यै	कुंभस्तन्यै
कङ्किन्यै	कटाक्षायै
काकिन्यै	काव्यायै
क्रीडायै	कोकनदप्रियायै
कुत्सितायै	कान्तारवासिन्यै
कलहप्रियायै	कान्त्यै
कुण्डगोलोद्भवप्राणायै	कठिनायै
कौशिक्यै	कृष्णवल्लभायै १०८

श्रीकालीसहस्रनामावलि: (ककारादि:)

ओं क्रीं काल्यै नमः	कलाकर्मकलाधारायै
क्रूं कराल्यै	कलापारायै
कल्याण्यै	कलागमायै
कमलायै	कलाधारायै
कलायै	कमलिन्यै २०
कलावत्यै	ककारायै
कलाढ्यायै	करुणायै
कलापूज्यायै	कव्यै
कलात्मिकायै	ककारवर्णसर्वाङ्ग्यै
कलाहृष्टायै १०	कलाकोटिप्रभूषितायै
कलापुष्टायै	ककारकोटिगुणितायै
कलामस्तायै	ककारकोटिभूषणायै
कलाधरायै	ककारवर्णहृदयायै
कलाकोटिसमाभासायै	ककारमनुमण्डितायै
कलाकोटिप्रपूजितायै	ककारवर्णनिलयायै ३०

ककशब्दपरायणायै
 ककारवर्णमुकुटायै
 ककारवर्णभूषणायै
 ककारवर्णरूपायै
 काकशब्दपरायणायै
 कवीरास्फालनरतायै
 कमलाकरपूजितायै
 कमलाकरनाथायै
 कमलाकररूपधृषे
 कमलाकरसिद्धिस्थायै ४०
 कमलाकरपारदायै
 कमलाकरमध्यस्थायै
 कमलाकरतोषितायै
 कथङ्कारपरालापायै
 कथङ्कारपरायणायै
 कथङ्कारपदान्तस्थायै
 कथङ्कारपदार्थभुवे
 कमलाक्ष्यै
 कमलजायै
 कमलाक्षप्रपूजितायै ५०
 कमलाक्षवरोद्युक्तायै
 ककारायै
 कर्बुराक्षरायै
 करतारायै
 करच्छिन्नायै
 करश्यामायै
 करार्णवायै

करपूज्यायै
 कररतायै
 करदायै ६०
 करपूजितायै
 करतोयायै
 करामर्षायै
 कर्मनाशायै
 करप्रियायै
 करप्राणायै
 करकजायै
 करकायै
 करकान्तरायै
 करकाचलरूपायै ७०
 करकाचलशोभिन्त्यै
 करकाचलपुत्र्यै
 करकाचलतोषितायै
 करकाचलगेहस्थायै
 करकाचलरक्षिण्यै
 करकाचलसम्मान्यायै
 करकाचलकारिण्यै
 करकाचलवर्षाढ्यायै
 करकाचलरञ्जितायै
 करकाचलकान्तारायै ८०
 करकाचलमालिन्यै
 करकाचलभोज्यायै
 करकाचलरूपिण्यै
 करामलकसंस्थायै

करामलकसिद्धिदायै
 करामलकसम्पूज्यायै
 करामलकतारिण्यै
 करामलककाल्यै
 करामलकरोचिन्यै
 करामलकमात्रे ९०
 करामलकसेविन्यै
 करामलकवद्धयेयायै
 करामलकदायिन्यै
 कञ्जनेत्रायै
 कञ्जगत्यै
 कञ्जस्थायै
 कञ्जधारिण्यै
 कञ्जमालाप्रियकर्यै
 कञ्जरूपायै
 कञ्जजायै १००
 कञ्जजात्यै
 कञ्जगत्यै
 कञ्जहोमपरायणायै
 कञ्जमण्डलमध्यस्थायै
 कञ्जभरणभूषितायै
 कञ्जसम्माननिरतायै
 कञ्जोत्पत्तिपरायणायै
 कञ्जराशिसमाकारायै
 कञ्जारण्यनिवासिन्यै
 करञ्जवृक्षमध्यस्थायै ११०
 करञ्जवृक्षवासिन्यै

करञ्जफलभूषाढ्यायै
 करञ्जारण्यवासिन्यै
 करञ्जमालाभरणायै
 करवालपरायणायै
 करवालप्रहृष्टात्मने
 करवालप्रियायै गत्यै
 करवालप्रियायै कन्थायै
 करवालविहारिण्यै
 करवालमय्यै १२०
 कर्मायै
 करवालप्रियङ्कर्यै
 कबन्धमालाभरणायै
 कबन्धराशिमध्यगायै
 कबन्धकूटसंस्थानायै
 कबन्धानन्तभूषणायै
 कबन्धनादसन्तुष्टायै
 कबन्धासनधारिण्यै
 कबन्धगृहमध्यस्थायै
 कबन्धवनवासिन्यै १३०
 कबन्धकाञ्च्यै
 करण्यै
 कबन्धराशिभूषणायै
 कबन्धमालाजयदायै
 कबन्धदेहवासिन्यै
 कबन्धासनमान्यायै
 कपालमाल्यधारिण्यै
 कपालमालामध्यस्थायै

कपालव्रततोषितायै
 कपालदीपसन्तुष्टायै १४०
 कपालदीपरूपिण्यै
 कपालदीपवरदायै
 कपालकज्जलस्थितायै
 कपालमालाजयदायै
 कपालजपतोषिण्यै
 कपालसिद्धिसंहृष्टायै
 कपालभोजनोद्यतायै
 कपालव्रतसंस्थानायै
 कपालकमलालयायै
 कवित्वामृतसारायै १५०
 कवित्वामृतसागरायै
 कवित्वसिद्धिसंहृष्टायै
 कवित्वादानकारिण्यै
 कविपूज्यायै
 कविगत्यै
 कविरूपायै
 कविप्रियायै
 कविब्रह्मानन्दरूपायै
 कवित्वव्रततोषितायै
 कविमानससंस्थानायै १६०
 कविवाञ्छाप्रपूरिण्यै
 कविकण्ठस्थितायै
 कंहींकंकंकविपूर्तिदायै
 कज्जलायै
 कज्जलादानमानसायै

कज्जलप्रियायै
 कपालकज्जलसमायै
 कज्जलेशप्रपूजितायै
 कज्जलार्णवमध्यस्थायै
 कज्जलानन्दरूपिण्यै १७०
 कज्जलप्रियसन्तुष्टायै
 कज्जलप्रियतोषिण्यै
 कपालमालाभरणायै
 कपालकरभूषणायै
 कपालकरभूषाढ्यायै
 कपालचक्रमण्डितायै
 कपालकोटिनिलयायै
 कपालदुर्गकारिण्यै
 कपालगिरिसंस्थानायै
 कपालचक्रवासिन्यै १८०
 कपालपात्रसन्तुष्टायै
 कपालार्घ्यपरायणायै
 कपालार्घ्यप्रियप्राणायै
 कपालार्घ्यवरप्रदायै
 कपालचक्ररूपायै
 कपालरूपमात्रगायै
 कदल्यै
 कदलीरूपायै
 कदलीवनवासिन्यै
 कदलीपुष्पसम्प्रीतायै १९०
 कदलीफलमानसायै
 कदलीहोमसन्तुष्टायै

कदलीदर्शनोद्यतायै
 कदलीगर्भमध्यस्थायै
 कदलीवनसुन्दर्यै
 कदम्बपुष्पनिलयायै
 कदम्बवनमध्यगायै
 कदम्बकुसुमामोदायै
 कदम्बवनतोषिण्यै
 कदम्बपुष्पसम्पूज्यायै २००
 कदम्बपुष्पहोमदायै
 कदम्बपुष्पमध्यस्थायै
 कदम्बफलभोजिन्यै
 कदम्बकाननान्तस्थायै
 कदम्बाचलवासिन्यै
 कक्षपायै
 कक्षपाराध्यायै
 कच्छपासनसंस्थितायै
 कर्णपूरायै
 कर्णनासायै २१०
 कर्णाढ्यायै
 कालभैरव्यै
 कलप्रीतायै
 कलहदायै
 कलहायै
 कलहातुरायै
 कर्णयक्ष्यै
 कर्णवार्ताकथिन्यै
 कर्णसुन्दर्यै

कर्णपिशाचिन्यै २२०
 कर्णमञ्जर्यै
 कविकक्षदायै
 कविकक्षविरूपाढ्यायै
 कविकक्षस्वरूपिण्यै
 कस्तूरीमृगसंस्थानायै
 कस्तूरीमृगरूपिण्यै
 कस्तूरीमृगसन्तोषायै
 कस्तूरीमृगमध्यगायै
 कस्तूरीरसनीलाङ्ग्यै
 कस्तूरीगन्धतोषितायै २३०
 कस्तूरीपूजकप्राणायै
 कस्तूरीपूजकप्रियायै
 कस्तूरीप्रेमसन्तुष्टायै
 कस्तूरीप्राणधारिण्यै
 कस्तूरीपूजकानन्दायै
 कस्तूरीगन्धरूपिण्यै
 कस्तूरीमालिकारूपायै
 कस्तूरीभोजनप्रियायै
 कस्तूरीतिलकानन्दायै
 कस्तूरीतिलकप्रियायै २४०
 कस्तूरीहोमसन्तुष्टायै
 कस्तूरीतर्पणोद्यतायै
 कस्तूरीमार्जनोद्युक्तायै
 कस्तूरीचक्रपूजितायै
 कस्तूरीपुष्पसम्पूज्यायै
 कस्तूरीचर्वणोद्यतायै

कस्तूरीगर्भमध्यस्थायै
 कस्तूरीवस्त्रधारिण्यै
 कस्तूरिकामोदरतायै
 कस्तूरीवनवासिन्यै २५०
 कस्तूरीवनसंरक्षायै
 कस्तूरीप्रेमधारिण्यै
 कस्तूरीशक्तिनिलयायै
 कस्तूरीशक्तिकुण्डगायै
 कस्तूरीकुण्डसंस्नातायै
 कस्तूरीकुण्डमज्जनायै
 कस्तूरीजीवसन्तुष्टायै
 कस्तूरीजीवधारिण्यै
 कस्तूरीपरमामोदायै
 कस्तूरीजीवनक्षमायै २६०
 कस्तूरीजातिभावस्थायै
 कस्तूरीगन्धचुम्बनायै
 कस्तूरीगन्धसंशोभाविराजित
 -कपालभुवे

कस्तूरीमदनान्तस्थायै
 कस्तूरीमदहर्षदायै
 कस्तूर्यै
 कवितानाट्यायै
 कस्तूरीगृहमध्यगायै
 कस्तूरीस्पर्शकप्राणायै
 कस्तूरीनिन्दकान्तकायै २७०
 कस्तूर्यामोदरसिकायै
 कस्तूरीक्रीडनोद्यतायै

कस्तूरीदाननिरतायै
 कस्तूरीवरदायिन्यै
 कस्तूरीस्थापनासक्तायै
 कस्तूरीस्थानरञ्जिन्यै
 कस्तूरीकुशलप्राणायै
 कस्तूरीस्तुतिवन्दितायै
 कस्तूरीवन्दकाराध्यायै
 कस्तूरीस्थानवासिन्यै २८०
 कहरूपायै
 कहाढ्यायै
 कहानन्दायै
 कहात्मभुवे
 कहपूज्यायै
 कहेत्याख्यायै
 कहहेयायै
 कहात्मिकायै
 कहमालायै
 कण्ठभूषायै २९०
 कहमन्त्रजपोद्यतायै
 कहनामस्मृतिपरायै
 कहनामपरायणायै
 कहपरायणरतायै
 कहदेव्यै
 कहेश्वर्यै
 कहहेतवे
 कहानन्दायै
 कहनादपरायणायै

कहमात्रे ३००
 कहान्तस्थायै
 कहमन्त्रायै
 कहेश्वरायै
 कहगे(ज्ञे)यायै
 कहाराध्यायै
 कहध्यानपरायणायै
 कहतन्त्रायै
 कहकहायै
 कहचर्यापरायणायै
 कहाचारायै ३१०
 कहगत्यै
 कहताण्डवकारिण्यै
 कहारण्यायै
 कहगत्यै
 कहशक्तिपरायणायै
 कहराज्यरतायै
 कर्मसाक्षिण्यै
 कर्मसुन्दर्यै
 कर्मविधायै
 कर्मगत्यै ३२०
 कर्मतन्त्रपरायणायै
 कर्ममात्रायै
 कर्मगात्रायै
 कर्मधर्मपरायणायै
 कर्मरेखानाशकर्त्र्यै
 कर्मरेखाविनोदिन्यै

कर्मरेखामोहकर्यै
 कर्मकीर्तिपरायणायै
 कर्मविधायै
 कर्मसारायै ३३०
 कर्माधारायै
 कर्मभुवे
 कर्मकार्यै
 कर्महार्यै
 कर्मकौतुकसुन्दर्यै
 कर्मकाल्यै
 कर्मतारायै
 कर्मच्छिन्नायै
 कर्मदायै
 कर्मचाण्डालिन्यै ३४०
 कर्मवेदमात्रे
 कर्मभुवे
 कर्मकाण्डरतानन्तायै
 कर्मकाण्डानुमानितायै
 कर्मकाण्डपरीणाहायै
 कमठ्यै
 कमठाकृत्यै
 कमठाराध्यहृदयायै
 कमठायै
 कण्ठसुन्दर्यै ३५०
 कमठासनसंसेव्यायै
 कमठ्यै
 कर्मतत्परायै

करुणाकरकान्तायै
 करुणाकरवन्दितायै
 कठोरायै
 करमालायै
 कठोरकुचधारिण्यै
 कपर्दिन्यै
 कपटिन्यै ३६०
 कठिन्यै
 कङ्कभूषणायै
 करभोर्वै
 कठिनदायै
 करभायै
 करभालयायै
 कलभाषामय्यै
 कल्पायै
 कल्पनायै
 कल्पदायिन्यै ३७०
 कमलस्थायै
 कलामालायै
 कमलास्यायै
 कणत्प्रभायै
 ककुब्धिन्यै
 कष्टवत्यै
 करणीयकथार्चितायै
 कचार्चितायै
 कचतन्वै
 कचसुन्दरधारिण्यै ३८०

कठोरकुचसंलग्नायै
 कटिसूत्रविराजितायै
 कर्णभक्षप्रियायै
 कन्दायै
 कथायै
 कन्दगत्यै
 कल्यै
 कलिद्वयै
 कलिदूत्यै
 कविनायकपूजितायै ३९०
 कणकक्षानियन्त्र्यै
 कविवरार्चितायै
 कत्र्यै
 कर्तृकाभूषायै
 करिण्यै
 कर्णशत्रुपायै
 करणेश्यै
 करणपायै
 कलवाचायै
 कलानिध्यै ४००
 कलनायै
 कलनाधारायै
 कलनायै
 कारिकायै
 करायै
 कलगै(त्रे)यायै
 कर्कराश्यायै

कर्कराशिप्रपूजितायै
 कन्याराश्यायै
 कन्यकायै ४१०
 कन्यकाप्रियभाषिण्यै
 कन्यकादानसंतुष्टायै
 कन्यकादानतोषिण्यै
 कन्यादानकरानन्दायै
 कन्यादानग्र(तृगृ)हेष्टदायै
 कर्षणायै
 कक्षदहनायै
 कामितायै
 कमलासनायै
 करमालानन्दकर्त्र्यै ४२०
 करमालाप्रतो(भू)षितायै
 करमालाशयानन्दायै
 करमालासमागमायै
 करमालासिद्धिदात्र्यै
 करमालायै
 करप्रियायै
 करप्रियाकररतायै
 करदानपरायणायै
 कलानन्दायै
 कलिगत्यै ४३०
 कलिपूज्यायै
 कलिप्रसुवे
 कलनादनिनादस्थायै
 कलनादवरप्रदायै

कलनादसमाजस्थायै
 कहोलायै
 कहोलदायै
 कहोलगेहमध्यस्थायै
 कहोलवरदायिन्यै
 कहोलकविताधारायै ४४०
 कहोलऋषिमानितायै
 कहोलमानसाराध्यायै
 कहोलवाक्यकारिण्यै
 कर्तृरूपायै
 कर्तृमय्यै
 कर्तृमात्रे
 कर्त्तर्यै
 कनीयायै
 कनकाराध्यायै
 कनीनकमय्यै ४५०
 कनीयानन्दनिलयायै
 कनकानन्दतोषितायै
 कनीनककरायै
 काष्ठायै
 कथार्णवकर्त्र्यै
 कर्यै
 करिगम्यायै
 करिगत्यै
 करिध्वजपरायणायै
 करिनाथप्रियायै ४६०
 कण्ठायै

कथानकप्रतोषितायै
 कमनीयायै
 कमनकायै
 कमनीयविभूषणायै
 कमनीय समाजस्थायै
 कमनीयव्रतप्रियायै
 कमनीयगुणाराध्यायै
 कपिलायै
 कपिलेश्वर्यै ४७०
 कपिलाराध्यहृदयायै
 कपिलाप्रियवादिन्यै
 कहचक्रमन्त्रवर्णायै
 कहचक्रप्रसूनकायै
 कर्णलहीस्वरूपायै
 कर्णलहीवरप्रदायै
 कर्णलहीसिद्धिदात्र्यै
 कर्णलहीस्वरूपिण्यै
 कर्णलहीमन्त्रवर्णायै
 कर्णलहीप्रसूकलायै ४८०
 कवगायै
 कपाटस्थायै
 कपाटोद्घाटनक्षमायै
 कङ्काल्यै
 कपाल्यै
 कङ्कालप्रियभाषिण्यै
 कङ्कालभैरवाराध्यायै
 कङ्कालमानसस्थितायै

कङ्कालमोहनिरतायै
 कङ्कालमोहदायिन्यै ४९०
 कलुषयै
 कलुषहायै
 कलुषार्त्तिविनाशिन्यै
 कलिपुष्पायै
 कलादानायै
 कशिप्वै
 कश्यपार्चितायै
 कश्यपायै
 कश्यपाराध्यायै
 कलिपूर्णकलेवरायै ५००
 कलेवरकर्यै
 काञ्च्यै
 कवगायै
 करालकायै
 करालभैरवाराध्यायै
 करालभैरवेश्वर्यै
 करालायै
 कलनाधारायै
 कपर्दीशवरप्रदायै
 कपर्दीशप्रेमलतायै ५१०
 कपर्दिमालिकायुतायै
 कपर्दिजपमालाढ्यायै
 करवीरप्रसूनदायै
 करवीरप्रियप्राणायै
 करवीरप्रपूजितायै

कर्णिकारसमाकारायै	कपिध्वजाराध्यायै
कर्णिकारप्रपूजितायै	कलापपुष्पधारिण्यै
करीपाग्निस्थितायै	कलापपुष्परुचिरायै
कर्षायै	कलापपुष्पपूजितायै
कर्षमात्रसुवर्णदायै ५२०	क्रकचायै
कलशायै	क्रकचाराध्यायै
कलशाराध्यायै	कथंब्रूमायै
कषायायै	करालतायै ५५०
करिगानदायै	कथङ्कारविनिर्मुक्तायै
कपिलायै	काल्यै
कलकण्ठ्यै	कालक्रियायै
कलिकल्पलतायै	क्रत्वै
कल्पमात्रे	कामिन्यै
कल्पलतायै	कामिनीपूज्यायै
कल्पकार्यै ५३०	कामिनीपुष्पधारिण्यै
कल्पभुवे	कामिनीपुष्पनिलयायै
कर्पूरामोदरुचिरायै	कामिनीपुष्पपूर्णमायै
कर्पूरामोदधारिण्यै	कामिनीपुष्पपूजार्हायै ५६०
कर्पूरमालाभरणायै	कामिनीपुष्पभूषणायै
कर्पूरवासपूर्तिदायै	कामिनीपुष्पतिलकायै
कर्पूरमालाजयदायै	कामिनीकुण्डचुम्बनायै
कर्पूरार्णवमध्यगायै	कामिनीयोगसन्तुष्टायै
कर्पूरतर्पणरतायै	कामिनीयोगभोगदायै
कटकाम्बरधारिण्यै	कामिनीकुण्डसम्मग्न्यायै
कपटेश्वरसम्पूज्यायै ५४०	कामिनीकुण्डमध्यगायै
कपटेश्वररूपिण्यै	कामिनीमानसाराध्यायै
कट्वै	कामिनीमानतोषितायै

कामिनीमानसञ्चारायै ५७०	कालिन्यै
कालिकायै	कालवीरायै
कालकालिकायै	कालघोरायै
कामायै	कालसिद्धायै ६००
कामदेव्यै	कालदायै
कामेश्यै	कालाञ्जनसमाकारायै
कामसम्भवायै	कालञ्जरनिवासिन्यै
कामभावायै	कालऋद्धयै
कामरतायै	कालवृद्धयै
कामार्तायै	कारागृहविमोचिन्यै
काममञ्जर्यै ५८०	कादिविद्यायै
काममञ्जीररणितायै	कादिमात्रे
कामदेवप्रियान्तरायै	कादिस्थायै
कामकाल्यै	कादिसुन्दर्यै ६१०
कामकलायै	काश्यै
कालिकायै	काञ्च्यै
कमलार्चितायै	काञ्चीशायै
कादिकायै	काशीशवरदायिन्यै
कमलायै	क्रीबीजायै
काल्यै	क्रीबीजहृदयायनमःस्मृतायै
कालानलसमप्रभायै ५९०	काम्यायै
कल्पान्तदहनायै	काम्यगत्यै
कान्तायै	काम्यसिद्धिदात्र्यै
कान्तारप्रियवासिन्यै	कामभुवे ६२०
कालपूज्यायै	कामाख्यायै
कालरतायै	कामरूपायै
कालमात्रे	कामचापविमोचिन्यै

कामदेवकलारामायै	कारणान्तरायै
कामदेवकलालयायै	कान्तिगम्यायै
कामरात्र्यै	कान्तिमय्यै
कामदात्र्यै	कात्यायै
कान्ताराचलवासिन्यै	कात्यायन्यै
कामरूपायै	कायै
कालगत्यै ६३०	कामसारायै
कामयोगपरायणायै	काश्मीरायै
कामसम्मर्दनरतायै	काश्मीराचारतत्परायै
कामगेहविकाशिन्यै	कामरूपाचाररतायै ६६०
कालभैरवभार्यायै	कामरूपप्रियंवदायै
कालभैरवकामिन्यै	कामरूपाचारसिद्धयै
कालभैरवयोगस्थायै	कामरूपमनोमय्यै
कालभैरवभोगदायै	कार्तिक्यै
कामधेन्वै	कार्तिकाराध्यायै
कामदोग्ध्र्यै	काञ्चनारप्रसूनभुवे
काममात्रे ६४०	काञ्चनारप्रसूनाभायै
कान्तिदायै	काञ्चनारप्रपूजितायै
कामुकायै	काञ्चरूपायै
कामुकाराध्यायै	काञ्चभूम्यै ६७०
कामुकानन्दवर्धिन्यै	कांस्यपात्रप्रभोजिन्यै
कार्तवीर्यायै	कांस्यध्वनिमय्यै
कार्तिकेयायै	कामसुन्दर्यै
कार्तिकेयप्रपूजितायै	कामचुम्बनायै
कार्यायै	काशपुष्पप्रतीकाशायै
कारणदायै	कामद्रुमसमागमायै
कार्यकारिण्यै ६५०	कामपुष्पायै

कामभूम्यै	कालागुरुप्रतर्पणायै
कामपूज्यायै	कावेरीनीरसम्प्रीतायै
कामदायै ६८०	कावेरीतीरवासिन्यै
कामदेहायै	कालचक्रभ्रमाकारायै
कामगेहायै	कालचक्रनिवासिन्यै
कामबीजपरायणायै	काननायै ७१०
कामध्वजसमरूढायै	काननाधारायै
कामध्वजसमास्थितायै	कार्वै
काश्यप्यै	कारुणिकाम्यै
काश्यपाराध्यायै	काम्पिल्यवासिन्यै
काश्यपानन्ददायिन्यै	काष्ठायै
कालिन्दीजलसंकाशायै	कामपट्ट्यै
कालिन्दीजलपूजितायै ६९०	कामभुवे
कादेवपूजानिरतायै	कादम्बरीपानरतायै
कादेवपरमार्थदायै	कादम्बर्यै
कर्मणायै	कलायै ७२०
कर्मणाकारायै	कामवन्द्यायै
कामकर्मणकारिण्यै	कामेश्यै
कर्मणत्रोटनकर्यै	कामराजप्रपूजितायै
काकिन्यै	कामराजेश्वरीविद्यायै
कारणाह्वयायै	कामकौतुकसुन्दर्यै
काव्यामृतायै	काम्बोजजायै
कालिङ्गायै ७००	काञ्चिनदायै
कालिङ्गमर्दनोद्यतायै	कांस्यकाञ्चनकारिण्यै
कालागुरुविभूषाढ्यायै	काञ्चनाद्रिसमाकारायै
कालागुरुविभूतिदायै	काञ्चनाद्रिप्रदानदायै ७३०
कालागुरुसुगन्धायै	कामकीर्त्यै

कामकेश्यै	कुञ्जरस्थायै
कारिकायै	कुशरतायै ७६०
कान्तराश्रयायै	कुशेशयविलोचनायै
कामभेद्यै	कुनठ्यै
कामार्त्तिनाशिन्यै	कुरयै
कामभूमिकायै	कुद्रायै
कालनिर्णाशिन्यै	कुरङ्ग्यै
काव्यवनितायै	कुटजाश्रयायै
कामरूपिण्यै ७४०	कुम्भीनसविभूषायै
कायस्थाकामसन्दीप्त्यै	कुम्भीनसवधोद्यतायै
काव्यदायै	कुम्भकर्णमनोल्लासायै
कालसुन्दर्यै	कुलचूडामण्यै ७७०
कामेश्यै	कुलायै
कारणवरायै	कुलालगृहकन्यायै
कामेशीपूजनोद्यतायै	कुलचूडामणिप्रियायै
काञ्चीनूपुरभूषाढ्यायै	कुलपूज्यायै
कुङ्कुमाभरणान्वितायै	कुलाराध्यायै
कालचक्रायै	कुलपूजापरायणायै
कालगत्यै ७५०	कुलभूषायै
कालचक्रमनोभवायै	कुक्ष्यै
कुन्दमध्यायै	कुररीगणसेवितायै
कुन्दपुष्पायै	कुलपुष्पायै ७८०
कुन्दपुष्पप्रियायै	कुलरतायै
कुजायै	कुलपुष्पपरायणायै
कुजमात्रे	कुलवस्त्रायै
कुजाराध्यायै	कुलाराध्यायै
कुठारवरधारिण्यै	कुलकुण्डसमप्रभायै

कुलकुण्डसमोल्लासायै

कुण्डपुष्पपरायणायै

कुण्डपुष्पप्रसन्नास्यायै

कुण्डगोलोद्भवात्मिकायै

कुण्डगोलोद्भवाधारायै ७९०

कुण्डगोलमय्यै

कुह्यै

कुण्डगोलप्रियप्राणायै

कुण्डगोलप्रपूजितायै

कुण्डगोलमनोल्लासायै

कुण्डगोलबलप्रदायै

कुण्डदेवरतायै

कुद्धायै

कुलसिद्धिकरायै परायै

कुलकुण्डसमाकारायै ८००

कुलकुण्डसमानभुवे

कुण्डसिद्धयै

कुण्डऋद्धयै

कुमारीपूजनोद्यतायै

कुमारीपूजकप्राणायै

कुमारीपूजकालयायै

कुमार्यै

कामसन्तुष्टायै

कुमारीपूजनोत्सुकायै

कुमारीव्रतसन्तुष्टायै ८१०

कुमारीरूपधारिण्यै

कुमारीभोजनप्रीतायै

कुमार्यै

कुमारदायै

कुमारमात्रे

कुलदायै

कुलयोन्यै

कुलेश्वर्यै

कुललिङ्गायै

कुलानन्दायै ८२०

कुलरम्यायै

कुतर्कधृषे

कुन्त्यै

कुलकान्तायै

कुलमार्गपरायणायै

कुल्लायै

कुरुकुल्लायै

कुल्लुकायै

कुलकामदायै

कुलिशाङ्ग्यै ८३०

कुब्जिकायै

कुब्जिकानन्दवर्धिन्यै

कुलीनायै

कुञ्जरगत्यै

कुञ्जेश्वरगामिन्यै

कुलपाल्यै

कुलवत्यै

कुलदीपिकायै

कुलयोगेश्वर्यै

कुण्डायै ८४०
 कुङ्कुमारुणविग्रहायै
 कुङ्कुमानसन्तोषायै
 कुङ्कुमार्णवासिन्यै
 कुसुमायै
 कुसुमप्रीतायै
 कुलभुवे
 कुलसुन्दर्यै
 कुमुद्वत्यै
 कुमुदिन्यै
 कुशलायै ८५०
 कुलटालयायै
 कुलटालयमध्यस्थायै
 कुलटासङ्गतोषितायै
 कुलटाभवनोद्युक्तायै
 कुशावत्तायै
 कुलार्णवायै
 कुलार्णवाचाररतायै
 कुण्डल्यै
 कुण्डलाकृत्यै
 कुमत्यै ८६०
 कुलश्रेष्ठायै
 कुलचक्रपरायणायै
 कूटस्थायै
 कूटदृष्ट्यै
 कुन्तलायै
 कुन्तलाकृत्यै

कुशलाकृतिरूपायै
 कूर्चबीजधरायै
 कै
 कुंकुंकुंशब्दरतायै ८७०
 कूंकूंकूंपरायणायै
 कुंकुंकुंशब्दनिलयायै
 कुकुरालयवासिन्यै
 कुकुरासङ्गसंयुक्तायै
 कुकुरानन्तविग्रहायै
 कूर्चारम्भायै
 कूर्चबीजायै
 कूर्चजापपरायणायै
 कुलिन्यै
 कुलसंस्थानायै ८८०
 कूर्चकण्ठपरागत्यै
 कूर्चवीणाभालदेशायै
 कूर्चमस्तकभूषितायै
 कुलवृक्षगतायै
 कूर्मायै
 कूर्माचलनिवासिन्यै
 कुलबिन्द्वै
 कुलशिवायै
 कुलशक्तिपरायणायै
 कुलबिन्दुमणिप्रख्यायै ८९०
 कुङ्कुमदुमवासिन्यै
 कुचमर्दनसन्तुष्टायै
 कुचजापपरायणायै

कुचस्पर्शनसन्तुष्टायै
 कुचालिङ्गनहर्षदायै
 कुगतिघ्न्यै
 कुबेराचार्य्यै
 कुचभुवे
 कुलनायिकायै
 कुगायनायै ९००
 कुचाधारायै
 कुमात्रे
 कुन्ददन्तिन्यै
 कुगेयायै
 कुहराभाषा(सा)यै
 कुगेयाकुघ्नदारिकायै
 कीर्त्यै
 किरातिन्यै
 क्लिन्नायै
 किन्नरायै ९१०
 किन्नर्यै
 क्रियायै
 क्रीङ्कारायै
 क्रीजपासक्तायै
 क्रीहूंस्त्रीमन्त्ररूपिण्यै
 किर्मीरितदृशापाङ्गयै
 किशोर्यै
 किरीटिन्यै
 कीटभाषायै
 कीटयोन्वै ९२०

कीटमात्रे
 कीटदायै
 किंशुकायै
 कीरभाषायै
 क्रियासारायै
 क्रियावत्यै
 कींकींशब्दपरायै
 क्लंक्लीक्लूंक्लैक्लौमन्त्ररूपिण्यै
 कांकींक्लूंक्लैस्वरूपायै
 कःफट्मन्त्रस्वरूपिण्यै ९३०
 केतकीभूषणानन्दायै
 केतकीभरणान्वितायै
 कैकदायै
 केशिन्यै
 केशिसूदनतत्परायै
 केशरूपायै
 केशमुक्तायै
 कैकेय्यै
 कौशिक्यै
 कैरवायै ९४०
 कैरवाह्लादायै
 केशरायै
 केतुरूपिण्यै
 केशवाराध्यहृदयायै
 केशवासक्तमानसायै
 क्लैब्यविनाशिन्यै क्लै
 क्लैबीजजपतोपितायै

कौशल्यायै
 कोशलाक्ष्यै
 कोशायै ९५०
 कोमलायै
 कोलापुरनिवासायै
 कोलासुरविनाशिन्यै
 कोटिरूपायै
 कोटिरतायै
 क्रोधिन्त्यै
 क्रोधरूपिण्यै
 केकायै
 कोकिलायै
 कोट्यै ९६०
 कोटिमन्त्रपरायणायै
 कोट्यनन्तमन्त्रयुतायै
 कैरूपायै
 केरलाश्रयायै
 केरलाचारनिपुणायै
 केरलेन्द्रगृहस्थितायै
 केदाराश्रमसंस्थायै
 केदारेश्वरपूजितायै
 क्रोधरूपायै
 क्रोधपदायै ९७०
 क्रोधमात्रे
 कौशिक्यै
 कोदण्डधारिण्यै
 क्रौञ्चायै

कौशल्यायै
 कौलमार्गायै
 कौलिन्यै
 कौलिकाराध्यायै
 कौलिकागारवासिन्यै
 कौतुक्यै ९८०
 कौमुद्यै
 कौलायै
 कुमार्यै
 कौरवार्चितायै
 कौण्डिन्यायै
 कौशिक्यै
 क्रोधज्वालाभासुररूपिण्यै
 कोटिकालानलज्वालायै
 कोटिमार्तण्डविग्रहायै
 कृत्तिकायै ९९०
 कृष्णवर्णायै
 कृष्णायै
 कृत्यायै
 क्रियातुरायै
 कृशाङ्ग्यै
 कृतकृत्यायै
 क्रःफट्स्वाहास्वरूपिण्यै
 क्रौंक्रौंहूफट्मन्त्रवर्णायै
 क्रींहींहूफट्मन्त्रस्वधायै
 क्रींक्रींहींहींहूंहूफट्स्वाहामन्त्ररूपिण्यै

श्रीकालीसहस्रनामावलि:

श्मशानकालिकायै नमः

काल्यै

भद्रकाल्यै

कपालिन्यै

गुह्यकाल्यै

महाकाल्यै

कुरुकुल्लायै

अविरोधिन्यै

कालिकायै

कालरात्र्यै

१०

महाकालनितम्बिन्यै

कालभैरवभार्यायै

कुलवर्त्मप्रकाशिन्यै

कामदायै

कामिन्यै

काम्यायै

कमनीयसुभाविन्यै

कस्तूरीरसनीलाङ्ग्यै

कुञ्जरेश्वरगामिन्यै

ककारवर्णसर्वाङ्ग्यै

२०

कामिन्यै

कामसुन्दर्यै

कामार्तायै

कामरूपायै

कामधेनवे

कलावत्यै

कान्तायै

कामस्वरूपायै

कामाख्यायै

कुलपालिन्यै

३०

कुलीनायै

कुलवत्यै

अम्बायै

दुर्गायै

दुर्गार्तिनाशिन्यै

कौमार्यै

कुलजायै

कृष्णाकृष्णदेहायै

कृशोदर्यै

कृशाङ्ग्यै

४०

कुलिशाङ्ग्यै

क्रीकार्यै

कमलायै

कलायै

करालास्यायै

कराल्यै

कुलकान्तायै

अपराजितायै

उग्रायै		सिन्दूरारुणमस्तकायै	
उग्रप्रभायै	५०	घोररूपायै	
दीप्तायै		घोरदंष्ट्रायै	
विप्रचित्तायै		घोराघोरतरायै	
महाबलायै		शुभायै	८०
नीलायै		महादंष्ट्रायै	
घनायै		महामायायै	
बलाकायै		सुदत्यै	
मात्रामुद्रापितायै		युगदन्तुरायै	
असितायै		सुलोचनायै	
ब्राह्म्यै		विरूपाक्ष्यै	
नारायण्यै	६०	विशालाक्ष्यै	
भद्रायै		त्रिलोचनायै	
सुभद्रायै		शारदेन्दुप्रसन्नायै	
भक्तवत्सलायै		स्फुरत्स्मेराम्बुजेक्षणायै	९०
माहेश्वर्यै		अट्टहासायै	
चामुण्डायै		प्रसन्नास्यायै	
वाराह्यै		स्मेरवक्त्रायै	
नारसिंहिकायै		सुभाषिण्यै	
वज्रांग्यै		प्रसन्नपद्मवदनायै	
वज्रकङ्काल्यै		स्मितास्यायै	
नृमुण्डस्रग्विण्यै	७०	प्रियभाषिण्यै	
शिवायै		कोटराक्ष्यै	
मालिन्यै		कुलश्रेष्ठायै	
नरमुण्डाल्यै		महत्यै	१००
गलद्रक्तविभूषणायै		बहुभाषिण्यै	
रक्तचन्दनसिक्तांग्यै		सुमत्यै	

कुमत्यै	पवित्रायै	१३०
चण्डायै	परमायै	
चण्डमुण्डायै	पुरायै	
अतिवेगिन्यै	पुण्यविभूषणायै	
प्रचण्डायै	पुण्यनाम्न्यै	
चण्डिकायै	भीतिहरायै	
चण्ड्यै	वरदायै	
चर्चिकायै	खड्गपाणिन्यै	११०
चण्डवेगिन्यै	नृमुण्डहस्तशस्तायै	
सुकेभ्यै	छिन्नमस्तायै	
मुक्तकेभ्यै	सुनासिकायै	१४०
दीर्घकेभ्यै	दक्षिणायै	
महत्कचायै	श्यामलायै	
प्रेतदेहाकर्णपूरायै	श्यामायै	
प्रेतपाणीसुमेखलायै	शान्तायै	
प्रेतासनायै	पीनोन्नतस्तन्यै	
प्रियप्रेतायै	दिगम्बरायै	
प्रेतभूमिकृतालयायै	घोररावायै	१२०
श्मशानवासिन्यै	सृक्कान्तायै	
पुण्यायै	रक्तबाहिन्यै	
पुण्यदायै	घोररावायै	१५०
कुलपण्डितायै	शिवायै	
पुण्यालयायै	खड्गायै	
पुण्यदेहायै	विशङ्कायै	
पुण्यश्लोक्यै	मदनातुरायै	
पावन्यै	मत्तायै	
पुत्रायै	प्रमत्तायै	

प्रमदायै	गन्धर्व्यै
सुधासिन्धुनिवासिन्यै	किन्नरैश्वर्यै
अतिमत्तायै	मोहरात्र्यै
महामत्तायै १६०	महारात्र्यै
सर्वाकर्षणकारिण्यै	दारुणायै
गीतप्रियायै	भासुराम्बरायै
वाद्यरतायै	विद्याधर्यै १९०
प्रेतनृत्यपरायणायै	वसुमत्यै
चतुर्भुजायै	यक्षिण्यै
दशभुजायै	योगिन्यै
अष्टादशभुजायै	जरायै
कात्यायन्यै	राक्षस्यै
जगन्मात्रे	डाकिन्यै
जगत्यै १७०	बेदमय्यै
परमेश्वर्यै	वेदविभूषणायै
जगद्वन्धवे	श्रुत्यै
जगद्धात्र्यै	स्मृत्यै २००
जगदानन्दकारिण्यै	महाविद्यायै
जगन्मय्यै	गुह्यविद्यायै
हैमवत्यै	पुरातन्यै
महामायायै	चिन्त्यायै
महामहायै	अचिन्त्यायै
नागयज्ञोपवीताङ्ग्यै	सुधायै
नागिन्यै १८०	स्वाहायै
नागशायिन्यै	निद्रायै
नागकन्यायै	तन्द्रायै
देवकन्यायै	पार्वत्यै २१०

अपणायै	जयायै
निश्चलायै	नद्यै
लोलायै	सिन्धवे २४०
सर्वविद्यायै	सर्वमय्यै
तपस्विन्यै	तारायै
गङ्गायै	शून्यनिवासिन्यै
काश्यै	शुद्धायै
शच्यै	तरङ्गिण्यै
सीतायै	मेधायै
सत्यै २२०	लाकिन्यै
सत्यपरायणायै	बहुरूपिण्यै
नीत्यै	स्थूलायै
सुनीत्यै	सूक्ष्मायै २५०
सुरुच्यै	सूक्ष्मतरायै
तुष्ट्यै	भगवत्यै
पुष्ट्यै	अनुरूपिण्यै
धृत्यै	परमाणुस्वरूपायै
क्षमायै	चिदानन्दस्वरूपिण्यै
वाण्यै	सदानन्दमय्यै
बुद्ध्यै २३०	सत्यायै
महालक्ष्म्यै	सर्वानन्दस्वरूपिण्यै
लक्ष्म्यै	सुनन्दायै
नीलसरस्वत्यै	नन्दिन्यै २६०
स्रोतस्वत्यै	स्तुत्यायै
सरस्वत्यै	स्तवनीयस्वभाविन्यै
मातङ्ग्यै	रङ्गिण्यै
विजयायै	टङ्गिन्यै

चित्रायै	शक्त्यै
विचित्रायै	मुक्त्यै
चित्ररूपिण्यै	मर्त्यै
पद्मायै	मात्रे
पद्मालयायै	भक्त्यै
पद्ममुख्यै २७०	मुक्त्यै
पद्मविभूषणायै	पतिव्रतायै
डाकिन्यै	सर्वेश्वर्यै
शाकिन्यै	सर्वमात्रे ३००
क्षान्तायै	शर्वाण्यै
राकिण्यै	हरवल्लभायै
रुधिरप्रियायै	सर्वज्ञायै
भ्रान्त्यै	सिद्धिदायै
भवान्यै	सिद्धायै
रुद्राण्यै	भव्याभव्यायै
मृडान्यै २८०	भयापहायै
शत्रुमर्दिन्यै	कर्त्र्यै
उपेन्द्राण्यै	हर्त्र्यै
महेन्द्राण्यै	पालयित्र्यै ३१०
ज्योत्स्नायै	शर्वर्यै
चंद्रस्वरूपिण्यै	तामस्यै
सूर्यात्मिकायै	दयायै
रुद्रपत्न्यै	तमिस्रातामस्यै
रौद्र्यै	स्थास्रवे
स्त्रियै	स्थिरायै
प्रकृत्यै २९०	धीरायै
पुंसे	तपस्विन्यै

चार्वग्यै	यजुःप्रियायै
चंचलायै ३२०	ऋक्सामाथर्वनिलयायै
लोलजिह्वायै	रागिण्यै
चारुचरित्रिण्यै	शोभनायै
त्रपायै	सुरायै ३५०
त्रपावत्यै	कलकण्ठ्यै
लज्जायै	कंबुकंठ्यै
विलज्जायै	वेणुवीणापरायणायै
हरयौवत्यै	वंशिन्यै
सत्यवत्यै	वैष्णव्यै
धर्मनिष्ठायै	स्वच्छायै
श्रेष्ठायै ३३०	धात्र्यै
निष्ठुरवादिन्यै	त्रिजगदीश्वर्यै
गरिष्ठायै	मधुमत्यै
दुष्टसंहन्त्यै	कुंडलिन्यै ३६०
विशिष्ठायै	ऋद्धयै
श्रेयस्यै	शुद्धयै
घृणायै	शुचिस्मितायै
भीमायै	रंभोर्वशीरतीरामायै
भयानकायै	रोहिण्यै
भीमनादिन्यै	रेवत्यै
भिये ३४०	मघायै
प्रभावत्यै	शंखिन्यै
वागीश्वर्यै	चक्रिण्यै
श्रियै	कृष्णायै ३७०
यमुनायै	गदिन्यै
यज्ञकर्त्र्यै	पद्मिन्यै

शूलिन्यै	गलच्छोणितमुंडाल्यै ४००
परिघास्त्रायै	कण्ठमालाविभूषणायै
पाशिन्यै	शवासनायै
शार्ङ्गपाणिन्यै	चितांतस्स्थायै
पिनाकधारिण्यै	माहेश्यै
धूम्रायै	वृषवाहिन्यै
सुरभ्यै	व्याघ्रत्वगम्बरायै
वनमालिन्यै ३८०	चीनचैलिन्यै
रथिन्यै	सिंहवाहिन्यै
समरप्रीतायै	वामदेव्यै
वेगिन्यै	महादेव्यै ४१०
रणपंडितायै	गौर्यै
जटिन्यै	सर्वज्ञभामिन्यै
वज्रिण्यै	बालिकायै
नीललावण्यांबुधिचंद्रिकायै	तरुण्यै
बलिप्रियायै	वृद्धायै
सदापूज्यायै	वृद्धमात्रे
दैत्येन्द्रमथिन्यै ३९०	जरातुरायै
महिषासुरसंहर्त्र्यै	सुभ्रुवे
कामिन्यै	विलासिन्यै
रक्तदंतिकायै	ब्रह्मवादिन्यै ४२०
रक्तपायै	ब्राह्मण्यै
रुधिराक्तांग्यै	सत्यै
रक्तखर्परधारिण्यै	सुप्तवत्यै
रक्तप्रियायै	चित्रलेखायै
मांसरुच्यै	लोपामुद्रायै
वासवासक्तमानसायै	सुरेश्वर्यै

अमोघायै	सुखदायै
अरुंधत्यै	शुभदायै
तीक्ष्णायै	सत्यायै
भोगवत्यै ४३०	सरत्यै
अनुरागिण्यै	संक्षोभकारिण्यै
मंदाकिन्यै	शिवदूत्यै
मंदहासायै	भूतिमत्यै ४६०
ज्वालामुख्यै	विभूत्यै
असुरांतकायै	भूषणाननायै
मानदायै	कौमार्यै
मानिनीमान्यायै	कुलजायै
माननीयायै	कुन्त्यै
मदातुरायै	कुलस्त्रीकुलपालिकायै
मदिरायै ४४०	कीर्त्यै
मेदुरायै	यशस्विन्यै
उन्मादायै	भूषायै
मेध्यायै	भूष्टायै ४७०
साध्यायै	भूतपतिप्रियायै
प्रसादिन्यै	सुगुणायै
सुमध्यायै	निर्गुणायै
अनन्तगुणिन्यै	अधिष्टायै
सर्वलोकोत्तमोत्तमायै	निष्ठायै
जयदायै	काष्ठायै
जित्वरायै (४५०)	प्रकाशिन्यै
जैत्र्यै	धनिष्ठायै
जयश्रियै	धनदायै
जयशालिन्यै	धन्यायै (४८०)

वसुधायै
 सुप्रकाशिन्यै
 उर्वीगुर्व्यै
 गुरुश्रेष्ठायै
 षड्गुणायै
 त्रिगुणात्मिकायै
 राज्ञामाज्ञायै
 महाप्राज्ञायै
 सुगुणायै
 निर्गुणात्मिकायै (४९०)
 महाकुलीनायै
 निष्कामायै
 सकामायै
 कामजीवनायै
 कामदेवकलायै
 रामायै
 अभिरामायै
 शिवनर्तक्यै
 चिन्तामण्यै
 कल्पलतायै ५००
 जाग्रत्यै
 दीनवत्सलायै
 कार्तिक्यै
 कृत्तिकायै
 कृत्यायै
 अयोध्यायै
 विषमायै

समायै
 सुमंत्रायै
 मंत्रिण्यै ५१०
 घूर्णायै
 ह्लादिन्यै
 क्लेशनाशिन्यै
 त्रैलोक्यजनन्यै
 हृष्टायै
 निर्मासामलरूपिण्यै
 तडागनिम्नजठरायै
 शुष्कमांसास्थिमालिन्यै
 अवन्त्यै
 मधुरायै ५२०
 हृद्यायै
 त्रैलोक्यपावनक्षमायै
 व्यक्ताव्यक्तायै
 अनेकमूर्त्यै
 शरभ्यै
 भीमनादिन्यै
 क्षेमंकर्यै
 शांकर्यै
 सर्वसम्मोहकारिण्यै
 ऊर्ध्वतेजस्विन्यै ५३०
 क्लिन्नायै
 महातेजस्विन्यै
 अद्वैतायै
 योगिन्यै

पूज्यायै	दक्षयज्ञनाशिन्यै
सुरभ्यै	दुर्गतारिण्यै
सर्वमङ्गलायै	इज्यायै
सर्वप्रियंकयै	पूज्यायै
भोग्यायै	विभायै
धनिन्यै ५४०	भूत्यै
पिशिताशनायै	सत्कीर्त्यै
भयङ्कर्यै	ब्रह्मचारिण्यै
पापहरायै	रम्भोर्वै ५७०
निष्कलङ्कायै	चतुरायै
वशंकयै	राकायै
आशापै	जयन्त्यै
तृष्णायै	वरुणायै
चन्द्रकलायै	कुह्यै
निद्राणायै	मनस्विन्यै
वायुवेगिन्यै ५५०	देवमात्रे
सहस्रसूर्यसङ्काशायै	यशस्यायै
चन्द्रकोटिसमप्रभायै	ब्रह्मवादिन्यै
निशुंभशुंभसंहर्त्र्यै	सिद्धिदायै ५८०
रक्तबीजविनाशिन्यै	वृद्धिदायै
मधुकैटभसंहर्त्र्यै	वृद्धयै
महिषासुरघातिन्यै	सर्वाद्यायै
बह्निमण्डलमध्यस्थायै	सर्वदायिन्यै
सर्वसत्त्वप्रतिष्ठितायै	आधाररूपिण्यै
सर्वाचारवत्यै	ध्येयायै
सर्वदेवकन्यातिदेवतायै ५६०	मूलाधारनिवासिन्यै
दक्षकन्यायै	आज्ञायै

प्रज्ञायै	सिद्धयै
पूर्णमनसे ५९०	सदाप्राप्त्यै
चंद्रमुख्यै	प्रकाम्यायै
अनुकूलिन्यै	महिमायै
वावदूकायै	अणिमायै ६२०
निम्ननाभ्यै	ईक्षायै
सत्यसन्धायै	सिद्धयै
दृढव्रतायै	वशित्वायै
आन्वीक्षिक्यै	ईशित्वायै
दंडनीत्यै	ऊर्ध्वनिवासिन्यै
त्रय्यै	लघिमायै
त्रिदिवसुंदर्यै ६००	सावित्र्यै
ज्वालिन्यै	गायत्र्यै
ज्वलिन्यै	भुवनेश्वर्यै
शैलतनयायै	मनोहरायै ६३०
विंध्यवासिन्यै	चितायै
प्रत्ययायै	दिव्यायै
खेचर्यै	देव्युदारायै
धैर्यायै	मनोरमायै
तुरीयायै	पिङ्गलायै
विमलातुरायै	कपिलायै
प्रगल्भायै ६१०	जिह्वायै
वारुण्यै	रसज्ञायै
क्षामायै	रसिकायै
दर्शिन्यै	रसायै ६४०
विस्फुलिङ्गिन्यै	सुषुम्नेडायोगवत्यै
भक्त्यै	गान्धार्यै

नवकान्तकायै	बिन्दुरूपिण्यै ६७०
पाञ्चालीरुक्मिणीराधाराध्यायै	दूत्यै
भीमायै	प्राणेश्वर्यै
राधिकायै	गुप्तायै
अमृतायै	बहुलायै
तुलसीबृन्दायै	डामर्यै
कैटभ्यै	प्रभायै
कपटेश्वर्यै ६५०	कुब्जिकायै
उग्रचण्डेश्वर्यै	ज्ञानिन्यै
वीरजनन्यै	ज्येष्ठायै
वीरसुन्दर्यै	भुशुण्ड्यै ६८०
उग्रतारायै	प्रकटाकृत्यै
यशोदाख्यायै	द्राविण्यै
देवक्यै	गोपिन्यै
देवमानितायै	मायाकामबीजेश्वर्यै
निरञ्जनायै	प्रियायै
चित्रदेव्यै	शाकम्भर्यै
क्रोधिन्त्यै ६६०	कोकनदायै
कुलदीपिकायै	सुसत्यायै
कुलरागीश्वर्यै	तिलोत्तमायै
ज्वालायै	अमेयायै ६९०
मात्रिकायै	विक्रमायै
द्राविण्यै	क्रूरायै
द्रवायै	सम्यक्छीलायै
योगीश्वर्यै	त्रिविक्रमायै
महामार्यै	स्वस्त्यै
भ्रामर्यै	हव्यवहायै

प्रीतिरुक्मायै	वज्रेश्वर्यै
धूम्रार्चिरङ्गदायै	जयिन्यै
तपिन्यै	सर्वदुःखक्षयङ्कयै
तापिन्यै ७००	षडङ्गयुवत्यै
विश्वभोगदायै	योगयुक्तायै
धरणीधरायै	ज्वालांशुमालिन्यै
त्रिखण्डायै	दुराशयायै ७३०
रोधिन्यै	दुराधारायै
वश्यायै	दुर्जयायै
सकलायै	दुर्गरूपिण्यै
शब्दरूपिण्यै	दुरन्तायै
बीजरूपायै	दुष्कृतिहरायै
महामुद्रायै	दुर्ध्वेयायै
वशिन्यै ७१०	दुरतिक्रमायै
योगरूपिण्यै	हंसेश्वर्यै
अनङ्गकुसुमायै	त्रिलोकस्थायै
अनङ्गमेखलायै	शाकम्भर्यै ७४०
अनङ्गरूपिण्यै	अनुरागिण्यै
अनङ्गमदनायै	त्रिकोणनिलयायै
अनङ्गरेखायै	नित्यायै
अनङ्गाङ्कुशेश्वर्यै	परमामृतरञ्जितायै
अनङ्गमालिन्यै	महाविद्येश्वर्यै
कामेश्वर्यै	श्वेतायै
सर्वार्थसाधिकायै ७२०	भेरुण्डायै
सर्वतन्त्रमय्यै	कुलसुन्दर्यै
सर्वमोदिन्यै	त्वरितायै
आनन्दरूपिण्यै	भक्तिसंयुक्तायै ७५०

भक्तिवश्यायै	यज्ञानन्दभैरव्यै	
सनातन्यै	तरुणभैरव्यै	
भक्तानन्दमय्यै	ज्ञानानन्दभैरव्यै	७८०
भक्तभावितायै	अमृतानन्दभैरव्यै	
भक्तशङ्कर्यै	महाभयङ्कर्यै	
सर्वसौन्दर्यनिलयायै	तीव्रायै	
सर्वसौभाग्यशालिन्यै	तीव्रवेगायै	
सर्वसम्भोगभवनायै	तरस्विन्यै	
सर्वसौख्यानुरूपिण्यै	त्रिपुरा परमेशान्यै	
कुमारीपूजनरतायै ७६०	सुन्दर्यै	
कुमारीव्रतचारिण्यै	पुरसुन्दर्यै	
कुमारीभक्तिसुखिन्यै	त्रिपुरेश्यै	
कुमारीरूपधारिण्यै	पञ्चदश्यै ७९०	
कुमारीपूजकप्रीतायै	पञ्चम्यै	
कुमारीप्रीतिदप्रियायै	पुरवासिन्यै	
कुमारीसेवकासङ्गायै	महासप्तदश्यै	
कुमारीसेवकालयायै	षोडश्यै	
आनन्दभैरव्यै	त्रिपुरैश्वर्यै	
बालभैरव्यै	महाङ्कुशस्वरूपायै	
वटुभैरव्यै ७७०	महाचक्रेश्वर्यै	
श्मशानभैरव्यै	नवचक्रेश्वर्यै	
कालभैरव्यै	चक्रेश्वर्यै	
पुरभैरव्यै	त्रिपुरमालिन्यै ८००	
महाभैरवपत्न्यै	राजचक्रेश्वर्यै	
परमानन्दभैरव्यै	राश्यै	
सुरानन्दभैरव्यै	महात्रिपुरसुन्दर्यै	
उन्मदानन्दभैरव्यै	सिंदूरपूरुचिरायै	

श्रीमत्त्रिपुरसुन्दर्यै
 सर्वाङ्गसुन्दर्यै
 रक्तारक्तवस्त्रोत्तरीयकायै
 यवायावकसिन्दूररक्तचन्दनधारिण्यै
 यवायावक सिन्दूर रक्तचन्दन
 रूपधृषे
 चमरीवालकुटिलायै ८१०
 निर्मलश्यामकेशिन्यै
 वज्रमौक्तिकरत्नाढ्यायै
 किरीटकुण्डलोज्ज्वलायै
 रत्नकुण्डलसंयुक्तायै
 स्फुरद्गण्डमनोरमायै
 कुञ्जरेश्वरकुंभोत्थमुक्तारञ्जित
 नासिकायै
 मुक्ताविद्रुममाणिक्य हाराढ्य
 स्तनमण्डलायै
 सूर्यकान्तेंदुकान्ताढ्यायै
 स्पर्शाश्मगलभूषणायै
 बीजपूरस्फुरद्बीजदन्तपङ्क्तये ८२०
 अनुत्तमायै
 कामकोदण्डकाभग्नभ्रूकटाक्ष
 प्रवर्षिण्यै
 मातङ्गकुंभवक्षोजायै
 लसत्कनकदक्षिणायै
 मनोज्ञशङ्कुलीकर्णायै
 हंसीगतिविडम्बिन्यै
 पद्मरागाङ्गदद्योतहोश्चतुष्क-

प्रकाशिन्यै
 कर्पूरागरुकस्तूरीकुङ्कुमद्रव
 कलेपितायै
 विचित्ररत्नपृथिवी कल्पशाखि-
 तलस्थितायै
 रत्नद्वीपस्फुरद्भूषणसिंहासन
 निवासिन्यै ८३०
 षट्चक्रभेदनकर्यै
 परमानन्दरूपिण्यै
 सहस्रदलङ्गांतायै
 चन्द्रमण्डलवर्तिन्यै
 ब्रह्मरूपायै
 शिवक्रोडायै
 नानासुखविलासिन्यै
 हरविष्णुविरिञ्चीन्द्रग्रहनायक
 सेवितायै
 शिवायै
 शैवायै ८४०
 रुद्राण्यै
 शिवनादिन्यै
 महादेवप्रियायै
 देव्यै
 अनङ्गमेखलायै
 डाकिन्यै
 योगिन्यै
 उपयोगिन्यै
 मतायै

माहेश्वर्यै	८५०	लिङ्गमालायै	
वैष्णव्यै		लिङ्गभवायै	
भ्रामर्यै		लिङ्गलिङ्गायै	
शिवरूपिण्यै		पावक्यै	८८०
अलम्बुसायै		भगवत्यै	
भोगवत्यै		कौशिक्यै	
क्रोधरूपायै		प्रेमरूपायै	
सुमेखलायै		प्रियंवदायै	
गान्धार्यै		गृध्ररूप्यै	
हस्तिजिह्वायै		शिवारूपायै	
इडायै	८६०	चक्रेश्यै	
शुभङ्ग्यै		चक्ररूपधृषे	
पिङ्गलायै		आत्मयोन्यै	
दक्षसूत्र्यै		ब्रह्मयोन्यै	८९०
सुषुम्नायै		जगद्योन्यै	
गन्धिन्यै		अयोनिजायै	
भगात्मिकायै		भगरूपायै	
भगाधारायै		भगस्थात्र्यै	
भगेश्यै		भगिन्यै	
भगरूपिण्यै		भगमालिन्यै	
लिङ्गाख्यायै	८७०	भगात्मिकायै	
कामेश्यै		भगाधाररूपिण्यै	
त्रिपुरायै भैरव्यै		भगशालिन्यै	
लिङ्गगीत्यै		लिङ्गाभिधायिन्यै	९००
सुगीत्यै		लिङ्गप्रियायै	
लिङ्गस्थायै		लिङ्गनिवासिन्यै	
लिङ्गरूपधृषे		लिङ्गस्थायै	

लिङ्गिन्यै
 लिङ्गरूपिण्यै
 लिङ्गसुन्दर्यै
 लिङ्गगीत्यै
 महाप्रीत्यै
 भगगीत्यै
 महासुखायै ९१०
 लिङ्गनामसदानन्दायै
 भगनामसदारत्यै
 भगनामसदानन्दायै
 लिङ्गनामसदारत्यै
 लिङ्गमालाकराभूषायै
 भगमालाविभूषणायै
 भगलिङ्गामृतवृतायै
 भगलिङ्गामृतात्मिकायै
 भगलिङ्गार्चनप्रीतायै
 भगलिङ्गस्वरूपिण्यै ९१०
 भगलिङ्गस्वरूपायै
 भगलिङ्गसुखावहायै
 स्वयम्भूकुसुमप्रीतायै
 स्वयम्भूकुसुमार्चितायै
 स्वयम्भूकुसुमप्राणायै
 स्वयम्भूकुसुमोत्थितायै
 स्वयम्भूकुसुमस्नातायै
 स्वयम्भू पुष्पतर्पितायै
 स्वयम्भू पुष्पघटितायै
 स्वयम्भू पुष्पधारिण्यै ९३०

स्वयम्भू पुष्पतिलकायै
 स्वयम्भू पुष्पचर्चितायै
 स्वयम्भू पुष्पनिरतायै
 स्वयम्भू कुसुमाग्रहायै
 स्वयम्भू पुष्पयज्ञेशायै
 स्वयम्भू कुसुममालिकायै
 स्वयम्भू पुष्पनिचितायै
 स्वयम्भू कुसुमप्रियायै
 स्वयम्भू कुसुमादानलालसोन्मत्त
 मानसायै
 स्वयम्भू कुसुमानन्दलहरी
 स्निग्धदेहिन्यै ९४०
 स्वयम्भू कुसुमाधारायै
 स्वयम्भू कुसुमाकुलायै
 स्वयम्भू पुष्पनिलयायै
 स्वयम्भू पुष्पवासिन्यै
 स्वयम्भू कुसुमस्निग्धायै
 स्वयम्भू कुसुमात्मिकायै
 स्वयम्भू भूपुष्पकरिण्यै
 स्वयम्भू पुष्पमालिकायै
 स्वयम्भू कुसुमन्यासायै
 स्वयम्भू कुसुमप्रभायै ९५०
 स्वयम्भू कुसुमज्ञानायै
 स्वयम्भू पुष्पभोगिन्यै
 स्वयम्भू कुसुमोल्लासायै
 स्वयम्भू पुष्पवर्षिण्यै
 स्वयम्भू कुसुमानन्दायै

स्वयम्भू पुष्पपुष्पिण्यै
 स्वयम्भू कुसुमोत्साहायै
 स्वयम्भू पुष्परूपिण्यै
 स्वयम्भू कुसुमोन्मादायै
 स्वयम्भू पुष्पसुन्दर्यै ९६०
 स्वयम्भू कुसुमाराध्यायै
 स्वयम्भू कुसुमोद्भवायै
 स्वयम्भू कुसुमव्यग्रायै
 स्वयम्भू पुष्पपूजितायै
 स्वयम्भूपूजकप्राज्ञायै
 स्वयम्भूहोतृमात्रिकायै
 स्वयम्भूदातृरक्षित्र्यै
 स्वयम्भू भक्तभाविकायै
 स्वयम्भू कुसुमप्रीतायै
 स्वयम्भू पूजकप्रियायै ९७०
 स्वयम्भू वन्दकाधारायै
 स्वयम्भू निन्दकान्तकायै
 स्वयम्भूप्रदसर्वस्वायै
 स्वयम्भूप्रदपुत्रिण्यै
 स्वयम्भूप्रदसस्मेरायै
 स्वयम्भूतशरीरिण्यै
 सर्वलोकोद्भवप्रीतायै
 सर्वलोकोद्भवात्मिकायै
 सर्वकालोद्भवोद्भवायै
 सर्वकालोद्भवोद्भवायै ९८०
 कुण्डपुष्पसमप्रीत्यै
 कुण्डपुष्पसमारत्यै

कुण्डगोलोद्भवप्रीतायै
 कुण्डगोलोद्भवात्मिकायै
 स्वयम्भुवे
 शिवायै
 शक्त्यायै
 पावन्यै
 लोकपावन्यै
 कीर्त्यै ९९०
 यशस्विन्यै
 मेधायै
 विमेधायै
 सुरसुन्दर्यै
 अश्विन्यै
 कृत्तिकायै
 पुष्यायै
 तेजस्वि चन्द्रमण्डलायै
 सूक्ष्मासूक्ष्मप्रदायै
 सूक्ष्मासूक्ष्मभयविनाशिन्यै १०००
 वरदायै
 अभयदायै
 मुक्तिबन्धविनाशिन्यै
 कामुक्त्र्यै
 कामदायै
 क्षांतायै
 कामाख्यायै
 कुलसुन्दर्यै
 सुखदायै

दुःखदायै १०१०
 मोक्षायै
 मोक्षदार्थप्रकाशिन्यै
 दुष्टादुष्टमत्यै
 सर्वकार्यविनाशिन्यै
 शुक्राधारायै
 शुक्ररूपायै
 शुक्रसिन्धुनिवासिन्यै
 शुक्रालयायै
 शुक्रभोगायै
 शुक्रपूजासदारत्यै १०२०
 शुक्रपूज्यायै
 शुक्रहोमसंतुष्टायै
 शुक्रवत्सलायै
 शुक्रमूर्त्यै
 शुक्रदेहायै
 शुक्रपूजकपुत्रिण्यै
 शुक्रस्थायै
 शुक्रिण्यै
 शुक्रसंस्कृतायै
 शुक्रसुन्दर्यै १०३०
 शुक्रसन्नातायै
 शुक्रकर्यै
 शुक्रसेव्यायै
 अतिशुक्रिण्यै
 महाशुक्रायै
 शुक्रभवायै

शुक्रवृष्टिविधायिन्यै
 शुक्राभिधेयायै
 शुक्रार्हायै
 शुक्रवन्दकवन्दितायै १०४०
 शुक्रानन्दकर्यै
 शुक्रसदानन्दविधायिन्यै
 शुक्रोत्साहायै
 सदाशुक्रपूणायै
 शुक्रमनोरमायै
 शुक्रपूजकसर्वस्वायै
 शुक्रनिन्दकनाशिन्यै
 शुक्रात्मिकायै
 शुक्रसम्पदे
 शुक्राकर्षणकारिण्यै १०५०
 रक्ताशयायै
 रक्तभोगायै
 रक्तपूजासदारत्यै
 रक्तपूज्यायै
 रक्तहोमायै
 रक्तस्थायै
 रक्तवत्सलायै
 रक्तपूर्णारक्तदेहायै
 रक्तपूजकपुत्रिण्यै
 रक्ताख्यायै १०६०
 रक्तिन्यै
 रक्तसंस्कृतायै
 रक्तसुन्दर्यै

रक्ताभिदेहायै	साधकान्तर्गतायै
रक्ताह्यै	देव्यै
रक्तवन्दकवन्दितायै	पार्वत्यै १०९०
महारक्तायै	पापनाशिन्यै
रक्तभवायै	साधूनां हृदि संस्थात्र्यै
रक्तवृष्टिविधायिन्यै	साधकानन्दकारिण्यै
रक्तस्नातायै १०७०	साधकानां जनन्यै
रक्तप्रीतायै	साधकप्रियकारिण्यै
रक्तसेव्यातिरक्तिन्यै	साधकप्रचुरानन्दसंपत्ति
रक्तानन्दकर्यै	सुखदायिन्यै
रक्तसदानन्दविधायिन्यै	साधकासाधकप्राणायै
रक्तारक्तायै	साधकासक्तमानसायै
रक्तपूर्णायै	साधकोत्तमसर्वस्वायै
रक्तसव्येक्षणीरमायै	साधकायै ११००
रक्तसेवकसर्वस्वायै	भक्तरक्तपायै
रक्तनिन्दकनाशिन्यै	साधकानन्दसन्तोषायै
रक्तात्मिकायै १०८०	साधकारिविनाशिन्यै
रक्तरूपायै	आत्मविद्यायै
रक्ताकर्षणकारिण्यै	ब्रह्मविद्यायै
रक्तोत्साहायै	परब्रह्मकुटुम्बिन्यै
रक्तव्यग्रायै	त्रिकूटस्थायै
रक्तपानपरायणायै	पञ्चकूटायै
शोणितानन्दजनन्यै	सर्वकूटशरीरिण्यै
कल्लोलस्निग्धरूपिण्यै	सर्ववर्णमय्यै
	वर्णजपमालाविधायिन्यै ११११

श्रीताराष्टोत्तरशतनामावलिः

तारण्यै नमः

तरलायै

तन्व्यै

तारायै

तरुणवल्लयै

तीररूपायै

तयै

श्यामायै

तनुक्षीणपयोधरायै

तुरीयायै १०

तरलायै

तीव्रगमनायै

नीलवाहिन्यै

उग्रतारायै

जयायै

चण्ड्यै

श्रीमदेकजटाशिरसे

तरुण्यै

शांभव्यै

छिन्नभालायै २०

भद्रतारिण्यै

उग्रायै

उग्रप्रभायै

नीलायै

कृष्णायै

नीलसरस्वत्यै

द्वितीयायै

शोभनायै

नित्यायै

नवीनायै ३०

नित्यनूतनायै

चण्डिकायै

विजयाराध्यायै

देव्यै

गगनवाहिन्यै

अट्टहास्यायै

करालास्यायै

चरास्यायै

दितिपूजितायै

सगुणायै ४०

सगुणाराध्यायै

हरीन्द्रदेवपूजितायै

रक्तप्रियायै

रक्ताक्ष्यै

रुधिरास्यविभूषितायै

बलिप्रियायै

बलिरतायै

दुर्गायै

बलवत्यै

बलायै ५०

बलप्रियायै

बलरतायै

बलरामप्रपूजितायै

अर्धकेशेश्वर्यै

केशायै
 केशवासविभूषितायै
 पद्ममालायै
 पद्माक्ष्यै
 कामाख्यायै
 गिरिनन्दिन्यै ६०
 दक्षिणायै
 दक्षायै
 दक्षजायै
 दक्षिणे रतायै
 वज्रपुष्पप्रियायै
 रक्तप्रियायै
 कुसुमभूषितायै
 माहेश्वर्यै
 महादेवप्रियायै
 पञ्चविभूषितायै ७०
 इडायै
 पिङ्गलायै
 सुषुम्नायै
 प्राणरूपिण्यै
 गान्धार्यै
 पञ्चम्यै
 पञ्चाननादिपरिपूजितायै
 तथ्यविद्यायै
 तथ्यरूपायै
 तथ्यमार्गानुसारिण्यै ८०
 तत्त्वप्रियायै

तत्त्वरूपायै
 तत्त्वज्ञानात्मिकायै
 अनघायै
 ताण्डवाचारसन्तुष्टायै
 ताण्डवप्रियकारिण्यै
 तालदानरतायै
 क्रूरतापिन्यै
 तरणिप्रभायै
 त्रपायुक्तायै ९०
 त्रपामुक्तायै
 तर्पितायै
 तृप्तिकारिण्यै
 तारुण्यभावसन्तुष्टायै
 शक्त्यै
 भक्तानुरागिण्यै
 शिवासक्तायै
 शिवरत्यै
 शिवभक्तिपरायणायै
 ताम्रचुतये १००
 ताम्ररागायै
 ताम्रपत्रप्रभोजिन्यै
 बलभद्रप्रेमरतायै
 बलिभुजे
 बलिकल्पिन्यै
 रामरूपायै
 रामशक्त्यै
 रामरूपानुकारिण्यै १०८

श्री तारासहस्रनामावलिः (तकारादिः) (१)

तारायै नमः
 तारादिपञ्चाणायै
 तारान्यावेदवीर्यजायै
 तारायै
 तारहितावणायै
 ताराद्यायै
 ताररूपिण्यै
 तारारात्रिसमुत्पन्नायै
 तारारात्रिवरोधतायै
 तारारात्रि जपासक्तायै १०
 तारारात्रि स्वरूपिण्यै
 ताराराङ्गीस्वसन्तुष्टायै
 ताराराङ्गीवरप्रदायै
 ताराराङ्गीस्वरूपायै
 ताराराङ्गीप्रसिद्धिदायै
 ताराहृत्पङ्कजागारायै
 ताराहृत्पङ्कजापरायै
 ताराहृत्पङ्कजाधारायै
 ताराहृत्पङ्कजायै
 तारेश्वर्यै २०
 ताराभायै
 तारागणस्वरूपिण्यै
 तारागणसमाकीर्णायै
 तारागणनिषेवितायै
 तारायै

तारान्वितायै
 तारारत्नान्वितविभूषणायै
 तारागणरणासन्नायै
 ताराकृत्यप्रपूजितायै
 तारागणकृताहारायै ३०
 तारागणकृताश्रयायै
 तारागणकृतागारायै
 तारागणनतत्परायै
 तारागुणगणाकीर्णायै
 तारागुणगणप्रदायै
 तारागुणगणासक्तायै
 तारागुणगणालयायै
 तारेश्वर्यै
 तारपूज्यायै
 ताराजप्यायै ४०
 तारणायै
 तारमुख्यायै
 ताराख्यायै
 तारदक्षायै
 तारिण्यै
 तारागम्यायै
 तारस्थायै
 तारामृततरङ्गिण्यै
 तारभव्यायै
 ताराणायै ५०

तारहव्यायै	तारकान्यासनिलयायै
तारिण्यै	तारकान्यासपूजितायै
तारकायै	तारकान्याससंहृष्टायै
तारकान्तस्थायै	तारकान्याससिद्धिदायै ८०
तारकाराशिभूषणायै	तारकान्याससंमग्रायै
तारकाहारशोभाढ्यायै	तारकान्यासवासिन्यै
तारकावेष्टिताङ्गणायै	तारकान्याससंपूर्णमन्त्र
तारकाहंसकाकीर्णायै	सिद्धिविधायिन्यै
तारकाकृतभूषणायै	तारकोपासकप्राणायै
तारकाङ्गदशोभाङ्गचै ६०	तारकोपासकप्रियायै
तारकाश्रितकङ्कणायै	तारकोपासकासाध्यायै
तारकाश्रितकाञ्चयै	तारकोपासकेष्टदायै
तारकान्वितभक्षणायै	तारकोपासकासक्तायै
तारकाचित्रवसनायै	तारकोपासकार्थिन्यै
तारकासनमण्डलायै	तारकोपासकाराध्यायै ९०
तारकाकीर्णमकुटायै	तारकोपासकाश्रयायै
तारकाश्रितकुण्डलायै	तारकासुरसंतुष्टायै
तारकान्वितताटङ्कयुग्म	तारकासुरपूजितायै
गण्डस्थलोज्ज्वलायै	तारकासुरनिर्माणकर्त्र्यै
तारकाश्रितपादाब्जायै	तारकवन्दितायै
तारकावरदायिकायै ७०	तारकासुरसंमान्यायै
तारकादत्तहृदयायै	तारकासुरमानदायै
तारकाश्रित सायकायै	तारकासुरसंसिद्धायै
तारकान्यासकुशलायै	तारकासुरदेवतायै
तारकान्यासविग्रहायै	तारकासुरदेहस्थायै १००
तारकान्याससन्तुष्टायै	तारकासुरस्वर्गदायै
तारकान्याससिद्धिदायै	तारकासुरसंसृष्टायै

तारकासुरगर्वदायै	तमःकर्त्र्यै
तारकासुरसंहन्त्र्यै	तमःसञ्चारकारिण्यै
तारकासुरमर्दिन्यै	तमोगात्र्यै १३०
तारकासुरसंग्रामनर्तक्यै	तमोदात्र्यै
तारकापहायै	तमःपात्र्यै
तारकासुरसंग्रामकारिण्यै	तमोऽपहायै
तारकारिभृते	तमोराशयै
तारकासुरसङ्ग्रामकबन्ध	तमोनाशायै
बृन्दवन्दितायै ११०	तमोराशिविनाशिन्यै
तारकारिप्रसुवे	तमोराशिकृतध्वंस्यै
तारकारिमात्रे	तमोराशि भयङ्कर्यै
तारिकायै	तमोगुण प्रसन्नास्यायै
तारकारिमनोहारिवस्त्र	तमोगुणसुसिद्धिदायै १४०
भूषानुशासिकायै	तमोगुणोक्तमार्गस्थायै
तारकारिविधात्र्यै	तमोगुणविराजितायै
तारकारिनिषेवितायै	तमोगुणस्तुतिपरायै
तारकारिवचस्तुष्टायै	तमोगुणविवर्धिन्यै
तारकारिसुशिक्षितायै	तमोगुणाश्रितपरायै
तारकारिसुसन्तुष्टायै	तमोगुणविनाशिन्यै
तारकारिविभूषितायै १२०	तमोगुणक्षयकर्यै
तारकारिकृतोत्संग्यै	तमोगुणकलेवरायै
तारकारिप्रहर्षदायै	तमोगुणध्वंसतुष्टायै
तमःसंपूर्णसर्वाङ्ग्यै	तमःपारेप्रतिष्ठितायै १५०
तमोलिप्तकलेवरायै	तमोभवभवप्रीतायै
तमोव्याप्तस्थलासङ्गायै	तमोभवभवप्रियायै
तमःपटलसन्निभायै	तमोभवभवश्रद्धायै
तमोहन्त्र्यै	तमोभवभवश्रयायै

तमोभवभवप्राणायै	तपस्वितापशान्तिकृते
तमोभवभवार्चितायै	तपस्विसिद्धिविद्यायै
तमोभवभवप्रत्यालीढकुंभ	तपस्विमन्त्रसिद्धिकृते
स्थलस्थितायै	तपस्वि मन्त्रतन्त्रेश्यै
तपस्विवृन्दसन्तुष्टायै	तपस्विमन्त्ररूपिण्यै
तपस्विवृन्दपुष्टिदायै	तपस्विमन्त्रनिपुणायै
तपस्विवृन्दसंस्तुत्यायै १६०	तपस्विकर्मकारिण्यै
तपस्विवृन्दवन्दितायै	तपस्विकर्मसंभूतायै
तपस्विवृन्दसंपन्नायै	तपस्वि कर्मसाक्षिण्यै
तपस्विवृन्ददर्शदायै	तपस्सेव्यायै १९०
तपस्विवृन्दसंपूज्यायै	तपोभव्यायै
तपस्विवृन्दभूषितायै	तपोभाव्यायै
तपस्विचित्ततल्पस्थायै	तपस्विन्यै
तपस्विचित्तमध्यगायै	तपोवश्यायै
तपस्विचित्तचित्तार्हायै	तपोगम्यायै
तपस्विचित्तहारिण्यै	तपोगेहनिवासिन्यै
तपस्विकल्पवल्लभायै १७०	तपोधन्यायै
तपस्विकल्पपादप्यै	तपोमान्यायै
तपस्विकामधेनवे	तपःकन्यायै
तपस्विकामपूर्तिदायै	तपोवृतायै २००
तपस्वित्राणनिरतायै	तपसे
तपस्विगृहसंस्थितायै	तथ्यायै
तपस्विगृहराजश्रिये	तपोगोप्यायै
तपस्विराज्यदायिकायै	तपोजप्यायै
तपस्विमानसाराध्यायै	तपोऽनृतायै
तपस्विमानदायिकायै	तपःसाध्यायै
तपस्वितापसंहर्त्र्यै १८०	तपोराध्यायै

तपोबन्ध्यायै
 तपोमय्यै
 तपःसन्ध्यायै २१०
 तपोबन्ध्यायै
 तपःसान्निध्यकारिण्यै
 तपोध्येयायै
 तपोगेयायै
 तपस्तप्तायै
 तपोबलायै
 तपोलेयायै
 तपोदेयायै
 तपस्तत्त्वफलप्रदायै
 तपोविघ्नवरघ्न्यै २२०
 तपोविघ्नविनाशिन्यै
 तपोविघ्नचयध्वंस्यै
 तपोविघ्नभयङ्कर्यै
 तपोभूमिबरप्राणायै
 तपोभूमिपतिस्तुतायै
 तपोभूमिपतिध्येयायै
 तपोभूमिपतीष्टदायै
 तपोवनकुरङ्गस्थायै
 तपोवन विनाशिन्यै
 तपोवनगति प्रीतायै २३०
 तपोवनविहारिण्यै
 तपोवनफलासक्तायै
 तपोवनफलप्रदायै
 तपोवनसुसाध्यायै

तपोवनसुसिद्धिदायै
 तपोवनसुसेव्यायै
 तपोवननिवासिन्यै
 तपोधन सुसंसेव्यायै
 तपोधन सुसाधितायै
 तपोधनसुसंलीनायै २४०
 तपोधनमनोमय्यै
 तपोधननमस्कारायै
 तपोधनविमुक्तिदायै
 तपोधनधनासाध्यायै
 तपोधनधनात्मिकायै
 तपोधनधनाराध्यायै
 तपोधनफलप्रदायै
 तपोधनधनाढ्यायै
 तपोधनधनेश्वर्यै
 तपोधनधनप्रीतायै २५०
 तपोधनधनालयायै
 तपोधनजनाकीर्णायै
 तपोधनजनाश्रयायै
 तपोधन जनाराध्यायै
 तपोधनजनप्रसुबे
 तपोधनजनप्राणायै
 तपोधनजनेष्टदायै
 तपोधनजनासाध्यायै
 तपोधनजनेश्वर्यै
 तरुणासृक्प्रपानातार्यै २६०
 तरुणासृक् प्रतर्पितायै

तरुणासृक् समुद्रस्थायै
 तरुणासृक् प्रहर्षदायै
 तरुणासृक् सुसन्तुष्टायै
 तरुणासृग्विलेपितायै
 तरुणासृङ्गदीप्राणायै
 तरुणासृग्विभूषणायै
 तरुणैणबलिप्रितायै
 तरुणैणबलिप्रियायै
 तरुणैणबलिप्राणायै २७०
 तरुणैणबलीष्टदायै
 तरुणाजबलिप्रीतायै
 तरुणाजबलिप्रियायै
 तरुणाजबलिघ्राणायै
 तरुणाजबलिप्रभुजे
 तरुणादित्यसङ्काशायै
 तरुणादित्यविग्रहायै
 तरुणादित्यरुचिरायै
 तरुणादित्यनिर्मलायै
 तरुणादित्यनिलयायै २८०
 तरुणादित्यमण्डलायै
 तरुणादित्यललितायै
 तरुणादित्यकुण्डलायै
 तरुणार्कसमज्योत्स्नायै
 तरुणार्कसमप्रभायै
 तरुणार्कप्रतीकाशायै
 तरुणार्कप्रवर्धितायै
 तरुणारुणनेत्रायै

तरुणारुणलोचनायै
 तरुणारुणगात्रायै २९०
 तरुणारुणभूषणायै
 तरुणीदत्तसंकेतायै
 तरुणीदत्तभूषणायै
 तरुणीगणसन्तुष्टायै
 तरुण्यै
 तरुणीमणयै
 तरुणीमणिसंसेव्यायै
 तरुणीमणिवन्दितायै
 तरुणीमणिसन्तुष्टायै
 तरुणीमणिपूजितायै ३००
 तरुणीवृन्द संवन्द्यायै
 तरुणीवृन्दवन्दितायै
 तरुणीवृन्द संस्तुत्यायै
 तरुणीवृन्द मानदायै
 तरुणीवृन्दमध्यस्थायै
 तरुणीवृन्दवेष्टितायै
 तरुणीवृन्द संप्रीतायै
 तरुणीवृन्द भूषितायै
 तरुणीजपसंसिद्धायै
 तरुणीजपमोक्षदायै ३१०
 तरुणीपूजकासक्तायै
 तरुणीपूजकार्थिन्यै
 तरुणीपूजकश्रीदायै
 तरुणीपूजकार्तिहायै
 तरुणीपूजकप्राणायै

तरुणीनिन्दकार्तिदायै
 तरुणीकोटिनिलयायै
 तरुणीकोटिविग्रहायै
 तरुणीकोटिमध्यस्थायै
 तरुणीकोटिवेष्टितायै ३२०
 तरुणीकोटिदुस्साध्यायै
 तरुणीकोटिविग्रहायै
 तरुणीकोटिरुचिरायै
 तरुण्यै
 तरुणीश्वर्यै
 तरुणीमणिहाराढ्यायै
 तरुणीमणिकुण्डलायै
 तरुणीमणिसन्तुष्टायै
 तरुणीमणिमण्डितायै
 तरुणीसरणीप्रीतायै ३३०
 तरुणीसरणीरतायै
 तरुणीसरणीस्थानायै
 तरुणीसरणीमतायै
 तरुणीमण्डलश्रीदायै
 तरुणीमण्डलेश्वर्यै
 तरुणीमण्डलश्रद्धायै
 तरुणीमण्डलस्थितायै
 तरुणीमण्डलाध्यायै
 तरुणीमण्डलार्चितायै
 तरुणीमण्डलध्येयायै ३४०
 तरुणीभवसागरायै
 तरुणीकारणासक्तायै

तरुणीतक्षकार्चितायै
 तरुणीतक्षकश्रीदायै
 तरुणीतक्षकार्थिन्यै
 तर्यै
 तरुणशीलायै
 तरीतरणतारिण्यै
 तरीतरणसंवेद्यायै
 तरीतरणकारिण्यै ३५०
 तरुरूपायै
 तरूपस्थायै
 तरवे
 तरुलतामय्यै
 तरुरूपायै
 तरुस्थायै
 तरुमध्यनिवासिन्यै
 तप्तकाञ्चनगेहस्थायै
 तप्तकाञ्चनभूमिकायै
 तप्तकाञ्चनप्राकारायै ३६०
 तप्तकाञ्चनपादुकायै
 तप्तकाञ्चनदीप्तांग्यै
 तप्तकाञ्चनसन्निभायै
 तप्तकाञ्चनगौराङ्ग्यै
 तप्तकाञ्चनमञ्चगायै
 तप्तकाञ्चनवस्त्राढ्यायै
 तप्तकाञ्चन रूपिण्यै
 तप्तकाञ्चनमध्यस्थायै
 तप्तकाञ्चनकारिण्यै

तप्तकाञ्चनमासाच्यायै ३७०	तटिनीतीरगामिन्यै
तप्तकाञ्चनपात्रभुजे	तटिनीप्रियायै
तप्तकाञ्चनशैलस्थायै	तटिनीप्लवनप्रीतायै
तप्तकाञ्चनकुण्डलायै	तटिनीप्लवनोद्यतायै ४००
तप्तकाञ्चनक्षेत्राढ्यायै	तटिनीप्लवनश्लाघ्यायै
तप्तकाञ्चनदण्डधृषे	तटिनीप्लवनार्थदायै
तप्तकाञ्चनभूषाढ्यायै	तटलास्यायै
तप्तकाञ्चनदानदायै	तटस्थानायै
तप्तकाञ्चन देशैर्यै	तटेश्यै
तप्तकाञ्चनचापधृषे	तटवासिन्यै
तप्तकाञ्चनतूणाढ्यायै ३८०	तटपूज्यायै
तप्तकाञ्चनवाणभृते	तटाराध्यायै
तलातलविधात्र्यै	तटरोममुखार्थिन्यै
तलातलविधायिन्यै	तटजायै ४१०
तलातलस्वरूपेश्यै	तटरूपायै
तलातलविहारिण्यै	तटस्थायै
तलातलजनासाध्यायै	तटचञ्चलायै
तलातलजनेश्वर्यै	तटसन्निधिगेहस्थासहितायै
तलातलजनाराध्यायै	तटशायिन्यै
तलातलजनार्थदायै	तरङ्गिण्यै
तलातलजयाभाक्ष्यै ३९०	तरङ्गाभायै
तलातलजचञ्चलायै	तरङ्गायतलोचनायै
तलातलजरत्नाढ्यायै	तरङ्ग समदुर्धर्षायै
तलातलजदेवतायै	तरङ्गसमचञ्चलायै ४२०
तटिनीस्थानरसिकायै	तरङ्गसमदीर्घाङ्ग्यै
तटिनीतटवासिन्यै	तरङ्गसमवर्धितायै
तटिन्यै	तरङ्गसमसंवृद्ध्यै

तरङ्गसमनिर्मलायै	तनुरूपायै
तडागमध्यनिलयायै	तनुगतायै
तडागमध्यसंभवायै	तनुधृषे
तडागरचनश्लाघ्यायै	तनुरूपिण्यै
तडागरचनोद्यतायै	तनुस्थायै
तडागकुमुदामोद्यै	तनुमध्याङ्ग्यै
तडागेश्यै ४३०	तनुकृते
तडागिन्यै	तनुमङ्गलायै
तडागनीरसंस्नातायै	तनुसेव्यायै
तडागनीरनिर्मलायै	तनुजायै ४६०
तडागकमलागारायै	तनुजातनुसंभवायै
तडागकमलालयायै	तनुभृते
तडागकमलान्तस्थायै	तनुसंभूतायै
तडागकमलोद्यतायै	तनुदायै
तडागकमलाङ्ग्यै	तनुकारिण्यै
तडागकमलाननायै	तनुभृते
तडागकमलप्राणायै ४४०	तनुसंहन्त्र्यै
तडागकमलेक्षणायै	तनुसञ्चारकारिण्यै
तडागरक्तपद्मस्थायै	तथ्यवाचे
तडागश्वेत पद्मगायै	तथ्यवचनायै ४७०
तडागनीलपद्माभायै	तथ्यकृते
तडागनीलपद्मभृते	तथ्यवादिन्यै
तन्वे	तथ्यभृते
तनुगतायै	तथ्यचरितायै
तन्व्यै	तथ्यधर्मानुवर्तिन्यै
तन्वङ्ग्यै	तथ्यभुजे
तनुधारिण्यै ४५०	तथ्यगमनायै

तथ्यभक्तिवरप्रदायै	तगरस्रग्विराजितायै
तथ्यनीचेश्वर्यै	तगराहुतिसन्तुष्टायै
तथ्यचित्ताचाराशुसिद्धिदायै ४८०	तगराहुतिकीर्तिदायै
तर्क्यायै	तगराहुति संसिद्धायै
तर्क्यस्वभावायै	तगराहुति मानदायै
तर्कदायै	तडिते ५१०
तर्ककृते	तडिल्लताकारायै
तर्काध्यापनमध्यस्थायै	तडिचंचललोचनायै
तर्काध्यापनकारिण्यै	तडिल्लतायै
तर्काध्यापनसन्तुष्टायै	तडित्तन्व्यै
तर्काध्यापनरूपिण्यै	तडिद्दीप्तायै
तर्काध्यापनसंशीलायै	तडित्प्रभायै
तर्कार्थप्रतिपादितायै ४९०	तद्रूपायै
तर्काध्यापनसन्तुष्टायै	तत्स्वरूपेभ्यै
तर्कार्थप्रतिपादिकायै	तन्मय्यै
तर्कवादाश्रितपदायै	तत्त्वरूपिण्यै ५२०
तर्कवादविवर्धिन्यै	तत्स्थानदाननिरतायै
तर्कवादैकनिपुणायै	तत्कर्मफलदायिन्यै
तर्कवादप्रचारिण्यै	तत्त्वकृते
तमालदलभ्यामाङ्ग्यै	तत्त्वदायै
तमालदलमालिन्यै	तत्त्वायै
तमालवनसंकेतायै	तत्त्वविदे
तमालपुष्पपूजितायै ५००	तत्त्वतर्पितायै
तगर्यै	तत्त्वाच्यार्यै
तगराराध्यायै	तत्त्वपूज्यायै
तगरार्चितपादुकायै	तत्त्वाध्यार्यै ५३०
तगरस्रक्सुसन्तुष्टायै	तत्त्वरूपिण्यै

तत्त्वज्ञानप्रदानेभ्यै
 तत्त्वज्ञानसुमोक्षदायै
 त्वरितायै
 त्वरितप्रीतायै
 त्वरितार्तिविनाशिन्यै
 त्वरितासवसन्तुष्टायै
 त्वरितासवतर्पितायै
 त्वग्वस्त्रायै
 त्वक्परीधानायै ५४०
 तरलायै
 तरलेक्षणायै
 तरक्षुचर्मवसनायै
 तरक्षुत्वग्विभूषणायै
 तरक्षवे
 तरक्षुप्राणायै
 तरक्षुपृष्ठगामिन्यै
 तरक्षुपृष्ठसंस्थानायै
 तरक्षुपृष्ठवासिन्यै
 उदैस्तर्पितायै ५५०
 तर्पणाशायै
 तर्पणासक्तमानसायै
 तर्पणानन्दहृदयायै
 तर्पणाधिपतये
 ततये
 त्रयीमय्यै
 त्रयीसेव्यायै
 त्रयीपूज्यायै

त्रयीकथायै
 त्रयीभव्यायै ५६०
 त्रयीभाव्यायै
 त्रयीहव्यायै
 त्रयीयुतायै
 त्र्यक्ष्यै
 त्र्यक्षरेशान्यै
 त्र्यक्षरीशीघ्रसिद्धिदायै
 त्र्यक्षरेभ्यै
 त्र्यक्षरीस्थायै
 त्र्यक्षरीपुरुषास्पदायै
 तपनायै ५७०
 तपनेष्टायै
 तपसे
 तपनकन्यकायै
 तपनांशुसमासह्यायै
 तपनकोटिकान्तिकृते
 तपनीयायै
 तल्पगतायै
 तल्पायै
 तल्पविधायिन्यै
 तल्पकृते ५८०
 तल्पगायै
 तल्पदात्र्यै
 तल्पतलाश्रयायै
 तपनीयतलारात्र्यै
 तपनीयांशुप्रार्थिन्यै

तपनीयप्रदायै	तामस्यै
तप्तायै	तामसीप्रीतायै
तपनीयाद्रिसंस्थितायै	तामसीशीघ्रसिद्धिदायै
तल्पेभ्यै	तालेभ्यै
तल्पदायै ५९०	तालभुजे
तल्पसंस्थितायै	तालदात्र्यै
तल्पबल्लभायै	तालोपमस्तन्यै
तल्पप्रियायै	तालवृक्षस्थितायै ६२०
तल्परतायै	तालवृक्षजायै
तल्पनिर्माणकारिण्यै	तालरूपिण्यै
तरसापूजनासक्तायै	ताक्ष्यायै
तरसावरदायिन्यै	ताक्ष्यसमारूढायै
तरसासिद्धिसन्धात्र्यै	ताक्ष्यैश्चयै
तरसामोक्षदायिन्यै	ताक्ष्यपूजितायै
तापस्यै ६००	ताक्ष्यैश्चर्यै
तापसाराध्यायै	ताक्ष्यमात्रै
तापसार्ति विनाशिन्यै	ताक्ष्यैशीवरदायिन्यै
तापसार्तायै	ताप्यै ६३०
तापसश्रिये	तपिन्यै
तापसप्रियवादिन्यै	तापसंहन्त्र्यै
तापसानन्दहृदयायै	तापनाशिन्यै
तापसानन्ददायिन्यै	तापदात्र्यै
तापसाश्रितपादाब्जायै	तापकत्र्यै
तापसासक्तमानसायै	तापविध्वंसकारिण्यै
तामस्यै ६१०	त्रासकत्र्यै
तामसीपूज्यायै	त्रासदात्र्यै
तामसीप्रणयोत्सुकायै	त्रासहत्र्यै

त्रासहायै ६४०	ताटङ्कद्वयभूषितायै
त्रासितायै	तिथीशायै
त्रासरहितायै	तिथिसंपूज्यायै
त्रासनिर्मूलकारिण्यै	तिथिस्थायै ६७०
त्राणकृते	तिथिरूपिण्यै
त्राणसंशीलायै	तिथित्रितयवास्तव्यायै
तानेश्वर्यै	तिथीशवरदायिन्यै
तानदायिन्यै	तिलोत्तमादिकाराध्यायै
तानगानरतायै	तिलोत्तमादिकप्रभायै
तानकारिण्यै	तिलोत्तमायै
तानगायिन्यै ६५०	तिलप्रेक्षायै
तारुण्यामृतसंपूर्णायै	तिलाराध्यायै
तारुण्यामृतवारिधये	तिलार्चितायै
तारुण्यामृत सन्तुष्टायै	तिलभुजे ६८०
तारुण्यामृत तर्पितायै	तिलसन्दात्र्यै
तारुण्यामृतपूर्णाङ्ग्यै	तिलतुष्टायै
तारुण्यामृत विग्रहायै	तिलालयायै
तारुण्यगुणसंपन्नायै	तिलदायै
तारुण्योक्तिविशारदायै	तिलसंकाशायै
ताम्बूल्यै	तिलतैलविधायिन्यै
तांबुलेशान्यै ६६०	तिलतैलोपलिप्तांग्यै
तांबूलचर्वणोद्यतायै	तिलतैलसुगन्धिन्यै
तांबूलपूरितास्यायै	तिलाज्यहोमसन्तुष्टायै
तांबूलारुणिताधरायै	तिलाज्यहोमसिद्धिदायै ६९०
ताटङ्करत्नविख्यातये	तिलपुष्पाञ्जलिप्रीतायै
ताटङ्करत्नभूषिण्यै	तिलपुष्पाञ्जलिप्रियायै
ताटङ्करत्नमध्यस्थायै	तिलपुष्पाञ्जलिश्रेष्ठायै

तिलपुष्पाभनासिन्यै	त्रिपुरासुरसंहन्त्यै
तिलकाश्रितसिन्दूरायै	त्रिपुरासुरमर्दिन्यै
तिलकाङ्कितचन्दनायै	त्रिपुरासुरसंसेव्यायै
तिलकाहतकस्तूर्यै	त्रिपुरासुरवर्यपायै
तिलकामोदमोहिन्यै	त्रिकूटायै
त्रिगुणायै	त्रिकुटाराध्यायै
त्रिगुणाकारायै ७००	त्रिकूटार्चितविग्रहायै
त्रिगुणान्वितविग्रहायै	त्रिकूटाचलमध्यस्थायै
त्रिगुणाकारविख्यातायै	त्रिकूटाचलवासिन्यै
त्रिमूर्तये	त्रिकूटाचलसञ्जातायै ७३०
त्रिगुणात्मिकायै	त्रिकूटाचलनिर्गतायै
त्रिशिरसे	त्रिजटायै
त्रिपुरेशान्यै	त्रिजटेशान्यै
त्रिपुरायै	त्रिजटावरदायिन्यै
त्रिपुरेश्वर्यै	त्रिनेत्रेश्वर्यै
त्रिपुरेश्वर्यै	त्रिनेत्रायै
त्रिलोकस्थायै ७१०	त्रिनेत्रवरवर्णिन्यै
त्रिपुर्यै	त्रिवल्यै
त्रिपुराम्बिकायै	त्रिवलीयुक्तायै
त्रिपुरारिसमाराध्यायै	त्रिशूलवरधारिण्यै ७४०
त्रिपुरारिवरप्रदायै	त्रिशूलेश्वर्यै
त्रिपुरारिशिरोभूषायै	त्रिशूलीश्वर्यै
त्रिपुरारिसुखप्रदायै	त्रिशूलभृते
त्रिपुरारीष्टसन्दात्र्यै	त्रिशूलिन्यै
त्रिपुरारीष्टदेवतायै	त्रिमनवे
त्रिपुरारिकृतार्धाङ्ग्यै	त्रिमनूपास्यायै
त्रिपुरारि विलासिन्यै ७२०	त्रिमनूपासकेश्वर्यै

त्रिमनुजपसन्तुष्टायै	त्रिवर्णेश्वर्यै
त्रिमनोस्तूर्णसिद्धिदायै	त्रिवर्णोपासिरूपिण्यै
त्रिमनुपूजनप्रीतायै ७५०	त्रिवर्णस्थायै
त्रिमनुध्यानमोक्षदायै	त्रिवर्णाढ्यायै
त्रिविधायै	त्रिवर्णवरदायिन्यै
त्रिविधायै भक्त्यै	त्रिवर्णाद्यायै ७८०
त्रिमतायै	त्रिवर्णाच्ययै
त्रिमतेश्वर्यै	त्रिवर्गफलदायिन्यै
त्रिभावस्थायै	त्रिवर्गाढ्यायै
त्रिभावेभ्यै	त्रिवर्गेश्वर्यै
त्रिभावपरिपूरितायै	त्रिवर्गाद्यफलप्रदायै
त्रितत्त्वात्मने	त्रिसन्ध्याच्ययै
त्रितत्त्वेभ्यै ७६०	त्रिसन्ध्येभ्यै
त्रितत्त्वज्ञायै	त्रिसन्ध्याराधनेष्टदायै
त्रितत्त्वधृषे	त्रिसन्ध्यार्चनसन्तुष्टायै
त्रितत्त्वाचमनप्रीतायै	त्रिसन्ध्याजपमोक्षदायै ७९०
त्रितत्त्वाचमनेष्टदायै	त्रिपदाराधितपदायै
त्रिकोणस्थायै	त्रिपदायै
त्रिकोणेभ्यै	त्रिपदेश्वर्यै
त्रिकोणचक्रवासिन्यै	त्रिपदाप्रतिपाद्येभ्यै
त्रिकोणचक्रमध्यस्थायै	त्रिपदाप्रतिपादिकायै
त्रिकोणबिन्दुरूपिण्यै	त्रिशक्त्यै
त्रिकोणयन्त्रसंस्थानायै ७७०	त्रिशक्तीभ्यै
त्रिकोणयन्त्ररूपिण्यै	त्रिशक्तेष्टफलप्रदायै
त्रिकोणयन्त्रसंपूज्यायै	त्रिशक्तेष्टायै
त्रिकोणयन्त्र सिद्धिदायै	त्रिशक्तीष्टायै ८००
त्रिवर्णाढ्यायै	त्रिशक्तिपरिवेष्टितायै

त्रिवेण्यै	त्रिदशप्राथ्यायै
त्रिवेणीस्त्रियै	त्रिदशाशुवरप्रदायै ८३०
त्रिवेणीमाधवार्चितायै	त्रिदशैश्वर्यसंपन्नायै
त्रिवेणीजलसन्तुष्टायै	त्रिदशेश्वरसेवितायै
त्रिवेणीस्नानपुण्यदायै	त्रियामाचार्यायै
त्रिवेणीजलसंस्नातायै	त्रियामेश्वर्यै
त्रिवेणीजलरूपिण्यै	त्रियामानन्तसिद्धिदायै
त्रिवेणीजलपूताङ्गायै	त्रियामेशाधिकज्योत्स्नायै
त्रिवेणीजलपूजितायै ८१०	त्रियामेशाधिकाननायै
त्रिनाडीस्थायै	त्रियामानाथवत्सौम्यायै
त्रिनाडीश्वर्यै	त्रियामानाथभूषणायै
त्रिनाडीमध्यगामिन्यै	त्रियामानाथलावण्यरत्नको-
त्रिनाडीसन्ध्यसंछेयायै	टियुताननायै ८४०
त्रिनाड्यै	त्रिकालस्थायै
त्रिकोटिन्यै	त्रिकालज्ञायै
त्रिपञ्चाशते	त्रिकालज्ञत्वकारिण्यै
त्रिरेखायै	त्रिकालेश्वर्यै
त्रिशक्तिपथगामिन्यै	त्रिकालाचार्यायै
त्रिपथस्थायै ८२०	त्रिकालज्ञत्वदायिन्यै
त्रिलोकेश्वर्यै	तीरभुजे
त्रिकोटिकुलमोक्षदायै	तीरगायै
त्रिरामेश्वर्यै	तीरसरितायै
त्रिरामाचार्यायै	तीरवासिन्यै ८५०
त्रिरामवरदायिन्यै	तीरभुग्देशसञ्जातायै
त्रिदशाश्रितपादाब्जायै	तीरभुग्देशसंस्थितायै
त्रिदशालयचञ्चलायै	तिग्मायै
त्रिदशायै	तिग्मांशुसङ्काशायै

तिग्मांशुक्रोडसंस्थितायै	तुरंगपृष्ठगामिन्यै
तिग्मांशुकोटिदीप्तांग्यै	तुरंगगमनाह्लादायै
तिग्मांशुकोटिविग्रहायै	तुरंगवेगगामिन्यै
तीक्ष्णायै	तुरीयायै
तीक्ष्णतरायै	तुलनायै
तीक्ष्णमहिषासुरसंस्थितायै ८६०	तुल्यायै
तीक्ष्णकर्त्रीलसत्पाणये	तुल्यवृत्तये
तीक्ष्णासिवरधारिण्यै	तुल्यकृते
तीव्रायै	तुलनेभ्यै ८९०
तीव्रगतये	तुलाराङ्ग्यै
तीव्रासुरसंघविनाशिन्यै	तुलाराङ्गीत्वसूक्ष्मविदे
तीव्राष्टनागाभरणायै	तुम्बिकायै
तीव्रमुण्डविभूषणायै	तुम्बिकापात्रभोजनायै
तीर्थात्मिकायै	तुम्बिकार्थिन्यै
तीर्थमय्यै	तुलस्यै
तीर्थेभ्यै ८७०	तुलसीवर्यायै
तीर्थपूजितायै	तुलजायै
तीर्थराजेश्वर्यै	तुलजेश्वर्यै
तीर्थफलदायै	तुषाग्निव्रतसन्तुष्टायै ९००
तीर्थदानदायै	तुषाग्रये
तुमुल्यै	तुषराशिकृते
तुमुलप्राङ्ग्यै	तुषारकरशीतांग्यै
तुमुलासुरघातिन्यै	तुषारकरपूर्तिकृते
तुमुलक्षतजप्रीतायै	तुषाराद्रये
तुमुलाङ्गणनर्तक्यै	तुषाराद्रिसुतायै
तुरग्यै ८८०	तुहिनदीधितये
तुरगारूढायै	तुहिनाचलकन्यायै

तुहिनाचलवासिन्यै

तुर्यवर्गेश्वर्यै ९२०

तुर्यवर्गदायै

तुर्यवेददायै

तुर्यवर्यात्मिकायै

तुर्यायै

तुर्येश्वर स्वरूपिण्यै

तुष्टिदायै

तुष्टिकृते

तुष्ट्यै

तूणीरद्वयपृष्ठधृषे

तुंबुराज्ञान सन्तुष्टायै ९३०

तुष्टसंसिद्धिदायिन्यै

तूर्णराज्यप्रदायै

तूर्णगद्गदायै

तूर्णपद्यदायै

तूर्णपाण्डित्यसन्दात्र्यै

तूर्णायै

तूर्णबलप्रदायै

तृतीयायै

तृतीयेभ्यै

तृतीयातिथिपूजितायै ९४०

तृतीयाचन्द्रचूडेभ्यै

तृतीयाचन्द्रभूषणायै

तृप्त्यै

तृप्तिकर्यै

तृप्तायै

तृष्णायै

तृष्णाविवर्धिन्यै

तृष्णापूर्णकर्यै

तृष्णानाशिन्यै

तृषितायै ९५०

तृषायै

त्रेतासंसाधितायै

त्रेतायै

त्रेतायुगफलप्रदायै

त्रैलोक्यपूज्यायै

त्रैलोक्यदात्र्यै

त्रैलोक्यसिद्धिदायै

त्रैलोक्येश्वरतादात्र्यै

त्रैलोक्यपरमेश्वर्यै

त्रैलोक्यमोहनेशान्यै ९६०

त्रैलोक्यराज्यदायिन्यै

तैत्रिशाखेश्वर्यै

तैत्रिशाखायै

तैत्रिविवेकविदे

तोरणान्वितगेहस्थायै

तोरणासक्तमानसायै

तोलकास्वर्णसन्दात्र्यै

तोलकास्वर्णकङ्कणायै

तोमरायुधरूपायै

तोमरायुधधारिण्यै ९७०

तौर्यत्रिकेश्वर्यै

तौर्यत्रिक्यै

तौर्यत्रिकोत्सुक्यै	तन्त्र्यै
तन्त्रकृते	तन्त्रभृते
तन्त्रवत्सूक्ष्मायै	तन्त्रमन्त्रदायै
तन्त्रमन्त्रस्वरूपिण्यै	तन्त्राद्यायै ९९०
तन्त्रकृते	तन्त्रगायै
तन्त्रसंपूज्यायै	तन्त्रायै
तन्त्रेश्यै	तन्त्राच्यै
तन्त्रसंमतायै ९८०	तन्त्रसिद्धिदायै
तन्त्रज्ञायै	तन्त्रविज्ञायै
तन्त्रविदे	तन्त्ररतायै
तन्त्रसाध्यायै	तन्त्रगोप्यायै
तन्त्रस्वरूपिण्यै	तान्त्रिक्यै
तन्त्रस्थायै	तारस्वरेण महितायै
तन्त्रजायै	तन्त्राचारफलप्रदायै (१०००)

श्रीतारासहस्रनामावलिः (२)

तारायै नमः

रात्र्यै

महारात्र्यै

कालरात्र्यै

कपालिन्यै

कालिकायै

कामदायै

मायायै

महामायायै

महोत्सवायै १०

महादानरतायै

यज्ञायै

यज्ञोत्सवविभूषितायै

चन्द्रवक्त्रायै

चकोराक्ष्यै

चारुनेत्रायै

सुलोचनायै

त्रिनेत्रायै

पद्मपत्राक्ष्यै

कुरङ्गाक्ष्यै २०

मनोहरायै

ब्राह्म्यै

नारायण्यै

ज्योत्स्नायै

चारुकेभ्यै

सुलोचनायै

वाराह्यै

वारुण्यै

विद्यायै

महाविद्यायै ३०

महेश्वर्यै

पिङ्गायै

कुञ्चितकेभ्यै

महायज्ञस्वरूपिण्यै

गौर्यै

चंपकवर्णायै

कृशाङ्ग्यै

कुलपूजितायै

सर्वानन्दस्वरूपायै

सर्वसङ्कटतारिण्यै ४०

नित्यायै

नित्यमय्यै

नन्दायै

भद्रायै

नीलसरस्वत्यै

गायत्र्यै

सुचरित्रायै

कौलव्रतपरायणायै

हिरण्यगर्भायै

भूगर्भायै ५०

विश्वगभयै	धृत्यै
यशस्विन्यै	मेधायै
हिमवत्तनयायै	लक्ष्म्यै ८०
दिव्यायै	श्रद्धायै
दिव्यांबरविभूषणायै	पन्नगशायिन्यै
जगन्मात्रे	रुक्मिण्यै
जगद्धात्र्यै	जानक्यै
जगतामुपकारिण्यै	दुर्गायै
ऐन्द्र्यै	सत्यायै
सौम्यायै ६०	सत्यवत्यै
याम्यायै	रत्यै
वारुण्यै	कामाख्यायै
वायव्यै	मोक्षदायै ९०
आग्नेय्यै	नन्दायै
नैऋत्यै	नारसिंह्यै
ऐशान्यै	सरस्वत्यै
चण्डिकायै	महादेवरतायै
अंबिकायै	चण्ड्यै
सुमेरुतनयायै	चण्डदोर्दण्ड खण्डिन्यै
वन्द्यायै ७०	दीर्घकेश्यै
सर्वेषामुपकारिण्यै	सुकेय्यै
ललज्जिह्वायै	पिङ्गकेश्यै
सरोजाक्ष्यै	महाकचायै १००
मुण्डस्रजविभूषणायै	भवान्यै
सर्वानन्दमय्यै	भवपत्न्यै
सर्वायै	भवभीतिहरायै
सर्वानन्दस्वरूपिण्यै	शच्यै

पौरन्दर्यै	पार्वत्यै
विष्णोर्जायायै	हरवल्लभायै
माहेश्वर्यै	कामरूपायै
परायै	महेशान्यै
सर्वेषां जनन्यै	नित्योत्साहायै
नित्यायै ११०	मनस्विन्यै
चार्वाङ्ग्यै	वैकुण्ठनाथपत्न्यै
दैत्यनाशिन्यै	शङ्करवल्लभायै
घोररूपायै	काश्यप्यै १४०
महेशान्यै	कमलायै
कामिन्यै	कृष्णायै
वरवर्णिन्यै	कञ्जपत्रायतेक्षणायै
महाविद्यायै	माहेश्वर्यै
महामायायै	वृषारूढायै
महामेधायै	पूर्णचन्द्रनिभाननायै
महोत्सवायै १२०	मान्यायै
विरूपायै	मानवत्यै
विश्वरूपायै	धन्यायै
मृडान्यै	कन्यायै १५०
मृडवल्लभायै	हिमगिरेः सुतायै
महापुण्यप्रदायै	अपर्णायै
भीमायै	पद्मपत्राक्ष्यै
मधुकैटभनाशिन्यै	नागयज्ञोपवीतिन्यै
कौटिचन्द्रप्रतीकाशायै	महाशंखधरायै
शतसूर्यसमप्रभायै	कान्तायै
जह्नुकन्यायै १३०	कमनीयायै
मनोज्ञायै	नगात्मजायै

ब्रह्माण्यै
 वैष्णव्यै १६०
 शंभोर्जायायै
 गंगायै
 जलेश्वर्यै
 भागीरथ्यै
 मनसे
 बुद्धयै
 नित्यायै
 सदानन्दमय्यै
 हरप्रियायै
 गिरिसुतायै १७०
 हरपत्न्यै
 तपस्विन्यै
 महाव्याधिहरायै
 देव्यै
 शुंभासुरनिषूदिन्यै
 महापुण्यप्रदायै
 भीमायै
 मधुकैटभनाशिन्यै
 शंखिन्यै
 चक्रिण्यै १८०
 धात्र्यै
 हस्ते पुस्तकधारिण्यै
 चामुण्डायै
 चपलायै
 तुङ्गायै

भद्रायै
 दैत्यनिकृन्तन्यै
 शान्त्यै
 निद्रायै
 महानिद्रायै १९०
 गुह्यनिद्रायै
 रेणुकायै
 कौमार्यै
 कुलजायै
 कुञ्जयै
 कौलव्रतपरायणायै
 नवदुर्गायै
 सदाचारायै
 द्रौपद्यै
 द्रुपदात्मजायै २००
 सृष्ट्यै
 सर्वाद्यकालीनायै
 निशुंभप्राणनाशिन्यै
 पद्मिन्यै
 वसुधायै
 पृथ्व्यै
 रोहिण्यै
 विन्ध्यवासिन्यै
 शिवायै
 शक्त्यै २१०
 महाशक्त्यै
 शाङ्कर्यै

शक्तिवल्लभायै	पुष्टायै २४०
दैत्यप्राणहरायै	ऊर्वश्यै
दात्र्यै	वज्रिण्यै
दयायै	वज्रहस्तायै
दामोदरप्रियायै	नारायण्यै
क्षान्त्यै	शिवायै
क्षेमकर्यै	खण्डिन्यै
बुद्धयै २२०	खड्गहस्तायै
बौद्धाचार परायणायै	कर्तृखर्परधारिण्यै
श्रीविद्यायै	देवांगनायै
भैरव्यै	देवमान्यायै २५०
भव्यायै	देवकन्यायै
भारत्यै	पुलोमजायै
भयनाशिन्यै	स्रग्विण्यै
तापस्यै	स्रग्वदात्र्यै
तारिण्यै	सर्वसौख्यविवर्धिन्यै
तीक्ष्णायै	शीलायै
तीक्ष्णदैत्यविनाशिन्यै २३०	शीलवत्यै
दात्र्यै	सूक्ष्मायै
दानपरायै	सूक्ष्माकारायै
काल्यै	वरप्रदायै २६०
दुर्गायै	वरेण्यायै
दैत्यविनाशिन्यै	वरदायै
पद्मायै	वाण्यै
पद्मावत्यै	ज्ञानिन्यै
हृष्टायै	ज्ञानदायै
तुष्टायै	अमलायै

उग्रकाल्यै
 महाकाल्यै
 भद्रकाल्यै
 दक्षिणायै २७०
 भृगुवंशसमुद्भूतायै
 भार्गव्यै
 भृगुवल्लभायै
 शूलिन्यै
 शूलहस्तायै
 मयूरवरवाहनायै
 महामांसरतायै
 रक्तायै
 रक्तखर्परधारिण्यै
 रक्तांबरधरायै २८०
 अनामायै
 रमण्यै
 सुरनायिकायै
 परमानन्ददायै
 ज्येष्ठायै
 योगिनीगणसेवितायै
 अम्बायै
 जांबवत्यै
 सत्यायै
 सत्यभामायै २९०
 नगात्मजायै
 रौद्र्यै
 रौद्रस्वनायै

रौद्रायै
 रौद्रदैत्यविनाशिन्यै
 कुमार्यै
 कौशिक्यै
 विद्यायै
 कालदैत्यविनाशिन्यै
 शंभुपत्न्यै ३००
 शंभुरतायै
 शंभुजायायै
 महोदर्यै
 शिवपत्न्यै
 शिवरतायै
 शिवजायायै
 अंबिकायै
 हरपत्न्यै
 हररतायै
 हरजायायै ३१०
 शूलिन्यै
 मदनान्तककान्तायै
 मदनान्तकवल्लभायै
 गिरिजायै
 गिरिकन्यायै
 गिरिशस्य वल्लभायै
 भूतभव्यायै
 भवायै
 पुष्टायै
 पावन्यै ३२०

परिपालिन्यै	कपर्दिन्यै
अदृश्यायै	कल्पनाभायै
अव्यक्तरूपायै	सुमनानन्दवर्धिन्यै ३५०
इष्टायै	उदीर्णभूषणायै
स्वैष्टप्रवर्धिन्यै	भव्यायै
अच्युतायै	सुरसेनायै
प्रच्युतायै	सुरेश्वर्यै
प्राणायै	श्रीमत्यै
प्राणदायै	शिशिरानन्दायै
वासवेश्वर्यै ३३०	शिशिराचलकन्यकायै
अपांनिधिसमुद्भूतायै	सुरमान्यायै
धारिण्यै	सुरश्रेष्ठायै
प्रतिष्ठितायै	ज्येष्ठायै ३६०
उद्भवायै	प्राणेश्वर्यै
क्षोभणायै	स्थिरायै
क्षेमायै	तमोघ्न्यै
श्रीगर्भायै	ध्वान्तसंहन्त्र्यै
परमेश्वर्यै	प्रयतात्मने
करालायै	पवित्रितायै
पुष्टदेहायै ३४०	प्रद्योतिन्यै
कारिण्यै	रथारूढायै
कञ्जलोचनायै	सर्वलोकप्रकाशिन्यै
शरण्यायै	मेधाविन्यै ३७०
कमलायै	महावीर्यायै
प्रीतायै	हंस्यै
विमलायै	संसारतारिण्यै
आनन्दवर्धिन्यै	प्रणतप्राणिनामार्तिहारिण्यै

दैत्यनाशिन्यै

डाकिन्यै

शाकिन्यै

शीलायै

वरखट्वाङ्गधारिण्यै

कौमुद्यै ३८०

कुमुदायै

कुन्दायै

कौलिकायै

कुलजात्मजायै

गर्वितायै

गुणसंपन्नायै

नगजायै

खगवाहिन्यै

चन्द्राननायै

महोग्रायै ३९०

चारुमूर्धजशोभितायै

मनोज्ञायै

माधव्यै

मान्यायै

माननीयायै

महद्गुणायै

ज्येष्ठायै

मघायै

पुष्यायै

धनिष्ठायै ४००

पूर्वफल्गुन्यै

रक्तबीजदिहन्त्र्यै

रक्तबीजविनाशिन्यै

चण्डमुण्डारिहन्त्र्यै

चण्डमुण्डविनाशिन्यै

कर्त्र्यै

हर्त्र्यै

सुकर्त्र्यै

विमलायै

अमलवाहिन्यै ४१०

निर्मलायै

भास्कर्यै

भीमायै

महिषासुरघातिन्यै

कालिन्यै

यमुनायै

वृद्धायै

युवत्यै

बालिकायै

कौसल्यायै ४२०

कौमुद्यै

माद्र्यै

कन्धत्यै

अरुन्धत्यै

पुरारिगृहिण्यै

पूर्णायै

पूर्णरूपायै

यशस्विन्यै

संपूर्णचन्द्रवदनायै
 बालचन्द्रसमप्रभायै ४३०
 रेवत्यै
 रमण्यै
 चित्रायै
 विचित्रांबरभूषणायै
 वीणायै
 वीणावत्यै
 विद्यायै
 यशोदायै
 यशस्विन्यै
 नवपुष्पसमुद्भूतायै ४४०
 नवपुष्पासवोत्सुकायै
 नवपुष्पस्रजायै
 मालायै
 माल्यभूषणशोभितायै
 नवपुष्पसमप्राणायै
 नवपुष्पसमुत्सुकायै
 नवपुष्पात्मकायै
 पुष्पायै
 पुष्पस्रजविभूषणायै
 नवपुष्पगुणोपेतायै ४५०
 नवपुष्पोपशोभितायै
 नवपुष्पप्रियायै
 प्रीतायै
 प्रेममण्डलमध्यगायै
 कुलशास्त्रप्रदीप्तायै

कुलमार्गप्रवर्धिन्यै
 श्मशानभैरव्यै
 कालभैरव्यै
 भैरवीप्रियायै
 आनन्दभैरव्यै ४६०
 ध्यानभैरव्यै
 पुरभैरव्यै
 महाभैरवपट्ट्यै
 भैरव्यै
 लोकभैरव्यै
 सुविद्याभैरव्यै
 नीतिभैरव्यै
 गुणभैरव्यै
 संमोहभैरव्यै
 पुष्टिभैरव्यै ४७०
 तुष्टिभैरव्यै
 सृष्टिस्थितिभैरव्यै
 भैरव्यै
 स्थितिभैरव्यै
 पुण्डरीकाक्षगृहिण्यै
 पुण्डरीकाक्षवल्लभायै
 आनन्दसुन्दर्यै
 वीरसुन्दर्यै
 स्थिति सुन्दर्यै
 आनन्दसुन्दर्यै ४८०
 कालसुन्दर्यै
 पुरसुन्दर्यै

मायायै
 सुन्दर्यै
 सौम्यायै
 सुन्दर्यै
 लोकसुन्दर्यै
 विद्यासुन्दर्यै
 नीतिसुन्दर्यै
 गुणसुन्दर्यै ४९०
 मल्लिकाहाररसिकायै
 मल्लिकाहारशोभितायै
 नवचंपकवर्णाभायै
 नागकेशरशोभितायै
 जपाकुसुमसङ्काशायै
 जपाकुसुमशोभितायै
 प्रियायै
 विष्णोः प्रियङ्कर्यै
 दानवेन्द्रविनाशिन्यै
 ज्ञानेश्वर्यै ५००
 ज्ञानदात्र्यै
 ज्ञानानन्दप्रदायिन्यै
 गुणगौरवसंपन्नायै
 गुणशीलसमन्वितायै
 रूपयौवनसंपन्नायै
 रूपयौवनशोभितायै
 गुणाश्रयायै
 गुणवत्यै
 गुणगौरवसुन्दर्यै

लसत्तारापतिप्रख्यायै ५१०
 ताटङ्कद्वयशोभितायै
 वृक्षमूलस्थितायै
 देव्यै
 वृक्षशाखोपरिस्थितायै
 वृक्षमध्याग्रनिलयायै
 वृक्षमध्यनिवासिन्यै
 कुमुद्वत्यै
 कुमुदिन्यै
 कुमुदायै
 कुमुदाकरायै ५२०
 कुसुंभरूपरुचिरायै
 कुसुंभारुणमस्तकायै
 स्वयंभूपुष्पसंकाशायै
 स्वयंभूपुष्पधारिण्यै
 स्वयंभूपुष्पसरसायै
 मग्न्यायै
 सदा ध्यानवत्यै
 शुक्रप्रियायै
 शुक्ररतायै
 शुक्रमज्जनतत्परायै ५३०
 पणायै
 अपणायै
 सुपणायै
 निष्पन्नायै
 पापनाशिन्यै
 मदिरायै

मोदसंपन्नायै	निशामूर्तये
मदिरामोदधारिण्यै	निशायै
सर्वाश्रयायै	चन्द्रसमप्रभायै
सर्वगुणायै ५४०	चान्द्रयै
आनन्दकन्दलकारिण्यै	चन्द्रकलायै
नारीपुष्पसमप्राणायै	चन्द्रायै
नारीपुष्पसमुत्सुकायै	चारुचन्द्रसमप्रभायै ५७०
नारीपुष्पोत्सवायै	स्रोतस्विन्यै
नार्यै	स्रोतवत्यै
नारीपुष्परतायै	सर्वदुःखार्तिनाशिन्यै
मृग्यै	सर्वाधारायै
चतुर्भुजायै	सर्वमय्यै
दशभुजायै	सर्वानन्दप्रवर्धिन्यै
अष्टादशभुजायै ५५०	सर्वचक्रेश्वर्यै
द्विभुजायै	सर्वायै
षड्भुजायै	सदा सर्वमन्त्रमय्यै
अष्टारपंकजोपरिसंस्थितायै	सहस्रनयनप्राणायै ५८०
कौबेर्यै	सहस्रनयनप्रियायै
कौरव्यै	सहस्रशीर्षायै
कौर्व्यायै	सुसमायै
कुरुकुलायै	सदंभायै
कपालिन्यै	सर्वभक्षिकायै
विपर्यै	षष्टिकायै
कदलीजङ्घायै ५६०	षट्सुचक्रस्थायै
रंभोरवे	षड्वर्गफलदायिन्यै
रामवल्लभायै	षड्विंशपद्ममध्यस्थायै
निशाचर्यै	षड्विंशदलमध्यगायै ५९०

हकारवर्ण निलयायै	खद्योत इव चञ्चलायै
हकाराक्षरभूषितायै	गयायै
हारिण्यै	गदायै ६२०
हारवनितायै	गुणप्रीतायै
हारहीरकशोभितायै	गीतवाद्यप्रियायै
हींकारबीजसहितायै	गतये
हींकारैरुपशोभितायै	गणेश्वर्यै
कन्दर्पस्य कलायै	गणेश्यायै
कुल्यायै	गणपूज्यायै
कौलिन्यै ६००	गणप्रदायै
कुलतर्पितायै	गुणढ्यायै
केतकीकुसुमप्राणायै	गुणसंपत्तये
केतकीकृतभूषणायै	गुणदात्र्यै ६३०
केतकीकुसुसक्तायै	गुणात्मिकायै
केतकीपरिभूषितायै	गुर्व्यै
कर्पूरपूर्णवदनायै	गुरुतरायै
कलानाथसमप्रभायै	गौर्यै
कलायै	गाणपत्यफलप्रदायै
केलिप्रियायै	घर्मांशुगृहिण्यै
कीर्णकदंबकुसुमोत्सुकायै ६१०	घर्मायै
कादम्बिन्यै	घर्मसिन्धुनिवासिन्यै
करिगतये	घर्घरायै
कुञ्जेश्वरगामिन्यै	घोरवदनायै ६४०
खवायै	घोरदैत्यविनाशिन्यै
खञ्जनद्वन्द्वलोचनायै	घोषायै
खड्ग भूषितायै	घोषवत्यै
खद्योत इव दुर्लक्ष्यायै	घोष्यायै

घोषपुत्र्यै	छलप्रियायै
घनालयायै	छद्मिन्यै
चर्वर्यै	छद्मनिरतायै
चारुनयनायै	छद्मायै
चारुवक्त्रायै	छद्मनिवासिन्यै
चतुर्गुणायै ६५०	जगन्नाथप्रियायै
चतुर्वेदमय्यै	जीवायै
पूर्णचन्द्रास्यायै	जगन्नाथरतायै
चतुराननायै	जरायै ६८०
चलच्चकोरनयनायै	जीर्णायै
चलत्खञ्जनलोचनायै	जीमूतवनितायै
चलदंभोजवदनायै	जीमूतरूपशोभितायै
चलदंभोजशोभितायै	जामातृवरदायै
छात्र्यै	जुंभायै
छत्रप्रियायै	जमलार्जुनधारिण्यै
छत्रायै ६६०	जरायै
छत्रचामरशोभितायै	जरान्वितायै
छिन्नायै	जुंभायै
छर्दिच्छिन्नशिरसे	जंभारातिवरप्रदायै ६९०
छिन्ननासायै	जितायै
छलान्वितायै	जयित्र्यै
छलाद्यायै	जयदायै
छलसन्त्रस्तायै	जयदात्र्यै
छलरूपायै	जयप्रदायै
छलच्छिरायै	झल्लरायै
छकारवर्णनिलयायै ६७०	झीत्कृत्यै
छकाराद्यायै	झिल्लयै

झर्यै	तन्त्रनारीरतातुरायै
झर्झरिकायै ७००	तपःप्रभावायै
टाङ्कारकारिण्यै	तन्त्रज्ञायै
टीत्कारिण्यै	तन्त्रसार फलप्रदायै
टङ्कधारिण्यै	तपस्यायै ७३०
ठकुराज्ञायै	तौलिन्यै
डमरुकरायै	तात्त्यै
डात्कार्यै	तार्तीयायै
डमरुप्रियायै	तुलस्यै
ढक्कारवाद्यढक्कार्यै	तुषायै
तुलस्यै	तुषारकरपूर्णास्यायै
तालभक्षिकायै ७१०	तुषारकरमण्डितायै
तुलायै	तुहिनांशुसमाभासायै
तौलिनिकायै	तुहिनांशुसमप्रभायै
तीर्णायै	तुषारकरतुल्यांग्यै ७४०
तारायै	तुषारकरसुन्दर्यै
तारिणिकायै	तुषारधामतुल्यास्यायै
तन्त्रविज्ञायै	तुषारांशुसमाननायै
तन्त्ररतायै	तुहिनाद्रिसुतायै
तन्त्रविद्यायै	ताक्षायै
तन्त्रदायै	तालाङ्ग्यै
तान्त्रिकायै ७२०	तालवर्जितायै
तन्त्रगोप्यायै	तारस्वरेण सहितायै
तन्त्रसारायै	तारस्वरविभूषितायै
तन्त्रपायै	थकारकूटनिलयायै ७५०
तन्त्रधात्र्यै	थकाराक्षरमालिन्यै
तन्त्रकार्यै	दयावत्यै

दीनरतायै	धन्यायै ७८०
दुःखदारिद्र्यनाशिन्यै	धनेश्वरवरप्रदायै
दौर्भाग्यदुःखदलिन्यै	धर्मिण्यै
दौर्भाग्यापदनाशिन्यै	धार्मिकायै
दुहित्रे	धर्म्यायै
दीनबन्धवे	धर्माधर्मप्रवर्धिन्यै
दानवेन्द्र विमर्दिन्यै	धर्मेश्वर्यै
दानदात्र्यै ७६०	धर्मदात्र्यै
दानपरायै	धर्मानन्दप्रवर्धिन्यै
दानसंमानतोषितायै	धनाध्यक्षायै
दाल्भ्यादिसेवितायै	धनप्रीतायै ७९०
दान्तायै	धनाढ्यायै
दामोदरपरायणायै	धनतोषितायै
दधीचिवरदायै	धीरायै
दुष्टायै	धैर्यवत्यै
दानवेन्द्र विनाशिन्यै	धृष्ण्यायै
दीर्घनेत्रायै	धवलांभोजसन्निभायै
दीर्घकचायै ७७०	धरिण्यै
दीर्घनासायै	धारिण्यै
दीर्घिकायै	धात्र्यै
दारिद्र्यदुःखशमन्यै	धुरीणायै ८००
दुष्टासुरनिषूदिन्यै	धवलास्पदायै
दंभिकायै	धार्मिकायै
दंभहायै	धर्मसहितायै
दंभायै	धर्मनिन्दकवर्जितायै
दनुजेन्द्रविनाशिन्यै	नवीनायै
धनधान्यप्रदायै	निरजायै

निम्नायै	नवीनकेतकीकुन्दमन्दार-
निम्ननाभये	स्रजभूषितायै
नगेश्वर्यै	नायिकायै
नूतनांभोजनयनायै ८१०	नायकप्रीतायै
नवीनांभोजसुन्दर्यै	नायकप्रेमतोषितायै
नागर्यै	नायकप्रेमसहितायै
नागराजेज्यायै	नायकप्रेमपोषितायै
नागराजसुतायै	नायकानन्द निलयायै ८४०
नगायै	नायकानन्दकारिण्यै
नागराजपतये	नर्मकर्मरतायै
नग्रायै	निद्रायै
नागराजविभूषितायै	नर्मकर्मपरायणायै
नगेश्वर्यै	नर्मकर्मप्रियायै
नगारूढायै ८२०	नर्मायै
नगराजकुलेश्वर्यै	नर्मधर्मपरायणायै
नवीनेन्दुकलानन्दायै	नर्मप्रीतायै
नन्दिकेश्वरवल्लभायै	नर्मरतायै
नीरजायै	नर्मध्यानपरायणायै ८५०
नीरजाक्ष्यै	नर्मकर्मैकसहितायै
नीरजद्वन्द्वलोचनायै	नर्मकर्मैकपालिकायै
नीरसूतायै	नरनारीगुणप्रीतायै
नीरभवायै	नरनारीवरप्रदायै
नीरनिर्मलदेहिन्यै	नारायणप्रियायै
नागयज्ञोपवीताढ्यायै ८३०	निष्कायै
नागयज्ञोपवीतिकायै	निष्कवर्णायै
नागकेसरसन्तुष्टायै	नकारहायै
नागकेसरमालिन्यै	पुष्पप्रियायै

पुष्परतायै ८६०	फणीशकृतसर्वाङ्गभूषणायै
पौष्पीपानपरायणायै	फणिवाहिन्यै
पुष्पप्रीतायै	फणिप्रीतायै
पुष्पेज्यायै	फणिरतायै ८९०
पुष्पदामविभूषणायै	फणिकंकणधारिण्यै
पुण्यदायै	फलदात्र्यै
पूर्णमायै	फलासक्तायै
पुण्यायै	फलाभरणभूषितायै
पुण्यकोटिफलप्रदायै	फकारकूटसर्वाङ्ग्यै
पुराणागमवेद्यायै	फाल्गुनानन्दवर्धिन्यै
पुराणागमगोपितायै ८७०	वासुदेवरतायै
पुराणागमगोप्यायै	विज्ञायै
पुराणागमतोषितायै	विज्ञविज्ञानकारिण्यै
पुराणगोचरायै	वीणावत्यै ९००
पूर्वायै	बलाकीर्णायै
पूर्णायै	बालपीयूषरोचिषायै
प्रौढविनाशिन्यै	बालायै
प्रह्लादहृदयाह्लादगेहिन्यै	वसुमत्यै
पुण्यचारिण्यै	विद्यायै
फाल्गुन्यै	विद्याहारविभूषितायै
फाल्गुनप्रीतायै ८८०	विद्यावत्यै
फाल्गुनप्रेमधारिण्यै	वैद्यपदाप्रीतायै
फल्गुफलप्रदायै	वैवस्वत्यै
फणिराजविभूषितायै	बल्यै ९१०
फणाकारायै	वाण्यै
फणिप्रीतायै	विलासकरण्यै
फणिहारविभूषितायै	वराङ्गस्थायै

वराननायै
 विष्णोर्वक्षः स्थलस्थायै
 वाग्वत्यै
 विन्ध्यगोहिन्यै
 निवारतरुसंस्थायै
 नीवारकुसुमोत्सुकायै
 भीतिहायै ९२०
 भयदायै
 भानोरंशुजालसमप्रभायै
 भार्गवेज्यायै
 भृगोः पूज्यायै
 भारद्वाजनमस्कृतायै
 भीतिहायै
 भयसंपन्नायै
 भीमाकाराभ्रसुन्दर्यै
 मायाधर्यै
 मानरतायै ९३०
 मानसंमानतत्परायै
 माधवानन्ददायै
 माध्यै
 मदिरायै
 मदिरैक्षणायै
 महोत्साहगुणोपेतायै
 महत्यै
 महदद्भुतायै
 मदिरामोदरमितायै
 मदिरामज्जने रतायै ९४०

यशोधर्यै
 यशोविद्यायै
 यशोदानन्दवर्धिन्यै
 यशःकर्पूरधवलायै
 यशोदामविभूषणायै
 यमराजस्वप्ने
 योगमार्गानन्दप्रवर्धिन्यै
 यादवानन्दकरिण्यै
 यादवानन्दवर्धिन्यै
 यज्ञप्रीतायै ९५०
 यज्ञमय्यै
 यज्ञकर्मविभूषणायै
 रामप्रियायै
 रामरतायै
 रामतोषणतत्परायै
 राज्ञ्यै
 राजकुलेज्यायै
 राजराजेश्वर्यै
 रमायै
 रमण्यै ९६०
 रामण्यै
 रम्यायै
 रामानन्द प्रदायिन्यै
 रजनीकरपूर्णास्यायै
 रक्तोत्पलविलोचनायै
 लांगलीप्रेमसन्तुष्टायै
 लांगलीप्रणयप्रीयायै

लाक्षारुणायै	हीविशोभितायै
ललनायै	क्षेमायै
लीलायै ९७०	अंबायै ९९०
लीलावत्यै	आज्ञायै
लयायै	इडायै
लंकेश्वरगुणप्रीतायै	ईश्वरवल्लभायै
लंकेशवरदायिन्यै	उग्राख्यायै
लवंगकुसुमप्रीतायै	ऊर्णायै
लवंगकुसुमस्रजायै	ऋकारायै
बालायै	ऋस्वरोद्भवायै
विवस्वद्गृहिण्यै	लृकारवर्णकूटस्थायै
विवस्वत्प्रेमधारिण्यै	लृकारस्वरभूषितायै
शबलायै ९८०	एकारवर्ण कूटस्थायै १०००
शरलायै	एकारस्वरभूषितायै
शल्ल्यायै	एष्यायै
शरण्यायै	ऐष्यायै
श्रियै	ओषायै
शरदुणायै	औकाराक्षररूपिण्यै
षट्कोणचक्रमध्यस्थायै	अंसायै
संपदायै	अःकारवनितायै
	सर्वागमसुगोपितायै १००८

श्री षोडशी-अष्टोत्तर शतनामावलि:

त्रिपुरायै नमः

षोडशै

मात्रे

त्र्यक्षरायै

त्रितयायै

त्रयै

सुन्दर्यै

सुमुख्यै

सेव्यायै

सामवेदपरायणायै १०

शारदायै

शब्दनिलयायै

सागरायै

सरिदंबरायै

शुद्धायै

शुद्धतनवे

साध्यै

शिवध्यानपरायणायै

स्वामिन्यै

शंभुवनितायै २०

शांभव्यै

सरस्वत्यै

समुद्रमथिन्यै

शीघ्रगामिन्यै

शीघ्रसिद्धिदायै

साधुसेव्यायै

साधुगम्यायै

साधुसन्तुष्टमानसायै

खट्वाङ्गधारिण्यै

खर्वायै ३०

खड्गखर्परधारिण्यै

षड्वर्गभावरहितायै

षड्वर्गपरिचारिकायै

षड्वर्गायै

षडङ्गायै

षोढायै

षोडशवार्षिक्यै

क्रतुरूपायै

क्रतुमत्यै

ऋभुक्ष क्रतुमण्डितायै ४०

कवर्गादिपवर्गान्तायै

अन्तस्थायै

अनन्तरूपिण्यै

अकारायै

आकाररहितायै

कालमृत्युजरापहायै

तन्व्यै

तत्त्वेश्वर्यै

तारायै

त्रिवर्षायै ५०

ज्ञानरूपिण्यै

काल्यै

कराल्यै	मधुदैत्यविनाशिन्यै
कामेश्यै	भैरव्यै
छायायै	भुवनायै
संज्ञायै	मात्रे
अरुन्धत्यै	अभयदायै
निर्विकल्पायै	भवसुन्दर्यै
महावेगायै	भावुकायै
महोत्साहायै ६०	बगलायै
महोदर्यै	कृत्यायै
मेघायै	बालायै ९०
बलाकायै	त्रिपुरसुन्दर्यै
विमलायै	रोहिण्यै
विमलज्ञानदायिन्यै	रेवत्यै
गौर्यै	रम्यायै
वसुन्धरायै	रंभायै
गोप्त्र्यै	रावणवन्दितायै
गवांपतिनिषेवितायै	शतयज्ञमय्यै
भगाङ्गायै ७०	सत्त्वायै
भगरूपायै	शतक्रतुवरप्रदायै
भक्तिभावपरायणायै	शतचन्द्राननायै १००
छिन्नमस्तायै	दैव्यै
महाधूमायै	सहस्रादित्यसन्निभायै
धूम्रविभूषणायै	सौमसूर्याग्निनयनायै
धर्मकर्मादिरहितायै	व्याघ्रचर्माम्बरावृतायै
धर्मकर्मपरायणायै	अर्धेन्दुधारिण्यै
सीतायै	मत्तायै
मातङ्गिन्यै	मदिरायै
मेघायै ८०	मदिरेक्षणायै १०८

श्री षोडशी (त्रिपुरसुन्दरी)सहस्रनामावलि:

कल्याण्यै
 कमलायै
 काल्यै
 कराल्यै
 कामरूपिण्यै
 कामाख्यायै
 कामदायै
 काम्यायै
 कामनायै
 कामचारिण्यै १०
 कालरात्र्यै
 महारात्र्यै
 कपाल्यै
 कालरूपिण्यै
 कौमार्यै
 करुणायै
 मुक्तये
 कलिकल्मषनाशिन्यै
 कात्यायन्यै
 कराधारायै २०
 कौमुद्यै
 कमलप्रियायै
 कीर्तिदायै
 बुद्धिदायै
 मेधायै

नीतिज्ञायै
 नीतिवत्सलायै
 माहेश्वर्यै
 महामायायै
 महातेजसे ३०
 महेश्वर्यै
 महाजिह्वायै
 महाघोरायै
 महादंष्ट्रायै
 महाभुजायै
 महामोहान्धकारघ्न्यै
 महामोक्षप्रदायिन्यै
 महादारिद्र्यनाशायै
 महाशत्रुविमर्दिन्यै
 महामायायै ४०
 महावीर्यायै
 महापातकनाशिन्यै
 महामखायै
 मन्त्रमय्यै
 मणिपूरकवासिन्यै
 मानस्यै
 मानदायै
 मान्यायै
 मनश्चक्षुरगोचरायै
 गणमात्रे ५०

गायत्र्यै	यज्ञांग्यै
गणगन्धर्वसेवितायै	यज्ञरक्षिकायै
गिरिजायै	यज्ञक्रियायै ८०
गिरिशायै	यज्ञायै
साध्यै	यज्ञायज्ञक्रियालयायै
गिरिस्थायै	जालन्धर्यै
गिरिवल्लभायै	जगन्मात्रे
चण्डेश्वर्यै	जातवेदसे
चण्डरूपायै	जगत्प्रियायै
प्रचण्डायै ६०	जितेन्द्रियायै
चण्डमालिन्यै	जितक्रोधायै
चर्विकायै	जनन्यै
चर्विकाकारायै	जन्मदायिन्यै ९०
चण्डिकायै	गंगायै
चारुरूपिण्यै	गोदावर्यै
यज्ञेश्वर्यै	गोमत्यै
यज्ञरूपायै	शतद्रुकायै
जपयज्ञपरायणायै	घर्घरायै
यज्ञमात्रे	वेदगर्भायै
यज्ञभोक्त्यै ७०	रेचिकायै
यज्ञेश्यै	समवासिन्यै
यज्ञसंभवायै	सिन्धवे
सिद्धयज्ञक्रियासिद्धयै	मन्दाकिन्यै १००
यज्ञांग्यै	क्षिप्रायै
यज्ञरक्षिकायै	यमुनायै
यज्ञक्रियायै	सरस्वत्यै
यज्ञरूपायै	भद्रायै

रागविपाशायै	हींकार्यै
गण्डक्यै	कुण्डलाधारायै
विन्ध्यवासिन्यै	हृत्पद्मस्थायै
नर्मदायै	सुलोचन्यै
सिन्धुकावेर्यै	श्रीङ्गायै
वेत्रवत्यै ११०	भूषणायै
सुकौशिक्यै	लक्ष्म्यै
महेन्द्रतनयायै	क्लीङ्गायै
अहल्यायै	क्लेशनाशिन्यै १४०
चर्मकावत्यै	हरिवक्त्रोद्भवायै
अयोध्यायै	शान्तायै
मधुरायै	हरिवक्त्रकृतालयायै
मायायै	हरिवक्त्रोद्भवाशान्तायै
काश्यै	हरिवक्षःस्थलस्थितायै
काञ्च्यै	वैष्णव्यै
अवन्तिकायै १२०	विष्णुरूपायै
पुर्यै	विष्णुमातृस्वरूपिण्यै
द्वारवत्यै	विष्णुमायायै
तीर्थायै	विशालाक्ष्यै १५०
महाकिल्बिषनाशिन्यै	विशालनयनोज्ज्वलायै
पद्मिन्यै	विश्वेश्वर्यै
पद्ममध्यस्थायै	विश्वात्मने
पद्मकिञ्जल्कवासिन्यै	विश्वेश्वर्यै
पद्मवक्त्रायै	विश्वरूपिण्यै
चकोराक्ष्यै	विश्वेश्वर्यै
पद्मस्थायै १३०	शिवाराध्यायै
पद्मसंभवायै	शिवनाथायै

शिवप्रियायै	दुर्गायै
शिवमात्रे १६०	दुर्गार्तिनाशिन्यै
शिवाख्यायै	सुगमायै
शिवदायै	दुर्गमायै
शिवरूपिण्यै	दान्तायै १९०
भवेश्वर्यै	दयायै
भवाराध्यायै	दोग्ध्यै
भवेश्यै	दुरापहायै
भवनायिकायै	दुरितघ्न्यै
भवमात्रे	दुराध्यक्षायै
भवागम्यायै	दुरायै
भवकण्टकनाशिन्यै १७०	दुष्कृतनाशिन्यै
भवप्रियायै	पञ्चास्यायै
भवानन्दायै	पञ्चम्यै
भवान्यै	पूर्णायै २००
भवमौहिन्यै	पूर्णपीठनिवासिन्यै
गायत्र्यै	सत्त्वस्थायै
सावित्र्यै	सत्त्वरूपायै
ब्रह्माण्यै	सत्त्वस्थायै
ब्रह्मरूपिण्यै	सत्त्वसंभवायै
ब्रह्मेश्यै	रजस्स्थायै
ब्रह्मदायै १८०	रजोरूपायै
ब्रह्मणे	रजोगुणसमुद्भवायै
ब्राह्मण्यै	तमस्स्थायै
ब्रह्मवादिन्यै	तमोरूपायै २१०
दुर्गस्थायै	तामस्यै
दुर्गरूपायै	तामसप्रियायै

तमोगुणसमुद्भूतायै	चतुर्बाह्वे २४०
सात्त्विक्यै	चतुराचारवासिन्यै
राजस्यै	सर्वेश्यै
कलायै	सर्वदायै
काष्ठायै	सर्वायै
मुहूर्तायै	सर्वदासर्वदायिन्यै
निमिषायै	माहेश्वर्यै
अनिमेषायै २२०	सर्वाद्यायै
अर्धमासायै	शर्वाण्यै
मासायै	सर्वमङ्गलायै
संवत्सरस्वरूपिण्यै	नलिन्यै २५०
योगस्थायै	नन्दिन्यै
योगरूपायै	नन्दायै
कल्पस्थायै	आनन्दायै
कल्परूपिण्यै	आनन्दवर्धिन्यै
नानारत्नविचित्रांग्यै	सर्वभूतेषु व्यापिन्यै
नानाभरणमण्डितायै	भवभारविनाशिन्यै
विश्वात्मिकायै २३०	सर्वशृंगारवेषाढ्यायै
विश्वमात्रे	पाशाङ्कुशकरोधतायै
विश्वपाशविनाशिन्यै	सूर्यकोटिसहस्राभायै
विश्वासकारिण्यै	चन्द्रकोटिनिभाननायै २६०
विश्वायै	गणेशकोटिलावण्यायै
विश्वशक्त्यै	विष्णुकोट्यरिमर्दिन्यै
विचक्षणायै	दावाग्रिकोटिनलिन्यै
जपाकुसुमसंकाशायै	रुद्रकोट्युग्ररूपिण्यै
दाडिमीकुसुमोपमायै	समुद्रकोटिगंभीरायै
चतुरंग्यै	वायुकोटिमहाबलायै

आकाशकोटिविस्तारायै	श्रुतिप्रियायै
यमकोटिभयंकर्यै	महासत्त्वमय्यै
मेरुकोटिसमुच्छ्रयायै	सत्त्वायै
गणकोटिसमृद्धिदायै २७०	पञ्चतत्त्वोपरिस्थितायै
निष्कस्तोकायै	पार्वत्यै
निराधारायै	हिमवत्पुत्र्यै
निर्गुणायै	पारस्थायै ३००
गुणवर्जितायै	पाररूपिण्यै
अशोकायै	जयन्त्यै
शोकरहितायै	भद्रकाल्यै
तापत्रयविवर्जितायै	अहल्यायै
वसिष्ठायै	कुलनायिकायै
विश्वजनन्यै	भूतधात्र्यै
विश्वाख्यायै २८०	भूतेश्यै
विश्ववर्धिन्यै	भूतस्थायै
चित्रायै	भूतभावनायै
विचित्रचित्रांग्यै	महाकुण्डलिनीशक्त्यै ३१०
हेतुगर्भायै	महाविभववर्धिन्यै
कुलेश्वर्यै	हंसाक्ष्यै
इच्छाशक्त्यै	हंसरूपायै
ज्ञानशक्त्यै	हंसस्थायै
क्रियाशक्त्यै	हंसरूपिण्यै
शुचिस्मितायै	सोमसूर्याग्निमध्यस्थायै
शुचये २९०	मणिमण्डलवासिन्यै
स्मृतिमय्यै	द्वादशारसरोजस्थायै
सत्यायै	सूर्यमण्डलवासिन्यै
श्रुतिरूपायै	अकलङ्कायै ३२०

शशाङ्काभायै	परघोरायै
षोडशारनिवासिन्यै	करालाक्ष्यै
डाकिन्यै	विजयायै ३५०
राकिन्यै	जयदायिन्यै
लाकिन्यै	हृत्पद्मनिलयायै
काकिन्यै	भीमायै
शाकिन्यै	महाभैरवनादिन्यै
हाकिन्यै	आकाशलिङ्गसंभूतायै
षट्चक्रेषु निवासिन्यै	भुवनोद्यानवासिन्यै
सृष्टिस्थितिविनाशायै ३३०	महते
सृष्टिस्थित्यन्तकारिण्यै	सूक्ष्मायै
श्रीकण्ठप्रियहृत्कण्ठायै	कङ्काल्यै
नन्दाख्यायै	भीमरूपायै ३६०
बिन्दुमालिन्यै	महाबलायै
चतुःषष्टिकलाधारायै	मेनकागर्भसंभूतायै
देहदण्डसमाश्रितायै	तप्तकाञ्चनसन्निभायै
मायायै	अन्तरस्थायै
काल्यै	कूटबीजायै
धृत्यै	त्रिकूटाचलवासिन्यै
मेधायै ३४०	वर्णाख्यायै
क्षुधायै	वर्णरहितायै
तुष्ट्यै	पञ्चाशद्वर्णभेदिन्यै
महाद्युतये	विद्याधर्यै ३७०
हिगुलायै	लोकधात्र्यै
मङ्गलायै	अप्सरसे
सीतायै	अप्सरःप्रियायै
सुपुष्पामध्यगामिन्यै	दीक्षायै



दाक्षायण्यै	तपस्विन्यै
दक्षायै	तपोनिष्ठायै
दक्षयज्ञविनाशिन्यै	सुपर्णायै
यशःपूर्णायै	धर्मवासिन्यै
यशोदायै	बाणचापधरायै
यशोदागर्भसंभवायै ३८०	धीरायै
देवक्यै	पाञ्चाल्यै
देवमात्रे	पञ्चमप्रियायै
राधिकायै	गुह्यांग्यै ४१०
कृष्णवल्लभायै	सुभीमायै
अरुन्धत्यै	गुह्यतत्त्वायै
शच्यै	निरञ्जनायै
इन्द्राण्यै	अशरीरायै
गान्धार्यै	शरीरस्थायै
गन्धमालिन्यै	संसारार्णवतारिण्यै
ध्यानातीतायै ३९०	अमृतायै
ध्यानगम्यायै	निष्कलायै
ध्यानज्ञायै	भद्रायै
ध्यानधारिण्यै	सकलायै ४२०
लम्बोदर्यै	कृष्णपिङ्गलायै
लम्बोष्ठ्यै	चक्रप्रियायै
जांबवन्त्यै	चक्राहायै
जलोदर्यै	पञ्चचक्रादिदारिण्यै
महोदर्यै	पद्मरागप्रतीकाशायै
मुक्तकेश्यै	निर्मलाकाशसन्निभायै
मुक्तकामायै ४००	अधःस्थायै
अर्थसिद्धिदायै	ऊर्ध्वरूपायै

ऊर्ध्वपद्मनिवासिन्यै	शुचिप्रेतायै
कार्यकारणकर्तृत्वे शश्वद्रूपेषु	धर्मसिद्धयै
संस्थितायै ४३०	धर्मवृद्धयै
रसज्ञायै.	पराजितायै
रसमध्यस्थायै	कामसन्दीपिन्यै
गन्धस्थायै	कामायै
गन्धरूपिण्यै	सदाकौतूहलप्रियायै
परब्रह्मस्वरूपायै	जटाजूटधरायै ४६०
परब्रह्मनिवासिन्यै	मुक्तायै
शब्दब्रह्मस्वरूपायै	सूक्ष्मायै
शब्दस्थायै	शक्तिविभूषणायै
शब्दवर्जितायै	द्वीपिचर्मपरीधानायै
सिद्ध्यै ४४०	चीरवल्कलधारिण्यै
बुद्ध्यै	त्रिशूलडमरुधरायै
परायै बुद्ध्यै	नरमालाविभूषणायै
सन्दीप्त्यै	अत्युग्ररूपिण्यै
मध्यसंस्थितायै	उग्रायै
स्वगुह्यायै	कल्पान्तदहनोपमायै ४७०
शांभव्यै	त्रैलोक्यसाधिन्यै
शक्त्यै	साध्यायै
तत्त्वस्थायै	सिद्धिसाधकवत्सलायै
तत्त्वरूपिण्यै	सर्वविद्यामय्यै
शाश्वत्यै ४५०	सारायै
भूतमात्रे	असुराणां विनाशिन्यै
महाभूताधिपप्रियायै	दमन्यै

दामन्यै	नागकोटित्वधारिण्यै
दान्तायै	महासत्त्वायै
दयादोग्ध्रयै ४८०	धर्मज्ञायै
दुरापहायै	धर्मातिसुखदायिन्यै
अग्निजिह्वोपमायै	कृष्णमूर्धायै
घोरायै	महामूर्धायै ५१०
घोरघोरतराननायै	घोरमूर्धायै
नारायण्यै	वराननायै
नारसिंह्यै	सर्वेन्द्रियमनोन्मत्तायै
नृसिंहहृदये स्थितायै	सर्वेन्द्रियमनोमय्यै
योगेश्वर्यै	सर्वसंग्रामजयदायै
योगरूपायै	सर्वप्रहरणोद्यतायै
योगमात्रे ४९०	सर्वपीडोपशमन्यै
योगिन्यै	सर्वारिष्टनिवारिण्यै
खेचर्यै	सर्वैश्वर्यसमुत्पन्नायै
खचर्यै	सर्वग्रह विनाशिन्यै ५२०
खेलायै	मातङ्ग्यै
निर्वाणपदसंश्रयायै	मत्तमातङ्ग्यै
नागिन्यै	मातङ्गीप्रियमण्डलायै
नागकन्यायै	अमृतोदधिमध्यस्थायै
सुवेशायै	कटिसूत्रैरलंकृतायै
नागनायिकायै	अमृतोदधिमध्यस्थायै
विषज्वालावत्यै ५००	प्रवालवसनांबुजायै
दीप्तायै	मणिमण्डलमध्यस्थायै
कलाशतविभूषणायै	ईषत्प्रहसिताननायै
तीव्रवक्त्रायै	कुमुदायै ५३०
महावक्त्रायै	ललितायै

लोलायै
 लाक्षालोहितलोचनायै
 दिग्वाससे
 देवदूत्यै
 देवदेवाधिदेवतायै
 सिंहोपरिसमारूढायै
 हिमाचलनिवासिन्यै
 अट्टाट्टहासिन्यै
 घोरायै ५४०
 घोरदैत्यविनाशिन्यै
 अत्युग्ररक्तवस्त्राभायै
 नागकेयूरमण्डितायै
 मुक्ताहारलतोपेतायै
 तुङ्गपीनपयोधरायै
 रक्तोत्पलदलाकारायै
 मदाघूर्णितलोचनायै
 समस्तदेवतामूर्तये
 सुरारिक्षयकारिण्यै
 खड्गिन्यै ५५०
 शूलहस्तायै
 चक्रिण्यै
 चक्रमालिन्यै
 शंखिन्यै
 चापिन्यै
 बाण्यै
 वज्रिण्यै
 वज्रदण्डिन्यै

आनन्दोदधिमध्यस्थायै
 कटिसूत्रैरलङ्कितायै ५६०
 नानाभरणदीप्ताङ्ग्यै
 नानामणिविभूषितायै
 जगदानन्दसंभूतायै
 चिन्तामणिगुणान्वितायै
 त्रैलोक्यनमितायै
 तुर्यायै
 चिन्मयायै
 आनन्दरूपिण्यै
 त्रैलोक्यनन्दिन्यै देव्यै
 दुःखदुःस्वप्ननाशिन्यै ५७०
 घोराग्निदाहशमन्यै
 राजदेवार्थसाधिन्यै
 महापराधराशिघ्न्यै
 महाचौरभयापहायै
 रागदिदोषरहितायै
 जरामरणवर्जितायै
 चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै
 पीयूषार्णवसंभवायै
 सर्वदेवैः स्तुतायै देव्यै
 सर्वसिद्धैर्नमस्कृतायै ५८०
 अचिन्त्यशक्तिरूपायै
 मणिमन्त्रमहौषध्यै
 अस्तिस्वस्तिमय्यै
 बालायै
 मलयाचलवासिन्यै

धात्र्यै	नन्दायै
विधात्र्यै	महाभद्रायै
संहायै	निर्द्वन्द्वायै
रतिज्ञायै	निर्गुणात्मिकायै
रतिदायिन्यै ५९०	धरिण्यै
रुद्राण्यै	धारिण्यै
रुद्ररूपायै	पृथ्व्यै
रुद्रायै	धरायै ६२०
रौद्रार्तिनाशिन्यै	धात्र्यै
सर्वज्ञायै	वसुन्धरायै
धर्मज्ञायै	मेरुमन्दरमध्यस्थायै
रसज्ञायै	स्थितये
दीनवत्सलायै	शङ्करवल्लभायै
अनाहतायै	श्रीमत्यै
त्रिनयनायै ६००	श्रीमय्यै
निर्भारायै	श्रेष्ठायै
निर्वृतये	श्रीकर्यै
परायै	भावभाविन्यै ६३०
पराघोरायै	श्रीदायै
करालाक्ष्यै	श्रीमायै
सुमत्यै	श्रीनिवासायै
श्रेष्ठ्यदायिन्यै	श्रीमत्यै
मन्त्रालिकायै	श्रीमतां गतये
मन्त्रगम्यायै	उमायै
मन्त्रमालायै ६१०	सारंगिण्यै
सुमन्त्रिण्यै	कृष्णायै
श्रद्धायै	कुटिलायै

कुटिलालकायै ६४०	अनन्तमहितायै
त्रिलोचनायै	जगत्सारायै
त्रिलोकात्मने	जगद्भवायै
पुण्यपुण्यायै	अचिन्त्यात्मने ६७०
प्रकीर्तितायै	अचिन्त्यशक्तये
अमृतायै	चिन्त्यायै
सत्यसंकल्पायै	चिन्त्यस्वरूपिण्यै
तस्यै	ज्ञानगम्यायै
सत्यायै	ज्ञानमूर्तये
ग्रन्थिभेदिन्यै	ज्ञानिन्यै
परेभ्यै ६५०	ज्ञानशालिन्यै
परमायै	असितायै
साध्यायै	घोररूपायै
परायै विद्यायै	सुधाधारायै ६८०
परात्परायै	सुधावहायै
सुन्दराङ्ग्यै	भास्क्यै
सुवर्णाभायै	भास्वत्यै
सुरासुरनमस्कृतायै	भीत्यै
प्रजायै	भास्वदक्षायै
प्रजावत्यै	अनुशायिन्यै
धन्यायै ६६०	अनसूयायै
धनधान्यसमृद्धिदायै	क्षमायै
ईशान्यै	लज्जायै
भुवनेशान्यै	दुर्लभायै ६९०
भवान्यै	भरणात्मिकायै
भुवनेश्वर्यै	विश्वघ्न्यै
अनन्तायै	विश्ववीरायै

विश्वद्वयै	अकृष्णायै
विश्वसंस्थितायै	कृष्णसहोदर्यै
शीलस्थायै	शांभव्यै
शीलरूपायै	शंभुरूपायै
शीलायै	शंभुस्थायै
शीलप्रदायिन्यै	शंभुसंभवायै
बोधन्यै ७००	विश्वोदर्यै
बोधकुशलायै	योगमात्रे
रोधन्यै	योगमुद्रायै
बोधन्यै	योगिन्यै ७२०
विद्योतिन्यै	वागीश्वर्यै
विचित्रात्मने	योगनिद्रायै
विद्युत्पटलसन्निभायै	योगिनीकोटिसेवितायै
विश्वयोन्यै	कौलिकायै
महायोन्यै	मन्दकन्यायै
कर्मयोन्यै	शृंगारपीठवासिन्यै
प्रियात्मिकायै ७००	क्षेमङ्कर्यै
रोहिण्यै	सर्वरूपायै
रोगशमन्यै	दिव्यरूपायै
महारोगज्वरापहायै	दिगंबर्यै ७३०
रसदायै	धूम्रवक्त्रायै
पुष्टिदायै	धूम्रनेत्रायै
पुष्ट्यै	धूम्रकेश्यै
मानदायै	धूसरायै
मानवप्रियायै	पिनाक्यै
कृष्णाङ्गवाहिन्यै	रुद्रवेताल्यै
कृष्णायै ७१०	महावेतालरूपिण्यै

तपिन्यै	ऐरावतायै
तापिन्यै	पद्मधारायै
दीक्षायै ७४०	श्वेतपद्मासनस्थितायै
विष्णुविद्यायै	रक्तांबरधरायै
आत्मनाश्रितायै	देव्यै
मन्थरायै	रक्तपद्मविलोचन्यै ७७०
जठरायै	दुस्तरायै
तीव्रायै	तारिण्यै
अग्निजिह्वायै	तारायै
भयापहायै	तरुण्यै
पशुघ्न्यै	ताररूपिण्यै
पशुरूपायै	सुधाधारायै
पशुहायै ७५०	धर्मज्ञायै
पशुवाहिन्यै	धर्मसङ्गायै
पित्रे	उपदेशिन्यै
मात्रे	भगेश्वर्यै ७८०
धीरायै	भगाराध्यायै
पशुपाशविनाशिन्यै	भगिन्यै
चन्द्रप्रभायै	भगनायिकायै
चन्द्ररेखायै	भगबिम्बायै
चन्द्रकान्तिविभूषिण्यै	भगक्लिन्नायै
कुङ्कुमाङ्कितसर्वाङ्ग्यै	भगयोऽन्यै
सुधायै ७६०	भगप्रदायै
सद्गुरुलोचनायै	भगेश्वर्यै
शुक्लांबरधरायै	भगाराध्यायै
देव्यै	भगिन्यै ७९०
वीणापुस्तकधारिण्यै	भगनायिकायै

भगेभ्यै	उन्मादिन्यै
भगरूपायै	महारूपायै
भगगुह्यायै	दिव्यरूपायै
भगावहायै	सुरार्चितायै ८२०
भगोदर्यै	चैतन्यरूपिण्यै
भगानन्दायै	नित्यायै
भगस्थायै	क्लिन्नायै
भगशालिन्यै	काममदोद्धतायै
सर्वसंक्षोभिण्यै ८००	मदिरायै
शक्त्यै	आनन्दकैवल्यायै
सर्वविद्राविण्यै	मदिराक्ष्यै
मालिन्यै	मदालसायै
माधव्यै	सिद्धेश्वर्यै
माध्यै	सिद्धविद्यायै ८३०
मधुरूपायै	सिद्धाद्यायै
महोत्कटायै	सिद्धसंभवायै
भेरुण्डायै	सिद्धद्वयै
चन्द्रिकायै	सिद्धमात्रे
ज्योत्स्नायै ८१०	सिद्धयै
विश्वचक्षुषे	सर्वार्थसिद्धिदायै
तमोऽपहायै	मनोमय्यै
सुप्रसन्नायै	गुणातीतायै
महादूत्यै	परज्योतिःस्वरूपिण्यै
यमदूत्यै	परेभ्यै ८४०
भयङ्कर्यै	परगायै

पारायै	सर्वसंमोहिन्यै देव्यै
परायै सिद्धयै	सर्वस्तंभनकारिण्यै
परायै गत्यै	त्रैलोक्यजृम्भिण्यै देव्यै
विमलायै	सर्ववशङ्कर्यै ८७०
मोहिन्यै	त्रैलोक्यरंजिन्यै देव्यै
आद्यायै	सर्वसंपत्तिदायिन्यै
मधुपानपरायणायै	सर्वमन्त्रमय्यै देव्यै
वेदवेदाङ्गजन्यै	सर्वद्वन्द्वक्षयङ्कर्यै
सर्वशास्त्रविशारदायै ८५०	सर्वसिद्धिप्रदायै देव्यै
सर्वदेवमय्यै	सर्वसंपत्प्रदायिन्यै
विद्यायै	सर्वप्रियकर्यै देव्यै
सर्वशास्त्रमय्यै	सर्वमङ्गलकारिण्यै
सर्वज्ञानमय्यै देव्यै	सर्वकामप्रदायै देव्यै
सर्वधर्ममय्यै	सर्वदुःखविमोचन्यै ८८०
ईश्वर्यै	सर्वमृत्युप्रशमन्यै
सर्वयज्ञमय्यै	सर्वविघ्नविनाशिन्यै
यज्ञायै	सर्वाङ्गसुन्दर्यै
सर्वमन्त्राधिकारिण्यै	मात्रे
सर्वसंपत्प्रतिष्ठात्र्यै ८६०	सर्वसौभाग्य दायिन्यै
सर्वविद्राविण्यै	सर्वज्ञायै
परायै	सर्वशक्त्यै
सर्वसंक्षोभिण्यै देव्यै	सर्वैश्वर्यफलप्रदायै
सर्वमङ्गलकारिण्यै	सर्वज्ञानमय्यै देव्यै
त्रैलोक्याकर्षिण्यै देव्यै	सर्वव्याधिविनाशिन्यै ८९०
सर्वाह्लादनकारिण्यै	सर्वाधारस्वरूपायै

सर्वपापहरायै	त्रिधात्र्यै
सर्वानन्दमय्यै देव्यै	त्रिदशाध्यक्षायै ९१०
सर्वेक्षायाः स्वरूपिण्यै	त्रिविदे
सर्वलक्ष्मीमय्यै देव्यै	त्रिपुरवासिन्यै
विद्यायै	त्रयीविद्यायै
सर्वेप्सितफलप्रदायै	त्रिशिरसे
सर्वारिष्टप्रशमन्यै	त्रैलोक्यायै
परमानन्ददायिन्यै	त्रिपुष्करायै
त्रिकोणनिलयायै ९००	त्रिकौटरस्थायै
त्रिस्थायै	त्रिविधायै
त्रिमात्रायै	त्रिपुरायै
त्रितनुस्थितायै	त्रिपुरात्मिकायै ९२०
त्रिवेण्यै	त्रिपुराश्रियै
त्रिपथायै	त्रिजनन्यै
त्रिस्थायै	त्रिपुरायै
त्रिमूर्तयै	त्रिपुरसुन्दर्यै ९२४ ★
त्रिपुरेश्वर्यै	

★अपूर्णा नामावलिः । पूरणं उपासकैः मार्गविद्धिः करणीयम् ।

भुवनेश्वरी - अष्टोत्तरशतनामवलि:

महामायायै नमः

महाविद्यायै

महायोगायै

महोत्कटायै

माहेश्वर्यै

कुमार्यै

ब्रह्माण्यै

ब्रह्मरूपिण्यै

वागीश्वर्यै

योगरूपायै १०

योगिनीकोटिसेवितायै

जयायै

विजयायै

कौमार्यै

सर्वमङ्गलायै

हिं गुलायै

विलास्यै

ज्वालिन्यै

ज्वालरूपिण्यै

ईश्वर्यै २०

क्रूरसंहार्यै

कुलमार्गप्रदायिन्यै

वैष्णव्यै

सुभगाकारायै

सुकुल्यायै

कुलपूजितायै

वामाङ्गायै

वामचारायै

वामदेवप्रियायै

डाकिन्यै ३०

योगिनीरूपायै

भूतेश्वर्यै

भूतनायिकायै

पद्मावत्यै

पद्मनेत्रायै

प्रबुद्धायै

सरस्वत्यै

भूचर्यै

खेचर्यै

मायायै ४०

मातङ्ग्यै

भुवनेश्वर्यै

कान्तायै

पतिव्रतायै

साक्ष्यै

सुचक्षुषे

कुण्डवासिन्यै

उमायै

कुमार्यै

लोकेश्वर्यै ५०

सुकेश्वर्यै

पद्मरागिण्यै

इन्द्राण्यै	अनलायै
ब्रह्मचण्डाल्यै	अर्धमात्रायै
चण्डिकायै	अरुणायै
वायुबल्लभायै	पीतलोचनायै
सर्वधातुमय्यै	लज्जायै
मूर्तये	सरस्वत्यै
जलरूपायै	विद्यायै
जलोदर्यै ६०	भवान्यै
आकाश्यै	पापनाशिन्यै
रणगायै	नागपाशधरायै ९०
नृकपालविभूषणायै	मूर्तये
नर्मदायै	अगाधायै
मोक्षदायै	धृतकुण्डलायै
धर्मकामार्थदायिन्यै	क्षत्ररूपायै
गायत्र्यै	क्षयकर्यै
सावित्र्यै	तेजस्विन्यै
त्रिसन्ध्यायै	शुचिस्मितायै
तीर्थगामिन्यै ७०	अव्यक्तायै
अष्टम्यै	व्यक्तलोकायै
नवम्यै	शंभूरूपायै १००
दशम्यै	मनस्विन्यै
एकादश्यै	मातङ्ग्यै
पौर्णमास्यै	मत्तमातङ्ग्यै
कुहूरूपायै	सदामहादेवप्रियायै
तिथिमूर्तिस्वरूपिण्यै	दैत्यहायै
सुरारिनाशकार्यै	वाराह्यै
उग्ररूपायै	सर्वशास्त्रमय्यै
वत्सलायै ८०	शुभायै १०८

श्रीभुवनेश्वरीसहस्रनामावलिः (भकारादिः)

भुवनेश्वर्यै नमः

भुवाराध्यायै

भवान्यै

भयनाशिन्यै

भवरूपायै

भवानन्दायै

भवसागरतारिण्यै

भवोद्भवायै

भवरतायै

भवभारनिवारिण्यै १०

भव्यास्यायै

भव्यनयनायै

भव्यरूपायै

भवौषध्यै

भव्याङ्गनायै

भव्यकेश्यै

भवपाशविमोचिन्यै

भव्यासनायै

भव्यवस्त्रायै

भव्याभरणभूषितायै २०

भगरूपायै

भगानन्दायै

भगेश्वर्यै

भगमालिन्यै

भगविद्यायै

भगवत्यै

भगक्लिन्नायै

भगावहायै

भगाङ्कुरायै

भगक्रीडायै ३०

भगाद्यायै

भगमङ्गलायै

भगलीलायै

भगप्रीतायै

भगसंपदे

भगेश्वर्यै

भगालयायै

भगोत्साहायै

भगस्थायै

भगपोषिण्यै ४०

भगोत्सवायै

भगविद्यायै

भगमात्रे

भगस्थितायै

भगशक्त्यै

भगनिधये

भगपूजायै

भगेषणायै

भगस्वापायै

भगाधीशायै ५०

भगाच्यायै	भव्यवाण्यै
भगसुन्दर्यै	भव्यकान्त्यै
भगरेखायै	भगालिन्यै ८०
भगस्नेहायै	भव्यत्रपायै
भगस्नेहविवर्धिन्यै	भव्यनद्यै
भगिन्यै	भव्यभोगविहारिण्यै
भगबीजस्थायै	भव्यस्तन्यै
भगभोगविलासिन्यै	भव्यमुख्यै
भगाचारायै	भव्यगोष्ठ्यै
भगाधारायै ६०	भयापहायै
भगाकारायै	भक्तेश्वर्यै
भगाश्रयायै	भक्तिकर्यै
भगपुष्पायै	भक्तानुग्रहकारिण्यै ९०
भगश्रीदायै	भक्तिदायै
भगपुष्पनिवासिन्यै	भक्तिजनन्यै
भव्यरूपधरायै	भक्तानन्दविवर्धिन्यै
भव्यायै	भक्तिप्रियायै
भव्यपुष्पैरलंकृतायै	भक्तिरतायै
भव्यलीलायै	भक्तिभावविहारिण्यै
भव्यमालायै ७०	भक्तिशीलायै
भव्याङ्गायै	भक्तिलीलायै
भव्यसुन्दर्यै	भक्तेश्वर्यै
भव्यशीलायै	भक्तिपालिन्यै १००
भव्यलीलायै	भक्तिविद्यायै
भव्याक्ष्यै	भक्तविद्यायै
भव्यनाशिन्यै	भक्त्यै
भव्याङ्गिकायै	भक्तिविनोदिन्यै

भक्तिरीत्यै	भटैःसेव्यायै
भक्तिप्रीत्यै	भटवरायै
भक्तिसाधनसाधिन्यै	भटाच्यार्यै
भक्तिसाध्यायै	भटबोधिन्यै
भक्तसाध्यायै	भटकीर्त्यायै
भक्तिराल्यै ११०	भटकलायै
भवेश्वर्यै	भटपायै
भटविद्यायै	भटपालिन्यै
भटानन्दायै	भटैश्वर्यायै १४०
भटस्थायै	भटाधीशायै
भटरूपिण्यै	भटेक्षायै
भटमान्यायै	भटतोषिण्यै
भटस्थान्यायै	भटेभ्यै
भटस्थाननिवासिन्यै	भटजनन्यै
भटिन्यै	भटभाग्यविवर्धिन्यै
भटरूपेश्वर्यै १२०	भटमुक्त्यै
भटरूपविवर्धिन्यै	भटयुक्त्यै
भटवेश्वर्यै	भटप्रीतिविवर्धिन्यै
भटेभ्यै	भाग्येश्वर्यै १५०
भगभाजे	भाग्यजनन्यै
भगसुन्दर्यै	भाग्यस्थायै
भटप्रीत्यायै	भाग्यरूपिण्यै
भटरीत्यायै	भावनायै
भटानुग्रहकारिण्यै	भावकुशलायै
भटाराध्यायै	भावदायै
भटाबोध्यायै १३०	भाववर्धिन्यै
भटबोधविनोदिन्यै	भावरूपायै

भावरसायै	भाग्याश्रयायै
भावान्तरविहारिण्यै १६०	भाग्यमय्यै
भावाङ्कुरायै	भाग्यायै
भावकलायै	भाग्यफलप्रदायै
भावस्थाननिवासिन्यै	भाग्याचारायै १९०
भावातुरायै	भाग्यसारायै
भावधृतायै	भाग्यधारायै
भावमध्यव्यवस्थितायै	भाग्यदायै
भावऋद्धयै	भाग्येश्वर्यै
भावसिद्ध्यै	भाग्यनिधयै
भावादये	भाग्यायै
भावभाविन्यै १७०	भाग्यसुमातृकायै
भावालयायै	भाग्येक्षायै
भावपरायै	भाग्यनायै
भावसाधनतत्परायै	भाग्यभाग्यदायै २००
भावेश्वर्यै	भाग्यमातृकायै
भावगम्यायै	भाग्येक्षायै
भावस्थायै	भाग्यमानसायै
भावगर्वितायै	भाग्यादये
भाविन्यै	भाग्यमध्यगायै
भावरमण्यै	भ्रात्रीश्वर्यै
भारत्यै १८०	भ्रातृमत्यै
भारतेश्वर्यै	भ्रात्रंबायै
भागीरथ्यै	भ्रातृपालिन्यै
भाग्यवत्यै	भ्रातृस्थायै २१०
भाग्योदयकर्यै	भ्रातृकुशलायै
भाग्योदय कलायै	भ्रामर्यै

भ्रमराम्बिकायै	भीतस्थायै २४०
भिल्लरूपायै	भीतजनन्यै
भिल्लवत्यै	भीत्यै
भिल्लस्थायै	भीतिविनाशिन्यै
भिल्लपालिन्यै	भीतिदायै
भिल्लमात्रे	भीतिहायै
भिल्लधात्र्यै	भीत्यायै
भिल्लिन्यै २२०	भीत्याकारविहारिण्यै
भिल्लकेश्वर्यै	भीतेश्व्यै
भिल्लकीर्त्यै	भीतिशमन्यै
भिल्लकलायै	भीतस्थाननिवासिन्यै २५०
भिल्लमन्दिरवासिन्यै	भीतिरीत्यायै
भिल्लक्रीडायै	भीतिकलायै
भिल्ललीलायै	भीतीक्षायै
भिल्लाच्यायै	भीतिहारिण्यै
भिल्लवल्लभायै	भीमेश्व्यै
भिल्लसुषायै	भीमजनन्यै
भिल्लपुत्र्यै २३०	भीमायै
भिल्लिन्यै	भीमनिवासिन्यै
भिल्लपोषिण्यै	भीमेश्वर्यै
भिल्लपौत्र्यै	भीमरतायै २६०
भिल्लगोष्ठ्यै	भीमाङ्ग्यै
भिल्लाचारनिवासिन्यै	भीमपालिन्यै
भिल्लपूज्यायै	भीमनादायै
भिल्लवाण्यै	भीमतन्त्र्यै
भिल्लान्यै	भीमैश्वर्यविवर्धिन्यै
भिल्लभीतिहायै	भीमगोष्ठ्यै

भीमधात्र्यै	भीष्मशीलायै
भीमविद्याविनोदिन्यै	भीष्मरोधोनिवासिन्यै
भीमविक्रमदात्र्यै	भीष्माश्रयायै
भीमविक्रमवासिन्यै २७०	भीष्मवरायै
भीमानन्दकर्यै	भीष्महर्षविवर्धिन्यै
भीमदेव्यै	भुवनायै
भीमानन्द विहारिण्यै	भुवनेशान्यै ३००
भीमोपदेशिन्यै	भुवनानन्दकारिण्यै
भीमनित्यायै	भुविस्थायै
भीमभाग्यप्रदायिन्यै	भुविरूपायै
भीमसिद्धयै	भुविभारनिवारिण्यै
भीमऋद्धयै	भुक्तिस्थायै
भीमभक्तिविवर्धिन्यै	भुक्तिदायै
भीमस्थायै २८०	भुक्त्यै
भीमवरदायै	भुक्तेभ्यै
भीमधर्मोपदेशिन्यै	भुक्तिरूपिण्यै
भीष्मेश्वर्यै	भुक्तेश्वर्यै ३१०
भीष्मभृत्यै	भुक्तिदात्र्यै
भीष्मबोधप्रबोधिनी	भुक्त्यै
भीष्मश्रिये	भुक्त्याकाररूपिण्यै
भीष्मजनन्यै	भुजङ्गस्थायै
भीष्मज्ञानोपदेशिन्यै	भुजङ्गेभ्यै
भीष्मस्थायै	भुजङ्गाकाररूपिण्यै
भीष्मतपसायै २९०	भुजङ्ग्यै
भीष्मेभ्यै	भुजगावासायै
भीष्मतारिण्यै	भुजङ्गानन्ददायिन्यै
भीष्मलीलायै	भूतेभ्यै ३२०

भूतजनन्यै
 भूतस्थायै
 भूतरूपिण्यै
 भूतेश्वर्यै
 भूतलीलायै
 सदाभूतवेषक्यै
 भूतदात्र्यै
 भूतकेश्यै
 भूतधात्र्यै
 भूतमहेश्वर्यै ३३०
 भूतरीत्यायै
 भूतपत्न्यै
 भूतलोकनिवासिन्यै
 भूतसिद्धयै
 भूतऋद्धयै
 भूतानन्दनिवासिन्यै
 भूतकीर्त्यै
 भूतलक्ष्म्यै
 भूतभाग्यविवर्धिन्यै
 भूताच्ययै ३५०
 भूतरमण्यै
 भूतविद्याविनोदिन्यै
 भूतपौत्र्यै
 भूतपुत्र्यै
 भूतभार्यायै
 भूतविधीश्वर्यै
 भूतस्थायै

भूतरमण्यै
 भूतेश्वर्यै
 भूतपालिन्यै ३५०
 भूपमात्रे
 भूपनिभायै
 भूपैश्वर्यप्रदायिन्यै
 भूपचेष्टायै
 भूपनिष्ठायै
 भूपभावविवर्धिन्यै
 भूपस्वप्ने
 भूपभूयै
 भूपपौत्र्यै
 भूपबन्ध्वै ३६०
 भूपकीर्तये
 भूपनीत्यै
 भूपभाग्यविवर्धिन्यै
 भूपक्रियायै
 भूपक्रीडायै
 भूपमन्दिरवासिन्यै
 भूपाच्ययै
 भूपसंराध्यायै
 भूपभोगविवर्धिन्यै
 भूपाश्रयायै ३७०
 भूपकलायै
 भूपकौतुकदण्डिन्यै
 भूषणस्थायै
 भूषणेश्वर्यै

भूषायै	भूपतेर्नीतिस्थायै
भूषणधारिण्यै	भूपतिस्थानवासिन्यै
भूषणाधारधर्मैश्चै	भूपतिस्थानगीर्वाण्यै
भूषणाकाररूपिण्यै	भूपतेर्वरधारिण्यै
भूपताचार निलयायै	भेषजानन्दलह्यै
भूपताचारभूषितायै ३८०	भेषजानन्दरूपिण्यै
भूपताचाररचनायै	भेषजानन्दमहिष्यै
भूपताचारमण्डितायै	भेषजानन्द धारिण्यै
भूपताचारधर्मैश्चै	भेषजानन्द कर्मैश्चै ४१०
भूपताचारकारिण्यै	भेषजानन्द दायिन्यै
भूपताचारचरितायै	भैषज्यै
भूपताचारवर्जितायै	भैषजाकन्दायै
भूपताचारवृद्धिस्थायै	भेषजस्थानवासिन्यै
भूपताचारवृद्धिदायै	भेषजेश्वर रूपायै
भूपताचारकरणायै	भेषजेश्वर सिद्धिदायै
भूपताचारकर्मदायै ३९०	भेषजेश्वर धर्मैश्चै
भूपताचारकर्मैश्चै	भेषजेश्वर कर्मदायै
भूपताचारकर्मदायै	भेषजेश्वर कर्मैश्चै
भूपताचारदेहस्थायै	भेषजेश्वर कर्मिण्यै ४२०
भूपताचारकर्मिण्यै	भेषजाधीशजनन्यै
भूपताचारसिद्धिस्थायै	भेषजाधीशपालिन्यै
भूपताचारसिद्धिदायै	भेषजाधीशरचनायै
भूपताचारधर्मायै	भेषजाधीशमङ्गलायै
भूपताचारधारिण्यै	भेषजारण्य मध्यस्थायै
भूपतानन्दलह्यै	भेषजारण्य रक्षिण्यै
भूपतेश्वररूपिण्यै ४००	भैषज्यविद्यायै
भूपतेर्नीत्यै	भैषज्यायै

भैषज्येप्सितदायिन्यै	भैरवाधार रक्षिण्यै
भैषज्यस्थायै ४३०	भैरवाधार रूपेश्यै
भैषजेभ्यै	भैरवाधाररूपिण्यै
भैषज्यानन्दवर्धिन्यै	भैरवाधार निचयायै
भैरव्यै	भैरवाधार निश्चयायै ४६०
भैरवाचारायै	भैरवाधार तत्त्वज्ञायै
भैरवाकाररूपिण्यै	भैरवाधार तत्त्वदायै
भैरवाचारचतुरायै	भैरवाश्रय तन्त्रेश्यै
भैरवाचारमण्डितायै	भैरवाश्रय मन्त्रिण्यै
भैरवायै	भैरवाश्रय रचनायै
भैरवेश्यै	भैरवाश्रय रञ्जितायै
भैरवानन्ददायिन्यै ४४०	भैरवाश्रय निर्भारायै
भैरवानन्दरूपेश्यै	भैरवाश्रय निर्भारायै
भैरवानन्दरूपिण्यै	भैरवाश्रय निर्धारायै
भैरवानन्दनिपुणायै	भैरवाश्रय निर्धारायै ४७०
भैरवानन्द मन्दिरायै	भैरवानन्द बोधेश्यै
भैरवानन्द तत्त्वज्ञायै	भैरवानन्द बोधिण्यै
भैरवानन्द तत्परायै	भैरवानन्द बोधस्थायै
भैरवानन्द कुशलायै	भैरवानन्द बोधदायै
भैरवानन्द नीतिदायै	भैरव्यैश्वर्य वरदायै
भैरवानन्द प्रीतिस्थायै	भैरव्यैश्वर्य दायिन्यै
भैरवानन्द प्रीतिदायै ४५०	भैरव्यैश्वर्य रचनायै
भैरवानन्द महिष्यै	भैरव्यैश्वर्य वर्धिन्यै
भैरवानन्द मालिन्यै	भैरव्यैश्वर्य सिद्धिस्थायै
भैरवानन्द मतिदायै	भैरव्यैश्वर्यसिद्धिदायै ४८०
भैरवानन्द मातृकायै	भैरव्यैश्वर्यसिद्धेश्यै
भैरवाधार जनन्यै	भैरव्यैश्वर्य रूपिण्यै

भैरव्यैश्वर्य सुपथायै	भोगाश्रयायै ५१०
भैरव्यैश्वर्य सुप्रभायै	भोगवत्यै
भैरव्यैश्वर्य वृद्धिस्थायै	भोगिन्यै
भैरव्यैश्वर्य वृद्धिदायै	भोगरूपिण्यै
भैरव्यैश्वर्य कुशलायै	भोगाङ्कुरायै
भैरव्यैश्वर्य कामदायै	भोगविधायै
भैरव्यैश्वर्य सुलभायै	भोगाधारनिवासिन्यै
भैरव्यैश्वर्य संप्रदायै ४९०	भोगांबिकायै
भैरव्यैश्वर्य विशदायै	भोगरतायै
भैरव्यैश्वर्य विक्रियायै	भोगसिद्धिविधायिन्यै
भैरव्यैश्वर्य विनयायै	भोजस्थायै ५२०
भैरव्यैश्वर्य वेदितायै	भोजनिरतायै
भैरव्यैश्वर्य महिमायै	भोजनानन्ददायिन्यै
भैरव्यैश्वर्य मानिन्यै	भोजनानन्दलह्यै
भैरव्यैश्वर्यै निरतायै	भोजनान्तर्विहारिण्यै
भैरव्यैश्वर्य निर्मितायै	भोजनानन्दमहिमायै
भोगेश्वर्यै	भोजनानन्द भोग्यदायै
भोगमात्रे ५००	भोजनानन्दरचनायै
भोगस्थायै	भोजनानन्दहर्षितायै
भोगरक्षिण्यै	भोजनाचारचतुरायै
भोगक्रीडायै	भोजनाचारमण्डितायै ५३०
भोग लीलायै	भोजनाचार चरितायै
भोगेश्वर्यै	भोजनाचार चर्चितायै
भोगवर्धिन्यै	भोजनाचार संपन्नायै
भोगांग्यै	भोजनाचारसंयुतायै
भोगरमण्यै	भोजनाचार चित्तस्थायै
भोगाचारविचारिण्यै	भोजनाचार रीतिदायै

भोजनाचारविभवायै	भर्मिण्यै
भोजनाचार विस्तृतायै	भग्यै
भोजनाचार रमण्यै	भस्मेभ्यै
भोजनाचार रक्षिण्यै ५४०	भस्मरूपिण्यै
भोजनाचार हरिण्यै	भङ्गारायै
भोजनाचारभक्षिण्यै	भञ्जनायै
भोजनाचार सुखदायै	भस्मायै ५७०
भोजनाचार सुस्पृहायै	भस्मस्थायै
भोजनाहार सुरसायै	भस्मवासिन्यै
भोजनाहार सुन्दर्यै	भक्ष्यै
भोजनाहार चरितायै	भक्षराकारायै
भोजनाहार चञ्चलायै	भक्षरस्थानवासिन्यै
भोजनास्वाद विभवायै	भक्षराढ्यायै
भोजनास्वाद वल्लभायै ५५०	भक्षरेभ्यै
भोजनास्वादसन्तुष्टायै	भरूपायै
भोजनास्वादसंप्रदायै	भस्वरूपिण्यै
भोजनास्वादसुपथायै	भूधरस्थायै ५८०
भोजनास्वादसंश्रयायै	भूधरेभ्यै
भोजनास्वादनिरतायै	भूधर्यै
भोजनास्वादनिर्णितायै	भूधरेश्वर्यै
भौक्षरायै	भूधरानन्दरमण्यै
भौक्षरेशान्यै	भूधरानन्दपालिन्यै
भौकाराक्षररूपिण्यै	भूधरानन्द जनन्यै
भौक्षरस्थायै ५६०	भूधरानन्द वासिन्यै
भौक्षरादये	भूधरानन्द रमण्यै
भौक्षरस्थानवासिन्यै	भूधरानन्द रक्षितायै
भङ्गार्यै	भूधरानन्द महिमायै ५९०

भूधरानन्द मन्दिरायै
 भूधरानन्द सर्वेश्वर्यै
 भूधरानन्द सर्वसुखे
 भूधरानन्द महिष्यै
 भूधरानन्द दायिन्यै
 भूधरानन्द धर्मेश्वर्यै
 भूधरानन्द धर्मिण्यै
 भूधराधीश धर्मेश्वर्यै
 भूधराधीशसिदिदायै
 भूधराधीश कर्मेश्वर्यै ६००
 भूधराधीश कामिन्यै
 भूधराधीश निरतायै
 भूधराधीश निर्णितायै
 भूधराधीश नीतिस्थायै
 भूधराधीश नीतिदायै
 भूधराधीश भाग्येश्वर्यै
 भूधराधीश भामिन्यै
 भूधराधीश बुद्धिस्थायै
 भूधराधीश बुद्धिदायै
 भूधराधीश वरदायै ६१०
 भूधराधीश वन्दितायै
 भूधराधीश संराध्यायै
 भूधराधीशचर्चितायै
 भंगेश्वर्यै
 भंगमय्यै
 भंगस्थायै
 भंगरूपिण्यै

भंगाक्षतायै
 भंगरतायै
 भंगाच्ययै ६२०
 भंगरक्षिण्यै
 भंगावत्यै
 भंगलीलायै
 भंगभोगविलासिन्यै
 भंगरंगप्रतीकाशायै
 भंगरंगनिवासिन्यै
 भंगाशिन्यै
 भंगमूल्यै
 भंगभोगविधायिन्यै
 भंगाश्रयायै ६३०
 भंगबीजायै
 भंगबीजांकुरेश्वर्यै
 भंगयन्त्रचमत्कारायै
 भंगयन्त्रेश्वर्यै
 भंगयन्त्रविमोहस्थायै
 भंगयन्त्र विनोदिन्यै
 भंगयन्त्र विचारस्थायै
 भंगयन्त्र विचारिण्यै
 भंगयन्त्र रसानन्दायै
 भंगयन्त्र रसेश्वर्यै ६४०
 भंगयन्त्र रसास्वादायै
 भंगयन्त्र रसस्थितायै
 भंगयन्त्र रसाधारायै
 भंगयन्त्र रसाश्रयायै

भूधरात्मज रूपेश्यै
 भूधरात्मज रूपिण्यै
 भूधरात्मज योगेश्यै
 भूधरात्मज पालिन्यै
 भूधरात्मज महिमायै
 भूधरात्मज मालिन्यै ६५०
 भूधरात्मज भूतेश्यै
 भूधरात्मज रूपिण्यै
 भूधरात्मज सिद्धिस्थायै
 भूधरात्मज सिद्धिदायै
 भूधरात्मज भावेश्यै
 भूधरात्मज भाविन्यै
 भूधरात्मज भोगस्थायै
 भूधरात्मज भोगदायै
 भूधरात्मज भोगेश्यै
 भूधरात्मज भोगिन्यै ६६०
 भव्यायै
 भव्यतरायै
 भव्याभाविन्यै
 भववल्लभायै
 भावातिभावायै
 भावाख्यायै
 भातिभायै
 भीतिभान्तिकायै
 भासान्तिभासायै
 भासस्थायै ६७०
 भासामायै

भास्करोपमायै
 भास्करस्थायै
 भास्करेश्यै
 भास्करोत्थयै
 भास्करानन्द जनन्यै
 भास्करानन्द दायिन्यै
 भास्करानन्द महिमायै
 भास्करानन्द मातृकायै
 भास्करानन्दनैश्वर्यायै ६८०
 भास्करानन्दनेश्वरायै
 भास्करानन्द सुपथायै
 भास्करानन्द सुप्रभायै
 भास्करानन्द निचयायै
 भास्करानन्द निर्मितायै
 भास्करानन्द नीतिस्थायै
 भास्करानन्द नीतिदायै
 भास्करोदय मध्यस्थायै
 भास्करोदय मध्यगायै
 भास्करोदय तेजस्थायै ६९०
 भास्करोदय तेजसायै
 भास्कराचार चतुरायै
 भास्कराचार चन्द्रिकायै
 भास्कराचारपरभायै
 भास्कराचार चण्डिकायै
 भास्कराचार परमायै
 भास्कराचार पारदायै
 भास्कराचार मुक्तिस्थायै

भास्कराचार मुक्तिदायै	भास्करोश्वर जनन्यै
भास्कराचार सिद्धिस्थायै ७००	भास्करोश्वर पालिन्यै
भास्कराचार सिद्धिदायै	भास्करोश्वर सर्वेश्वै
भास्कराचरणाधारायै	भास्करोश्वर शर्वेश्वै
भास्कराचरणाश्रितायै	भास्करोश्वर सद्दीमायै ७३०
भास्कराचारमन्त्रेश्वै	भास्करोश्वर सन्निभायै
भास्कराचार मन्त्रिण्यै	भास्करोश्वर सुपथायै
भास्कराचार वित्तेश्वै	भास्करोश्वर सुप्रभायै
भास्कराचार चित्रिण्यै	भास्करोश्वर युवत्यै
भास्कराधार धर्मेष्ट्वै	भास्करोश्वर सुन्दर्यै
भास्कराधार धारिण्यै	भास्करोश्वर मूर्तेश्वै
भास्कराधार रचनायै ७१०	भास्करोश्वर मूर्तिन्यै
भास्कराधार रक्षितायै	भास्करोश्वर मित्रेश्वै
भास्कराधार कर्माण्यै	भास्करोश्वर मन्त्रिण्यै
भास्कराधार कर्मदायै	भास्करोश्वर सानन्दायै ७४०
भास्कराधार रूपेश्वै	भास्करोश्वर साश्रयायै
भास्कराधार रूपिण्यै	भास्करोश्वर चित्रस्थायै
भास्कराधार काम्येश्वै	भास्करोश्वर चित्रदायै
भास्कराधार कामिन्यै	भास्करोश्वर चित्रेश्वै
भास्कराधार सांशेश्वै	भास्करोश्वर चित्रिण्यै
भास्कराधार सांशिन्यै	भास्करोश्वर भाग्यस्थायै
भास्कराधार धर्मेष्ट्वै ७२०	भास्करोश्वर भाग्यदायै
भास्कराधार धामिन्यै	भास्करोश्वर भाग्येश्वै
भास्कराधार चक्रस्थायै	भास्करोश्वर भाविन्यै
भास्कराधार चक्रिण्यै	भास्करोश्वर कीर्त्येश्वै ७५०
भास्करोश्वरक्षेत्रेश्वै	भास्करोश्वर कीर्तिन्यै
भास्करोश्वर क्षेत्रिण्यै	भास्करोश्वर कीर्तिस्थायै

भास्करेश्वर कीर्तिदायै
 भास्करेश्वर करुणायै
 भास्करेश्वर कारिण्यै
 भास्करेश्वर गीर्वाण्यै
 भास्करेश्वर गारुड्यै
 भास्करेश्वर देहस्थायै
 भास्करेश्वर देहदायै
 भास्करेश्वर नादस्थायै ७६०
 भास्करेश्वर नादिन्यै
 भास्करेश्वर नादेश्यै
 भास्करेश्वर नादिन्यै
 भास्करेश्वर कोशस्थायै
 भास्करेश्वर कोशदायै
 भास्करेश्वर कोशेश्यै
 भास्करेश्वर कोशिन्यै
 भास्करेश्वर शक्तिस्थायै
 भास्करेश्वर शक्तिदायै
 भास्करेश्वर तोषेश्यै ७७०
 भास्करेश्वर तोषिण्यै
 भास्करेश्वर क्षेत्रेश्यै
 भास्करेश्वर क्षेत्रिण्यै
 भास्करेश्वर योगस्थायै
 भास्करेश्वर योगदायै
 भास्करेश्वर योगेश्यै
 भास्करेश्वर योगिन्यै
 भास्करेश्वर पद्मेश्यै
 भास्करेश्वर पद्मिन्यै

भास्करेश्वर हृद्गीजायै ७८०
 भास्करेश्वर हृद्वरायै
 भास्करेश्वर हृद्योनये
 भास्करेश्वर हृदद्युतये
 भास्करेश्वर बुद्धिस्थायै
 भास्करेश्वर सद्विधायै
 भास्करेश्वर सद्वाण्यै
 भास्करेश्वर सद्गरायै
 भास्करेश्वर राज्यस्थायै
 भास्करेश्वर राज्यदायै
 भास्करेश्वर राज्येश्यै ७९०
 भास्करेश्वर पोषिण्यै
 भास्करेश्वर ज्ञानस्थायै
 भास्करेश्वर ज्ञानदायै
 भास्करेश्वर ज्ञानेश्यै
 भास्करेश्वर गामिन्यै
 भास्करेश्वर लक्ष्येश्यै
 भास्करेश्वर क्षालितायै
 भास्करेश्वर लक्षितायै
 भास्करेश्वर रक्षितायै
 भास्करेश्वर खड्गस्थायै ८००
 भास्करेश्वर खड्गदायै
 भास्करेश्वर खड्गेश्यै
 भास्करेश्वर खड्गिन्यै
 भास्करेश्वर कार्येश्यै
 भास्करेश्वर कामिन्यै
 भास्करेश्वर कायस्थायै

भास्करोश्वर कायदायै
 भास्करोश्वर चक्षुःस्थायै
 भास्करोश्वर चक्षुषायै
 भास्करोश्वर सन्नाभायै ८१०
 भास्करोश्वर सार्चितायै
 भ्रूणहत्या-प्रशमिन्यै
 भ्रूणपापविनाशिन्यै
 भ्रूणदारिद्र्यशमन्यै
 भ्रूणरोगविनाशिन्यै
 भ्रूणशोकप्रशमन्यै
 भ्रूणदोषनिवारिण्यै
 भ्रूणसन्तापशमन्यै
 भ्रूणविभ्रमनाशिन्यै
 भवाब्धिस्थायै ८२०
 भवाब्धीशायै
 भवाब्धिभयनाशिन्यै
 भवाब्धिपारकरण्यै
 भवाब्धिसुखवर्धिन्यै
 भवाब्धिकार्यकरण्यै
 भवाब्धिकरुणानिधये
 भवाब्धिकालशमन्यै
 भवाब्धिवरदायिन्यै
 भवाब्धिभजनस्थानायै
 भवाब्धिभजनस्थितायै ८३०
 भवाब्धिभजनाकारायै
 भवाब्धिभजनक्रियायै
 भवाब्धिभजनाचारायै

भवाब्धिभजनाङ्कुरायै
 भवाब्धिभजनानन्दायै
 भवाब्धिभजनाधिपायै
 भवाब्धिभजनेश्वरायै
 भवाब्धिभजनेश्वर्यै
 भवाब्धिभजनासिद्धयै
 भवाब्धिभजनारत्यै ८४०
 भवाब्धिभजनानित्यायै
 भवाब्धिभजनानिशायै
 भवाब्धिभजनानिम्लायै
 भवाब्धि भवभीतिहायै
 भवाब्धिभजनाकाम्यायै
 भवाब्धिभजनाकलायै
 भवाब्धिभजनाकीर्त्यै
 भवाब्धिभजनाकृतायै
 भवाब्धिभजनाशुभदायै
 भवाब्धिभजनित्यायै ८५०
 भवाब्धिभजनाशुभदायिन्यै
 भवाब्धिसकलानन्दायै
 भवाब्धिसकलाकलायै
 भवाब्धिसकलासिद्धयै
 भवाब्धिसकलानिध्यै
 भवाब्धिसकलासारायै
 भवाब्धिसकलार्थदायै
 भवाब्धिभवनामूर्त्यै
 भवाब्धिभवनाकृत्यै
 भवाब्धिभवनाभव्यायै ८६०

भवाब्धिभवनांभसायै	भवाब्धिभोगग्रथिन्यै
भवाब्धिमदनारूपायै	भवाब्धिभोगयोगिन्यै
भवाब्धिमदनातुरायै	भवाब्धिभोगरसनायै ८९०
भवाब्धिमदनेशान्यै	भवाब्धिभोगराजितायै
भवाब्धिमदनेश्वर्यै	भवाब्धिभोगविभवायै
भवाब्धिभाग्यरचनायै	भवाब्धिभोगविस्तृतायै
भवाब्धिभाग्यदायै	भवाब्धिभोगवरदायै
भवाब्धिभाग्यदाकूलायै	भवाब्धिभोगवन्दितायै
भवाब्धिभाग्यनिर्भरायै	भवाब्धिभोगकुशलायै
भवाब्धिभाग्यनिरतायै ८७०	भवाब्धिभोगशोभितायै
भवाब्धिभाग्यभावितायै	भवाब्धिभेदजनन्यै
भवाब्धिभाग्यसञ्चारायै	भवाब्धिभेदपालिन्यै
भवाब्धिभाग्यसञ्चितायै	भवाब्धिभेदरचनायै ९००
भवाब्धिभाग्यसुपथायै	भवाब्धिभेदरक्षितायै
भवाब्धिभाग्यसुप्रदायै	भवाब्धिभेदनियतायै
भवाब्धिभाग्यरीतिज्ञायै	भवाब्धिभेदनिस्पृहायै
भवाब्धिभाग्यनीतिदायै	भवाब्धिभेदरचनायै
भवाब्धिभाग्यरीत्यै	भवाब्धिभेदरोषितायै
भवाब्धिभाग्यरीतिन्यै	भवाब्धिभेदराशिष्ट्यै
भवाब्धिभोगनिपुणायै ८८०	भवाब्धिभेदराशिन्यै
भवाब्धिभोगसंप्रदायै	भवाब्धिभेदकर्मै
भवाब्धिभाग्यगहनायै	भवाब्धि भेदकर्मिण्यै
भवाब्धिभोग्यगुंफितायै	भद्रेभ्यै ९१०
भवाब्धिभोगगान्धार्यै	भद्रजनन्यै
भवाब्धि भोगगुंफितायै	भद्रायै
भवाब्धिभोगसुरसायै	भद्रनिवासिन्यै
भवाब्धिभोगसुस्पृहायै	भद्रेश्वर्यै

भद्रवत्यै	भद्रवादिन्यै ९४०
भद्रस्थायै	भूपमंगलदायै
भद्रदायिन्यै	भूपायै
भद्ररूपायै	भूलतायै
भद्रमय्यै	भूमिवाहिन्यै
भद्रदायै ९२०	भूपभोगायै
भद्रभाषिण्यै	भूपशोभायै
भद्रकर्णायै	भूपाशायै
भद्रवेशायै	भूपरूपदायै
भद्रांबायै	भूपाकृत्यै
भद्रमन्दिरायै	भूपत्यै ९५०
भद्रक्रियायै	भूपश्रियै
भद्रकलायै	भूपश्रेयस्यै
भद्रिकायै	भूपनीत्यै
भद्रवर्धिन्यै	भूपरीत्यै
भद्रक्रीडायै ९३०	भूपभीत्यै
भद्रकलायै	भयङ्कर्यै
भद्रलीलाभिलाषिण्यै	भवदानन्दलह्यै
भद्राङ्गुरायै	भवदानन्दसुन्दर्यै
भद्ररतायै	भवदानन्दकरण्यै
भद्राङ्गयै	भवदानन्दवर्धिन्यै ९६०
भद्रमन्त्रिण्यै	भवदानन्दरमण्यै
भद्राविद्यायै	भवदानन्ददायिन्यै
भद्रविद्यायै	भवदानन्दजनन्यै
भद्रवाचे	भवदानन्दरूपिण्यै ९६४

श्रीछिन्नमस्ता-अष्टोत्तरशतनामावलि:

छिन्नमस्तायै नमः
 महाविद्यायै
 महाभीमायै
 महोदर्यै
 चण्डेश्वर्यै
 चण्डमात्रे
 चण्डमुण्डप्रभञ्जिन्यै
 महाचण्डायै
 चण्डरूपायै
 चण्डिकायै १०
 चण्डखण्डिन्यै
 क्रोधिन्त्यै
 क्रोधजनन्यै
 क्रोधरूपायै
 कुह्वै
 कलायै
 कोपातुरायै
 कोपयुतायै
 कोपसंहारकारिण्यै
 वज्रवैरोचन्यै २०
 वज्रायै
 वज्रकल्पायै
 डाकिन्यै
 डाकिनीकर्मनिरतायै
 डाकिनीकर्मपूजितायै
 डाकिनी सङ्गनिरतायै

डाकिनीप्रेमपूरितायै
 खट्वाङ्गधारिण्यै
 खर्वायै
 खड्गखर्परधारिण्यै ३०
 प्रेताशनायै
 प्रेतयुतायै
 प्रेतसङ्गविहारिण्यै
 छिन्नमुण्डधरायै
 छिन्नचण्डविद्यायै
 चित्रिण्यै
 घोररूपायै
 घोरदृष्ट्यै
 घोरावायै
 घनोदर्यै ४०
 योगिन्यै
 योगनिरतायै
 जपयज्ञपरायणायै
 योनिचक्रमर्थ्यै
 योने
 योनिचक्रप्रवर्तिन्यै
 योनिमुद्रायै
 योनिगम्यायै
 योनियन्त्रनिवासिन्यै
 यन्त्ररूपायै ५०
 यन्त्रमर्थ्यै
 यन्त्रेश्वर्यै

यन्त्रपूजितायै	महाभद्रायै
कीर्त्यायै	सुभद्रायै
कपर्दिन्यै	भद्रपालिन्यै
काल्यै	सुभव्यायै
कङ्काल्यै	भव्यवदनायै
कलविकारिण्यै	सुमुख्यै
आरक्तायै	सिद्धसेवितायै
रक्तनयनायै ६०	सिद्धिदायै
रक्तपानपरायणायै	सिद्धनिबहायै
भवान्यै	सिद्धायै ९०
भूतिदायै	सिद्धनिषेवितायै
भूतये	शुभदायै
भूतिदात्र्यै	शुभगायै
भैरव्यै	शुद्धायै
भैरवाचारनिरतायै	शुद्धसत्त्वायै
भूतभैरवसेवितायै	शुभावहायै
भीमायै	श्रेष्ठायै
भीमेश्वर्यै ७०	दृष्टिमय्यै देव्यै
देव्यै	दृष्टिसंहारकारिण्यै
भीमनादपरायण्यै	शर्वाण्यै १००
भवाराध्यायै	सर्वगायै
भवनुतायै	सर्वायै
भवसागरतारिण्यै	सर्वमङ्गलकारिण्यै
भद्रकाल्यै	शिवायै
भद्रतनवे	शान्तायै
भद्ररूपायै	शान्तिरूपायै
भद्रिकायै	मृडान्यै
भद्ररूपायै ८०	मदनातुरायै १०८

श्री छिन्नमस्ता-सहस्रनामावलिः

प्रचण्डचण्डिकायै
 चण्डायै
 चण्डदेव्यै
 अविनाशिन्यै
 चामुण्डायै
 सुचण्डायै
 चपलायै
 चारुदेहिन्यै
 ललज्जिह्वायै
 चलद्रक्तायै १०
 चारुचन्द्रनिभाननायै
 चकोराक्ष्यै
 चण्डनादायै
 चञ्चलायै
 मनोन्मदायै
 चेतनायै
 चितिसंस्थायै
 चित्कलायै
 ज्ञानरूपिण्यै
 महाभयङ्करीदेव्यै २०
 वरदाभयधारिण्यै
 भयाढ्यायै
 भवरूपायै
 भवबन्धविमोचिन्यै
 भवान्यै

भुवनेभ्यै
 भवसंसारतारिण्यै
 भवाब्धये
 भवमोक्षायै
 भवबन्धविघातिन्यै ३०
 भागीरथ्यै
 भगस्थायै
 भाग्यभोग्यप्रदायिन्यै
 कमलायै
 कामदायै
 दुर्गायै
 दुर्गबन्धविमोचिन्यै
 दुर्दर्शनायै
 दुर्गरूपायै
 दुर्ज्ञेयायै ४०
 दुर्गनाशिन्यै
 दीनदुःखहरायै
 नित्यायै
 नित्यशोकविनाशिन्यै
 नित्यानन्दमयीदेव्यै
 नित्यकल्याणरूपिण्यै
 सर्वार्थसाधनकर्यै
 सर्वसिद्धिस्वरूपिण्यै
 सर्वक्षोभणशक्त्यै
 सर्वविद्राविण्यै ५०

परायै	कुल्लायै
सर्वरञ्जनशक्त्यै	कुरुकुल्लायै
सर्वोन्मादस्वरूपिण्यै	करालिकायै ८०
सर्वज्ञायै	कामेश्वर्यै
सिद्धिदात्र्यै	काममात्रे
सिद्धिविद्यास्वरूपिण्यै	कामतापविमोचिन्यै
सकलायै	कामरूपायै
निष्कलायै	कामसत्त्वायै
सिद्धायै	कामकौतुककारिण्यै
कलातीतायै ६०	कारुण्यहृदयायै
कलामय्यै	क्रीनमः
कुलज्ञायै	क्रीमन्त्ररूपायै
कुलरूपायै	कोटरायै ९०
चक्षुरानन्ददायिन्यै	कौमोदक्यै
कुलीनायै	कुमुदिन्यै
सामरूपायै	कैवल्यायै
कामरूपायै	कुलवासिन्यै
मनोहरायै	केशव्यै
कमलस्थायै	केशवाराध्यायै
कञ्जमुख्यै ७०	केशिदैत्यनिषूदिन्यै
कुञ्जेश्वरगामिन्यै	क्लेशहायै
कुलरूपायै	क्लेशरहितायै
कोटराक्ष्यै	क्लेशसंघविनाशिन्यै १००
कमलायै	कराल्यै
ऐश्वर्यदायिन्यै	करालास्यायै
कुन्त्यै	करालासुरनाशिन्यै
ककुब्जिन्यै	करालचर्मासिधरायै

करालकुलनाशिन्यै
 कङ्किन्यै
 कङ्कनिरतायै
 कपालवरधारिण्यै
 खड्गहस्तायै
 त्रिणेत्रायै ११०
 खण्डमुण्डासिधारिण्यै
 खलहायै
 खलहन्त्र्यै
 क्षरत्यै
 सदा खगत्यै
 गङ्गायै
 गौतमपूज्यायै
 गौर्यै
 गन्धर्ववासिन्यै
 गन्धर्वायै १२०
 गगणाराध्यायै
 गणायै
 गन्धर्वसेवितायै
 गणत्कारगणादेव्यै
 निर्गुणायै
 गुणात्मिकायै
 गुणतायै
 गुणदात्र्यै
 गुणगौरवदायिन्यै
 गणेशमात्रे १३०
 गंभीरायै

गगणायै
 ज्योतिकारिण्यै
 गौरांग्यै
 गयायै
 गम्यायै
 गौतमस्थानवासिन्यै
 गदाधरप्रियायै
 ज्ञेयायै
 ज्ञानगम्यायै १४०
 गुहेश्वर्यै
 गायत्र्यै
 गुणवत्यै
 गुणातीतायै
 गुणेश्वर्यै
 गणेशजननीदेव्यै
 गणेशवरदायिन्यै
 गणाध्यक्षनुतायै नित्यायै
 गणाध्यक्षप्रपूजितायै
 गिरीशरमणीदेव्यै १५०
 गिरीशपरिवन्दितायै
 गतिदायै
 गतिहायै
 गीतायै
 गौतम्यै
 गुरुसेवितायै
 गुरुपूज्यायै
 गुरुयुतायै

गुरुसेवनतत्परायै	गन्धर्व गणभूषितायै
गन्धद्वारायै १६०	घर्घरायै
गन्धाढ्यायै	घोररूपायै
गन्धात्मने	घोरघुर्घुरनादिन्यै
गन्धकारिण्यै	घर्मबिन्दुसमुद्भूतायै १९०
गीर्वाणपतिसंपूज्यायै	घर्मबिन्दुस्वरूपिण्यै
गीर्वाणपतितुष्टिदायै	घण्टारवायै
गीर्वाणाधीश रमण्यै	घनरवायै
गीर्वाणाधीश वन्दितायै	घनरूपायै
गीर्वाणाधीश संसेव्यायै	घनोदर्यै
गीर्वाणाधीश हर्षदायै	घोरसत्त्वायै
गानशक्त्यै १७०	घनदायै
गानगम्यायै	घण्टानादविनोदिन्यै
गानशक्तिप्रदायिन्यै	घोरचाण्डालिन्यै
गानविद्यायै	घोरायै २००
गानसिद्धायै	घोरचण्ड विनाशिन्यै
गानसन्तुष्टमानसायै	घोरदानव दमन्यै
गानातीतायै	घोरदानवनाशिन्यै
गानगीतायै	घोरकर्मादिरहितायै
गानहर्षप्रपूरितायै	घोरकर्मनिषेवितायै
गन्धर्वपतिसंहृष्टायै	घोरतत्त्वमय्यै देव्यै
गन्धर्व गुणमण्डितायै १८०	घोरतत्त्वविमोचिन्यै
गन्धर्वगणसंसेव्यायै	घोरकर्मादिरहितायै
गन्धर्व गणमध्यगायै	घोरकर्मादिपूरितायै
गन्धर्व गणकुशलायै	घोर कर्मादिनिरतायै २१०
गन्धर्व गणपूजितायै	घोर कर्मप्रवर्धिन्यै
गन्धर्व गणनिरतायै	घोर भूतप्रमथन्यै

घोर वेतालनाशिन्यै	चञ्चलायै २४०
घोर दावाग्निदमन्यै	चञ्चलाकारायै
घोर शत्रुनिषूदन्यै	चारुरूपायै
घोर मन्त्रयुतायै	चण्डिकायै
घोर मन्त्रप्रपूजितायै	चतुर्वेदमय्यै
घोर मन्त्रमनोऽभिज्ञायै	चण्डायै
घोर मन्त्रफलप्रदायै	चाण्डालगणमण्डितायै
घोर मन्त्रनिधयै २२०	चाण्डालच्छेदिन्यै
घोर मन्त्रकृतास्पदायै	चण्डतापनिर्मूलकारिण्यै
घोर मन्त्रेश्वर्यै देव्यै	चतुर्भुजायै
घोर मन्त्रार्थमानसायै	चण्डरूपायै २५०
घोर मन्त्रार्थतत्त्वज्ञायै	चण्डमुण्डविनाशिन्यै
घोर मन्त्रार्थपारगायै	चन्द्रिकायै
घोर मन्त्रार्थविभवायै	चन्द्रकीर्तये
घोर मन्त्रार्थबोधिनीयै	चन्द्रकान्त्यै
घोर मन्त्रार्थनिचयायै	चन्द्रास्यायै
घोर मन्त्रार्थजन्मभुवे	चन्द्ररूपायै
घोर मन्त्रजपरतायै २३०	चन्द्रमौलिस्वरूपिण्यै
घोरमन्त्रजपोद्यतायै	चन्द्रमौलिप्रियायै
ङकारवर्णनिलयायै	चन्द्रमौलिसन्तुष्टमानसायै
ङकाराक्षरमण्डितायै	चकोरबन्धुरमण्यै २६०
ङकारापररूपायै	चकोरबन्धु पूजितायै
ङकाराक्षररूपिण्यै	चक्ररूपायै
चित्ररूपायै	चक्रमय्यै
चित्रनाड्यै	चक्राकारस्वरूपिण्यै
चारुकेश्यै	चक्रपाणिप्रियायै
चयप्रभायै	चक्रपाणिप्रीतिप्रदायिन्यै

चक्रपाणिरसाभिज्ञायै	चित्रायै
चक्रपाणि वरप्रदायै	चर्मण्वत्यै
चक्रपाणि वरोन्मत्तायै	चैत्र्यै
चक्रपाणि स्वरूपिण्यै २७०	चन्द्रभागायै
चक्रपाणीश्वर्यै	चंपकायै
नित्यं चक्रपाणिनमस्कृतायै	चतुर्दशयमाकारायै
चक्रपाणि समुद्भूतायै	चतुर्दश यमानुगायै ३००
चक्रपाणि गुणास्पदायै	चतुर्दश यमप्रीतायै
चन्द्रावल्यै	चतुर्दश यमप्रियायै
चन्द्रवत्यै	छलस्थायै
चन्द्रकोटिसमप्रभायै	छिद्ररूपायै
चन्दनार्चितपादाब्जायै	छद्मदायै
चन्दनान्वितमस्तकायै	छद्मराजिकायै
चारुकीर्त्यै २८०	छिन्नमस्तायै
चारुनेत्रायै	छिन्नायै
चारुचन्द्रविभूषणायै	छिन्नमुण्डविधारिण्यै
चारुभूषायै	जयदायै ३१०
चारुवेषायै	जयरूपायै
चारुवेषप्रदायिन्यै	जयन्त्यै
चारुभूषाभूषिताङ्गायै	जयमोहिन्यै
चतुर्वक्त्र वरप्रदायै	जयायै
चतुर्वक्त्र समाराध्यायै	जीवनसंस्थायै
चतुर्वक्त्र समाश्रितायै	जालन्धरनिवासिन्यै
चतुर्वक्त्रायै २९०	ज्वालामुख्यै
चतुर्बाहायै	ज्वालदात्र्यै
चतुर्थ्यै	जाज्वल्यदहनोपमायै
चतुर्दश्यै	जगद्धन्द्यायै ३२०

जगत्पूज्यायै
 जगत्त्राणपरायण्यै
 जगत्यै
 जगदाधारायै
 जन्ममृत्युजरापहायै
 जनन्यै
 जन्मभूम्यै
 जन्मदायै
 जयशालिन्यै
 ज्वररोगहरायै ३३०
 ज्वालायै
 ज्वालामालाप्रपूरितायै
 जंभारातीश्वर्यै
 जंभारातिवैभवकारिण्यै
 जंभारातिस्तुतायै
 जंभाराति शत्रुनिषूदन्यै
 जयदुर्गायै
 जयाराध्यायै
 जयकाल्यै
 जयेश्वर्यै ३४०
 जयतारायै
 जयातीतायै
 जयशङ्करवल्लभायै
 जलदायै
 जल्लुतनयायै
 जलधित्रासकारिण्यै
 जलधिव्याधिदमन्यै

जलधिज्वरनाशिन्यै
 जङ्गमेश्वर्यै
 जाड्यहरायै ३५०
 जाड्यसङ्घनिवारिण्यै
 जाड्यग्रस्तजनातीतायै
 जाड्यरोगनिवारिण्यै
 जन्मदात्र्यै
 जन्महर्त्र्यै
 जयघोषसमन्वितायै
 जपयोगसमायुक्तायै
 जपयोगविनोदिन्यै
 जपयोगप्रियायै
 जाप्यायै ३६०
 जपातीतायै
 जयस्वनायै
 जायाभावस्थितायै
 जायायै
 जायाभावप्रपूरिण्यै
 जपाकुसुमसंकाशायै
 जपाकुसुम पूजितायै
 जपाकुसुम संप्रीतायै
 जपाकुसुम मण्डितायै
 जपाकुसुमवद्भासायै ३७०
 जपाकुसुम रूपिण्यै
 जमदग्निस्वरूपायै
 जानक्यै
 जनकात्मजायै

झंझावातप्रमुक्तांग्यै	त्रिगुणात्मिकायै
झोरझङ्कारवासिन्यै	तामस्यै
झङ्कारकारिण्यै	त्रिलोकेभ्यै
झञ्झावातरूपायै	त्रिपुरायै
झङ्कार्यै	त्रयीश्वर्यै
अकाराणुस्वरूपायै ३८०	त्रिविधायै
टबट्टंकारनादिन्यै	त्रिरूपायै
टङ्कार्यै	त्रिनेत्रायै
टकुवाण्यै	त्रिरूपिण्यै ४१०
ठकाराक्षररूपिण्यै	तारिण्यै
डिण्डिमायै	तरलायै
डिंभायै	तारायै
डिण्डुडिण्डिमवादिन्यै	तारकारिप्रपूजितायै
ढक्कामय्यै	तारकारिसमाराध्यायै
ढिलमय्यै	तारकारिवरप्रदायै
नृत्यशब्दविलासिन्यै ३९०	तारकारिप्रसुवे
ढक्कायै	तन्व्यै
ढक्केश्वर्यै	तरुण्यै
ढक्काशब्दरूपायै	तरलप्रभायै ४२०
ढक्कानादप्रियायै	त्रिरूपायै
ढक्कानादसन्तुष्टमानसायै	त्रिपुरगायै
णकारायै	त्रिशूलवरधारिण्यै
णाक्षरमय्यै	त्रिशूलिन्यै
णाक्षरादिस्वरूपिण्यै	तन्त्रमय्यै
त्रिपुरायै	तन्त्रशास्त्रविशारदायै
त्रिपुरमय्यै ४००	तन्त्ररूपायै
त्रिशक्त्यै	तपोमूर्त्यै

तन्त्रमन्त्रस्वरूपिण्यै	त्रिपुरात्मिकायै
तडिते ४३०	त्रिकूटायै
तडिलताकारायै	त्रिकुटाकारायै
तत्त्वज्ञानप्रदायिन्यै	त्रिकूटाचलमध्यगायै
तत्त्वज्ञानेश्वर्यै देव्यै	त्रिजटायै ४६०
तत्त्वज्ञानप्रमोदिन्यै	त्रिनेत्रायै
त्रयीमय्यै	त्रिनेत्रवरसुन्दर्यै
त्रयीसेव्यायै	तृतीयायै
त्र्यक्षर्यै	त्रिवर्षायै
त्र्यक्षरेश्वर्यै	त्रिविधायै
तापविध्वंसिन्यै	त्रिमतेश्वर्यै
तापसंघनिर्मूलकारिण्यै ४४०	त्रिकोणस्थायै
त्रासकर्त्र्यै	त्रिकोणेश्वर्यै
त्रासहर्त्र्यै	त्रिकोणयन्त्रमध्यगायै
त्रासदात्र्यै	त्रिसन्ध्यायै ४७०
त्रासहायै	त्रिरुन्ध्याचर्यायै
तिथीशायै	त्रिपदायै
तिथिरूपायै	त्रिपदास्पदायै
तिथिस्थायै	स्थानस्थितायै
तिथिपूजितायै	स्थलस्थायै
तिलोत्तमायै	धन्यस्थलनिवासिन्यै
तिलदायै ४५०	थकाराक्षररूपायै
तिलप्रीतायै	स्थूलरूपायै
तिलेश्वर्यै	स्थूलहस्तायै
त्रिगुणायै	स्थूलायै ४८०
त्रिगुणाकारायै	स्थैर्यरूपप्रकाशिन्यै
त्रिपुर्यै	दुर्गायै

दुर्गार्तिहन्त्र्यै	दीर्घकेश्यै ५१०
दुर्गबन्धविमोचिन्यै	दिगंबर्यै
देव्यै	दिगंबरप्रियायै
दानवसंहन्त्र्यै	दान्तायै
दनुजेशनिषूदिन्यै	दिगंबरस्वरूपिण्यै
दारापत्यप्रदायै नित्यायै	दुःखहीनायै
शङ्करार्धाङ्गधारिण्यै	दुःखहरायै
दिव्याङ्ग्यै ४९०	दुःखसागरतारिण्यै
देवमात्रे	दुःखदारिद्र्यशमन्यै
देवदुष्टविनाशिन्यै	दुःखदारिद्र्यकारिण्यै
दीनदुःखहरायै	दुःखदायै ५२०
दीनतापनिर्मूलकारिण्यै	दुःसहायै
दीनमात्रे	दुष्टखण्डनैकस्वरूपिण्यै
दीनसेव्यायै	देववामायै
दीनदंभविनाशिन्यै	देवसेव्यायै
दनुजध्वंसिन्यै	देवशक्तिप्रदायिन्यै
देव्यै	दामिन्यै
देवक्यै ५००	दामिनीप्रीतायै
देववल्लभायै	दामिनी शतसुन्दर्यै
दानवारिप्रियायै	दामिनीशतसंसेव्यायै
दीर्घायै	दामिनी दामभूषितायै ५३०
दानवारिप्रपूजितायै	देवताभावसन्तुष्टायै
दीर्घस्वरायै	देवताशतमध्यगायै
दीर्घतन्त्र्यै	दयाद्रायै
दीर्घदुर्गतिनाशिन्यै	दयारूपायै
दीर्घनेत्रायै	दयायै
दीर्घचक्षुषे	दानपरायणायै

दयाशीलायै	धर्मपाखण्डखण्डिन्यै
दयासारायै	धर्मेश्वर्यै
दयासागरसंस्थितायै	धर्मरूपायै
दशविद्यात्मिकायै ५४०	धर्मराजवरप्रदायै
देव्यै	धर्मिण्यै
दशविद्यास्वरूपिण्यै	धर्मगेहस्थायै
धरण्यै	धर्माधर्मस्वरूपिण्यै ५७०
धनदायै	धनदायै
धात्र्यै	धनदप्रीतायै
धन्यायै	धनधान्यसमृद्धिदायै
धन्यपरायै	धनधान्यसमृद्धिस्थायै
शिवायै	धनधान्यविनाशिन्यै
धर्मरूपायै	धर्मनिष्ठायै
धनिष्ठायै ५५०	धर्मधीरायै
धेयायै	सदा धर्ममार्गरतायै
धीरगोचरायै	धर्मबीजकृतस्थानायै
धर्मराजेश्वर्यै	धर्मबीजसुरक्षिण्यै ५८०
धर्मकर्मरूपायै	धर्मबीजेश्वर्यै
धनेश्वर्यै	धर्मबीजरूपायै
धनुर्विद्यायै	धर्मगायै
धनुर्गम्यायै	धर्मबीजसमुद्भूतायै
धनुर्धरवरप्रदायै	धर्मबीजसमाश्रितायै
धर्मशीलायै	धराधरपतिप्राणायै
धर्मलीलायै ५६०	धराधरपतिस्तुतायै
धर्मकर्मविवर्जितायै	धराधरेन्द्रतनुजायै
धर्मदायै	धराधरेन्द्रवन्दितायै
धर्मनिरतायै	धराधरेन्द्रगेहस्थायै ५९०

धराधरेन्द्र पालिन्यै
 धराधरेन्द्र सर्वातिनाशिन्यै
 धर्मपालिन्यै
 नवीनायै
 निर्मलायै
 नित्यायै
 नगराजप्रपूजितायै
 नागेश्वर्यै
 नागमात्रे
 नागकन्यायै ६००
 नग्निकायै
 निर्लेपायै
 निर्विकल्पायै
 निर्लोमायै
 निरुपद्रवायै
 निराहारायै
 निराकारायै
 निरञ्जनस्वरूपिण्यै
 नागिन्यै
 नागविभवायै ६१०
 नागराजपरिस्तुतायै
 नागराजगुणज्ञायै
 नागराजसुखप्रदायै
 नित्यं नागलोकगतायै
 नागलोकनिवासिन्यै
 नागलोकेश्वर्यै
 नागभगिन्यै

नागपूजितायै
 नागमध्यस्थितायै
 नागमोहसंक्षोभदायिन्यै ६२०
 नृत्यप्रियायै
 नृत्यवत्यै
 नृत्यगीत परायणायै
 नृत्येश्वर्यै
 नर्तक्यै
 नृत्यरूपायै
 निराश्रयायै
 नारायण्यै
 नरेन्द्रस्थायै
 नरमुण्डास्थिमालिन्यै ६३०
 नित्यं नरमांसप्रियायै
 सदा नररक्तप्रियायै
 नरराजेश्वर्यै
 नारीरूपायै
 नारीस्वरूपिण्यै
 नारीगणार्चितायै
 नारीमध्यगायै
 नूतनाम्बरायै
 नर्मदायै
 नदीरूपायै ६४०
 नदीसंगमसंस्थितायै
 नर्मदेश्वरसंप्रीतायै
 नर्मदेश्वररूपिण्यै
 पद्मावत्यै

पद्ममुख्यै
 पद्मकिञ्जल्कवासिन्यै
 पट्टवस्त्रपराधीनायै
 पद्मरागविभूषितायै
 परमायै
 नित्यं प्रीतिदायै ६५०
 प्रेतासननिवासिन्यै
 परिपूर्णरसोन्मत्तायै
 प्रेमविह्वलवल्लभायै
 पवित्रासवनिष्पूतायै
 प्रेयस्यै
 परमात्मिकायै
 नित्यं प्रियव्रतपरायै
 परमप्रेमदायिन्यै
 पुष्पप्रियायै
 पद्मकोशायै ६६०
 पद्मधर्मनिवासिन्यै
 फेत्कारिणीतन्त्ररूपायै
 फेरुफेरवनादिन्यै
 वंशिन्यै
 वेशरूपायै
 बगलायै
 वामरूपिण्यै
 वाङ्मय्यै
 वसुधायै
 वृष्यायै ६७०
 वाग्भवाख्यायै

वरानरायै
 बुद्धिदायै
 बुद्धिरूपायै
 विद्यायै
 वादस्वरूपिण्यै
 बालायै
 वृद्धमयीरूपायै
 वाण्यै
 वाक्यनिवासिन्यै ६८०
 वरुणायै
 वाग्वत्यै
 वीरायै
 वीरभूषणभूषितायै
 वीरभद्रार्चितपदायै
 वीरभद्रप्रसुवे
 वेदमार्गरतायै
 वेदमन्त्ररूपायै
 वषट्प्रियायै
 वीणावाद्यसमायुक्तायै ६९०
 वीणावाद्यपरायणायै
 वीणारवायै
 वीणाशब्दरूपायै
 वैष्णव्यै
 वैष्णवाचार निरतायै
 वैष्णवाचार तत्परायै
 विष्णुसेव्यायै
 विष्णु पत्न्यै

विष्णुरूपायै	भुवनायै
वराननायै ७००	भुवनाराध्यायै
विश्वेश्वर्यै	भवान्यै
विश्वमात्रे	सदा भूतिदायै
विश्वनिर्माणकारिण्यै	भयदायै ७३०
विश्वरूपायै	भयहन्त्र्यै
विश्वेश्वर्यै	अभयायै
विश्वसंहारकारिण्यै	भयरूपिण्यै
भैरव्यै	भीमनादाविह्वलायै
भैरवाराध्यायै	भयभीतिविनाशिन्यै
भूतभैरवसेवितायै	मत्तायै
भैरवेश्वर्यै ७१०	प्रमत्तरूपायै
भीमायै	मदोन्मत्तरूपिण्यै
भैरवेश्वरतुष्टिदायै	मान्यायै
भैरवाधीशरमण्यै	मनोज्ञायै ७४०
भैरवाधीशपालिन्यै	मानायै
भीमेश्वर्यै	मङ्गलायै
भीममात्रे	मनोहरायै
भीमशब्दपरायणायै	माननीयायै
भीमरूपायै	महापूज्यायै
भीमेश्वर्यै	महिषीदुष्टमर्दिन्यै
भीमायै ७२०	महिषासुरहन्त्र्यै
भीमवरप्रदायै	मातङ्ग्यै
भीमपूजितपादाब्जायै	मयवासिन्यै
भीमभैरवपालिन्यै	माध्यै ७५०
भीमासुरध्वंसकर्यै	मधुमय्यै
भीमदुष्टविनाशिन्यै	मुद्रायै

मुद्रिकामन्त्ररूपिण्यै	रणोत्कण्ठायै ७८०
महाविश्वेश्वरीदूत्यै	रणस्थायै
मौलिचन्द्रप्रकाशिन्यै	बरांगप्रदायिन्यै
यशःस्वरूपिण्यै देव्यै	रेवत्यै
योगमार्ग प्रदायिन्यै	रणजैत्र्यै
योगिन्यै	रसोद्भूतायै
योगगम्यायै	रणोत्सवायै
याम्येश्वर्यै ७६०	लतायै
योगरूपिण्यै	लावण्यरूपायै
यज्ञाङ्ग्यै	लवणाब्धिस्वरूपिण्यै
योगमय्यै	लवङ्गकुसुमाराध्यायै ७९०
जपरूपायै	लोलजिह्वायै
जपात्मिकायै	लेलिहायै
युगाख्यायै	वशिन्यै
युगान्तायै	वनसंस्थायै
योनिमण्डलवासिन्यै	वनपुष्पप्रियायै
अयोनिजायै	वरायै
योगनिद्रायै ७७०	प्राणेश्वर्यै
योगानन्दप्रदायिन्यै	बुद्धिरूपायै
रमायै	बुद्धिदात्र्यै
नित्यं रतिप्रियायै	बुधात्मिकायै ८००
रतिरागविवर्धिन्यै	शमन्यै
रमण्यै	श्वेतवर्णायै
राससंभूतायै	शाङ्कर्यै
रम्यायै	शिवभाषिण्यै
रासप्रियायै	शाम्यरूपायै
रसायै	शक्तिरूपायै

शक्तिबिन्दुनिवासिन्यै	क्षौत्काररूपिण्यै
सर्वेश्वर्यै	सर्ववर्णमय्यै देव्यै
सर्वदात्र्यै	सर्वसंपत्प्रदायिन्यै
सर्वमात्रे ८१०	सर्वसंपत्प्रदात्र्यै
शर्वर्यै	संपदापदभूषितायै
शांभव्यै	सत्वरूपायै
सिद्धिदायै	सर्वार्थायै ८४०
सिद्धायै	सर्वदेवप्रपूजितायै
सुषुम्नायै	सर्वेश्वर्यै
स्वरभासिन्यै	सर्वमात्रे
सहस्रदलमध्यस्थायै	सर्वज्ञायै
सहस्रदलवर्तिन्यै	सुरसात्मिकायै
हरप्रियायै	सिन्धवे
हरध्येयायै ८२०	मन्दाकिन्यै
हुंकारबीजरूपिण्यै	गङ्गायै
लंकेश्वर्यै	नदीसागररूपिण्यै
तरलायै	सुकेत्र्यै ८५०
लोममांसप्रपूजितायै	मुक्तकेत्र्यै
क्षैम्यायै	डाकिन्यै
क्षेमकर्यै	वरवर्णिन्यै
क्षामायै	ज्ञानदायै
क्षीरबिन्दु स्वरूपिण्यै	ज्ञानगगनायै
क्षिप्तचित्तप्रदायै	सोममण्डलवासिन्यै
नित्यंक्षौमवस्त्रविलासिन्यै ८३०	आकाश निलयायै
छिन्नायै	नित्यं परमाकाशरूपिण्यै
छिन्नरूपायै	अन्न पूर्णायै
क्षुधायै	महानित्यायै ८६०

महादेवरसोद्भवायै
 मङ्गलायै
 कालिकायै
 चण्डायै
 चण्डनादातिभीषणायै
 चण्डासुरस्य मथन्यै
 चामुण्डायै
 चपलात्मिकायै
 चण्डचै
 चामरकेयै ८७०
 चलत्कुण्डलधारिण्यै
 नित्यं मुण्डमालाधरायै
 खण्डमुण्डविलासिन्यै
 खड्गहस्तायै
 मुण्डहस्तायै
 वरहस्तायै
 वरप्रदायै
 नित्यं असिचर्मधरायै
 पाशाङ्कुशधरायै परायै
 शूलहस्तायै ८८०
 शिव हस्तायै
 घण्टानादविलासिन्यै
 धनुर्बाणधरायै
 आदित्यायै
 नागहस्तायै
 नगात्मजायै
 महिषासुरहन्त्र्यै

रक्तबीजविनाशिन्यै
 रक्तरूपायै
 रक्तगात्रायै ८९०
 रक्तहस्तायै
 भयप्रदायै
 असितायै
 धर्मधरायै
 पाशाङ्कुशधरायै परायै
 नित्यं धनुर्बाणधरायै
 धूम्रलोचननाशिन्यै
 परस्थायै
 देवतामूर्त्यै
 शर्वाण्यै ९००
 शारदायै परायै
 नानावर्णविभूषाङ्ग्यै
 नानारागसमापिन्यै
 पशुवस्त्रपरीधानायै
 पुष्पायुधधरायै परायै
 मुक्तारञ्जितमालाढ्यायै
 मुक्ताहार विलासिन्यै
 स्वर्णकुण्डलभूषायै
 स्वर्णसिंहासनस्थितायै
 सुन्दराङ्ग्यै ९१०
 सुवर्णाभायै
 शांभव्यै
 शकटात्मिकायै
 सर्वलोकेशविद्यायै

मोहसंमोहकारिण्यै	परेशितायै
श्रेयस्यै	परायै
सृष्टिरूपायै	पररहस्यायै
छिन्नच्छद्ममय्यै	परमप्रेमविह्वलायै
छलायै	कुलीनायै
नित्यं छिन्नमुण्डधरायै ९२०	केशिमार्गस्थायै
नित्यानन्दविधायिन्यै	कुलमार्गप्रकाशिन्यै
नन्दायै	कुलाकुलस्वरूपायै
पूर्णायै	कुलार्णवमय्यै ९५०
रिक्तायै	कुलायै
तिथिभ्यः	रुक्मायै
पूर्णषोडश्र्यै	कालरूपायै
कुह्यै	कालकंपनकारिण्यै
संक्रान्तिरूपायै	विलासरूपिण्यै
पञ्चपर्वविलासिन्यै	भद्रायै
नित्यं पञ्चबाणधरायै ९३०	कुलाकुलनमस्कृतायै
पञ्चमप्रीतिदायै परायै	कुबेरवित्तधात्र्यै
पञ्चपत्राभिलाषायै	कुमारजनन्यै परायै
पञ्चामृतविलासिन्यै	कुमारीरूपसंस्थायै ९६०
पाञ्चाल्यै	कुमारीपूजनांविकायै
पञ्चमीदेव्यै	कुरंगनयनायै देव्यै
पञ्चरक्तप्रसारिण्यै	दिनेशास्यापराजितायै
नित्यं पञ्चबाणधरायै	कुण्डल्यै
नित्यदात्र्यै	कदलीसेनायै
दयापरायै	कुमार्गरहितायै
पललादिप्रियायै नित्यायै ९४०	वरायै
अपशुगम्यायै	अनन्तरूपायै

अनन्तसंस्थायै	ओंकार्यै
आनन्दसिन्धुवासिन्यै ९७०	प्रणवस्थायै ९९०
इलास्वरूपिण्यै देव्यै	ओंकारादिस्वरूपिण्यै
ईर्भेदभयङ्कर्यै	अनुलोमविलोमस्थायै
इङ्गलायै	थकारवर्णसंभवायै
पिङ्गलायै नाड्यै	पञ्चाशद्वर्णबीजाढ्यायै
इकाराक्षररूपिण्यै	पञ्चाशन्मुण्डमालिकायै
उमायै	प्रत्येकादशसंख्यायै
उत्पत्तिरूपायै	षोडश्यै
उच्चभावविनाशिन्यै	छिन्नमस्तकायै
ऋग्वेदायै	षडङ्गयुवतीपूज्यायै
निराराध्यायै ९८०	षडङ्ग रूपवर्जितायै १०००
यजुर्वेदप्रपूजितायै	षड्वक्त्रसंश्रितायै नित्यायै
सामवेदेन संगीतायै	विश्वेश्यै
अथर्ववेदभाषिण्यै	षड्गदालयायै
ऋकाररूपिण्यै	मालामन्त्रमय्यै
ऋक्षायै	मन्त्रजपमात्रे
निरक्षरस्वरूपिण्यै	मदालसायै
अहिदुर्गासमाचारायै	सर्वविश्वेश्वरीशक्त्यै
इकारार्णस्वरूपिण्यै	सर्वानन्दप्रदायिन्यै १००८

श्री त्रिपुरभैरवी अष्टोत्तरशतनामावलिः

भैरव्यै नमः

भैरवाराध्यायै

भूतिदायै

भूतभावनायै

आर्यायै

ब्राह्म्यै

कामधेनवे

सर्वसंपत्प्रदायिन्यै

त्रैलोक्यवन्दितायै

देव्यै १०

महिषासुरमर्दिन्यै

मोहघ्न्यै

मालत्यै

मालायै

महापातकनाशिन्यै

क्रोधिन्त्यै

क्रोधनिलयायै

क्रोधरक्तेक्षणायै

कुह्यै

त्रिपुरायै २०

त्रिपुराधारायै

त्रिनेत्रायै

भीमभैरव्यै

देवक्यै

देवमात्रे

देवदुष्टविनाशिन्यै

दामोदरप्रियायै

दीर्घायै

दुर्गायै

दुर्गतिनाशिन्यै ३०

लंबोदर्यै

लंबकर्णायै

प्रलंबितपयोधरायै

प्रत्यङ्गिरायै

प्रतिपदायै

प्रणतक्लेशनाशिन्यै

प्रभावत्यै

गुणवत्यै

गणमात्रे

गुहेश्वर्यै ४०

क्षीराब्धितनयायै

क्षेम्यायै

जगत्त्राणविधायिन्यै

महामार्यै

महामोहायै

महाक्रोधायै

महानद्यै

महापातकसंहन्त्र्यै

महामोहप्रदायिन्यै

विकरालायै ५०

महाकालायै

कालरूपायै

कलावत्यै
 कपालखट्वाङ्गधरायै
 खड्गखर्परधारिण्यै
 कुमार्यै
 कुंकुमप्रीतायै
 कुंकुमारुणरञ्जितायै
 कौमोदक्यै
 कुमुदिन्यै ६०
 कीर्त्यायै
 कीर्तिप्रदायिन्यै
 नवीनायै
 नीरदायै
 नित्यायै
 नन्दिकेश्वरपालिन्यै
 घर्घरायै
 घर्घरारावायै
 घोरायै
 घोरस्वरूपिण्यै ७०
 कलिद्यै
 कलिधर्मद्यै
 कलिकौतुकनाशिन्यै
 किशोर्यै
 केशवप्रीतायै
 क्लेशसंघनिवारिण्यै
 महोन्मत्तायै
 महामत्तायै
 महाविद्यायै
 महीमय्यै ८०

महायज्ञायै
 महावाण्यै
 महामन्दरधारिण्यै
 मोक्षदायै
 मोहदायै
 मोहायै
 भुक्तिमुक्तिप्रदायिन्यै
 अट्टाट्टहासनिरतायै
 कणन्नूपुरधारिण्यै
 दीर्घदंष्ट्रायै ९०
 दीर्घमुख्यै
 दीर्घघोणायै
 दीर्घिकायै
 दनुजान्तक्यै
 दुष्टायै
 दुःखदारिद्र्यभञ्जिन्यै
 दुराचारायै
 दोषघ्न्यै
 दम्पत्यै
 दयापरायै १००
 मनोभवायै
 मनुमय्यै
 मनुवंशप्रवर्धिन्यै
 श्यामायै
 श्यामतनवे
 शोभायै
 सौम्यायै
 शंभुविलासिन्यै १०८

श्री त्रिपुरभैरवीसहस्रनामावलिः

त्रिपुरायै नमः

परमायै

ईशान्यै

योगसिद्धयै

निवासिन्यै

सर्वमन्त्रमय्यै

देव्यै

सर्वसिद्धिप्रवर्तिन्यै

सर्वाधारमय्यै देव्यै

सर्वसंपत्प्रदायै १०

शुभायै

योगिन्यै

योगमात्रे

योगसिद्धिप्रवर्तिन्यै

योगिध्येयायै

योगमय्यै

योगायै

योगनिवासिन्यै

हेलायै

लीलायै २०

क्रीडायै

कालरूपायै

प्रवर्तिन्यै

कालमात्रे

कालरात्र्यै

काल्यै

कमलवासिन्यै

कमलायै

कान्तिरूपायै

कामराजेश्वर्यै ३०

क्रियायै

कद्वै

कपटकेशायै

कपटायै

कुलटाकृत्यै

कुमुदायै

चर्चिकायै

कान्त्यै

कालरात्र्यै

सदा प्रियायै ४०

घोराकारायै

घोरतरायै

धर्माधर्मप्रदायै

मत्यै

घण्टाघर्घरदायै

घण्टायै

सदा घण्टानादप्रियायै

सूक्ष्मायै

सूक्ष्मतरायै

स्थूलायै ५०

अतिस्थूलायै

सदामत्यै

अतिसत्यायै	सत्यवादिनिवासिन्यै
सत्यवत्यै	सत्यालयायै
सत्यायै	सत्यसङ्गायै
सङ्केतवासिन्यै	सत्यसङ्गरकारिण्यै
क्षमायै	असङ्गायै
भीमायै	सङ्गरहितायै
अभीमायै	सुसङ्गायै
भीमनादप्रवर्तिन्यै ६०	सङ्गमोहिन्यै
भ्रमरूपायै	मायायै
भयहरायै	मत्यै ९०
भयदायै	महामायायै
भयनाशिन्यै	महामखविलासिन्यै
श्मशानवासिन्यै	गलद्रुधिरधारायै
देव्यै	मुखद्वयनिवासिन्यै
श्मशानालयवासिन्यै	सत्यायासायै
शवासनायै	सत्यसङ्गायै
शवाहारायै	सत्यसङ्गतिकारिण्यै
शवदेहायै ७०	असङ्गायै
शिवायै	सङ्गनिरतायै
अशिवायै	सुसङ्गायै १००
कण्ठदेशशवाहारायै	सङ्गवासिन्यै
शवकङ्कणधारिण्यै	सदासत्यायै
दन्तुरायै	महासत्यायै
सुदत्यै	मांसपाशायै
सत्यायै	सुमांसकायै
सत्यसंकेतवासिन्यै	मांसाहारायै
सत्यदेहायै	मांसधरायै
सत्यहारायै ८०	मांसाभ्यै

मांसभक्षकायै
 रक्तपानायै ११०
 रक्तरुचये
 आरक्तायै
 रक्तवल्लभायै
 रक्ताहारायै
 रक्तप्रियायै
 रक्तनिन्दकनाशिन्यै
 रक्तपानप्रियायै
 बालायै
 रक्तदेशायै
 सुरक्तिकायै १२०
 स्वयंभूकुसुमस्थायै
 स्वयंभूकुसुमोत्सुकायै
 स्वयंभूकुसुमाहारायै
 स्वयंभूनिन्दकासनायै
 स्वयंभूपुष्पकप्रीतायै
 स्वयंभूपुष्पसंभवायै
 स्वयंभूपुष्पहाराढ्यायै
 स्वयंभूनिन्दकान्तकायै
 कुण्डगोलविलासायै
 कुण्डगोलसदामत्यै १३०
 कुण्डगोलप्रियकर्यै
 कुण्डगोलसमुद्भवायै
 शुक्रात्मिकायै
 शुक्रकरायै
 सुशुक्रायै
 सुशुक्तिकायै

शुक्रपूजकपूज्यायै
 शुक्रनिन्दकनिन्दकायै
 रक्तमाल्यायै
 रक्तपुष्पायै १४०
 रक्तपुष्पकपुष्पकायै
 रक्तचन्दनसिक्ताङ्गायै
 रक्तचन्दननिन्दकायै
 मत्स्यायै
 मत्स्यप्रियायै
 मान्यायै
 मत्स्यभक्षायै
 महोदयायै
 मत्स्याहारायै
 मत्स्यकामायै १५०
 मत्स्यनिन्दकनाशिन्यै
 केकराक्ष्यै
 क्रूरायै
 क्रूरसैन्यविनाशिन्यै
 क्रूराङ्गायै
 कुलिशाङ्गायै
 चक्राङ्गायै
 चक्रसंभवायै
 चक्रदेहायै
 चक्रहारायै १६०
 चक्रकङ्कालवासिन्यै
 निम्ननाभ्यै
 भीतिहरायै
 भयदायै

भयहारिकायै	अतिचण्डायै
भयप्रदायै	महाचण्डायै
भयायै	श्रीचण्डायै
भीतायै	चण्डवेगिन्यै
अभीमायै	चाण्डाल्यै
भीमनादिन्यै १७०	चण्डिकायै
सुन्दर्यै	चण्डशब्दरूपायै
शोभनायै	चञ्चलायै २००
सत्यायै	चंपायै
क्षेम्यायै	चंपावत्यै
क्षेमकर्यै	चोस्तायै
सिन्दूरायै	तीक्ष्णायै
अश्रितसिन्दूरायै	तीक्ष्णप्रियायै
सिन्दूरसदृशाकृत्यै	क्षत्यै
रक्तायै	जलदायै
रञ्जितनासायै १८०	जयदायै
सुनासायै	योगायै
निम्ननासिकायै	जगते २१०
खर्वायै	आनन्दकारिण्यै
लम्बोदर्यै	जगद्वन्द्यायै
दीर्घायै	जगन्मात्रे
दीर्घघोणायै	जगत्यै
महाकुचायै	जगतः क्षमायै
कुटिलायै	जन्यायै
चञ्चलायै	जलजनेत्र्यै
चण्ड्यै १९०	जयिन्यै
चण्डनादायै	जयदायै
प्रचण्डिकायै	जनन्यै २२०

जगद्धात्र्यै	चापिन्यै
जयाख्यायै	देव्यै २५०
जयरूपिण्यै	वज्रिण्यै
जगन्मात्रे	शूलिन्यै
जगन्मान्यायै	मत्त्यै
जयश्रिये	वालिन्यै
जयकारिण्यै	भिन्दिपाल्यै
जयिन्यै	पाश्र्व्यै
जयमात्रे	अङ्कुश्यै
जयायै २३०	शर्यै
विजयायै	धनुष्यै
खड्गिन्यै	चटक्यै २६०
खड्गरूपायै	चर्मयै
सुखड्गायै	दन्त्यै
खड्गधारिण्यै	कर्णनालिक्यै
खड्गरूपायै	मुसल्यै
खड्गकरायै	हलरूपायै
खड्गिन्यै	तूणीरगणवासिन्यै
खड्गवल्लभायै	तूणालयायै
खड्गदायै २४०	तूणहरायै
खड्गभावायै	तूणसंभवरूपिण्यै
खड्गदेहसमुद्भवायै	सुतूण्यै २७०
खड्गायै	तूणखेदायै
खड्गधरायै	तूणाङ्ग्यै
खेलायै	तूणवल्लभायै
खड्गिन्यै	नानास्त्रधारिण्यै
खड्गमण्डिन्यै	देव्यै
शंखिन्यै	नानाशस्त्रसमुद्भवायै

लाक्षायै	गणसेव्यायै
लक्षहरायै	गणाङ्गायै
लाभायै	वाचे
सुलाभायै २८०	अवल्लभायै
लाभनाशिन्यै	गणदायै
लाभहारायै	गणहायै ३१०
लाभकरायै	गम्यायै
लाभिन्यै	गमनायै
लाभरूपिण्यै	आगमसुन्दर्यै
धरित्र्यै	गम्यदायै
धनदायै	गणनाश्रयै
धान्यायै	गदहायै
धान्यरूपायै	गदवर्धिन्यै
धरायै २९०	स्थैर्यायै
धन्वै	स्थैर्यनाशायै
धुरशब्दायै	स्थैर्यान्तकरण्यै ३२०
धुरायै	कुलायै
मान्यायै	दात्र्यै
धराङ्गत्र्यै	कर्त्र्यै
धननाशिन्यै	प्रियायै
धनहायै	प्रेमायै
धनलाभायै	प्रियदायै
धनलभ्यायै	प्रियवर्धिन्यै
महाधन्वै ३००	प्रियहायै
अशान्तायै	प्रियभव्यायै
शान्तिरूपायै	प्रियायै ३३०
श्वासमार्गनिवासिन्यै	प्रेमाङ्घ्रिपायै तन्वै
गगणायै	प्रियजायै

प्रियभव्यायै	भैरवप्रियवल्लभायै
प्रियस्थायै	कालदायै
भवनस्थितायै	कालरात्र्यै
सुस्थिरायै	कामायै
स्थिररूपायै	कात्यायन्यै
स्थिरदायै	क्रियायै
स्थैर्यबर्हिण्यै	क्रियदायै
चञ्चलायै ३४०	क्रियहायै
चपलायै	क्लेश्यायै
चोलायै	प्रियप्राणक्रियायै ३७०
चपलाङ्गनिवासिन्यै	क्रीडार्यै
गौर्यै	कमलायै
काल्यै	लक्ष्म्यै
छिन्नायै	शक्त्यै
मायायै	स्वाहायै
मान्यायै	विभ्वै
हरप्रियायै	प्रभवै
सुन्दर्यै ३५०	प्रकृत्यै
त्रिपुरायै	पुरुषाय
भव्यायै	पुरुषायै ३८०
त्रिपुरेश्वरवासिन्यै	पुरुषाकृत्यै
त्रिपुरनाशिनीदेव्यै	परमाय पुरुषाय
त्रिपुरप्राणहारिण्यै	मायायै
भैरव्यै	नारायण्यै
भैरवस्थायै	मृत्यै
भैरवस्य प्रियायै तन्वे	ब्राह्म्यै
भवाङ्ग्यै	माहेश्वर्यै
भैरवाकारायै ३६०	कौमार्यै

वैष्णव्यै	चन्द्रायै
वाराह्यै ३९०	चन्द्रप्रभायै
चामुण्डायै	चान्द्र्यै
इन्द्राण्यै	चन्द्रकान्तिषु तत्परायै ४२०
हरवल्लभायै	अमृतायै
भार्ग्यै	मानदायै
माहेश्वर्यै	पूषायै
कृष्णायै	तुष्ट्यै
कात्यायन्यै	पुष्ट्यै
पूतनायै	रत्यै
राक्षस्यै	धृत्यै
डाकिन्यै ४००	शशिन्यै
चित्रायै	चन्द्रिकायै
विचित्रायै	कान्त्यै ४३०
विभ्रमायै	ज्योत्स्नायै
हाकिन्यै	श्रियै
राकिण्यै	प्रीत्यै
भीतायै	अङ्गदायै
गन्धर्वायै	पूर्णायै
गन्धवाहिन्यै	पूर्णामृतायै
कैकर्यै	कल्पलतिकायै
कोटराक्ष्यै ४१०	कल्पदानदायै
निर्मासायै	सुकल्पायै
उलूकमांसिकायै	कल्पहस्तायै ४४०
ललज्जिह्वायै	कल्पवृक्षकर्यै
सुजिह्वायै	हन्वै
बालदायै	कल्पाख्यायै
बालदायिन्यै	कल्पभव्यायै

कल्पायै	सूर्यभावनायै
नन्दकवन्दितायै	तपिन्यै
सूचीमुख्यै	तापिन्यै
प्रेतमुख्यै	धूम्रायै
उल्कामुख्यै	मरीचयै
महामुख्यै ४५०	ज्वालिन्यै
उग्रमुख्यै	रुच्यै
सुमुख्यै	सुरदायै ४८०
काकास्यायै	भोगदायै
विकटाननायै	विश्वायै
कृकलास्यायै	बोधिन्त्यै
सन्ध्यास्यायै	धारिण्यै
मुकुलीशायै	क्षमायै
रमाकृत्यै	युगदायै
नानामुख्यै	योगहायै
नानास्यायै ४६०	योग्यायै
नानारूपप्रधारिण्यै	योग्यहायै
विश्वाच्यायै	योगवर्धिन्यै ४९०
विश्वमात्रे	बह्निमण्डलसंस्थायै
विश्वाख्यायै	बह्निमण्डलमध्यगायै
विश्वभाविन्यै	बह्निमण्डलरूपायै
सूर्यायै	बह्निमण्डलसंज्ञकायै
सूर्यप्रभायै	बह्नितेजसे
शोभायै	बह्निरागायै
सूर्यमण्डलसंस्थितायै	बह्निदायै
सूर्यकान्त्यै ४७०	बह्निनाशिन्यै
सूर्यकरायै	बह्निक्रियायै
सूर्याख्यै	बह्निभुजायै ५००

सदा बह्नौ स्थितायै कलायै	पुण्यमालिकायै
धूम्रार्चिषायै	पुण्यखेलायै ५३०
उज्ज्वलिन्यै	पुण्यकेल्यै
विस्फुलिङ्गिन्यै	पुण्यनामसुमायै
शूलिन्यै	पुरायै
सुरूपायै	पुण्यसेव्यायै
कपिलायै	पुण्यखेल्यायै
हव्यवाहिन्यै	पुराणायै
नानातेजस्विन्यै देव्यै	पुण्यवल्लभायै
परब्रह्मकुटुंबिन्यै ५१०	पुरुषायै
ज्योतिषे	पुरुषप्राणायै
ब्रह्ममय्यै देव्यै	पुरुषात्मस्वरूपिन्यै ५४०
परब्रह्मस्वरूपिन्यै	पुरुषाङ्गायै
परमात्मने	पुरुष्यै
परायै	पुरुषस्य सदा कलायै
पुण्यायै	सुपुष्पायै
पुण्यदायै	पुष्पकप्राणायै
पुण्यवर्धिन्यै	पुष्पहायै
पुण्यदायै	पुष्पवल्लभायै
पुण्यनाम्न्यै ५२०	पुष्पप्रियायै
पुण्यगन्धायै	पुष्पहारायै
प्रियायै तन्त्र्यै	पुष्पवन्दकवन्दकायै ५५०
पुण्यदेहायै	पुष्पहायै
पुण्यकरायै	पुष्पमालायै
पुण्यनिन्दकनिन्दकायै	पुष्पनिन्दकनाशिन्यै
पुण्यकालकरायै	नक्षत्रप्राणहन्त्र्यै
पुण्यायै	नक्षत्रायै
सुपुण्यायै	लक्ष्यवन्दकायै

लक्ष्यमाल्यायै	ललत्शुकायै
लक्षहरायै	अतिलंबायै
लक्ष्यायै	महालंबायै
लक्ष्यस्वरूपिण्यै ५६०	सुलंबायै
नक्षत्राण्यै	लंबवाहिन्यै
सुनक्षत्रायै	लंबार्हायै ५९०
नक्षत्राहायै	लंबशक्त्यै
महोदयायै	लंबस्थायै
महामाल्यायै	लंबपूर्विकायै
महामान्यायै	चतुर्घण्टायै
महत्यै	महाघण्टायै
मातृपूजितायै	सदा घण्टानादप्रियायै
महामहाकनीयसे	वाद्यप्रियायै
महाकालेश्वर्यै ५७०	वाद्यरतायै
महायै	सुवाद्यायै
महास्यायै	वाद्यनाशिन्यै ६००
वन्दनीयायै	रमायै
महाशब्दनिवासिन्यै	रामायै
महाशंखेश्वर्यै	सुबालायै
मीनायै	रमणीयस्वभाविन्यै
मत्स्यगन्धायै	सुरम्यायै
महोदर्यै	रम्यदायै
लंबोदर्यै	रंभायै
लंबोष्ठ्यै ५८०	रंभोरवे
लंबनिम्नतनूदर्यै	रामवल्लभायै
लंबोष्ठ्यै	कामप्रियायै ६१०
लंबनासायै	कामकरायै
लंबघोणायै	कामाङ्गायै

रमण्यै	विगन्धायै
रत्यै	गन्धनाशिन्यै
रतिप्रियायै	गन्धाङ्ग्यै
रतिरत्यै	गन्धपुष्टायै
रतिसेव्यायै	सुगन्धायै
रतिप्रियायै	प्रेमगन्धिकायै
सुरभ्यै	दुर्गन्धायै
सुरभिये ६२०	पूतिगन्धायै
शोभायै	विगन्धायै
दिक्शोभायै	अतिगन्धिकायै ६५०
अशुभनाशिन्यै	पद्मान्तिकायै
सुशोभायै	पद्मवहायै
महाशोभायै	पद्मप्रियप्रियङ्ग्यै
अतिशोभायै	पद्मनिन्दकनिन्दायै
प्रेततापिन्यै	पद्मसन्तोषवाहनायै
लोभिन्यै	रक्तोत्पलवरादेव्यै
महालोभायै	सदा रक्तोत्पलप्रियायै
सुलोभायै ६३०	रक्तोत्पल सुगन्धायै
लोभवर्धिन्यै	रक्तोत्पल निवासिन्यै
लोभाङ्ग्यै	रक्तोत्पलमहामालायै ६६०
लोभवन्धायै	रक्तोत्पलमनोहरायै
लोभाह्यै	रक्तोत्पलसुनेत्रायै
लोभभासकायै	रक्तोत्पलस्वरूपधृषे
लोभप्रियायै	वैष्णव्यै
महालोभायै	विष्णुपूज्यायै
लोभनिन्दकनिन्दकायै	वैष्णवाङ्ग निवासिन्यै
लोभाङ्गवासिन्यै	विष्णुपूजकपूज्यायै
गन्धायै ६४०	वैष्णवे संस्थितायै तन्वे

नारायणस्य देहस्थायै	सङ्गनाशिन्यै
नारायणमनोहरायै ६७०	निर्जनायै
नारायणस्वरूपायै	विजनायै
नारायणमनःस्थितायै	दुर्गायै ७००
नारायणाङ्गसंभूतायै	दुर्गक्लेशनिवारिण्यै
नारायणप्रियायै तन्वे	दुर्गदेहान्तकायै
नार्यै	दुर्गारूपिण्यै
नारायण्यै	दुर्गतस्थितायै
गण्यायै	प्रेतप्रियायै
नारायणगृहप्रियायै	प्रेतकरायै
हरपूज्यायै	प्रेतदेहसमुद्भवायै
हरश्रेष्ठायै ६८०	प्रेताङ्गवासिन्यै
हरस्य बल्लभायै	प्रेतायै
क्षमायै	प्रेतदेहविमर्दकायै ७१०
संहार्यै	डाकिन्यै
हरदेहस्थायै	योगिन्यै
हरपूजनतत्परायै	कालरात्र्यै
हरदेहसमुद्भूतायै	सदा कालप्रियायै
हराङ्गवासिन्यै	कालरात्रिहरायै
कुर्वै	कालायै
हरपूजकपूज्यायै	कृष्णदेहायै
हरवन्दकतत्परायै ६९०	महातन्वै
हरदेहसमुत्पन्नायै	कृष्णाङ्ग्यै
हरक्रीडायै	कुटिलाङ्ग्यै ७२०
सदागत्यै	वज्राङ्ग्यै
सुगणायै	वज्ररूपधृषे
सङ्गरहितायै	नानादेहधरायै
असङ्गायै	धन्यायै

षट्चक्रक्रमवासिन्यै
 मूलाधारनिवास्यै
 सदा मूलाधारस्थितायै
 वायुरूपायै
 महारूपायै
 वायुमार्गनिवासिन्यै ७३०
 वायुयुक्तायै
 वायुकरायै
 वायुपूरकपूरकायै
 वायुरूपधरायै देव्यै
 सुषुम्नामार्गगामिन्यै
 देहस्थायै
 देहरूपायै
 देहध्येयायै
 सुदेहिकायै
 नाडीरूपायै ७४०
 महीरूपायै
 नाडीस्थाननिवासिन्यै
 इङ्गलायै
 पिङ्गलायै
 सुषुम्नामध्यवासिन्यै
 सदाशिवप्रियकर्यै
 मूलप्रकृतिरूपधृषे
 अमृतेभ्यै
 महाशाल्यै
 शृङ्गाराङ्गनिवासिन्यै ७५०
 उत्पत्तिस्थितिसंहन्त्र्यै
 प्रलयायै

पदवासिन्यै
 महाप्रलययुक्तायै
 सृष्टिसंहारकारिण्यै
 स्वधायै
 स्वाहायै
 हव्यवाहायै
 हव्यायै
 सदाहव्यप्रियायै ७६०
 हव्यस्थायै
 हव्यभक्षायै
 हव्यदेहसमुद्भवायै
 हव्यक्रीडायै
 कामधेनुस्वरूपायै
 रूपसंभवायै
 सुरभ्यै
 नन्दिन्यै
 पुण्यायै
 यज्ञाङ्ग्यै ७७०
 यज्ञसंभवायै
 यज्ञस्थायै
 यज्ञदेहायै
 योनिजायै
 योनिवासिन्यै
 अयोनिजायै
 सत्यै
 सत्यायै
 असत्यै
 कुटिलातन्यै ७८०

अहल्यायै	कुंभायै
गौतम्यै	कुंभदेहविवर्धिन्यै ८१०
गम्यायै	विनीतायै
विदेहायै	कुलवत्यै
देहनाशिन्यै	अर्थायै
गान्धार्यै	अन्तर्यै
द्रौपद्यै	अनुगायै
दूत्यै	उषायै
शिवप्रियायै	नद्यै
त्रयोदश्यै ७९०	सागरदायै
पौर्णमास्यै	शान्त्यै
पञ्चदश्यै	शान्तिरूपायै ८२०
पञ्चम्यै	सुशान्तिकायै
चतुर्दश्यै	आशायै
षष्ठ्यै	तृष्णायै
नवम्यै	क्षुधायै
अष्टम्यै	क्षोभ्यायै
दशम्यै	क्षोभरूप निवासिन्यै
एकादश्यै	गङ्गायै
द्वादश्यै ८००	सागरगायै
द्वाररूपायै	कान्त्यै
अभयप्रदायै	श्रुत्यै ८३०
संक्रान्त्यै	स्मृत्यै
सामरूपायै	धृत्यै
कुलीनायै	मह्यै
कुलनाशन्यै	दिवा
कुलकान्तायै	रात्र्यै
कृशायै	पञ्चभूतदेहायै

सुदेहकायै	निशुंभशुंभहनन्यै
तण्डुलायै	रक्तबीजक्षयंकयै
छिन्नमस्तायै	काश्यै
नागयज्ञोपवीतिन्यै ८४०	काशीनिवासायै
वर्णिन्यै	मधुरायै
डाकिन्यै	पार्वत्यै ८६०
शक्त्यै	परायै
कुरुकुलायै	अपर्णायै
सुकुलकायै	चण्डिकायै देव्यै
प्रत्यंगिरायै	मृडान्यै
अपरायै देव्यै	अंबिकायै
अजितायै	कलायै
जयदायिन्यै	शुक्लायै
जयायै ८५०	कृष्णायै
विजयायै	वर्ण्य वर्णायै ८७०
महिषासुरघातिन्यै	शरदिन्दुकलाकृत्यै
मधुकैटभहन्त्र्यै	रुक्मिण्यै
चण्डमुण्डविनाशिन्यै	राधिकायै ८७३★

★ अपूर्णा नामावलि: । अष्टाधिकसहस्रात्मकतया निर्देशोऽस्ति । मध्येऽन्ते वा श्लोका
लुप्ताः स्युः ॥

श्रीधूमावती-अष्टोत्तरशतनामावलि:

धूमावत्यै नमः	रथारूढायै
धूम्रवर्णायै	केवलायै
धूम्रपानपरायणायै	कठिनायै
धूम्राक्षमथिन्यै	कुह्यै ३०
धन्यायै	क्षुत्पिपासार्दितायै
धन्यस्थाननिवासिन्यै	नित्यायै
अघोराचारसन्तुष्टायै	ललज्जिह्वायै
अघोराचारमण्डितायै	दिगम्बरीयै
अघोरमन्त्रसंप्रीतायै	दीर्घोदर्यै
अघोरमन्त्रपूजितायै १०	दीर्घरवायै
अट्टाट्टहासनिरतायै	दीर्घाङ्ग्यै
मलिनाम्बरधारिण्यै	दीर्घमस्तकायै
वृद्धायै	विमुक्तकुन्तलायै
विरूपायै	कीर्त्यायै ४०
विधवायै	कैलासस्थानवासिन्यै
विद्यायै	क्रूरायै
विरलद्विजायै	कालस्वरूपायै
प्रवृद्धघोणायै	कालचक्रप्रवर्तिन्यै
कुमुख्यै	विवर्णायै
कुटिलायै २०	चञ्चलायै
कुटिलेक्षणायै	दुष्टायै
कराल्यै	दुष्टविध्वंसकारिण्यै
करालास्यायै	चण्ड्यै
कङ्काल्यै	चण्डस्वरूपायै ५०
शूर्पधारिण्यै	चामुण्डायै
काकध्वजायै	चण्डनिस्वनायै

चण्डवेगायै	कलहायै
चण्डगतये	कलिप्रीतायै
चण्डमुण्डविनाशिन्यै	कलिकल्मषनाशिन्यै
चाण्डालिन्यै	महाकालस्वरूपायै
चित्ररेखायै	महाकालप्रपूजितायै
चित्राङ्गायै	महादेवप्रियायै
चित्ररूपिण्यै	मेधायै
कृष्णायै ६०	महासङ्कटनाशिन्यै
कपर्दिन्यै	भक्तप्रियायै
कुल्लायै	भक्तगतये ९०
कृष्णारूपायै	भक्तशत्रुविनाशिन्यै
क्रियावत्यै	भैरव्यै
कुंभस्तन्यै	भुवनायै
महोन्मत्तायै	भीमायै
मदिरापानबिह्वलायै	भारत्यै
चतुर्भुजायै	भुवनात्मिकायै
ललज्जिह्वायै	भेरुण्डायै
शत्रुसंहारकारिण्यै ७०	भीमनयनायै
शवारूढायै	त्रिनेत्रायै
शवगतायै	बहुरूपिण्यै १००
श्मशानस्थानवासिन्यै	त्रिलोकेभ्यै
दुराराध्यायै	त्रिकालज्ञायै
दुराचारायै	त्रिस्वरूपायै
दुर्जनप्रीतिदायिन्यै	त्रयीतनवे
निर्मासायै	त्रिमूर्तये
निराकारायै	तन्यै
धूतहस्तायै	त्रिशक्तये
वरान्वितायै ८०	त्रिशूलिन्यै १०८

श्रीधूमावतीसहस्रनामावलिः ।

धूमायै नमः

धूमवत्यै

धूमायै

धूमपानपरायणायै

धौताधौतगिरां धाम्न्यै

धूमेश्वरनिवासिन्यै

अनन्तायै

अनन्तरूपायै

अकाराकाररूपिण्यै

आद्यायै १०

आनन्ददानन्दायै

इकारायै

इन्द्ररूपिण्यै

धनधान्यार्थवाणीदायै

यशोधर्मप्रियेष्टदायै

भाग्यसौभाग्यभक्तिस्थायै

गुहापर्वतवासिन्यै

रामरावणसुग्रीवमोहदायै

हनुमत्प्रियायै

वेदशास्त्रपुराणज्ञायै २०

ज्योतिश्छन्दः स्वरूपिण्यै

चातुर्यचारुरुचिरारञ्जन

प्रेमतोषदायै

कमलाससुधावक्त्रायै

चन्द्रहासस्मिताननायै

चतुरायै

चारुकेभ्यै

मुदा चतुर्वर्गप्रदायै

कलाकालधरायै

धीरायै

धारिण्यै ३०

वसुनीरदायै

हीरायै

हीरकवर्णाभायै

हरिणायतलोचनायै

दंभमोहक्रोधलोभस्नेहद्वेषहरायैपरायै

नरदेवक्यै

रामायै

रामानन्दमनोहरायै

योगभोगक्रोधलोभहरायै

हरनमस्कृतायै ४०

दानमानज्ञानमानपानगानसुखप्रदायै

गजगोऽश्वपदागञ्जा भूतिदायै

भूतनाशिन्यै

भवभावायै

बालायै

वरदायै

हरवल्लभायै

भगभङ्गभयायै

मालायै

मालत्यै ५०	जायायै
तालनाददायै	जितायै
जालवालहालकालकपालप्रियवादिन्यै	जिनजयप्रदायै
करञ्जशीलगुञ्जाढ्यायै	कीर्तिज्ञानध्यानमानदायिन्यै ८०
चूताङ्कुरनिवासिन्यै	दानवेश्वर्यै
पनसस्थायै	काव्यव्याकरणज्ञानायै
पानसक्तायै	प्रज्ञाप्रज्ञानदायिन्यै
पनसेशकुटुंबिन्यै	विज्ञाज्ञायै
पावन्यै	विज्ञजयदायै
पावनाधारायै	विज्ञाविज्ञप्रपूजितायै
पूर्णायै ६०	परावरेज्यायै
पूर्णमनोरथायै	वरदायै
पूतायै	पारदायै
पूतकलायै	शारदादरायै ९०
पौरायै	दारिण्यै
पुराणसुरसुन्दर्यै	देवदूत्यै
परेभ्यै	मदनामदनामदायै
परदायै	परमज्ञानगम्यायै
पारायै	परेभ्यै
परात्मने	परगायै परायै
परमोहिन्यै ७०	यज्ञायज्ञप्रदायै
जगन्मायायै	यज्ञज्ञानकार्यकर्यै
जगत्कर्त्र्यै	शुभायै
जगत्कीर्तये	शोभिन्यै १००
जगन्मय्यै	शुभमथिन्यै
जनन्यै	निशुंभासुरमर्दिन्यै
जयिन्यै	शांभव्यै

शंभुपत्न्यै	गवे गवे
शंभुजायायै	गव्यस्वरूपायै
शुभाननायै	गुणानन्दस्वरूपिण्यै
शाङ्कर्यै	गणेशगणदायै
शङ्कराराध्यायै	गुण्यगुणायै
सन्ध्यायै	गौरववाञ्छितायै
सन्ध्यासुधर्मिण्यै ११०	गणमात्रे
शत्रुघ्न्यै	गणाराध्यायै
शत्रुहायै	गणकोटिविनाशिन्यै
शत्रुप्रदायै	दुर्गायै १४०
शात्रवनाशिन्यै	दुर्जनहन्त्र्यै
शैव्यै	दुर्जनप्रीतिदायिन्यै
शिवलयायै	स्वर्गापवर्गदायै
शैलायै	दात्र्यै
सदा शैलराजप्रियायै	दीनादीनदयावत्यै
शर्व्यै	दुर्निरीक्ष्यायै
शर्व्यै १२०	दुरादुःस्थायै
शंभ्वै	दौःस्थ्यभञ्जनकारिण्यै
सुधाढ्यायै	श्वेतपाण्डुरकृष्णाभायै
सौधवासिन्यै	कालदायै १५०
सगुणागुणरूपायै	कालनाशिन्यै
गौरव्यै	कर्मनर्मकर्यै
भैरवीरवायै	नर्मायै
गौराङ्ग्यै	धर्माधर्मविनाशिन्यै
गौरदेहायै	गोरीगौरवदायै
गौर्यै	गोदायै
गुरुमत्यै गुरवे १३०	गणदायै

गायनप्रियायै	काल्यै
गङ्गायै	करालास्यायै
भागीरथ्यै १६०	खवायै
भङ्गायै	खञ्जायै
भगायै	खरायै
भाग्यविवर्धिन्यै	गदायै-१९०
भवान्यै	गवायै
भवहन्त्र्यै	गरुत्मत्यै
भैरव्यै	घमायै
भैरवीसमायै	घर्घरायै
भीमाभीमरवायै	घोरनादिन्यै
भैम्यै	चराचर्यै
भीमानन्दप्रदायिन्यै १७०	चराराध्यायै
शरण्यायै	छिन्नाच्छिन्नमनोरथायै
शरणायै	छिन्नमस्तायै
शम्यायै	जयाजाप्यायै २००
शशिन्यै	जगज्जायायै
शंखनाशिन्यै	झर्झर्यै
गुणागुणकर्यै	झकारायै
गौणीप्रियायै	झीष्कृत्यै
प्रीतिप्रदायिन्यै	टीकायै
जनमोहनकर्यै	टङ्कायै
जगदानन्ददायिन्यै १८०	टङ्कारनादिन्यै
जिताजायायै	ठीकायै
विजयायै	ठक्कुरठकाङ्गायै
विजयाजयदायिन्यै	ठठठाङ्कारदुण्डुरायै २१०
कामायै	दुण्ढयै

ताराजतीणायै	राम्यायै
तालस्थभ्रमनाशिन्यै	रामरूपायै २४०
थकारायै	रमण्यै
थकरायै	ललितायै
दात्र्यै	लतायै
दीपायै	लङ्केयै
दीपविनाशिन्यै	वाक्प्रदायै
धन्यायै	वाच्यायै
धनाधनवत्यै-२२०	सदाश्रमनिवासिन्यै
नर्मदायै	श्रान्तायै
नर्ममोदिन्यै	शकाररूपायै
पद्मायै	षकारखरवाहनायै २५०
पद्मावत्यै	सह्याद्रिरूपायै
पीतास्फान्तायै	सानन्दायै
फुत्कारकारिण्यै	हरिणीहरिरूपिण्यै
फुल्लायै	हराराध्यायै
ब्रह्ममय्यै	बालवाचालवङ्गप्रेमतोषितायै
ब्राह्म्यै	क्षपाक्षयप्रदायै
ब्रह्मानन्दप्रदायिन्यै २३०	क्षीरायै
भवाराध्यायै	अकारादिस्वरूपिण्यै
भवाध्यक्षायै	कालिकायै
भगालीमन्दगामिन्यै	कालमूर्त्यै २६०
मदिरायै	कलहायै
मदिरैक्षायै	कलहप्रियायै
यशोदायै	शिवायै
यमपूजितायै	शन्दायिन्यै
याम्यायै	सौम्यायै

शत्रुनिग्रहकारिण्यै	वेदमात्रे
भवान्यै	बुधस्तुतायै
भवमूर्त्यै	धारायै
शर्वाण्यै	धारावत्यै
सर्वमङ्गलायै २७०	धन्यायै
शत्रुविद्राविण्यै	धर्मदानपरायणायै
शैव्यै	गर्विण्यै
शुभासुरविनाशिन्यै	गुरुपूज्यायै ३००
धकारमन्त्ररूपायै	ज्ञानदात्र्यै
धूबीजपरितोषितायै	गुणान्वितायै
धनाध्यक्षस्तुतायै	धर्मिण्यै
धीरायै	धर्मरूपायै
धरारूपायै	घण्टानादपरायणायै
धरावत्यै	घण्टानिनादिन्यै
चर्विण्यै २८०	घूर्णाघूर्णितायै
चन्द्रपूज्यायै	घोररूपिण्यै
छन्दोरूपायै	कलिद्वयै
छटावत्यै	कलिदूत्यै ३१०
छायायै	कलिपूज्यायै
छायावत्यै	कलिप्रियायै
स्वच्छायै	कालनिर्णाशिन्यै
छेदिन्यै	काल्यायै
भेदिन्यै	काव्यदायै
क्षमायै	कालरूपिण्यै
वल्गिन्यै २९०	वर्षिण्यै
वर्धिन्यै	वृष्टिदायै वृष्ट्यै
वन्द्यायै	महावृष्टिनिवारिण्यै

घातिन्यै ३२०	फलावाप्त्र्यै
घाटिन्यै	फलभोक्त्र्यै
घोण्टायै	फलान्वितायै
घातक्यै	वारिण्यै ३५०
घनरूपिण्यै	वारणप्रीतायै
धूँबीजायै	वारिपाथोधिपारगायै
धूँअपानन्दायै	विवर्णायै
धूँबीजजपतोषितायै	धूम्रनयनायै
धूँधूँबीजजपासक्तायै	धूम्राक्ष्यै
धूँधूँबीजपरायणायै	धूम्ररूपिण्यै
धूँकारहर्षिण्यै ३३०	नीत्यै
धूमायै	नीतिस्वरूपायै
धनदायै	नीतिज्ञायै
धनगर्वितायै	नयकोविदायै ३६०
पद्मावत्यै	तारिण्यै
पद्ममालायै	ताररूपायै
पद्मयोनिप्रपूजितायै	तत्त्वज्ञानपरायणायै
अपारायै	स्थूलायै
पूरण्यै	स्थूलाधरायै
पूर्णायै	स्थात्र्यै
पूर्णमायै ३४०	उत्तमस्थानवासिन्यै
परिवन्दितायै	स्थूलायै
फलदायै	पद्मपदस्थानायै
फलभोक्त्र्यै	स्थानभ्रष्टायै ३७०
फलिन्यै	स्थलस्थितायै
फलदायिन्यै	शोषिण्यै
फूत्कारिण्यै	शोभिन्त्यै

शीतायै	युद्धस्थाननिवासिन्यै
शीतपानीयपायिन्यै	सिद्धायै
शारिण्यै	सिद्धेश्वर्यै
शंखिन्यै	सिद्ध्यै
शुद्धायै	सिद्धिगेहनिवासिन्यै
शंखासुरविनाशिन्यै	सिद्धरीत्यै
शर्वर्यै ३८०	सिद्धप्रीत्यै
शर्वरीपूज्यायै	सिद्धायै
शर्वरीशप्रपूजितायै	सिद्धान्तकारिण्यै
शर्वरीजाग्रितायै	सिद्धगम्यायै ४१०
योग्यायै	सिद्धपूज्यायै
योगिन्यै	सिद्धवन्द्यायै
योगवन्दितायै	सुसिद्धिदायै
योगिनीगणसंसेव्यायै	साधिन्यै
योगिनीयोगभावितायै	साधनप्रीतायै
योगमार्गरतायै	साध्यायै
युक्तायै ३९०	साधनकारिण्यै
योगमार्गानुसारिण्यै	साधनीयायै
योगभावायै	साध्यसाध्यायै
योगयुक्तायै	साध्यसंघसुशोभिन्यै ४२०
यामिनीपतिवन्दितायै	साध्यै
अयोग्यायै	साधुस्वभावायै
योधिन्यै	तस्यै
योद्ध्यै	साधुसन्ततिदायिन्यै
युद्धकर्मविशारदायै	साधुपूज्यायै
युद्धमार्गरतायै	साधुवन्द्यायै
नान्तायै ४००	साधुसन्दर्शनोद्यतायै

साधुदृष्टायै	हठकार्यायै
साधुपृष्टायै	हठधर्मायै
साधुपोषणतत्परायै ४३०	हठकर्मपरायणायै
सात्विक्यै	हठसंभोगनिरतायै
सत्त्वसंसिद्धायै	हठात्काररतिप्रियायै
सत्त्वसेव्यायै	हठसंभेदिन्यै ४६०
सुखोदयायै	हृदायै
सत्त्ववृद्धिकर्यै	हृद्यवातायै
शान्तायै	हरिप्रियायै
सत्त्वसंहर्षमानसायै ४४०	हरिण्यै
सत्त्वज्ञानायै	हरिणीदृष्ट्यै
सत्त्वविद्यायै	हरिणीमांसभक्षणायै
सत्त्वसिद्धान्तकारिण्यै	हरिणाक्ष्यै
सत्त्ववृद्ध्यै	हरिणपायै
सत्त्वसिद्ध्यै	हरिणीगणहर्षदायै
सत्त्वसंपन्नमानसायै	हरिणीगणसंहर्त्र्यै ४७०
चारुरूपायै	हरिणीपरिपोषकायै
चारुदेहायै	हरिणीमृगयासक्तायै
चारुचंचललोचनायै	हरिणीमानपुरस्सरायै
छद्मिन्यै	दीनायै
छद्मसंकल्पायै	दीनाकृत्यै
छद्मवातायै	दूनायै
क्षमाप्रियायै ४५०	द्राविण्यै
हठिन्यै	द्रविणप्रदायै
हठसंप्रीत्यै	द्रविणाचलसंवासायै
हठवातायै	द्रवितायै ४८०
हठोद्यमायै	द्रव्यसंयुतायै

दीर्घायै	नवीननूतनायै
दीर्घपदायै	नव्यायै ५१०
दृश्यायै	नवीनवस्त्रधारिण्यै
दर्शनीयायै	नव्यभूषायै
दृढाकृत्यै	नव्यमाल्यायै
दृढायै	नव्यालङ्कारशोभितायै
द्विष्टमत्यै	नकारवादिन्यै
दुष्टायै	नम्यायै
द्वेषिण्यै ४९०	नवभूषणभूषितायै
द्वेषिभञ्जिन्यै	नीचमार्गायै
दोषिण्यै	नीचभूम्यै
दोषसंयुक्तायै	नीचमार्गगत्यै गत्यै ५२०
दुष्टशत्रुविनाशिन्यै	नाथसेव्यायै
देवतार्तिहरायै	नाथभक्तायै
दुष्टदैत्यसंघविदारिण्यै	नाथानन्द प्रदायिन्यै
दुष्टदानवहन्त्र्यै	नम्रायै
दुष्टदैत्यनिषूदिन्यै	नम्रगत्यै
देवताप्राणदायै	नेत्र्यै
देव्यै ५००	निदानवाक्यवादिन्यै
देवदुर्गतिनाशिन्यै	नारीमध्यस्थितायै
नटनायकसंसेव्यायै	नार्यै
नर्तक्यै	नारीमध्यगतायै ५३०
नर्तकप्रियायै	अनघायै
नाट्यविद्यायै	नारीप्रीत्यै
नाट्यकर्त्र्यै	नराराध्यायै
नादिन्यै	नरनामप्रकाशिन्यै
नादकारिण्यै	रत्यै

रतिप्रियायै	मदनप्रीतायै
रम्यायै	मधुमत्तायै
रतिप्रेमायै	मधुप्रदायै
रतिप्रदायै	मद्यपायै
रतिस्थानस्थिताराध्यायै ५४०	मद्यपध्येयायै
रतिहर्षप्रदायिन्यै	मद्यपप्राणरक्षिण्यै
रतिरूपायै	मद्यपानन्दसन्दात्र्यै
रतिध्यानायै	मद्यपप्रेमतोषितायै ५७०
रतिरीतिसुधारिण्यै	मद्यपानरतायै
रतिरासमहोल्लासायै	मत्तायै
रतिरासविहारिण्यै	मद्यपानबिहारिण्यै
रतिकान्तस्तुतायै	मदिरायै
राश्र्यै	मदिरासक्तायै
राशिरक्षणकारिण्यै	मदिरापानहर्षिण्यै
अरूपायै ५५०	मदिरापानसन्तुष्टायै
शुद्धरूपायै	मदिरापानमोहिन्यै
सुरूपायै	मदिरामानसायै
रूपगर्वितायै	मुग्धायै ५८०
रूपयौवनसंपन्नायै	माध्वीपायै
रूपराश्र्यै	मदिराप्रदायै
रमावत्यै	माध्वीदानसदानन्दायै
रोधिण्यै	माध्वीपानरतायै
रोषिण्यै	मदायै
रुष्टायै	मोदिन्यै
रोषिरुद्धायै ५६०	मोदसन्दात्र्यै
रसप्रदायै	मुदितायै
मादिन्यै	मोदमानसायै

मोदकत्र्यै ५९०	मन्दरध्येयपादाब्जायै
मोददात्र्यै	मन्दरारण्यवासिन्यै
मोदमङ्गलकारिण्यै	मन्दुरावासिन्यै
मोदकादानसन्तुष्टायै	मन्दायै ६२०
मोदकग्रहणक्षमायै	मारिण्यै
मोदकालब्धिसंकुद्रायै	मारिकामितायै
मोदकप्राप्तितोषिण्यै	महामार्यै
मांसादायै	महामारीशमन्यै
मांससंभक्षायै	शवसंस्थितायै
मांसभक्षणहर्षिण्यै	शवमांसकृताहारायै
मांसपाकपरप्रेमायै ६००	श्मशानालयवासिन्यै
मांसपाकालयस्थितायै	श्मशानसिद्धिसंहृष्टायै
मत्स्यमांसकृतास्वादायै	श्मशानभवनस्थितायै
मकारपञ्चकान्वितायै	श्मशानशयनागारायै ६३०
मुद्रायै	श्मशानभस्मलेपितायै
मुद्रान्वितायै	श्मशानभस्मभीमांग्यै
मात्रे	श्मशानावासकारिण्यै
महामोहायै	शामिन्यै
मनस्विन्यै	शमनाराध्यायै
मुद्रिकायै	शमनस्तुतिवन्दितायै
मुद्रिकायुक्तायै ६१०	शमनाचारसन्तुष्टायै
मुद्रिकाकृतलक्षणायै	शमनागारवासिन्यै
मुद्रिकालङ्कृतायै	शमनस्वामिन्यै
माद्र्यै	शान्त्यै ६४०
मन्दराचलवासिन्यै	शान्तसज्जनपूजितायै
मन्दराचलसंसेव्यायै	शान्तपूजापरायै
मन्दराचलवासिन्यै	शान्तायै

शान्तागारप्रभोजिन्यै
 शान्तपूज्यायै
 शान्तबन्धायै
 शान्तग्रहसुधारिण्यै
 शान्तरूपायै
 शान्तियुक्तायै
 शान्तचन्द्रप्रभामलायै ६५०
 अमलायै
 विमलायै
 म्लानायै
 मालतीकुञ्जवासिन्यै
 मालतीपुष्पसंप्रीतायै
 मालतीपुष्पपूजितायै
 महोग्रायै
 महत्यै
 मध्यायै
 मध्यदेशनिवासिन्यै ६६०
 मध्यमध्वनिसंप्रीतायै
 मध्यमध्वनिकारिण्यै
 मध्यमायै
 मध्यमप्रीत्यै
 मध्यप्रेमप्रपूरितायै
 मध्याङ्गचित्रवसनायै
 मध्यखिन्नायै
 महोद्धतायै
 महेन्द्रकृतसंपूजायै
 महेन्द्रपरिवन्दितायै ६७०

महेन्द्रजालसंयुक्तायै
 महेन्द्रजालकारिण्यै
 महेन्द्रमानितायै
 अमानायै
 मानिनीगणमध्यगायै
 मानिनीमानसंप्रीतायै
 मानविध्वंसकारिण्यै
 मानिन्याकर्षिण्यै
 मुक्त्यै
 मुक्तिदात्र्यै ६८०
 सुमुक्तिदायै
 मुक्तिद्वेषकर्यै
 मूल्यकारिण्यै
 मूल्यहारिण्यै
 निर्मूलायै
 मूलसंयुक्तायै
 मूलिन्यै
 मूलमन्त्रिण्यै
 मूलमन्त्रकृतार्हाद्यायै
 मूलमन्त्रार्घ्यहर्षिण्यै ६९०
 मूलमन्त्रप्रतिष्ठात्र्यै
 मूलमन्त्रप्रहर्षिण्यै
 मूलमन्त्रप्रसन्नास्यायै
 मूलमन्त्रप्रपूजितायै
 मूलमन्त्रप्रणेत्र्यै
 मूलमन्त्रकृतार्चनायै
 मूलमन्त्रप्रहृष्टात्मनै

मूलविद्यायै
मलापहायै
विद्यायै ७४०
अविद्यायै
वटस्थायै
वटवृक्षनिवासिन्यै
वटवृक्षकृतस्थानायै
वटपूजापरायणायै
वटपूजापरिप्रीतायै
वटदर्शनलालसायै
वटपूजाकृताह्लादायै
वटपूजाविवर्धिन्यै
वशिन्यै ७१०
विवशराध्यायै
वशीकरणमन्त्रिण्यै
वशीकरणसंप्रीतायै
वशीकारकसिद्धिदायै
वटुकायै
वटुकाराध्यायै
वटुकाहारदायिन्यै
वटुकार्चापरायै
पूज्यायै
वटुकार्चाविवर्धिन्यै ७२०
वटुकानन्दकर्त्र्यै
वटुकप्राणरक्षिण्यै
वटुकेज्याप्रदायै
अपारायै

पारिण्यै
पार्वतीप्रियायै
पर्वताग्रकृतावासायै
पर्वतेन्द्रप्रपूजितायै
पार्वतीपतिपूज्यायै
पार्वतीपति हर्षदायै ७३०
पार्वतीपतिबुद्धिस्थायै
पार्वतीपतिमोहिन्यै
पार्वतीयद्विजाराध्यायै
पर्वतस्थायै
प्रतारिण्यै
पद्मलायै
पद्मिन्यै
पद्मायै
पद्ममालाविभूषितायै
पद्मजेड्यपदायै ७४०
पद्ममालालंकृतमस्तकायै
पद्मार्चितपदद्वन्द्वायै
पद्महस्तपयोधिजायै
पयोधिपारगन्त्र्यै
पाथोधिपरिकीर्तितायै
पाथोधिपारगायै
पूतायै
पल्वलांबुप्रतर्पितायै
पल्वलान्तः पयोमग्रायै
पवमानगत्यै गत्यै ७५०
पयःपानायै

पयोदात्र्यै	प्रलयानलतुल्याभायै
पानीयपरिकांक्षिण्यै	प्रलयानलरूपिण्यै ७८०
पयोजमालाभरणायै	प्रलयार्णवसंमग्नयै
मुण्डमालाविभूषणायै	प्रलयाब्धिविहारिण्यै
मुण्डिन्यै	महाप्रलयसंभूतायै
मुण्डहन्त्र्यै	महाप्रलयकारिण्यै
मुण्डितायै	महाप्रलयसंप्रीतायै
मुण्डशोभितायै	महाप्रलयसाधिन्यै
मणिभूषायै ७६०	महामहाप्रलयेज्यायै
मणिग्रीवायै	महाप्रलयमोदिन्यै
मणिमालाविराजितायै	छेदिन्यै
महामोहायै	छिन्नमुण्डायै ७९०
महामर्षायै	उग्रायै
महामायायै	छिन्नायै
महाहवायै	छिन्नरुहार्थिन्यै
मानव्यै	शत्रुसंछेदिन्यै
मानवीपूज्यायै	छन्नायै
मनुवंशविवर्धिन्यै	क्षोदिन्यै
मठिन्यै ७७०	क्षौदकारिण्यै
मठसंहन्त्र्यै	लक्षिण्यै
मठसंपत्तिहारिण्यै	लक्षसंपूज्यायै
महाक्रोधवत्यै	लक्षितायै ८००
मूढायै	लक्षणान्वितायै
मूढशत्रुविनाशिन्यै	लक्षशस्त्रसमायुक्तायै
पाठीनभोजिन्यै	लक्षबाणप्रमोचिन्यै
पूर्णायै	लक्षपूजापरायै
पूर्णहारविहारिण्यै	अलक्ष्यायै

लक्षकोदण्डखण्डिन्यै	डाकिन्यै
लक्षकोदण्डसंयुक्तायै	शाकिन्यै
लक्षकोदण्डधारिण्यै	डेयायै
लक्षलीलालयायै	डिण्डिमारावकारिण्यै
लभ्यायै ८१०	डमरूवाद्यसन्तुष्टायै
लाक्षागार निवासिन्यै	डमरूवाद्यकारिण्यै
लक्षलोभपरायै	हुंकारकारिण्यै
लोलायै	होत्र्यै ८४०
लक्षभक्तप्रपूजितायै	हाविन्यै
लोकिन्यै	हवनार्थिन्यै
लोकसंपूज्यायै	हासिन्यै
लोकरक्षणकारिण्यै	हासिन्यै
लोकवन्दितपादाब्जायै	हास्यहर्षिण्यै
लोकमोहनकारिण्यै	हठवादिन्यै
ललितायै ८२०	अट्टाट्टहासिन्यै
लालितालीनायै	टीकायै
लोकसंहारकारिण्यै	टीकानिर्माणकारिण्यै
लोकलीलाकर्यै	टङ्किन्यै ८५०
लोक्यायै	डङ्कितायै
लोकसंभवकारिण्यै	टङ्कायै
भूतशुद्धिकर्यै	टङ्कमात्रसुवर्णदायै
भूतरक्षिण्यै	टङ्कारिण्यै
भूततोषिण्यै	टकाराढ्यायै
भूतवेतालसंयुक्तायै	शत्रुत्रोटनकारिण्यै
भूतसेनासमावृतायै ८३०	त्रुटितायै
भूतप्रेतपिशाचादिस्वामिन्यै	त्रुटिरूपायै
भूतपूजितायै	त्रुटिसन्देहकारिण्यै

तर्पिण्यै ८६०

तृट्परिक्लान्तायै

क्षुत्क्षामायै

क्षुत्परिप्लुतायै

अक्षिण्यै

तक्षिण्यै

भिक्षाप्राथिन्यै

शत्रुभक्षिण्यै

काङ्क्षिण्यै

कुट्टिन्यै

कूरायै ८७०

कुट्टनीवेश्मवासिन्यै

कुट्टनीकोटिसंपूज्यायै

कुट्टनीकुलमार्गिण्यै

कुट्टनीकुलसंरक्षायै

कुट्टनीकुलरक्षिण्यै

कालपाशावृतायै

कन्यायै

कुमारीपूजनप्रियायै

कौमुद्यै

कौमुदीहृष्टायै ८८०

करुणादृष्टिसंयुतायै

कौतुकाचारनिपुणायै

कौतुकागारवासिन्यै

काकपक्षधरायै

काकरक्षिण्यै

काकसंवृतायै

काकाङ्गरथसंस्थानायै

काकाङ्गस्यन्दनास्थितायै

काकिन्यै

काकदृष्ट्यै ८९०

काकभक्षणदायिन्यै

काकमात्रे

काकयौनये

काकमण्डलमण्डितायै

काकदर्शनसंशीलायै

काकसङ्कीर्णमन्दिरायै

काकध्यानस्थदेहादिध्यानगम्यायै

अधमावृतायै

धनिन्यै

धनिसंसेव्यायै ९४०

धनच्छेदनकारिण्यै

धुन्धुरायै

धुन्धुराकारायै

धूम्रलोचनघातिन्यै

धूङ्कारिण्यै

धूमन्त्रपूजितायै

धर्मनाशिन्यै

धूम्रवर्णिन्यै

धूम्राक्ष्यै

धूम्राक्षसुरघातिन्यै ९१०

धूबीजजपसन्तुष्टायै

धूबीजजपमानसायै

धूबीजजपपूजाहायै

धूँबीजजपकारिण्यै
 धूँबीजाकर्षितायै
 धृष्यायै
 धर्षिण्यै
 धृष्टमानसायै
 धूलीप्रक्षेपिण्यै
 धूलीव्याप्तधम्मिल्ल धारिण्यै ९२०
 धूँबीजजपमालाढ्यायै
 धूँबीजनिन्दकान्तकायै
 धर्मविद्वेषिण्यै
 धर्मरक्षिण्यै
 धर्मतोषितायै
 धारास्तम्भकर्यै
 धूतायै
 धारावारिविलासिन्यै
 धांधीधूधैमन्त्रवर्णायै
 धौधःस्वाहास्वरूपिण्यै ९३०
 धरित्रीपूजितायै
 धूर्वायै
 धान्यच्छेदनकारिण्यै
 धिक्कारिण्यै
 सुधीपूज्यायै
 धामोद्याननिवासिन्यै
 धामोद्यानपयोदात्र्यै
 धामधूलीप्रधूलितायै
 महाध्वनिमत्यै
 धूप्यधूपामोदप्रहर्षिण्यै ९४०

धूपदानमतिप्रीतायै
 धूपदानविनोदिन्यै
 धीवरीगणसंपूज्यायै
 धीवरीवरदायिन्यै
 धीवरीगणमध्यस्थायै
 धीवरीधामवासिन्यै
 धीवरीगणगोष्ठ्यै
 धीवरीगणतोषितायै
 धीवरीधनदात्र्यै
 धीवरीप्राणरक्षिण्यै ९५०
 धात्रीशायै
 धातृसंपूज्यायै
 धात्रीवृक्षसमाश्रयायै
 धात्रीपूजनकर्त्र्यै
 धात्रीरोपणकारिण्यै
 धूम्रपानरतासक्तायै
 धूम्रपानरतेष्टदायै
 धूम्रपानकरानन्दायै
 धूम्रवर्षणकारिण्यै
 धन्यशब्दश्रुतिप्रीतायै ९६०
 धुन्धुकारीजनाच्छिदायै
 धुन्धुकारीष्टसन्दात्र्यै
 धुन्धुकारिसुमुक्तिदायै
 धुन्धुकार्याराध्यरूपायै
 धुन्धुकारिमनःस्थितायै
 धुन्धुकारिहिताकांक्षायै
 धुन्धुकारिहितैषिण्यै

धिन्धिमाराविण्यै	धनपुष्टायै
ध्यातृध्यानगम्यायै	दानाध्ययनकारिण्यै ९९०
धनार्थिन्यै ९१०	धनरक्षायै
धोरिणीधोरणप्रीतायै	धनप्राणायै
धारिण्यै	सदा धनानन्दकर्यै
धोररूपिण्यै	शत्रुहन्त्र्यै
धरित्रीरक्षिणीदेव्यै	शवारूढायै
धराप्रलयकारिण्यै	शत्रुसंहारकारिण्यै
धराधरसुतायै	शत्रुपक्षक्षतिप्रीतायै
अशेषधाराधरसमद्युतये	शत्रुपक्षनिषूदिन्यै
धनाध्यक्षायै	शत्रुग्रीवाच्छिदाच्छायायै
धनप्राप्त्यै	शत्रुपद्धतिखण्डिन्यै १०००
धनधान्यविवर्धिन्यै ९८०	शत्रुप्राणहराहाय्यै
धनाकर्षणकर्यै	शत्रून्मूलनकारिण्यै
धनाहरणकारिण्यै	शत्रुकार्यविहन्त्र्यै
धनच्छेदनकर्यै	साङ्गशत्रुविनाशिन्यै
धनहीनायै	साङ्गशत्रुकुलच्छेत्र्यै
धनप्रियायै	शत्रुसन्नप्रदाहिन्यै
धनसंवृद्धिसंपन्नायै	साङ्गसायुधसर्वारिसर्व
धनदानपरायणायै	संपत्तिनाशिन्यै
धनहृष्टायै	साङ्गसायुधसर्वारिदेहगेहप्रदाहिन्यै

श्री बगलामुखी (पीतांबरी) अष्टोत्तरशतनामावलि:

बगलायै	कोटिसूर्यप्रतीकाशायै
विष्णुवनितायै	कोटिकन्दर्पमोहिन्यै
विष्णुशङ्करभामिन्यै	केवलायै
बहुलायै	कठिनायै
वेदमात्रे	काल्यै ३०
महाविष्णुप्रसुवे	कलायै
महामत्स्यमहाकूर्ममहा	कैवल्यदायिन्यै
वाराहरूपिण्यै	केशवीकेशवाराध्यायै
नरसिंहप्रियायै	किशोर्यै
रम्यायै	केशवस्तुतायै
वामनायै १०	रुद्ररूपायै
वटुरूपिण्यै	रुद्रमूर्तये
जामदग्न्यस्वरूपायै	रुद्राण्यै
रामायै	रुद्रदेवतायै
रामप्रपूजितायै	नक्षत्ररूपायै ४०
कृष्णायै	नक्षत्रायै
कपर्दिन्यै	नक्षत्रेशप्रपूजितायै
कृत्यायै	नक्षत्रेशप्रियायै
कलिहायै	नित्यायै
कलिकारिण्यै	नक्षत्रपतिवन्दितायै
बुद्धिरूपायै २०	नागिन्यै
बुद्धभाषायै	नागजनन्यै
बौद्धपाखण्डखण्डिन्यै	नागराजप्रवन्दितायै
कल्किरूपायै	नागेश्वर्यै
कलिहरायै	नागकन्यायै ५०
कलिदुर्गतिनाशिन्यै	नाग्यै

नगात्मजायै	यक्षिणीसिद्धनिवहायै ८०
नगाधिराजतनयायै	सिद्धेशायै
नगराजप्रपूजितायै	सिद्धरूपिण्यै
नवीनायै	लंकापतिध्वंसकर्यै
नीरदायै	लंकेशरिपुवन्दितायै
पीतायै	लंकानाथकुलहरायै
श्यामायै	महारावणहारिण्यै
सौन्दर्यकारिण्यै	देवदानवसिद्धौघपूजितायै
रक्तायै ६०	परमेश्वर्यै
नीलायै	पराणुरूपायै
घनायै	परमायै ९०
शुभ्रायै	परतन्त्रविनाशिन्यै
श्वेतायै	वरदायै
सौभाग्यदायिन्यै	वरदाराध्यायै
सुन्दर्यै	वरदानपरायणायै
सौभगायै	वरदेशप्रियायै
सौम्यायै	वीरायै
स्वर्णाभायै	वीरभूषणभूषितायै
स्वर्गतिप्रदायै ७०	वसुदायै
रिपुत्रासकर्यै रेखायै	बहुदायै
शत्रुसंहारकारिण्यै	वाण्यै १००
भामिन्यै	ब्रह्मरूपायै
मायास्तंभिन्यै	वराननायै
मोहिन्यै	बलदायै
शुभायै	पीतवसनायै
रागद्वेषकर्यै	पीतभूषणभूषितायै
रात्र्यै	पीतपुष्पप्रियायै
रौरवध्वंसकारिण्यै	पीतहारायै
	पीतस्वरूपिण्यै १०८

श्री बगलामुखी-सहस्रनामावलिः ॥

ब्रह्मास्त्राय नमः

ब्रह्मविद्यायै

ब्रह्ममात्रे

सनातन्यै

ब्रह्मेश्वर्यै

ब्रह्मकैवल्यबगलायै

ब्रह्मचारिण्यै

नित्यानन्दायै

नित्यसिद्धायै

नित्यरूपायै १०

निरामयायै

सन्धारिण्यै

महामायायै

कटाक्षक्षेमकारिण्यै

कमलायै

विमलायै

नीलरत्नकान्तिगुणाश्रितायै

कामप्रियायै

कामरतायै

कामकामस्वरूपिण्यै २०

मङ्गलायै

विजयायै

जायायै

सर्वमङ्गलकारिण्यै

कामिन्यै

कामिनीकाम्यायै

कामुकायै

कामचारिण्यै

कामप्रियायै

कामरतायै ३०

कामकामस्वरूपिण्यै

कामाख्यायै

कामबीजस्थायै

कामपीठनिवासिन्यै

कामदायै

कामहायै

काल्यै

कपाल्यै

करालिकायै

कंसारयै ४०

कमलायै

कामायै

कैलासेश्वरवल्लभायै

कात्यायन्यै

केशवायै

करुणायै

कामकेलिभुजे

क्रियाकीर्त्यै

कृत्तिकायै

काशिकायै ५०

मथुरायै

शिवायै

कालाक्ष्यै	गोपीगोष्ठनिवासिन्यै
कालिकायै	गन्धायै
कालिधवलाननसुन्दर्यै	गजेन्द्रगामान्यायै
खेचर्यै	गदाधरप्रियाग्रहायै
खमूत्यै	घोरघोरायै
क्षुद्राक्षुद्रक्षुधावरायै	घोररूपायै
खड्गहस्तायै	घनश्रोण्यै
खड्गरतायै ६०	घनप्रभायै
खड्गिन्यै	दैत्येन्द्रप्रबलायै
खर्परप्रियायै	घण्टावादिन्यै ९०
गङ्गायै	घोरनिस्वनायै
गौर्यै	डाकिन्यै
गामिन्यै	उमायै
गीतायै	उपेन्द्रायै
गोत्रविवर्धिन्यै	उर्वश्यै
गोधरायै	उरगासनायै
गोकरायै	उत्तमायै
गोधायै ७०	उन्नतायै
गन्धर्वपुरवासिन्यै	उन्नायै
गन्धर्वायै	उत्तमस्थानवासिन्यै १००
गन्धर्वकलागोपन्यै	चामुण्डायै
गरुडासनायै	मुण्डितायै
गोविन्दभावायै	चण्ड्यै
गोविन्दायै	चण्डदर्पहरायै
गान्धार्यै	उग्रचण्डायै
गन्धमादन्यै	चण्डचण्डायै
गौराङ्ग्यै	चण्डदैत्यविनाशिन्यै
गोपिकामूर्तये ८०	चण्डरूपायै

प्रचण्डायै	झङ्कारीझकशोभिन्यै
चण्डाचण्डशरीरिण्यै ११०	झखाझमेशायै
चतुर्भुजायै	झङ्कारीयोनिक्ल्याणदायिन्यै
प्रचण्डायै	झञ्झरायै १४०
चराचरनिवासिन्यै	झमुरीझारायै
छत्रप्रायशिरोवाहायै	झराझरतरायै परायै
छलाच्छलतरायै	झञ्झाझमेतायै
छल्यै	झङ्कारीझणाक्ल्याणदायिन्यै
क्षत्ररूपायै	जमुनामानसीचिन्त्यायै
क्षत्रधरायै	जमुनाशङ्करप्रियायै
क्षत्रियक्षयकारिण्यै	टङ्कारीटिटिकायै
जयायै १२०	टीकाटङ्किन्यै
जयदुर्गायै	टवर्गगायै
जयन्त्यै	टापाटोपायै १५०
परायै जयदायै	टटपत्यै
जायिनीजयिन्यै	टमन्यै
ज्योत्स्नाजटाधरप्रियायै	टमनप्रियायै
अजितायै	ठकारधारिण्यै
जितेन्द्रियायै	ठीकाढङ्क्यै
जितक्रोधायै	ठिकरप्रियायै
जयमानायै	ठेकठासायै
जनेश्वर्यै-१३०	ठकरतीठामिन्यै
जितमृत्यवे	ठमनप्रियायै
जरातीतायै	डारहायै १६०
जाह्नव्यै	डाकिन्यै
जनकात्मजायै	डाराडामरायै
झङ्कारायै	डमरप्रियायै
झञ्झरीझण्टायै	डखिनीडडयुक्तायै

डमरूकरवल्लभायै
 ढक्काढक्कीढक्कनादायै
 ढोलशब्दप्रबोधिन्धायै
 ढामिनीढामनप्रीतायै
 ढगतन्त्रप्रकाशिन्यै
 अनेकरूपिण्यै १७०
 अंबायै
 अणिमासिद्धिदायिन्यै
 अमन्त्रिण्यै
 अणुकर्णै
 अणुमद्भानुसंस्थितायै
 तारातन्त्रवत्यै
 तन्त्रतत्त्वरूपायै
 तपस्विन्यै
 तरङ्गिण्यै
 तत्त्वपरायै १८०
 तन्त्रिकातन्त्रविग्रहायै
 तपोरूपायै
 तत्त्वदात्र्यै
 तपःप्रीतिप्रधर्षिण्यै
 तन्त्रयन्त्रार्चनपरायै
 तलातलनिवासिन्यै
 तल्पदायै
 अल्पदायै
 काम्यायै
 स्थिरायै १९०
 स्थिरतरायै स्थित्यै
 स्थाणुप्रियायै

स्थाणुपरायै
 स्थितास्थानप्रदायिन्यै
 दिगंबरायै
 दयारूपायै
 दावाग्निदमनीदमायै
 दुर्गायै
 दुर्गपरादेव्यै
 दुष्टदैत्यविनाशिन्यै २००
 दमनप्रमदायै
 दैत्यदयादानपरायणायै
 दुर्गार्तिनाशिन्यै
 दान्तायै
 दंभिन्यै
 दंभवर्जितायै
 दिगंबरप्रियायै
 दंभायै
 दैत्यदंभविदारिण्यै
 दमनाशनसौन्दर्यायै २१०
 दानवेन्द्रविनाशिन्यै
 दयाधरायै
 दमन्यै
 दर्भपत्रविलासिन्यै
 धरणीधारिण्यै
 धात्र्यै
 धराधरधरप्रियायै
 धराधरसुतायै देव्यै
 सुधर्माधर्मचारिण्यै
 धर्मज्ञायै २२०

धवलाधूलायै	नागान्तकायै
धनदायै	नागवृद्धायै २५०
धनवर्धिन्यै	नागपत्न्यै
धीरायै	नागिन्यै
अधीरायै	नमिताशेषजनतायै
धीरतरायै	नमस्कारवत्यै
धीरसिद्धिप्रदायिन्यै	नमसे
धन्वन्तरिधराधीरायै	पीतांबरायै
ध्येयध्यानस्वरूपिण्यै	पार्वत्यै
नारायण्यै २३०	पीतांबरविभूषितायै
नारसिंह्यै	पीतमाल्यांबरधरायै
नित्यानन्दनरोत्तमायै	पीताभायै २६०
नक्तानक्तवत्यै	पिङ्गमूर्धजायै
नित्यायै	पीतपुष्पार्चनरतायै
नीलजीमूत सन्निभायै	पीतपुष्पसमर्चितायै
नीलांग्यै	परप्रभायै
नीलवस्त्रायै	पितृपत्यै
नीलपर्वतवासिन्यै	परसैन्यविनाशिन्यै
सुनीलपुष्पखचितायै	परमायै
नीलजंबूसमप्रभायै २४०	परतन्त्रायै
नित्याख्यायै षोडश्यै	परमन्त्रायै
विद्यायै नित्यायै	परात्परायै २७०
नित्यसुखावहायै	परायै विद्यायै
नर्मदायै	परायै सिद्धयै
नन्दनानन्दायै	परास्थानप्रदायिन्यै
नन्दानन्दविवर्धिन्यै	पुष्पायै
यशोदानन्दतनयायै	नित्यं पुष्पवत्यै
नन्दनोद्यानवासिन्यै	पुष्पमालाविभूषितायै

पुरातनायै	पाशिन्यै
पूर्वपरायै	पाशिकायै
परसिद्धिप्रदायिन्यै	पशुघ्न्यै
पीतानितंबिन्यै २८०	पशुभाषिण्यै
पीतापीनोन्नतपयस्तन्यै	फुल्लारविन्दवदन्यै
प्रेमाप्रमध्यमाशेषायै	फुल्लोत्पलशरीरिण्यै ३१०
पद्मपत्रविलासिन्यै	परानन्दप्रदायै
पद्मावत्यै	वीणायै
पद्मनेत्रायै	पशुपाशविनाशिन्यै
पद्मायै	फूत्कारायै
पद्ममुखीपरायै	फूत्परायै
पद्मासनायै	फेण्यै
पद्मप्रियायै	फुलेन्दीवरलोचनायै
पद्मरागस्वरूपिण्यै २९०	फट्मन्त्रायै
पावन्यै	स्फटिकायै
पालिकायै	स्वाहायै ३२०
पात्र्यै	स्फोटायै
परदायै	फट्स्वरूपिण्यै
अवरदायै	स्फटिकाघुटिकायै
शिवायै	घोरायै
प्रेतसंस्थायै	स्फटिकाद्रिस्वरूपिण्यै
परानन्दायै	वराङ्गनायै
परब्रह्मस्वरूपिण्यै	वरधरायै
जिनेश्वरप्रियायै देव्यै ३००	वाराह्यै
पशुरक्तरतप्रियायै	वासुकीवरायै
पशुमांसप्रियायै	बिन्दुस्थायै ३३०
अपर्णायै	बिन्दुनीवाण्यै
परामृतपरायणायै	बिन्दुचक्रनिवासिन्यै

विद्याधर्यै	भैरव्यै
विशालाक्ष्यै	भीमायै
काशीवासिजनप्रियायै	भद्रकाल्यै
वेदवेद्यायै	सुभद्रिकायै
विरूपाक्ष्यै	भगिन्यै
विश्वयुजे	भगरूपायै
बहुरूपिण्यै	भगमानायै
ब्रह्मशक्त्यै ३४०	भगोत्तमायै
विष्णुशक्त्यै	भगप्रियायै
पञ्चवक्त्रायै	भगवत्यै ३७०
शिवप्रियायै	भगवासायै
वैकुण्ठवासिन्यै देव्यै	भगाकरायै
वैकुण्ठपददायिन्यै	भगसृष्टायै
ब्रह्मरूपायै	भाग्यवत्यै
विष्णुरूपायै	भगरूपायै
परब्रह्ममहेश्वर्यै	भगासिन्यै
भवप्रियायै	भगलिङ्गप्रियायै देव्यै
भवोद्भावायै ३५०	भगलिङ्ग परायणायै
भवरूपायै	भगलिङ्ग स्वरूपायै
भवोत्तमायै	भगलिङ्ग विनोदिन्यै ३८०
भवपारायै	भगलिङ्गरतायै देव्यै
भवाधारायै	भगलिङ्ग निवासिन्यै
भाग्यवत्प्रियकरिण्यै	भगमालायै
भद्रायै	भगकलायै
सुभद्रायै	भगाधारायै
भवदायै	भगांबरायै
शुंभदैत्यविनाशिन्यै	भगवेगायै
भवान्यै ३६०	भगाभूषायै

भगेन्द्रायै	मणिरत्नविभूषणायै
भाग्यरूपिण्यै ३९०	मल्लिकामौलिकामालायै
भगलिङ्गाङ्गसंभोगायै	मालाधरमदोत्तमायै
भगलिङ्गासवावहायै	मदनासुन्दर्यै ४२०
भगलिङ्ग समाधुरायै	मेधायै
भगलिङ्ग निवेशितायै	मधुमत्तायै
भगलिङ्ग सुपूजायै	मधुप्रियायै
भगलिङ्ग समन्वितायै	मत्तहंसीसमोन्नासायै
भगलिङ्ग विरक्तायै	मत्तसिंहमहासन्यै
भगलिङ्ग समावृतायै	महेन्द्रवल्लभायै
माधव्यै	भीमायै
माधवीमान्यायै ४००	मौल्यञ्चमिथुनात्मजायै
मधुरायै	महाकाल्या महाकाल्यै
मधुमानिन्यै	महाबुद्ध्यै ४३०
मन्दहासायै	महोत्कटायै
महामायायै	माहेश्वर्यै
मोहिन्यै	महामायायै
महदुत्तमायै	महिषासुरघातिन्यै
महामोहायै	मधुरायै कीर्तिमत्तायै
महाविद्यायै	मत्तमातङ्गगामिन्यै
महाघोरायै	मदप्रियायै
महास्मृत्यै ४१०	मांसरतायै
मनस्विन्यै	मत्तयुक्कामरूपिण्यै
मानवत्यै	मैथुन्यवल्लभायै देव्यै ४४०
मोदिन्यै	महानन्दायै
मधुराननायै	महोत्सवायै
मेनकायै	मरीचये
मानिनीमान्यायै	मारत्यै

मायायै	रावीरसस्वरूपायै
मनोबुद्धिप्रदायिन्यै	रात्रिराजसुखाबहायै
मोहायै	ऋतुजायै
मोक्षायै	ऋतुदायै
महालक्ष्म्यै	ऋद्धायै
महत्पदप्रदायिन्यै ४५०	ऋतुरूपायै
यमरूपायै	ऋतुप्रियायै
यमुनायै	रक्तप्रियायै ४८०
जयन्त्यै	रक्तवत्यै
जयप्रदायै	रङ्गिण्यै
याम्यायै	रक्तदन्तिकायै
यमवत्यै	लक्ष्म्यै
युद्धायै	लज्जायै
यदोः कुलविवर्धिन्यै	लतिकायै
रमारामायै	लीलालग्नानिताक्षिण्यै
रामपत्न्यै ४६०	लीलायै
रत्नमाला रतिप्रियायै	लीलावत्यै
रत्नसिंहासनस्थायै	लोमहर्षाह्लादनपट्टिकायै ४९०
रत्नाभरणमण्डितायै	ब्रह्मस्थितायै
रमण्यै	ब्रह्मरूपायै
रमणीयायै	ब्रह्मणा वेदवन्दितायै
रत्यारसपरायणायै	ब्रह्मोद्भवायै
रतानन्दायै	ब्रह्मकलायै
रतवत्यै	ब्रह्माण्यै
रघूणां कुलवर्धिन्यै	ब्रह्मबोधिनीयै
रमणारिपरिभ्राज्यायै ४७०	वेदाङ्गनायै
रैधायै	वेदरूपायै
राधिकरत्नजायै	वनितायै ५००

विनतावसायै	शुक्लपुष्पप्रियायै
बालायै	शुक्लायै ५३०
युवत्यै	शिवधर्मपरायणायै
वृद्धायै	शुक्लस्थायै
ब्रह्मकर्मपरायणायै	शुक्लिन्यै
विन्ध्यस्थायै	शुक्लरूपशुक्लपशुप्रियायै
विन्ध्यवास्यै	शुक्रस्थायै
बिन्दुयुग्विन्दुभूषणायै	शुक्रिण्यै
विद्यावत्यै	शुक्रायै
वेदधार्यै ५१०	शुक्ररूपायै
व्यापिकायै	शुक्रिकायै
बर्हिण्यै कलायै	षण्मुख्यै ५४०
वामाचारप्रियायै	षडङ्गायै
वह्नये	षट्चक्रविनिवासिन्यै
वामाचारपरायणायै	षडग्रन्थियुक्तायै
वामाचाररतायै देव्यै	षोढायै
वामदेवप्रियोत्तमायै	षण्मात्रे
बुद्धेन्द्रियायै	षडात्मिकायै
विबुद्धायै	षडङ्गयुवत्यै देव्यै
बुद्धाचरणमालिन्यै ५२०	षडङ्गप्रकृत्यै
बन्धमोचनकर्त्र्यै	वश्यै
वारुणायै	षडाननायै ५५०
वरुणालयायै	षड्रसायै
शिवायै	षष्ठीषष्ठेश्वरीप्रियायै
शिवप्रियायै	षड्जवादायै
शुद्धायै	षोडश्यै
शुद्धांग्यै	षोढान्यासस्वरूपिण्यै
शुक्लवर्णिकायै	षट्चक्रभेदनकर्त्र्यै

षट्चक्रस्थस्वरूपिण्यै
षोडशस्वरूपायै
षण्मुख्यै
षट्पदान्वितायै ५६०
सनकादिस्वरूपायै
शिवधर्मपरायणायै
सिद्ध सप्तस्वर्यै
शुद्धायै
सुरमात्रे
सुरोत्तमायै
सिद्धविद्यायै
सिद्धमात्रे
सिद्धासिद्धस्वरूपिण्यै
हरायै ५७०
हरिप्रियाहारायै
हरिणीहारयुजे
हरिरूपायै
हरिधरायै
हरिणाक्ष्यै
हरिप्रियायै
हेतुप्रियायै
हेतुरतायै
हिताहितस्वरूपिण्यै
क्षमायै ५८०
क्षमावत्यै
क्षीतायै
क्षुद्रघण्टाविभूषणायै
क्षयङ्कर्यै

क्षितीशायै
क्षीणमध्यसुशोभनायै
अजायै
अनन्तायै
अपर्णायै
अहल्याशेषशायिन्यै ५९०
साधूनां स्वान्तर्गतायै
अन्तरानन्दरूपिण्यै
अरूपायै
अमलायै
अर्धायै
अनन्तगुणशालिन्यै
स्वविद्यायै
विद्यकाविद्यायै
विद्यायै
चार्विन्दुलोचनायै ६००
अपराजितायै
जातवेदायै
अजपायै
अमरावत्यै
अल्पायै
स्वल्पायै
अनल्पाद्यायै
अणिमासिद्धिदायिन्यै
अष्टसिद्धिप्रदायै देव्यै
रूपलक्षणसंयुतायै ६१०
अरविन्दमुखायै देव्यै
भोगसौख्यप्रदायिन्यै

आदिविद्यायै	उरगवल्लभायै
आदिभूतायै	उद्यानवासिनीमालायै
आदिसिद्धिप्रदायिन्यै	प्रशस्तमणिभूषणायै
सीत्काररूपिण्यै देव्यै	ऊर्ध्वदन्तायै
सर्वासनविभूषितायै	उत्तमाङ्ग्यै
इन्द्रप्रियायै	उत्तमायै
इन्द्राण्यै	ऊर्ध्वकेशिन्यै
इन्द्रप्रस्थनिवासिन्यै ६२०	उमासिद्धिप्रदायै
इन्द्राक्ष्यै	उरगासनसंस्थितायै
इन्द्रवज्रायै	ऋषिपुत्र्यै ६५०
इन्द्रमद्योक्षण्यै	ऋषिच्छन्दायै
ईलाकामनिवासायै	ऋद्धिसिद्धिप्रदायिन्यै
ईश्वर्यै	उत्सवोत्सवसीमन्तायै
ईश्वरवल्लभायै	कामिकायै
जनन्यै	गुणान्वितायै
ईश्वर्यै	एलायै
दीनाभेदायै	एकारविद्यायै
ईश्वरकर्मकृते ६३०	एणीविद्याधरायै
उमायै	ओंकारबलयोपेतायै
कात्यायन्यै	ओंकारपरमायै कलायै ६६०
ऊर्ध्वायै	ओंवदवदवाण्यै
मीनायै	ओंकाराक्षरमण्डितायै
उत्तरवासिन्यै	ऐन्द्र्यै
उमापतिप्रियायै देव्यै	कुलिशहस्तायै
शिवायै	ओं लोकपरवासिन्यै
ओंकाररूपिण्यै	ओंकारमध्यबीजायै
उरगेन्द्रशिरोरत्नायै	ओं नमोरूपधारिण्यै
उरगायै ६४०	परब्रह्मस्वरूपायै

अंशुकायै
 अंशुकवल्लभायै ६७०
 ओंकारायै
 अःफड्मन्त्रायै
 अक्षाक्षरविभूषितायै
 अमन्त्रायै
 मन्त्ररूपायै
 पदशोभासमन्वितायै
 प्रणवोङ्काररूपायै
 प्रणवोच्चारभाजे
 ह्रींकाररूपायै
 ह्रींकार्यै ६८०
 वाग्बीजाक्षरभूषणायै
 हल्लेखासिद्धियोगायै
 हृत्पद्मासनसंस्थितायै
 बीजाख्यायै
 नेत्रहृदयायै
 ह्रींबीजायै
 भुवनेश्वर्यै
 ह्रींकामराजायै
 क्लिन्नायै
 चतुर्वर्गफलप्रदायै ६९०
 ह्रींह्रींह्रींरूपिकायै देव्यै
 क्रींक्रींक्रींनामधारिण्यै
 कमलाशक्तिबीजायै
 पाशाङ्कुशविभूषितायै
 श्रीश्रींकारायै
 महाविद्यायै

श्रद्धायै
 श्रद्धावत्यै
 ओंऐंह्रींहींश्रींपरायै
 ह्रींकार्यै ७००
 परमायै कलायै
 ह्रींह्रींश्रीं कारस्वरूपायै
 सर्वकर्मफलप्रदायै
 सर्वाढ्यायै
 सर्वदेव्यै
 सर्वसिद्धिप्रदायै
 सर्वज्ञायै
 सर्वशक्त्यै
 वाग्विभूतिप्रदायिन्यै
 सर्वमोक्षप्रदायै देव्यै ७१०
 सर्वभोगप्रदायिन्यै
 गुणेन्द्रवल्लभायै वामायै
 सर्वशक्तिप्रदायिन्यै
 सर्वानन्दमय्यै
 सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै
 सर्वचक्रेश्वर्यै देव्यै
 सर्वसिद्धेश्वर्यै
 सर्वप्रियङ्कर्यै
 सर्वसौख्यप्रदायिन्यै
 सर्वानन्दप्रदायै देव्यै ७२०
 ब्रह्मानन्दप्रदायिन्यै
 मनोवाञ्छितदात्र्यै
 मनोबुद्धिसमन्वितायै
 अकारादिक्षकारान्तायै

दुर्गायै	सिद्धायै
दुर्गार्तिनाशिन्यै	मोक्षप्रदायै नित्यायै
पद्मनेत्रायै	नित्यानन्दप्रदायिन्यै
सुनेत्रायै	रक्तांग्यै
स्वधास्वाहावषट्कार्यै	रक्तनेत्रायै
स्वर्वर्गायै ७३०	रक्तचन्दनभूषितायै
देववर्गायै	स्वल्पसिद्धयै
तवर्गायै	सुकल्पायै ७६०
समन्वितायै	दिव्यचारणशुक्रभायै
अन्तस्थायै	संक्रान्त्यै
वैश्वरूपायै	सर्वविद्यायै
नवदुर्गायै	सप्तवासरभूषितायै
नरोत्तमायै	प्रथमायै
तत्त्वसिद्धिप्रदायै	द्वितीयायै
नीलायै	तृतीयायै
नीलपताकिन्यै ७४०	चतुर्थिकायै
नित्यरूपायै	पञ्चम्यै
निशाकार्यै	षष्ठ्यै ७७०
स्तम्भिन्यै	विशुद्धायै सप्तम्यै
मोहिन्यै	अष्टम्यै
वशङ्कर्यै	नवम्यै
उच्चाट्यै	दशम्यै
उन्माद्यै	एकादश्यै
कर्षिण्यै	द्वादश्यै
मातङ्ग्यै	त्रयोदश्यै
मधुमत्तायै ७५०	चतुर्दश्यै
अणिमायै	पूर्णिमायै
लघिमायै	अमावास्यायै ७८०

पूवायै
 उत्तरायै
 परिपूर्णमायै
 खड्गिन्यै
 चक्रिण्यै
 घोरायै
 गदिन्यै
 शूलिन्यै
 भुशुण्डीचापिन्यै
 बाणायै ७९०
 सर्वायुधविभूषणायै
 कुलेश्वर्यै
 कुलवत्यै
 कुलाचारपरायणायै
 कुलकर्मसुरक्तायै
 कुलाचारप्रवर्धिन्यै
 कीर्त्यै
 श्रिये
 रमायै
 रामायै ८००
 धर्मायै
 क्षमायै
 धृत्यै
 स्मृत्यै
 मेधायै
 कल्पवृक्षनिवासिन्यै
 उग्रायै
 उग्रप्रभायै

गौर्यै
 वेदविद्याविबोधिन्त्यै ८१०
 साध्यायै
 सिद्धायै
 सुसिद्धायै
 विप्ररूपायै
 काल्यै
 कराल्यै
 काल्यायै कलायै
 दैत्यविनाशिन्यै
 कौलिन्यै
 कालिक्यै ८२०
 कचटतपवर्णिकायै
 जयिन्यै
 जययुक्तायै
 जयदायै
 जृम्भिण्यै
 स्राविण्यै
 द्राविण्यै देव्यै
 भेरुण्डायै
 विन्ध्यवासिन्यै
 ज्योतिर्भूतायै ८३०
 जयदायै
 ज्वालामालासमाकुलायै
 भिन्नाभिन्नप्रकाशायै
 विभिन्नाभिन्नरूपिण्यै
 अश्विन्यै
 भरण्यै

नक्षत्रसंभवानिलायै	चतुर्मात्रे
काभ्यष्यै	चतुर्वर्गफलप्रदायै
विनताख्यातायै	धात्रीविधात्रीमिथुनायै
दितिजायै ८४०	नार्यै
अदित्यै	नायकवासिन्यै ८७०
कीर्त्यै	सुरामुदामुदवत्यै
कामप्रियायै देव्यै	मेदिन्यै
कीर्त्या कीर्तिविवर्धिन्यै	मेनकात्मजायै
सद्योमांससमालब्धायै	ऊर्ध्वकाल्यै
सद्यश्छिन्नासिशङ्करायै	सिद्धिकाल्यै
दक्षिणायै दिशे	दक्षिणाकालिकायै
उत्तरायै दिशे	शिवायै
पूर्वायै दिशे	नीलायै सरस्वत्यै
पश्चिमायै दिशे ८५०	(सा त्वं) बगलायै
अग्निनैर्ऋतिवायव्येशान्यादिशे	छिन्नमस्तकायै ८८०
ऊर्ध्वाङ्गायै	सर्वेश्वर्यै
अधोगतायै	सिद्धविद्यायै परायै
श्वेतायै	परमदेवतायै
कृष्णायै	हिङ्गुलायै
रक्तायै	हिङ्गुलाङ्गायै
पीतकायै	हिङ्गुलाधरवासिन्यै
चतुर्वर्गायै	हिङ्गुलोत्तमवर्णाभायै
चतुर्वर्णायै	हिङ्गुलाभरणायै
चतुर्मात्रात्मिकाक्षरायै ८६०	जाग्रत्यै
चतुर्मुख्यै	जगन्मात्रे ८९०
चतुर्वेदायै	जगदीश्वरवल्लभायै
चतुर्विद्यायै	जनार्दनप्रियायै देव्यै
चतुर्मुखायै	जययुक्तायै
चतुर्गणायै	जयप्रदायै

जगदानन्दकार्यै	वज्रायै
जगदाह्लादकारिण्यै	वज्रहरायै
ज्ञानदानकर्यै	दुर्गायै
यज्ञायै	शिवायै
जानक्यै	शान्तिकर्यै
जनकप्रियायै ९००	ब्रह्माण्यै
जयन्त्यै	ब्राह्मणप्रियायै ९३०
जयदायै नित्यायै	सर्वलोकप्रणेत्र्यै
ज्वलदग्निसमप्रभायै	सर्वरोगहरायै
विद्याधरायै	मङ्गलायै
बिंबोष्ठ्यै	शोभनायै
कैलासाचलवासिन्यै	शुद्धायै
विभवायै	निष्कलायै
वडवाग्न्यै	परमायै कलायै
अग्निहोत्रफलप्रदायै	विश्वेश्वर्यै
मन्त्ररूपायै परायै देव्यै ९१०	विश्वमात्रे
गुरुरूपिण्यै	ललिता वासिताननायै ९४०
गयायै	सदाशिवायै
गङ्गायै	उमा क्षेमायै
गोमत्यै	चण्डिकायै
प्रभासायै	चण्डविक्रमायै
पुष्करायै	सर्वदेवमय्यै देव्यै
विन्ध्याचलरतायै दैव्यै	सर्वागमभयापहायै
विन्ध्याचलनिवासिन्यै	ब्रह्मेशविष्णुनमितायै
बह्वै	सर्वकल्याणकारिण्यै
बहुसुन्दर्यै ९२०	योगिनीयोगमात्रे
कंसासुरविनाशिन्यै	योगीन्द्र हृदय स्थितायै ९५०
शूलिन्यै	योगिजायायै
शूलहस्तायै	योगवत्यै

योगीन्द्रानन्दयोगिन्यै
 इन्द्रादिनमितायै देव्यै
 ईश्वर्यै
 ईश्वरप्रियायै
 विशुद्धिदायै
 भयहरायै
 भक्तद्वेषिभयङ्कर्यै
 भववेषायै ९६०
 कामिन्यै
 भेरुण्डायै
 भवकारिण्यै
 बलभद्रप्रियाकारायै
 संसारार्णवतारिण्यै
 पञ्चभूतायै
 सर्वभूतायै
 विभूत्यै
 भूतिधारिण्यै
 सिंहवाहायै ९७०
 महामोहायै
 मोहपाशविनाशिन्यै
 मन्दुरायै
 मदिरायै
 मुद्रायै
 मुद्रामुद्गरधारिण्यै
 सावित्र्यै
 महादेव्यै
 परप्रियविनायिकायै
 यमदूत्यै ९८०

पिङ्गाक्ष्यै
 वैष्णव्यै
 शङ्कर्यै
 चन्द्रप्रियायै
 चन्द्ररतायै
 चन्दनारण्यवासिन्यै
 चन्दनेन्द्रसमायुक्तायै
 चण्डदैत्यविनाशिन्यै
 सर्वेश्वर्यै
 यक्षिण्यै ९९०
 किरात्यै
 राक्षस्यै
 महाभोगवत्यै देव्यै
 महामोक्षप्रदायिन्यै
 विश्वहन्त्र्यै
 विश्वरूपायै
 विश्वसंहारकारिण्यै
 सर्वलोकानां धात्र्यै
 हितकारणकामिन्यै
 कमलायै १०००
 सूक्ष्मदायै देव्यै
 धात्र्यै
 हरविनाशिन्यै
 सुरेन्द्रपूजितायै
 सिद्धायै
 महातेजोवत्यै
 परारूपवत्यै देव्यै
 त्रैलोक्याकर्षकारिण्यै १००८

श्री मातङ्गी-अष्टोत्तर शतनामस्तोत्रम् ।

महामत्तमातङ्गि नीसिद्धि-

रूपायै नमः

योगिन्यै

भद्रकाल्यै

रमायै

भवान्यै

भवप्रीतिदायै

भूतियुक्तायै

भवाराधितायै

भूतिसंपत्कर्यै

धनाधीशमात्रे १०

धनागारदृष्ट्यै

धनेशार्चितायै

धीरवापीवराङ्ग्यै

प्रकृष्ट प्रभारूपिण्यै

कामरूप प्रहृष्टायै

महाकीर्तिदायै

कर्णनाल्यै

करालीभगाघोररूपायै

भगाङ्ग्यै

भगाह्वयै २०

भगप्रीतिदायै

भीमरूपायै

भवान्यै

महाकौशिक्यै

कोशपूर्ण्यै

किशोरी किशोरप्रियानन्देहायै

महाकारणाकारणायै

कर्मशीलायै

कपालि प्रसिद्धायै

महासिद्ध खण्डायै ३०

मकारप्रियायै

मानरूपायै

महेश्व्यै

महोल्लासिनी लास्यलीला

लयाङ्ग्यै

क्षमा क्षेमशीलायै

क्षपाकारिण्यै

अक्षयप्रीतिदायै

भूतियुक्तायै

भवान्यै

भवाराधितायै ४०

भूतिसत्यात्मिकायै

प्रभोद्भासितायै

भानुभास्वत्करायै

धराधीशमात्रे

धरागारदृष्ट्यै

धरेशार्चितायै

धीवराधीवराङ्गचै	फलप्राशकायै
प्रकृष्टप्रभारूपिण्यै	शकाह्वायै
प्राणरूप प्रकृष्टस्वरूपायै	शकाह्वाशकाख्यायै
स्वरूपप्रियायै ५०	शकायै
चलत्कुण्डलाकामिन्यै	शकाक्षान्तरोपायै
कान्तयुक्तायै	सुरोषायै
कपालाचलायै	सुरेखायै
कालकोद्धारिण्यै	महाशेषयज्ञोपवीतप्रियायै
कदम्बप्रियायै	जयन्त्यै ८०
कोटरी कोटदेहायै	जयायै
क्रमायै	जाग्रती योग्यरूपायै
कीर्तिदायै	जयाङ्गायै
कर्णरूपायै	जपध्यानसन्तुष्टसंज्ञायै
काक्ष्म्यै ६०	जयप्राणरूपायै
क्षमाङ्गचै	जयस्वर्णदेहायै
क्षयप्रेमरूपायै	जयज्वालिनीयामिन्यै
क्षपायै	याम्यरूपायै
क्षयाक्षायै	जगन्मातृरूपायै
क्षयाह्वायै	जगद्रक्षणायै ९०
क्षयप्रान्तरायै	स्वधावौषडन्तायै
क्षवत्कामिन्यै	विलंबाविलंबायै
क्षारिणी क्षीरपूर्णायै	षडङ्गायै
शिवाङ्गचै	महालम्बरूपासिहस्तायै
शाकंभरी शाकदेहायै ७०	पदाहारिणीहारिण्यै
महाशाकयज्ञायै	हारिण्यै

महामङ्गलायै	प्रचण्डाप्रचण्डायै
मङ्गलप्रेमकीर्तये	महाचण्डवेगायै
निशुंभच्छिदायै	चलचामरायै
शुंभदर्पत्वहायै १००	चामरा चन्द्रकीर्तये
आनन्दबीजादिमुक्तस्वरूपायै	सुचामीकराचित्रभूषोज्ज्वलाङ्गचै
चण्डमुण्डापदा मुख्यचण्डायै	सुसङ्गीतगीतायै १०८

श्री मातङ्गीसहस्रनामावलि:

सुमुख्यै नमः	वेलायै
शेमुष्यै	लावण्यवनमालिन्यै
सेव्यायै	वनजाक्ष्यै २०
सुरसायै	वनचर्यै
शशिशेखरायै	वन्यै
समानास्यायै	वनविनोदिन्यै
साधन्यै	वेगिन्यै
समस्तसुरसन्मुख्यै	वेगदायै
सर्वसंपत्तिजनन्यै	वेगायै
संपदायै १०	बगलस्थायै
सिन्धुसेविन्यै	बलाधिकायै
शंभुसीमन्तिन्यै	काल्यै
सौम्यायै	कालप्रियायै ३०
समाराध्यायै	केल्यै
सुधारसायै	कमलायै
सारंगायै	कालकामिन्यै
सवल्यै	कमलायै

कमलस्थायै	कुण्डप्रियायै
कमलस्थायै	कुण्डरुच्यै
कलावत्यै	कुरङ्गनयनायै
कुलीनायै	कुलायै
कुटिलायै	कुन्दबिम्बालिनदिन्यै
कान्तायै ४०	कुसुंभकुसुमाकरायै
कोकिलायै	काञ्च्यै
कलभाषिण्यै	कनकशोभाढ्यायै
कीरायै	कणात्किङ्किणिकाकट्यै ७०
केलिकरायै	कठोरकरणायै
काल्यै	काष्ठायै
कपालिन्यै	कौमुद्यै
कालिकायै	कण्ठवत्यै
केशिन्यै	कपर्दिन्यै
कुशावतायै	कपटिन्यै
कौशाभ्यै ५०	कठिन्यै
केशवप्रियायै	कलकण्ठिन्यै
काल्यै	कीरहस्तायै
काभ्यै	कुमार्यै ८०
महाकालसंकाशायै	कुरूढकुसुमप्रियायै
केशदायिन्यै	कुञ्जरस्थायै
कुण्डलायै	कुञ्जरायै
कुलस्थायै	कुम्भ्यै
कुण्डलाङ्गदमण्डितायै	कुम्भस्तन्यै
कुण्डपद्मायै	कलायै
कुमुदिन्यै ६०	कुम्भीकाङ्गायै
कुमुदप्रीतिवर्धिन्यै	करभोरवे

कदलीकुशशायिन्यै
 कुपितायै ९०
 कोटरस्थायै
 कंकाल्यै
 कन्दलालयायै
 कपालवासिन्यै
 केश्यै
 कंपमानशिरोरुहायै
 कादंबर्यै
 कदम्बस्थायै
 कुंकुमप्रेमधारिण्यै
 कुटुंबिन्यै १००
 कृपायुक्तायै
 क्रतवे
 क्रतुकरप्रियायै
 कात्यायन्यै
 कृत्तिकायै
 कार्तिक्यै
 कुशवर्तिन्यै
 कामपत्न्यै
 कामदात्र्यै
 कामेश्यै ११०
 कामवन्दितायै
 कामरूपायै
 कामरत्यै
 कामाख्यायै
 ज्ञानमोहिन्यै

खड्गिन्यै
 खेचर्यै
 खञ्जायै
 खञ्जरीटक्षणायै
 खगायै १२०
 खरगायै
 खरनादायै
 खरस्थायै
 खेलनप्रियायै
 खरांशवे
 खेलन्यै
 खट्वायै
 खरायै
 खट्वांगधारिण्यै
 खरखण्डिन्यै १३०
 ख्यात्यै
 खण्डितायै
 खण्डनप्रियायै
 खण्डप्रियायै
 खण्डखाद्यायै
 खण्डसिन्धवे
 खण्डिन्यै
 गंगायै
 गोदावर्यै
 गौर्यै १४०
 गोतम्यै
 गौतम्यै

गङ्गायै	गोगायै १७०
गयायै	गोकुलवासिन्यै
गगनगायै	घनस्तन्यै
गारुड्यै	घनरुच्यै
गरुडध्वजायै	घनोरवे
गीतायै	घननिस्वनायै
गीतप्रियायै	घुंकारिण्यै
गेयायै १५०	घुक्षकर्यै
गुणप्रीत्यै	घूघूकपरिवारितायै
गुरवे	घण्टानादप्रियायै
गिर्यै	घण्टायै १८०
गवे	घोटायै
गौर्यै	घोटकवाहिन्यै
गण्डसदनायै	घोररूपायै
गोकुलायै	घोरायै
गोप्रतारिण्यै	घृतप्रीत्यै
गोष्ठ्यै	घृताञ्जन्यै
गोविन्दिन्यै १६०	घृताच्यै
गूढायै	घृतवृष्ट्यै
गूढविग्रस्तगुञ्जिन्यै	घण्टायै
गजगायै	घटघटावृतायै १९०
गोपिन्यै	घटस्थायै
गोष्ठ्यै	घटनायै
गोक्षायै	घातकर्यै
जयप्रियायै	घातनिवारिण्यै
गणायै	चञ्चरीक्यै
गिरिभूपालदुहित्रे	चकोर्यै

चामुण्डायै	छत्रमध्यस्थायै
चीरधारिण्यै	छिन्दायै
चातुर्यै	छिन्दाकर्यै
चपलायै २००	छिदायै
चञ्चवे	छुच्छुन्दर्यै
चितायै	छलप्रीत्यै
चिन्तामणिस्थितायै	छुच्छुन्दरनिभस्वनायै २३०
चातुर्वर्ण्यमय्यै	छलिन्यै
चञ्चवे	छत्रदायै
चोराचार्यायै	छिन्नायै
चमत्कृत्यै	छिण्टिच्छेदकर्यै
चक्रवर्तिवध्वै	छटायै
चित्रायै	छद्मिन्यै
चक्राङ्ग्यै २१०	छान्दस्यै
चक्रमोदिन्यै	छायायै
चेतश्चर्यै	छरवे
चित्तवृत्त्यै	छन्दाकर्यै २४०
चेतनायै	जयदायै
चेतनप्रियायै	जयदायै
चापिन्यै	जात्यै
चंपकप्रीत्यै	जायिन्यै
चण्डायै	जामलायै
चण्डालवासिन्यै	जत्वै
चिरञ्जीविन्यै २२०	जंबूप्रियायै
तच्चिन्तात्तायै	जीवनस्थायै
चिञ्चामूलनिवासिन्यै	जङ्गमायै
छुरिकायै	जङ्गमप्रियायै २५०

जपापुष्पप्रियायै	जालन्धरमयीजान्वै
जप्यायै	जलौकायै
जगज्जीवायै	जाप्यभूषणायै २८०
जगज्जन्यै	जगज्जीवमय्यै
जगते	जीवायै
जन्तुप्रधानायै	जरत्कारवे
जगज्जीवपरायै	जनप्रियायै
जपायै	जगत्यै
जातिप्रियायै	जननिरतायै
जीवनस्थायै २६०	जगच्छोभाकर्यै
जीमूतसदृशीरुच्यै	जवायै
जन्यायै	जगतीत्राणकृज्जंघायै
जनहितायै	जातीफलविनोदिन्यै २९०
जायायै	जातीपुष्पप्रियायै
जन्मभुवे	ज्वालायै
जंभस्यै	जातिहायै
जभुवे	जातिरूपिण्यै
जयदायै	जीमूतवाहनरुच्यै
जगदावासायै	जीमूतायै
जायिन्यै २७०	जीर्णवस्त्रकृते
ज्वरकृच्छ्रजिते	जीर्णवस्त्रधरायै
जपायै	जीर्णायै
जपत्यै	ज्वलत्यै ३००
जप्यायै	जालनाशिन्यै
जपाह्यै	जगत्क्षोभकर्यै
जायिन्यै	जात्यै
जनायै	जगत्क्षोभविनाशिन्यै

जनापवादायै	झंपत्रासनिवारिण्यै
जीवायै	डंकारस्थायै
जननीगृहवासिन्यै	डंककर्यै
जनानुरागायै	डङ्कारकरणांहसायै
जानुस्थायै	डङ्कारोदकृतष्ठीवायै
जलवासायै ३१०	डिण्डीरवसनावृतायै
जलार्तिकृते	डाकिन्यै
जलजायै	डामर्यै
जलबेलायै	डिण्डिमध्वनिनादिन्यै ३४०
जलचक्रनिवासिन्यै	डकारनिस्वनरुचये
जलमुक्तायै	तपिन्यै
जलारोहायै	तापिन्यै
जलजायै	तरुण्यै
जलजेक्षणायै	तुन्दिलायै
जलप्रियायै	तुन्दायै
जलौकायै ३२०	तामस्यै
जलशोभावत्यै	तमःप्रियायै
जलविस्फूर्जितवपुषे	ताम्रायै
ज्वलत्पावकशोभिन्यै	ताम्रवत्यै ३५०
झिञ्झायै	तन्तवे
झिल्लमय्यै	तुन्दिलायै
झिञ्झायै	तुलसंभवायै
झणत्कारकर्यै	तुलाकोटिसुवेगायै
जयायै	तुल्यकामायै
झंझयै	तुलाश्रयायै
झंपकर्यै ३३०	तुदिन्यै
झंपायै	तुनिन्यै

तुम्बायै	तरुण्यै
तुल्यकालायै ३६०	तपनद्युतये
तुलाश्रयायै	तिलोत्तमायै
तुमुलायै	तिलकृते
तुलजायै	तारकाधीशशेखरायै ३९०
तुल्यायै	तिलपुष्पप्रियायै
तुलादानकर्यै	तारायै
तुल्यवेगायै	तारकेशकुटुम्बिन्यै
तुल्यगतये	स्थाणुपत्न्यै
तुलाकोटिनिनदिन्यै	स्थिरकर्यै
ताम्रोष्ठायै	स्थूलसंपद्विवर्धिन्यै
ताम्रपण्यै ३७०	स्थित्यै
तमःसंक्षोभकारिण्यै	स्थैर्यस्थविष्टायै
त्वरितायै	स्थपत्न्यै
त्वरहायै	स्थूलविग्रहायै ४००
तीरायै	स्थूलस्थूलवत्यै
तारकेश्यै	स्थाल्यै
तमालिन्यै	स्थलसंगविवर्धिन्यै
तमोदानवत्यै	दण्डिन्यै
ताम्रतालस्थानवत्यै	दन्तिन्यै
तम्यै	दामायै
तामस्यै ३८०	दरिद्रायै
तमिस्रायै	दीनवत्सलायै
तीव्रायै	देवायै
तीव्रपराक्रमायै	देववच्चै ४१०
तटस्थायै	दित्यायै
तिलतैलाक्तायै	दामिन्यै

देवभूषणायै	दरदायै ४४०
दयायै	दरदात्र्यै
दमवत्यै	दुर्व्याधदयितायै
दीनवत्सलायै	दम्यै
दाडिमस्तन्यै	धुरन्धरायै
देवमूर्तिकरायै	धुरीणायै
दैत्यायै	धौरैय्यै
दारिण्यै ४२०	धनदायिन्यै
देवतानतायै	धीरारवायै
दोलाक्रीडायै	धरित्र्यै
दयालवे	धर्मदायै ४५०
दंपतीभ्यां	धीरमानसायै
देवतामय्यै	धनुर्धरायै
दशादीपस्थितायै	धमन्यै
दोषादोषहायै	धमनीधूर्तविग्रहायै
दोषकारिण्यै	धूम्रवर्णायै
दुर्गायै	धूम्रपानायै
दुर्गातिशमन्यै ४३०	धूमलायै
दुर्गम्यायै	धूममोदिन्यै
दुर्गवासिन्यै	नन्दिन्यै
दुर्गन्धनाशिन्यै	नन्दिनीनन्दायै ४६०
दुःस्थायै	नन्दिनीनन्दबालिकायै
दुःखप्रशमकारिण्यै	नवीनायै
दुर्गन्धायै	नर्मदायै
दुन्दुभीध्वान्तायै	नर्मनेमये
दूरस्थायै	नियमनिस्वनायै
दूरवासिन्यै	निर्मलायै

निगमाधारायै	परपरायै काल्यै
निम्नगायै	पारकृत्यभुजप्रियायै
नग्नकामिन्यै	पवनस्थायै
नीलायै ४७०	पवनायै
निरत्नायै	पवनप्रीतिवर्धिन्यै
निर्वाणायै	पशुवृद्धिकर्यै
निर्लोभायै	पुष्पपोषकायै ५००
निर्गुणायै	पुष्टिवर्धिन्यै
नृत्यै	पुष्पिण्यै
नीलग्रीवायै	पुस्तककरायै
निरीहायै	पूर्णमातलवासिन्यै
निरञ्जनजनायै	पेभ्यै
नवायै	पाशकर्यै
निर्गुण्डिकायै ४८०	पाशायै
निर्गुण्डायै	पांशुहायै
निर्नासायै	पांशुलायै
नासिकाभिधायै	पशवे ५१०
पताकिन्यै	पटवे
पताकायै	पराशायै
पत्रप्रीत्यै	परशुधारिण्यै
पयस्विन्यै	पाशिन्यै
पीनायै	पापघ्न्यै
पीनस्तन्यै	पतिपत्न्यै
पत्न्यै ४९०	पतितायै
पवनाभ्यै	पतितापिन्यै
निशामय्यै	पिशाच्यै
परायै	पिशाचघ्न्यै ५२०

पिशिताशनतोषिण्यै
 पानदायै
 पानपात्र्यै
 पानदानकरोद्यतायै
 पेयायै
 प्रसिद्धायै
 पीयूषायै
 पूर्णायै
 पूर्णमनोरथायै
 पतङ्गाभायै ५३०
 पतङ्गायै
 पौनःपुन्यपिबापरायै
 पंकिलायै
 पंकमग्रायै
 पानीयायै
 पञ्जरस्थितायै
 पञ्चम्यै
 पञ्चयज्ञायै
 पञ्चतायै
 पञ्चमप्रियायै ५४०
 पिचुमन्दायै
 पुण्डरीकायै
 पिक्यै
 पिङ्गललोचनायै
 प्रियङ्गुमञ्जर्यै
 पिण्ड्यै
 पण्डितायै

पाण्डुरप्रभायै
 प्रेतासनायै
 प्रियालस्थायै ५५०
 पाण्डुघ्न्यै
 पीनसापहायै
 फलिन्यै
 फलदात्र्यै
 फलश्रियै
 फलभूषणायै
 फूत्कारकारिण्यै
 स्फार्यै
 फुल्लायै
 फुल्लाम्बुजाननायै ५६०
 स्फुलिङ्गहायै
 स्फीतमत्यै
 स्फीतकीर्तिकर्यै
 बालमायायै
 बलारात्यै
 बलिन्यै
 बलवर्धिन्यै
 वेणुवाद्यायै
 वनचर्यै
 विरिञ्चिजनयित्र्यै ५७०
 विद्याप्रदायै
 महाविद्यायै
 बोधिन्यै
 बोधदायिन्यै

बुद्धमात्रे	विदे
बुद्धायै	वेदान्तवेद्यायै
वनमालावत्यै	विजयायै
वरायै	विजयाविजयप्रदायै
वरदायै	विरोग्यै
वारुण्यै ५८०	वन्दिन्यै
वीणायै	वन्ध्यायै
वीणावादनतत्परायै	वन्ध्यायै
विनोदिन्यै	बन्धनिवारिण्यै ६१०
विनोदस्थायै	भगिन्यै
वैष्णव्यै	भगमालायै
विष्णुबल्लभायै	भवान्यै
वैद्यायै	भवनाशिन्यै
वैद्यचिकित्सायै	भीमायै
विवशायै	भीमाननायै
विश्वविश्रुतायै ५९०	भीमाभङ्गुरायै
विश्वौघविह्वलायै	भीमदर्शनायै
वेलायै	भिल्ल्यै
वित्तदायै	भिल्लधरायै ६२०
विगतज्वरायै	भीरवे
विरावायै	भेरुण्डायै
विवरीकारायै	भियै
बिंबोष्ठ्यै	भयावहायै
बिम्बवत्सलायै	भगसर्पिण्यै
बिन्ध्यस्थायै	भगायै
वरवन्ध्यायै ६००	भगरूपायै
वीरस्थानवरायै	भगालयायै

भगासनायै	मदिरायै
भवाभोगायै ६३०	मदिरालयायै
भेरीझङ्काररञ्जितायै	मदोद्धतायै
भीषणायै	मतङ्गस्थायै
भीषणारावायै	माधव्यै ६६०
भगवत्यै	मधुमर्दिन्यै
अहिभूषणायै	मोदायै
भारद्वाजायै	मोदकर्यै
भोगदात्र्यै	मेधायै
भूतिघ्न्यै	मेध्यायै
भूतिभूषणायै	मध्याधिपस्थितायै
भूमिदायै ६४०	मद्यपायै
भूमिदात्र्यै	मांसलोभस्थायै
भूपत्यै	मोदिन्यै
भरदायिन्यै	मैथुनोद्यतायै ६७०
भ्रमर्यै	मूर्धावत्यै
भ्रामर्यै	महामायायै
भालायै	मायायै
भूपालकुलसंस्थितायै	महिममन्दिरायै
मात्रे	महामालायै
मनोहर्यै	महाविद्यायै
मायायै ६५०	महामार्यै
मानिन्यै	महेश्वर्यै
मोहिन्यै	महादेववध्वै
मह्यै	मान्यायै ६८०
महालक्ष्म्यै	मथुरायै
मदक्षीबायै	मेरुमण्डितायै

मेदस्विन्यै	यज्ञयजुषे ७१०
मिलिन्दाक्ष्यै	यक्ष्यै
महिषासुरमर्दिन्यै	यशोनिष्कंपकारिण्यै
मण्डलस्थायै	यक्षिण्यै
भगस्थायै	यक्षजनन्यै
मदिरारागगर्वितायै	यशोदायै
मोक्षदायै	यासधारिण्यै
मुण्डमालायै ६९०	यशस्सूत्रप्रदायै
मालायै	यामायै
मालाविलासिन्यै	यज्ञकर्मकर्यै
मातङ्गिन्यै	यशस्विन्यै ७२०
मातङ्ग्यै	यकारस्थायै
मातङ्गतनयायै	यूपस्तंभनिवासिन्यै
मधुस्रवायै	रञ्जितायै
मधुरसायै	राजपत्न्यै
बन्धूकुसुमप्रियायै	रमायै
यामिन्यै	रेखायै
यामिनीनाथभूषायै ७००	रवीरणायै
यावकरञ्जितायै	रजोवत्यै
यवाङ्गुरप्रियायै	रजश्चित्रायै
यामायै	रञ्जन्यै ७३०
यवन्यै	रजनीपत्यै
यवनार्दिन्यै	रोगिण्यै
यमघ्न्यै	रजन्यै
यमकल्पायै	राज्ञ्यै
यजमानस्वरूपिण्यै	राज्यदायै
यज्ञायै	राज्यवर्धिन्यै

राजन्वत्यै	रंभोरवे
राजनीत्यै	राघवप्रियायै
रजतवासिन्यै	रङ्गायै
रमण्यै ७४०	रङ्गाङ्गमधुरायै
रमणीयायै	रोदस्यै
रामायै	महारवायै
रामावत्यै रत्यै	रोधकृते ७७०
रेतोरत्यै	रोगहन्त्र्यै
रतोत्साहायै	रूपभृते
रोगघ्न्यै	रोगस्राविण्यै
रोगकारिण्यै	बन्धै
रङ्गायै	बन्दिस्तुतायै
रङ्गवत्यै	बन्धवे
रागायै ७५०	बन्धूककुसुमाधरायै
रागज्ञायै	बन्दितायै
रागकृदयायै	बन्धमानायै
रामिकायै	वैद्राव्यै ७८०
रजक्यै	वेदविदे
रेवायै	विधायै
रजन्यै	विकोपायै
रङ्गलोचनायै	विकपालायै
रक्तचर्मधरायै	बिङ्कस्थायै
रङ्गचै	बिङ्कवत्सलायै
रङ्गस्थायै ७६०	वेद्यै
रङ्गवाहिन्यै	बलग्नलग्नायै
रमायै	विधिविङ्ककरीविधायै
रंभाफलप्रीत्यै	शंखिन्यै ७९०

शंखवलयायै	शेषशायिन्यै
शंखमालावत्यै	शैमुष्यै
शम्यै	शोषिण्यै ८२०
शंखपात्राशिन्यै	शेषायै
शंखस्वनायै	शौर्यायै
शंखगलायै	शौर्यशरायै
शभ्यै	शर्यै
शवर्यै	शापदायै
शंवर्यै	शापहायै
शंभ्यै ८००	शापायै
शंभुकेशायै	शापपथे
शरासिन्यै	सदाशिवायै
शवायै	शृंगिण्यै ८३०
श्येनवत्यै	शृंगिपलभुजे
श्यामायै	शंकर्यै
श्यामाङ्ग्यै	शांकर्यै
श्यामलोचनायै	शिवायै
श्रमशानस्थायै	शवस्थायै
श्रमशानायै	शवभुजे
श्रमशानस्थानभूषणायै ८१०	शान्तायै
शमदायै	शवकणायै
शमहन्त्यै	शवोदर्यै
शंखिन्यै	शाविन्यै ८४०
शंखरोषणायै	शवशिंशायै
शान्त्यै	श्रियै
शान्तिप्रदायै	शवायै
शेषशेषारव्यायै	शवशायिन्यै

शवकुण्डलिन्यै	सारस्वतकयै
शैवायै	सुधायै
शीकरायै	सुरासमांसाशनायै
शिशिराशिन्यै	समाराध्यायै
शवकाञ्च्यै	समस्तदायै
शवश्रीकायै ८५०	समधियै
शवमालायै	सामदायै
शवाकृत्यै	सीमायै
स्रवन्त्यै	संमोहायै ८८०
सङ्कुचायै	समदर्शनायै
शक्त्यै	सामत्यै
शन्तन्वै	सामधायै
शवदायिन्यै	सीमायै
सिन्धवे	सावित्र्यै
सरस्वत्यै	सविधायै
सिन्धुसुन्दर्यै ८६०	सत्यै
सुन्दराननायै	सवनायै
साधवे	सवनासारायै
सिद्धिप्रदात्र्यै	सवरायै ८९०
सिद्धायै	सावरायै
सिद्धसरस्वत्यै	सम्यै
सन्तत्यै	सिमरायै
संपदायै	सततायै
संविच्छंक्संपत्तिदायिन्यै	साध्यै
सपत्यै	सध्रीच्यै
सरसायै ८७०	ससहायिन्यै
सारायै	हंस्यै

हंसगत्यै	होरायै
हंस्यै ९००	होत्र्यै
हंसोज्ज्वलनिचोलयुजे	होलिकायै
हलिन्यै	होमायै
हालिन्यै	होमहविषे ९३०
हालायै	हविषे
हलश्रियै	हरिण्यै
हरवल्लभायै	हरिणीनेत्रायै
हलायै	हिमाचलनिवासिन्यै
हलावत्यै	लंबोदर्यै
हेषायै	लंबकणायै
हेलायै ९१०	लंबिकायै
हर्षविवर्धिन्यै	लंबविग्रहायै
हन्त्यै	लीलायै
हन्तायै	लीलावत्यै ९४०
हयायै	लोलायै
हाहाहितायै	ललनायै
अहन्तातिकारिण्यै	ललितायै
हंकार्यै	लतायै
हंकृत्यै	ललामलोचनायै
हङ्गायै	लोभ्यायै
हीहीहाहाहितायै ९२०	लोलाक्ष्यै
हितायै	लकुलायै
हीत्यै	लयायै
हेमप्रदायै	लपन्त्यै ९५०
हाराराविण्यै	लपत्यै
हगिसंमतायै	लंपायै

लोपामुद्रायै	क्षणक्षुदे
ललन्तिकायै	क्षुत्क्षीणायै
लतिकायै	क्षमायै
लंघिन्यै	क्षान्त्यै ९८०
लंघायै	क्षमावत्यै
लालिमायै	क्षामायै
लघुमध्यमायै	क्षामोदर्यै
लघीयस्यै ९६०	क्षेम्यायै
लघूदर्यायै	क्षौमभृते
लूतायै	क्षत्रियांगनायै
लूताविनाशिन्यै	क्षयायै
लोमशायै	क्षयकर्यै
लोमलंब्यै	क्षीरायै
लुलन्त्यै	क्षीरदायै ९९०
लुलुम्पत्यै	क्षीरसागरायै
लुलायस्थायै	क्षेमङ्कर्यै
बलहर्यै	क्षयकर्यै
लङ्कापुरपुरन्दरायै ९७०	क्षयकृते
लक्ष्म्यै	क्षणदायै
लक्ष्मीप्रदायै	क्षत्यै
लभ्यायै	क्षद्रिकायै
लाक्षाक्ष्यै	क्षुद्रिकाक्षुद्रायै
लुलितप्रभायै	क्षुत्क्षमायै
क्षणायै	क्षीणपातकायै १०००

श्रीकमलाष्टोत्तरशतनामावलिः

महामायायै नमः

महालक्ष्म्यै

महावाण्यै

महेश्वर्यै

महादेव्यै

महारात्र्यै

महिषासुरमर्दिन्यै

कालरात्र्यै

कुह्यै

पूर्णायै १०

नन्दाद्यायै

भद्रिकायै

निशायै

जयायै

रिक्तायै

महाशक्त्यै

देवमात्रे

कृशोदर्यै

शक्त्यै

इन्द्राण्यै २०

शक्रनुतायै

शङ्करप्रियवल्लभायै

महावराह जनन्यै

मदनायै

उन्मथिन्यै

मह्यै

वैकुण्ठनाथरमण्यै

विष्णुवक्षः स्थलस्थितायै

विश्वेश्वर्यै

विश्वमात्रे ३०

वरदायै

अभयदायै

शिवायै

शूलिन्यै

चक्रिण्यै

मायै

पाशिन्यै

शङ्खधारिण्यै

गदिन्यै

मुण्डमालायै ४०

कमलायै

करुणालयायै

पद्माक्षधारिण्यै

अंबायै

महाविष्णुप्रियङ्कर्यै

गोलोकनाथरमण्यै

गोलोकेश्वरपूजितायै

गयायै

गङ्गायै

यमुनायै ५०

गोमत्यै

गरुडासनायै

गण्डक्यै	मङ्गलायनायै
सरय्वै	मधुकैटभमथन्यै
ताप्यै	शुभासुरविनाशिन्यै
रेवायै	निशुभादिहरायै
पयस्विन्यै	मात्रे
नर्मदायै	हरिशङ्करपूजितायै
कावेर्यै	सर्वदेवमय्यै
केदारस्थलवासिन्यै ६०	सर्वायै
किशोर्यै	शरणागतपालिन्यै
केशवनुतायै	शरण्यायै ९०
महेन्द्रपरिवन्दितायै	शंभुवनितायै
ब्रह्मादिदेवनिर्माणकारिण्यै	सिन्धुतीर निवासिन्यै
वेदपूजितायै	गन्धर्वगानरसिकायै
कोटिब्रह्माण्डमध्यस्थायै	गीतायै
कोटिब्रह्माण्डकारिण्यै	गोविन्दवल्लभायै
श्रुतिरूपायै	त्रैलोक्यपालिन्यै
श्रुतिकर्यै	तत्त्वरूपायै
श्रुतिस्मृतिपरायणायै ७०	तारुण्यपूरितायै
इन्दिरायै	चन्द्रावल्यै
सिन्धुतनयायै	चन्द्रमुख्यै १००
मातङ्ग्यै	चन्द्रिकायै
लोकमातृकायै	चन्द्रपूजितायै
त्रिलोकजनन्यै	चन्द्रायै
तन्त्रायै	शशाङ्कभगिन्यै
तन्त्रमन्त्रस्वरूपिण्यै	गीतवाद्यपरायणायै
तरुण्यै	सृष्टिरूपायै
तमोहन्त्र्यै	सृष्टिकर्यै
मङ्गलायै ८०	सृष्टिसंहारकारिण्यै १०८

श्रीकमला सहस्रनामावलि:

श्रियै नमः

पद्मायै

प्रकृत्यै

सत्त्वायै

शान्तायै

चिच्छक्त्यै

अव्ययायै

केवलायै

निष्कलायै

शुद्धायै १०

व्यापिन्यै

व्योमविग्रहायै

व्योमपद्मकृताधारायै

परस्मै व्योम्ने

मतोद्भवायै

निर्व्योमायै

व्योममध्यस्थायै

पञ्चव्योमपदाश्रितायै

अच्युतायै

व्योमनिलयायै २०

परमानन्द रूपिण्यै

नित्यशुद्धायै

नित्यतृप्तायै

निर्विकारायै

निरीक्षणायै

ज्ञानशक्त्यै

कर्तृशक्त्यै

भोक्तृशक्त्यै

शिखावहायै

स्नेहाभासायै ३०

निरानन्दायै

विभूत्यै

विमलायै

चलायै

अनन्तायै

वैष्णव्यै

व्यक्तायै

विश्वानन्दायै

विकाशिन्यै

शक्त्यै ४०

विभिन्नसर्वात्म्यै

समुद्रपरितोषिण्यै

मूर्त्यै

सनातन्यै

हार्यै

निस्तरङ्गायै

निरामयायै

ज्ञानज्ञेयायै

ज्ञानगम्यायै

ज्ञानज्ञेयविकासिन्यै ५०

स्वच्छन्दशक्त्यै	खगायै
गहनायै	अग्राह्यायै
निष्कंपार्चिषे	ग्राहिकायै ८०
सुनिर्मलायै	गूढायै
स्वरूपायै	गंभीरायै
सर्वगायै	विश्वगोपिन्यै
अपारायै	अनिर्देश्यायै
बृंहिण्यै	अप्रतिहतायै
सुगुणोर्जितायै	निर्बीजायै
अकलङ्कायै ६०	पावन्यै
निराधारायै	परायै
निस्संकल्पायै	अप्रतर्क्यायै
निराश्रयायै	अपरिमितायै ९०
असंकीर्णायै	भवभ्रान्तिविनाशिन्यै
सुशान्तायै	एकायै
शाश्वत्यै	द्विरूपायै
भासुर्यै	त्रिविधायै
स्थिरायै	असंख्यातायै
अनौपम्यायै	सुरेश्वर्यै
निर्विकल्पायै ७०	सुप्रतिष्ठायै
निर्यन्त्रायै	महाधात्र्यै
यन्त्रवाहिन्यै	स्थित्यै
अभेद्यायै	वृद्धयै १००
भेदिन्यै	ध्रुवायै गत्यै
भिन्नायै	ईश्वर्यै
भारत्यै	महिमायै
वैखर्यै	ऋद्धयै

प्रमोदायै	लक्ष्म्यै
उज्ज्वलोद्यमायै	तुष्ट्यै
अक्षयायै	महाधीरायै
वर्धमानायै	शान्त्यै
सुप्रकाशायै	आपूरणे नवायै
विहङ्गमायै ११०	अनुग्रहाशक्त्यै
नीरजायै	आद्यायै
जनन्यै	जगज्ज्येष्ठायै
नित्यायै	जगद्विध्यै १४०
जयायै	सत्यायै
रोचिष्मत्यै	प्रह्वायै
शुभायै	क्रियायोग्यायै
तमोनुदायै	अपर्णायै
ज्वालायै	ह्लादिन्यै
सुदीप्त्यै	शिवायै
अंशुमालिन्यै १२०	संपूर्णाह्लादिन्यै
अप्रमेयायै	शुद्धायै
त्रिधा सूक्ष्मायै	ज्योतिष्मत्यै
परायै	अमतावहायै १५०
निर्वाणदायिन्यै	रजोवत्यै
अवदातायै	अर्कप्रतिभायै
सुशुद्धायै	आकर्षिण्यै
अमोघारख्यायै	कर्षिण्यै
परंपरायै	रसायै
सन्धानक्यै	परायै वसुमत्यै
शुद्धविद्यायै १३०	देव्यै
सर्वभूतमहेश्वर्यै	कान्त्यै

शान्त्यै	कृष्ट्यै
मत्यै १६०	प्रापण्यै
कलायै	प्राणदायै
कलंकरहितायै कलायै	प्रह्वायै
विशालायै	विश्वायै १९०
उद्दीपन्यै	पाण्डुरवासिन्यै
रत्यै	अवन्यै
संबोधिन्त्यै	वज्रनलिकायै
हारिण्यै	चित्रायै
प्रभावायै	ब्रह्माण्डवासिन्यै
भवभूतिदायै	अनन्तरूपायै
अमृतस्यन्दिन्यै १७०	अनन्तात्मने
जीवायै	अनन्तस्थायै
जनन्यै	अनन्तसंभवायै
खण्डिकायै	महाशक्त्यै २००
स्थिरायै	प्राणशक्त्यै
धूमायै	प्राणदात्र्यै
कलावत्यै	रतिभरायै
पूर्णायै	महासमूहायै
भासुरायै	निखिलायै
सुमत्यै	इच्छाधारायै
रसायै १८०	सुखावहायै
शुद्धायै	प्रत्यक्षलक्ष्म्यै
ध्वनये	निष्कम्पायै
सृत्यै	प्ररोहायै
सृष्ट्यै	बुद्धिगोचरायै
विकृत्यै	नानादेहायै

महावतयै	सुखावहायै २४०
बहुदेहविकासिन्यै	कल्याणवाहिकायै
सहस्राण्यै	कल्यायै
प्रधानायै	कलिकल्मषनाशिन्यै
न्यायवस्तुप्रकाशिकायै	नीरूपायै
सर्वाभिलाषपूर्णायै	उद्भिन्नसन्तानायै
इच्छायै	सुयन्त्रायै
सर्वायै २२०	त्रिगुणालयायै
सर्वार्थभाषिण्यै	महामायायै
नानास्वरूपचिद्धात्र्यै	योगमायायै
शब्दपूर्वायै	महायोगेश्वर्यै २५०
पुरातनायै	प्रियायै
व्यक्तायै	महास्त्रियै
अव्यक्तायै	विमलायै
जीवकेशायै	कीर्त्यै
सर्वेच्छापरिपूरितायै	जयायै
सङ्कल्पसिद्धायै	लक्ष्म्यै
सांख्येयायै २३०	निरञ्जनायै
तत्त्वगर्भायै	प्रकृत्यै
धरावहायै	भगवन्मायाशक्त्यै
भूतरूपायै	निद्रायै २६०
चित्स्वरूपायै	यशस्क्यै
त्रिगुणायै	चिन्तायै
गुणगर्वितायै	बुद्धयै
प्रजापतीश्वर्यै	यशसे
रौद्र्यै	प्रज्ञायै
सर्वाधारायै	शान्त्यै

आप्रीतिवर्धन्यै	योगायै
प्रद्युम्नमात्रे	योगेश्वरप्रियायै
साध्यै	ब्रह्मेन्द्ररुद्रनमितायै
सुखसौभाग्यसिद्धिदायै २७०	सुरासुरवरप्रदायै
काष्ठायै	त्रिवर्त्मगायै
निष्ठायै	त्रिलोकस्थायै
प्रतिष्ठायै	त्रिविक्रमपदोद्भवायै ३००
ज्यैष्ठायै	सुतारायै
श्रेष्ठायै	तारिण्यै
जयावहायै	तारायै
सर्वातिशायिन्यै प्रीत्यै	दुर्गायै
विश्वशक्त्यै	सन्तारिण्यै परायै
महाबलायै	सुतारिण्यै
वरिष्ठायै २८०	तारयन्त्यै
विजयायै	भूरितारेश्वरप्रभायै
वीरायै	गुह्यविद्यायै
जयन्त्यै	यज्ञविद्यायै ३१०
विजयप्रदायै	महाविद्यासुशोभितायै
हृद्ग्रहायै	अध्यात्मविद्यायै
गोपिन्यै	विघ्नेभ्यै
गुह्यायै	पद्मस्थायै
गणगन्धर्व सेवितायै	परमेष्ठिन्यै
योगीश्वर्यै	आन्वीक्षिक्यै
योगमायायै २९०	त्रय्यै
योगिन्यै	वार्तायै
योगसिद्धिदायै	दण्डनीत्यै
महायोगेश्वरवृतायै	नयात्मिकायै ३२०

गौर्यै	श्रियै
वागीश्वर्यै	विद्यायै
गोप्त्र्यै	विबुधवन्दितायै ३५०
गायत्र्यै	अनसूयायै
कमलोद्भवायै	घृणायै
विश्वंभरायै	नीत्यै
विश्वरूपायै	निर्वृत्यै
विश्वमात्रे	कामधुक्करायै
वसुप्रदायै	प्रतिज्ञायै
सिद्धयै ३३०	सन्तत्यै
स्वाहायै	भूत्यै
स्वधायै	दिवे
स्वस्त्यै	प्रज्ञायै ३६०
सुधायै	विश्वमानिन्यै
सर्वार्थसाधिन्यै	स्मृत्यै
इच्छायै	वाचे
सृष्ट्यै	विश्वजनन्यै
द्युत्यै	पश्यन्त्यै
भूत्यै	मध्यमायै
कीर्त्यै ३४०	समायै
श्रद्धायै	सन्ध्यायै
दयायै	मेधायै
मत्यै	प्रभायै ३७०
श्रुत्यै	भीमायै
मेधायै	सर्वाकारायै
धृत्यै	सरस्वत्यै
हियै	कांक्षायै

मायायै	पद्ममालाविभूषितायै
महामायामोहिन्यै	पद्मयुग्मधरायै
माधवप्रियायै	कान्तायै
सौम्याभोगायै	दिव्याभरणभूषितायै
महाभोगायै	विचित्ररत्नमकुटायै
भोगिन्यै ३८०	विचित्रांबरभूषणायै
भोगदायिन्यै	विचित्र माल्यगन्धाढ्यायै
सुधौतकनकप्रख्यायै	विचित्रायुधवाहनायै
सुवर्णकमलासनायै	महानारायणीदेव्यै ४१०
हिरण्यगर्भायै	वैष्णव्यै
सुश्रोण्यै	वीरवन्दितायै
हारिण्यै	कालसंकर्षिण्यै
रमण्यै	घोरायै
रमायै	तत्त्वसंकर्षिण्यै कलायै
चन्द्रायै	जगत्संपूरण्यै
हिरण्मय्यै ३९०	विश्वायै
ज्योत्स्नायै	महाविभवभूषणायै
रम्यायै	वारुण्यै
शोभायै	वरदायै ४२०
शुभावहायै	व्याख्यायै
त्रैलोक्यमण्डनायै	घण्टाकर्णविराजितायै
नारीनरेश्वरवरार्चितायै	नृसिंह्यै
त्रैलोक्यसुन्दर्यै	भैरव्यै
रामायै	ब्राह्म्यै
महाविभववाहिन्यै	भास्कर्यै
पद्मस्थायै ४००	व्योमचारिण्यै
पद्मनिलयायै	ऐन्द्र्यै

कामधनुस्सृष्ट्यै	भद्रकाल्यै
कामयोन्यै ४३०	एकवीरायै
महाप्रभायै	कौमार्यै
दृष्टायै	भगमालिन्यै
काम्यायै	कल्याण्यै ४६०
विश्वशक्त्यै	कामधुग्ज्वालामुख्यै
बीजगत्यात्मदर्शनायै	उत्पलमालिकायै
गरुडारूढहृदयायै	बालिकायै
चान्द्र्यै श्रिये	धनदायै
मधुराननायै	सूर्यायै
महोग्ररूपायै	हृदयोत्पलमालिकायै
वाराहीनारसिंहीहतासुरायै ४४०	अजितायै
युगान्तहुतभुग्ज्वालायै	वर्षिण्यै
करालायै	रीत्यै
पिङ्गलायै कलायै	भेरुण्डायै ४७०
त्रैलोक्यभूषणायै	गरुडासनायै
भीमायै	वैश्वानरीमहामायायै
श्यामायै	महाकाल्यै
त्रैलोक्यमोहिन्यै	विभीषणायै
महोत्कटायै	महामन्दारविभवायै
महारक्तायै	शिवानन्दायै
महाचण्डायै ४५०	रतिप्रियायै
महासनायै	उद्रीत्यै
शंखिन्यै	पद्ममालायै
लेखिन्यै	धर्मवेगायै ४८०
स्वस्थालिखितायै	विभावन्यै
खेचरेश्वर्यै	सत्क्रियायै

देवसेनायै
 हिरण्यरजताश्रयायै
 सहस्रावर्तमानायै
 हस्तिनाद प्रबोधिन्त्यै
 हिरण्यपद्मवर्णायै
 हरिभद्रायै
 सुदुर्धरायै
 सूर्यायै ४९०
 हिरण्यप्रकटसदृश्यै
 हेममालिन्यै
 पद्माननायै
 नित्यपुष्टायै
 देवमात्रे
 अमृतोद्भवायै
 महाधनायै
 शृङ्गायै
 कार्दम्यै
 कंबुकन्धरायै ५००
 आदित्यवर्णायै
 चन्द्राभायै
 गन्धद्वारायै
 दुरासदायै
 वरार्चितायै
 वरारोहायै
 वरेण्यायै
 विष्णुवल्लभायै
 कल्याण्यै

वरदायै ५१०
 वामायै
 वामेश्यै
 विन्ध्यवासिन्यै
 योगनिद्रायै
 योगरतायै
 देवकीकामरूपिण्यै
 कंसविद्राविण्यै
 दुर्गायै
 कौमार्यै
 कौशिक्यै ५२०
 क्षमायै
 कात्यायन्यै
 कालरात्र्यै
 निशितृप्तायै
 सुदुर्जयायै
 विरूपाक्ष्यै
 विशालाक्ष्यै
 भक्तानां परिरक्षिण्यै
 बहुरूपास्वरूपायै
 विरूपायै ५३०
 रूपवर्जितायै
 घण्टानिनादबहुलायै
 जीमूतध्वनिनिस्वनायै
 महासुरेन्द्रमथिन्यै
 भ्रुकुटीकुटिलाननायै
 सत्योपयाचितायै एकायै



कौबेर्यै	भक्तवत्सलायै
ब्रह्मचारिण्यै	अन्तर्वेदीदक्षिणायै
आर्यायै	ब्रह्मचर्यपरागत्यै
यशोदासुतदायै ५४०	दीक्षायै
धर्मकामार्थमोक्षदायै	वीक्षायै
दारिद्र्यदुःखशमन्यै	परीक्षायै
घोरदुर्गातिनाशिन्यै	समीक्षायै ५७०
भक्तार्तिशमन्यै	वीरवत्सलायै
भव्यायै	अंबिकायै
भवभर्गापहारिण्यै	सुरभ्यै
क्षीराब्धितनयायै	सिद्धायै
पद्मायै	सिद्धविद्याधरार्चितायै
कमलायै	सुदीप्तायै
धरणीधरायै ५५०	लेलिहानायै
रुक्मिण्यै	करालायै
रोहिण्यै	विश्वपूरकायै
सीतायै	विश्वसंहारिण्यै ५८०
सत्यभामायै	दीप्त्यै
यशस्विन्यै	तपिन्यै
प्रज्ञाधारायै	ताण्डवप्रियायै
अमितप्रज्ञायै	उद्भवायै
वेदमात्रे	विरजाराज्ञ्यै
यशोवत्यै	तापन्यै
समाध्यै ५६०	बिन्दुमालिन्यै
भावनायै	क्षीरधारासुप्रभावायै
मैत्र्यै	लोकमात्रे
करुणायै	सुवर्चलायै ५९०

हव्यगर्भायै
 आज्यगर्भायै
 जुह्वतो यज्ञसंभवायै
 आप्यायन्यै
 पावन्यै
 दहन्यै
 दहनाश्रयायै
 मातृकायै
 माधव्यै
 मुच्यायै ६००
 मोक्षलक्ष्म्यै
 महर्षिदायै
 सर्वकामप्रदायै
 भद्रायै
 सुभद्रायै
 सर्वमङ्गलायै
 श्वेतायै
 सुशुक्लवसनायै
 शुक्लमाल्यानुलेपनायै
 हंसायै ६१०
 हीनकर्यै
 हंस्यै
 हृद्यायै
 हृत्कमलालयायै
 सितातपत्रायै
 सुश्रोण्यै
 पद्मपत्रायतेक्ष्णायै

सावित्र्यै
 सत्यसङ्कल्पायै
 कामदायै ६२०
 कामकामिन्यै
 दर्शनीयायै
 दृशा दृश्यायै
 स्पृश्यायै
 सेव्यायै
 बराङ्गनायै
 भोगप्रियायै
 भोगवत्यै
 भोगीन्द्रशयनासन्यै
 आद्रायै ६३०
 पुष्करिण्यै
 पुण्यायै
 पावन्यै
 पापसूदन्यै
 श्रीमत्यै
 शुभाकारायै
 परमैश्वर्यभूतिदायै
 अचिन्त्यानन्तविभवायै
 भवभावविभावन्यै
 निश्रेण्यै ६४०
 सर्वदेहस्थायै
 सर्वभूतनमस्कृतायै
 बलायै
 बलाधिकायै देव्यै

गौतम्यै	वरायै
गोकुलालयायै	धन्यायै
तोषिण्यै	धन्येश्वर्यै
पूर्णचन्द्राभायै	धन्यायै
एकानन्दायै	रत्नदायै
शताननायै ६५०	वसुवर्धिन्यै
उद्याननगरद्वारहर्म्योपवनवासिन्यै	गान्धर्व्यै
कूष्माण्ड्यै	रेवत्यै
दारुणायै	गङ्गायै ६८०
चण्डायै	शकुन्यै
किरात्यै	विमलाननायै
नन्दनालयायै	इडायै
कालायनायै	शान्तिकर्यै
कालगम्यायै	तामस्यै
भयदायै	कमलालयायै
भयनाशिन्यै ६६०	आज्यपायै
सौदामिन्यै	वज्रकौमार्यै
मेघरवायै	सोमपायै
दैत्यदानवमर्दिन्यै	कुसुमाश्रयायै ६९०
जगन्मात्रे	जगत्प्रियायै
अभयकर्यै	सरथायै
भूतधात्र्यै	दुर्जयायै
सुदुर्लभायै	खगवाहनायै
काश्यप्यै	मनोभवायै
शुभदानायै	कामचारायै
वनमालायै ६७०	सिद्धचारणसेवितायै
शुभायै	व्योमलक्ष्म्यै

महालक्ष्म्यै	सर्वकामसमृद्धिदायै
तेजोलक्ष्म्यै ७००	सर्वानन्दायै
सुजाज्वलायै	महानन्दायै
रसलक्ष्म्यै	सत्कीर्त्यै
जगद्योनये	सिद्धसेवितायै ७३०
गन्धलक्ष्म्यै	सिनीवाल्यायै
वनाश्रयायै	कुह्यै
श्रवणायै	राकायै
श्रावणीनेत्रायै	अमायै
रसनाप्राणचारिण्यै	अनुमत्यै
विरिञ्चिमात्रे	द्युत्यै
विभवायै ७१०	अरुन्धत्यै
वरवारिजवाहनायै	वसुमत्यै
वीर्यायै	भार्गव्यै
वीरेश्वर्यै	वास्तुदेवतायै ७४०
वन्द्यायै	मयूर्यै
विशोकायै	वज्रवेताल्यायै
वसुवर्धिन्यै	वज्रहस्तायै
अनाहतायै	वराननायै
कुण्डलिन्यै	अनघायै
नलिन्यै	धरण्यायै
वनवासिन्यै ७२०	धीरायै
गान्धारिण्यै	धमन्यै
इन्द्रनमितायै	मणिभूषणायै
सुरेन्द्रनमितायै	राजश्रीरूपसहितायै ७५०
सत्यै	ब्रह्मश्रियै
सर्वमङ्गलमाङ्गल्यायै	ब्रह्मवन्दितायै

जयश्रियै	तेजोवत्यै ७८०
जयदायै	पद्मबोधायै
ज्ञेयायै	मदलेखायै
सर्गश्रियै	अरुणावत्यै
सतां स्वर्गत्यै	रत्नायै
सुपुष्पायै	रत्नावलीभूतायै
पुष्पनिलयायै	शतधामायै
फलश्रियै ७६०	शतापहायै
निष्कलप्रियायै	त्रिगुणायै
धनुर्लक्ष्म्यै	घोषिण्यै
अमिलितायै	रक्षायै ७९०
परक्रोधनिवारण्यै	नर्दिन्यै
कद्रुवै	घोषवर्जितायै
धनायवे	साध्यायै
कपिलायै	अदित्यै
सुरसायै	दित्यै
सुरमोहिन्यै	देव्यै
महाश्वेतायै ७७०	मृगवाहायै
महानीलायै	मृगाङ्गायै
महामूर्त्यै	चित्रनीलोत्पलगतायै
विषापहायै	वृतरत्नाकराश्रयायै ८००
सुप्रभायै	हिरण्यरजतद्वन्द्वायै
ज्वालिन्यै	शंखभद्रासनस्थितायै
दीप्त्यै	गोमूत्रगोमयक्षीरदधिसर्पिर्जलाश्रयायै
तृप्त्यै	मरीचये
व्याप्त्यै	चीरवसनायै
प्रभाकर्यै	पूर्णचन्द्रार्कविष्टरायै

सुसूक्ष्मायै
 निर्वृत्यै
 स्थूलायै
 निवृत्तारातये ८१०
 मरीच्यै
 ज्वालिन्यै
 धूम्रायै
 हव्यवाहायै
 हिरण्यदायै
 दायिन्यै
 कालिनीसिद्धयै
 शोषिण्यै
 संप्रबोधिण्यै
 भास्वरायै ८२०
 संहत्यै
 तीक्ष्णायै
 प्रचण्डज्वलनोज्ज्वलायै
 साङ्गायै
 प्रचण्डायै
 दीप्तायै
 वैद्युत्यै
 सुमहाद्युत्यै
 कपिलायै
 नीलरक्तायै ८३०
 सुषुम्नायै
 बिस्फुलिङ्गिन्यै
 अर्चिष्मत्यै

रिपुहरायै
 दीर्घायै
 धूमावलयै
 जरायै
 संपूर्णमण्डलायै
 पूष्णे(षायै)
 संसिन्यै ८४०
 सुमनोहरायै
 जयायै
 पुष्टिकर्यै
 छायायै
 मानसायै
 हृदयोज्ज्वलायै
 सुवर्णकरण्यै
 श्रेष्ठायै
 रणे मृतसञ्जीवन्यै
 विशल्यकरण्यै ८५०
 शुभ्रायै
 सन्धिण्यै
 परमौषध्यै
 ब्रह्मिष्ठायै
 ब्रह्मसहितायै
 ऐन्दव्यै
 रत्नसंभवायै
 विद्युत्प्रभायै
 बिन्दुमत्यै
 त्रिस्वभावगुणायै ८६०

अंबिकायै	सोमगुप्तायै
नित्योदितायै	मनोऽभिज्ञायै
नित्यदृष्टायै	वदन्मृत्यै ८९०
नित्यकामायै	यशोधरायै
करीषिण्यै	रत्नमालायै
पद्माङ्कायै	कृष्णायै
वज्रचिह्नायै	त्रैलोक्यबन्धिन्यै
वक्रदण्डायै	अमृतायै
विभासिन्यै	धारिण्यै
विदेहपूजितायै ८७०	हर्षायै
कन्यायै	विनतायै
मायायै	वल्लभ्यै
विजयबाहिन्यै	शच्यै ९००
मानिन्यै	संकल्पायै
मङ्गलायै	भामिन्यै
मान्यायै	मिश्रायै
मानिन्यै	कादम्बर्यै
मानदायिन्यै	अमृतायै
विश्वेश्वर्यै	प्रभायै
गणवत्यै ८८०	आगतायै
मण्डलायै	निर्गतायै
मण्डलेश्वर्यै	वज्रायै
हरिप्रियायै	सुहितायै ९१०
भौमसुतायै	सहितायै
मनोज्ञायै	अक्षतायै
मतिदायिन्यै	सर्वार्थसाधनकर्यै
प्रत्यङ्गिरायै	धातवे

धारणिकायै	मूलप्रकृत्यै
अमलायै	ईशानायै
करुणाधारसंभूतायै	योगमात्रे
कमलाक्ष्यै	मनोजवायै
शशिप्रियायै	धर्मोदयायै
सौम्यरूपायै ९२०	भानुमत्यै
महादीप्तायै	सर्वाभासायै
महाज्वालायै	सुखावहायै
विकासिन्यै	धुरन्धरायै ९५०
मालायै	बालायै
काञ्चनमालायै	धर्मसेव्यायै
सद्गज्रायै	तथागतायै
कनकप्रभायै	सुकुमारायै
प्रक्रियायै	सौम्यमुख्यै
परमायै	सौम्यसंबोधनायै
योक्त्र्यै ९३०	उत्तमायै
क्षोभिकायै	सुमुख्यै
सुखोदयायै	सर्वतोभद्रायै
विजृम्भणायै	गुह्यशक्त्यै ९६०
वज्राख्यायै	गुहालयायै
शृङ्खलायै	हलायुधायै
कमलेक्षणायै	कावीरायै
जयंक्यै	सर्वशास्त्रसुधारिण्यै
मधुमत्यै	व्योमशक्त्यै
हरितायै	महादेहायै
शशिन्यै ९४०	व्योमगायै
शिवायै	मधुमन्मथ्यै

गंगायै	दृष्टादृष्टफलप्रदायै
वितस्तायै ९७०	काम्याचार्यै
यमुनायै	काम्यायै
चन्द्रभागायै	कामाचारविहारिण्यै
सरस्वत्यै	हिमशैलेन्द्रसंकाशायै
तिलोत्तमायै	गजेन्द्रवरवाहनायै ९९०
ऊर्वशयै	अशेषसुखसौभाग्यसंपदां योनये
रंभायै	उत्तमायै
स्वामिन्यै	सर्वोत्कृष्टायै
सुरसुन्दर्यै	सर्वमय्यै
बाणप्रहरणायै	सर्वायै
बालायै ९८०	सर्वेश्वरप्रियायै
बिंबोष्ठ्यै	सर्वाङ्गयोन्यै
चारुहासिन्यै	अव्यक्तायै
ककुब्जिन्यै	संप्रदानेश्वरेश्वर्यै
चारुपृष्ठायै	विष्णुवक्षःस्थलगतायै १०००

श्रीदुर्गाष्टोत्तरशतनामावलिः

सत्यै नमः

साध्यै

भवप्रीतायै

भवान्यै

भवमोचन्यै

आर्यायै

दुर्गायै

जयायै

आद्यायै

त्रिनेत्रायै १०

शूलधारिण्यै

पिनाकधारिण्यै

चित्रायै

चन्द्रघण्टायै

महातपायै

मनसे

बुद्धयै

अहंकारायै

चित्तरूपायै

चितायै २०

चित्यै

सर्वमन्त्रमय्यै

सत्यायै

सत्यानन्दस्वरूपिण्यै

अनन्तायै

भाविन्यै

भाव्यायै

भवायै

भव्यायै

सदागत्यै ३०

शंभुपत्न्यै

देवमात्रे

चिन्तायै

सदारत्नप्रियायै

सर्वविद्यायै

दक्षकन्यायै

दक्षयज्ञविनाशिन्यै

अपणायै

पणायै

पाटलायै ४०

पटलावत्यै

पट्टांबरपरीधानायै

कलमञ्जीररञ्जिन्यै

अमेयायै

विक्रमायै

क्रूरायै

सुन्दर्यै

कुलसुन्दर्यै

नवदुर्गायै

मातङ्गायै

मतङ्गमुनिपूजितायै

ब्राह्म्यै

माहेश्वर्यै	कन्यायै
ऐन्द्यै	कौमार्यै
कौमार्यै	युवत्यै
वैष्णव्यै	यत्यै
चामुण्डायै	अप्रौढायै
बाराह्यै	प्रौढायै
लक्ष्म्यै	वृद्धमात्रे
पुरुषाकृत्यै ६०	बलप्रदायै
विमलायै	श्रद्धायै
उत्कर्षिण्यै	शान्त्यै ९०
ज्ञानक्रियायै	धृत्यै
सत्यायै	कान्त्यै
वाक्प्रदायै	लक्ष्म्यै
बहुलायै	जात्यै
बहुलप्रेमायै	स्मृत्यै
सर्ववाहनवाहनायै	दयायै
निशुंभशुंभहनन्यै	तुष्ट्यै
महिषासुरमर्दिन्यै ७०	पुष्ट्यै
मधुकैटभहन्त्यै	चित्त्यै
चण्डमुण्डविनाशिन्यै	भ्रान्त्यै १००
सर्वासुर विनाशायै	मात्रे
सर्वदानवघातिन्यै	क्षुधे
सर्वशास्त्रमय्यै	चेतनायै
विद्यायै	मत्यै
सर्वास्त्रधारिण्यै	विष्णुमायायै
अनेकशस्त्रहस्तायै	निद्रायै
अनेकास्त्रविधारिण्यै	छायायै
कुमार्यै ८०	कामप्रपूरण्यै १०८

श्री दुर्गासहस्रनामावलि:

श्रीदुर्गायै नमः

त्रिजगन्मात्रे

श्रीमत्कैलासवासिन्यै

हिमाचलगुहाकान्तमाणिक्य-

मणिमण्डपायै

गिरिदुर्गायै

गौरहस्तायै

गणनाथवृताङ्गणायै

कल्पकारण्यसंवीतमालती

कुञ्जमन्दिरायै

धर्मसिंहासनारूढायै

डाकिन्यादिसमाश्रितायै (१०)

सिद्धविद्याधरामर्त्यबधूटी

निकरस्तुतायै

चिन्तामणिशिलाकृप्त

द्वाराबलिगृहान्तरायै

कटाक्षवीक्षणापेक्षकमलाक्षि

सुराङ्गनायै

लीलाभाषणसंलोल

कमलासनवल्लभायै

यामलोपनिषन्मन्त्रविलपत्

शुकपुङ्गवायै

दूर्वादलश्यामरूपायै

दुर्वारमदविह्वलायै

नवकोरकसंपत्श्रीकल्पकारण्य-

कुन्तलायै

वेणीकैतकबर्हाशुविजित

स्मरपट्टसायै

कचसीमन्तरेखान्तलंब

माणिक्यलम्बिकायै (२०)

पुष्पबाणशरालीढघन

धंमिल्लभूषणायै

भालचन्द्रकलाप्रांत सत्सुधाबिन्दु

मौक्तिकायै

चूलीकादंबिनीशिष्टचन्द्ररेखा

ललाटिकायै

चन्द्रमण्डलसंयुक्तभौमकुंकुम

रेखिकायै

केशाभ्रमुक्तकोदण्डसदृग्भू

लतिकाश्रितायै

मारचापलसच्छुभ्र

मृगनाभिविशेषकायै

कर्णपूरितकल्हारकांक्षिता

पाङ्गवीक्षणायै

क्षीराशयोत्पलाकारविलसत्कृष्ण

तारकायै

नेत्रपङ्केरुहान्तस्थ

भ्रमद्भ्रमरतारकायै

गरलावृतकल्लोल निमेषाञ्जन

भासुरायै ३०

तीक्ष्णाग्रधारप्रद्युम्नशस्त्रप्रत्यस्त्र
 वीक्षणायै
 मुखचन्द्रसुधापूरलुठन्मीनाभ
 लीचनायै
 मौक्तिकावृतताटङ्कमण्डल
 द्वयमण्डितायै
 कन्दर्पध्वजताकीर्णमकराङ्कित
 कुण्डलायै
 कर्णरत्नौघचिन्तार्ककमनीय
 मुखांबुजायै
 कारुण्यस्यन्दिवदनायै
 कण्ठमूलसुकुङ्कुमायै
 ओष्ठबिम्बफलामोद
 शुकुतुण्डाभनासिकायै
 तिलचंपकपुष्पश्रीनासिका
 भरणोज्ज्वलायै
 नासाचंपकसंस्त्रस्तमधुबिन्दु
 कमौक्तिकायै ४०
 मुखपङ्कजकिञ्जल्क
 मुक्ताजालसुनासिकायै
 सालुवेशमुखास्वाद
 लोलुपाधरपल्लवायै
 रदनांशुनटीरङ्ग
 प्रस्तावनपटाधरायै
 दन्तलक्ष्मीगृहद्वारनीहा
 रांश्वधरच्छदायै
 विद्रुमाधरबालार्कमिश्रस्मेरांशु
 कौमुद्यै

मन्त्रबीजाङ्कुराकार
 द्विजावलिविराजितायै
 सल्लापलक्ष्मीमांगल्य
 मौक्तिकस्रग्रदालयायै
 तांबूलसारसौगन्धि
 सकलाम्नायतालुकायै
 कर्णलक्ष्मीविलासार्थ
 मणिदर्पणगण्डभुवे
 कपोलमुकुराक्रान्त कर्णताटङ्क
 दीधितये ५०
 मुखपद्मरजस्तूलहरिद्रा
 चूर्णमण्डितायै
 कण्ठादर्शप्रभासान्द्रविजित
 श्रीविराजितायै
 देशिकेशहृदानन्दसंपत्
 चिबुकपेटिकायै
 शरभाधीशसंबद्धमांगल्य
 मणिकन्धरायै
 कस्तूरीपङ्कसञ्जातगल
 नालमुखांबुजायै
 लावण्यांभोधिमध्यस्थ
 शंखसन्निभकन्धरायै
 गलशंख प्रसूतां शुमुक्ता
 दामविराजितायै
 मालतीमल्लिकातुल्य
 भुजद्वयमनोहरायै
 कनकाङ्गदकेयूर
 च्छविनिर्जितभास्करायै

प्रकोष्ठवलयाक्रान्त

परिवेषग्रहद्युतये ६०

वलयद्वयवैडूर्यज्वाला

लीढकरांबुजायै

बाहुद्वयलताग्रस्थपल्लवाभकरांगुल्यै

करपङ्केरुहभ्राम्यद्रविमण्डलकङ्कणायै

अङ्गुलीविद्रुमलतापर्वस्वर्णाङ्गुलीयकायै

भाग्यप्रदकरान्तस्स्थ

शंखचक्राङ्गमुद्रिकायै

करपद्मदलप्रान्त

भास्वद्रत्ननखाङ्कुरायै

रत्नग्रैवेयहारातिरमणीय

कुचान्तरायै

प्रालंबिकौस्तुभमणिप्रभालिप्त

स्तनान्तरायै

शरभाधीशनेत्रांशुकञ्चुकस्तन

मण्डलायै

रतीविवाहकालश्रीपूर्ण

कुंभस्तनद्वयायै (७०)

अनङ्गजीवनप्राणमन्त्रकुंभस्तनद्वयायै

मध्यवल्लीप्राज्यफलद्वयवक्षोजभासुरायै

स्तनपर्वतपर्यन्त

चित्रकुंकुमपत्रिकायै

भ्रमरालीढराजीवकुड्मलस्तन

चूचुकायै

महाशरभहृद्रागरक्तवस्त्रोत्तरीयकायै

अनौपम्यातिलावण्यपार्ष्णि

भागाभिनन्दितायै

स्तनस्तबकराराजद्रोमवल्लीतलोदरायै

कृष्णरोमावलीकृष्ण

सप्तपत्रोदरच्छवये

सौन्दर्यपूरसंपूर्ण

प्रवाहावर्तनाभिकायै

अनङ्गरसपूराब्धि

तरङ्गाभवलित्रयायै (८०)

सन्धारुणांशुकौसुंभपटावृतकटीतट्यै

सप्तकिङ्किणिकाशिञ्जद्रत्नकान्ति

कलापिन्यै

मेखलादामसंकीर्ण

मयूखावृतनीविकायै

सुवर्णसूत्राकलित सूक्ष्मरत्नां

बराचलायै

वीरेश्वरानङ्गसरित्पुलिनी

जघनस्थलायै

असादृश्यनितंबश्रीरम्य

रंभोरुकाण्डयुजे

हलमल्लकनेत्राभाव्याप्त

सन्धिमनोहरायै

जानुमण्डलधिकारिराशिकूटकटीतट्यै

स्मरतूणीरसङ्काश

जंघाद्वितयसुन्दर्यै

गुल्फद्वितयसौभाग्यजित

तालफलद्वय्यै ९०

द्युमणिम्रक्षणाभांग्रि

युगमनूपुरमण्डलायै

रणद्वलयसंलापद्रुतमालाभपादुकायै	रत्नै
प्रपदात्मकशस्त्रौघविलसच्च	मङ्गलदेवतायै
र्मपुस्तकायै	काल्यै
आधारकूर्मपृष्ठाभगादपृष्ठविराजितायै	हैमवत्यै
पादाङ्गुलिप्रभाजाल	वीरायै
पराजित दिवाकरायै	कपालशूलधारिण्यै
चक्रचामरमत्स्याङ्क	शरभायै १२०
चरणस्थलपङ्कजायै	शांभव्यै
सुरेन्द्रकोटिमकुटीरत्न	मायातन्त्रायै
संक्रान्तपादुकायै	तन्त्रार्थरूपिण्यै
अव्याजकरुणागुप्ततन्वै	तरुण्यै
अव्याजसुन्दर्यै	धर्मदायै
शृङ्गाररससाम्राज्य	धर्मतापस्यै
पदपट्टाभिषेचितायै १००	तारकाकृत्यै
शिवायै	हरायै
भवान्यै	माहेश्वर्यै
रुद्राण्यै	मुग्धायै १३०
शर्वाण्यै	हंसिन्यै
सर्वमङ्गलायै	हंसवाहनायै
उमायै	भाग्यायै
कात्यायन्यै	बलकर्यै
भद्रायै	नित्यायै
पार्वत्यै	भक्तिगम्यायै
पावनाकृत्यै ११०	भयापहायै
मृडान्यै	मातङ्ग्यै
चण्डिकायै	रसिकायै
मात्रे	मत्तायै १४०

मालिनीमाल्यधारिण्यै	परदेवतायै
मोहिन्यै	गायत्रीरसिकायै
मुदितायै	विद्यायै १७०
कृष्णायै	गङ्गायै
मुक्तिदायै	गंभीरवैभवायै
मोदहर्षितायै	देव्यै
शृङ्गार्यै	दाक्षायण्यै
श्रीकर्यै	दक्षदमन्यै
शूरजयिन्यै	दारुणप्रभायै
जयशृङ्खलायै १५०	मार्यै
सत्यै	मारकर्यै
तारात्मिकायै	मृष्टायै
तन्व्यै	मन्त्रिण्यै १८०
तारनादायै	मन्त्रविग्रहायै
तटित्प्रभायै	ज्वालामय्यै
अपर्णायै	परारक्तायै
विजयायै	ज्वालाक्ष्यै
नीलीरञ्जितायै	धूम्रलोचनायै
अपराजितायै	वामाकुतूहलायै
शङ्कर्यै १६०	कुल्यै
रमणीरामायै	कोमलायै
शैलेन्द्रतनयायै	कुटुमलस्तन्यै
मह्यै	दण्डिन्यै १९०
बालायै	मुण्डिन्यै
सरस्वत्यै	धीरायै
लक्ष्म्यै	जयकन्यायै
परमायै	जयङ्कर्यै

चामुण्ड्यै	दुर्वारकरुणासिन्धवे
चण्डमुण्डेश्यै	धूमलायै
चण्डमुण्डनिषूदिन्यै	दुष्टनाशिन्यै
भद्रकाल्यै	बीरलक्ष्म्यै
वह्निदुर्गायै	वीरपूज्यायै
पालितामरसैनिकायै (२००)	वीरवेषमहोत्सवायै
योगिनीगणसंवीतायै	वनदुर्गायै
प्रबलायै	वह्निहस्तायै
हंसगामिन्यै	वाञ्छितार्थप्रदायिन्यै (२३०)
शुभासुरप्राणहन्त्र्यै	वनमाल्यै
सूक्ष्मायै	वाराह्यै
शोभनविक्रमायै	वागासारनिवासिन्यै
निशुंभवीर्यशमन्यै	एकाकिन्यै
निर्णिद्रायै	एकसिंहस्थायै
निरुपप्लवायै	एकदन्तप्रसूतिन्यै
धर्मसिंहधृतायै २१०	नृसिंहचर्मवसनायै
माल्यै	निर्निरीक्ष्यायै
नारसिंहांगलोलुपायै	निरङ्कुशायै
भुजाष्टकयुतायै	नृपालवीर्यनिर्वेगायै (२४०)
तुङ्गायै	नीचग्रामनिषूदिन्यै
तुङ्गसिंहासनेश्वर्यै	सुदर्शनास्त्रदर्पघ्न्यै
राजराजेश्वर्यै	सोमखण्डावतंसिकायै
ज्योत्स्नायै	पुलिन्दकुलसंसेव्यायै
राज्यसाम्राज्यदायिन्यै	पुष्पधुत्तूरमालिकायै
मन्त्रकेलिशुकालापायै	गुञ्जामणिलसन्मालाशंख
महनीयायै २२०	ताटङ्कशोभिन्यै
महाशनायै	मातङ्गमदसिन्दूरतिलकायै

मधुवासिन्यै

पुलिन्दिनीश्वर्यै

श्यामायै २५०

चलचेलकटिस्थलायै

बर्हावतंसधम्मिल्लायै

तमालश्यामलाकृतये

शत्रुसंहारशस्त्राङ्गपाशकोदण्ड

धारिण्यै

कंकाल्यै

नारसिंहाङ्गरक्तपानसमुत्सुकायै

वसामलिनवाराहदंष्ट्राप्रालंब

मालिकायै

सन्ध्यारुणजटाधारिकाल-

मेघसमप्रभायै

चतुर्मुखशिरोमालासर्प-

यज्ञोपवीतिन्यै

दक्षयज्ञानलध्वंस-

दलितामरडांभिकायै २६०

वीरभद्रामोदकरवीराटोपविहारिण्यै

जलदुर्गायै

महामत्तदनुजप्राणभक्षिण्यै

परमन्त्रभक्षिवह्निज्वाला-

कीर्णत्रिलोचनायै

शत्रुशल्यमयामोघनाद-

निर्भिन्नदानवायै

राक्षसप्राणमथनवक्र-

दंष्ट्रामहोज्ज्वलायै

क्षुद्रग्रहापहायै

क्षुद्रमन्त्रतन्त्रक्रियापहायै

व्याघ्राजिनांबरधरायै

व्यालकङ्कणभूषणायै २७०

बलिपूजाप्रियक्षुद्रपैशाच-

मदनाशिन्यै

संमोहनास्त्रमन्त्रात्त

दानबौधविनाशिन्यै

कामाक्रान्तमनोवृत्तये

कामकेलिकलारतायै

कर्पूरवीटिकाप्रीतायै

कामिनीजनमोहिन्यै

स्वप्नवत्यै

स्वप्नभोगध्वंसिता-

खिलदानवायै

आकर्षणक्रियालोलायै

आश्रिताभीष्टदायिन्यै २८०

ज्वालामुख्यै

ज्वालनेत्रायै

ज्वालाङ्गायै

ज्वरनाशिन्यै

शल्यार्क्यै

शल्यहन्त्र्यै

शल्यमन्त्रचलाचलायै

चतुर्थ्यै

अकुहरायै

रौद्रे २९०

तापघ्न्यै	अरूपायै
दरनाशिन्यै	रूपदारुणायै
दारिद्र्यशमन्यै	अन्नदायै ३२०
क्रुद्धायै	धनदायै
व्याधिन्यै	पूतायै
व्याधिनाशिन्यै	अणिमादिफलप्रदायै
ब्रह्मरक्षोहरायै	सिद्धिदायै
ब्राह्म्यै	बुद्धिदायै
गणहार्यै	शूलायै
गणेश्वर्यै ३००	शिष्टाचारपरायणायै
आवेशग्रहसंहार्यै	अमायायै
हन्त्र्यै	अमराराध्यायै
मन्त्र्यै	हंसमन्त्रायै ३३०
हरिप्रियायै	हलायुधायै
कृत्तिकायै	क्षामप्रध्वंसिन्यै
कृत्तिहरणायै	क्षोभ्यायै
गौर्यै	शार्दूलासनवासिन्यै
गंभीरमानसायै	सत्त्वरूपायै
युद्धप्रीतायै	तमोहन्त्र्यै
युक्तकार्यै ३१०	सौम्यायै
योद्धृगण्यायै	सारङ्गभावनायै
युधिष्ठिरायै	द्विसहस्रकरायै
तुष्टिदायै	शुद्धायै ३४०
पुष्टिदायै	स्थूलसिंहसुवासिन्यै
पुण्यभोगमोक्षफलप्रदायै	नारायण्यै
अपापायै	महावीर्यायै
पापशमन्यै	नादबिन्द्वन्तरात्मिकायै

षड्गुणायै
 तत्वनिलयायै
 तत्वातीतायै
 अमृतेश्वर्यै
 सुरमूर्तये
 सुराराध्यायै ३५०
 सुमुखायै
 कालरूपिण्यै
 सन्ध्यारूपायै
 कान्तिमत्यै
 खेचर्यै
 भुवनेश्वर्यै
 मूलप्रकृत्यै
 अव्यक्तायै
 महामायायै
 मनोन्मन्यै ३६०
 ज्येष्ठायै
 वामायै
 जगन्मूलायै
 सृष्टिसंहारकारणायै
 स्वतन्त्रायै
 स्ववशायै
 लोकभोगदायै
 सुरनन्दिन्यै
 चित्राचित्राकृत्यै
 सचित्रवसनप्रियायै ३७०
 विषापहायै

वेदमन्त्रायै
 वेदविद्याविलासिन्यै
 कुण्डलीकन्दनिलयायै
 गुह्यायै
 गुह्यकवन्दितायै
 कालरात्र्यै
 कलानिष्ठायै
 कौमार्यै
 काममोहिन्यै ३८०
 वभ्यादिन्यै
 वरारोहायै
 वन्दारुजनवत्सलायै
 संज्वालामालिनीशक्त्यै
 सुराप्रीतायै
 सुवासिन्यै
 महिषासुरसंहार्यै
 मत्तमातङ्गगामिन्यै
 मदगन्धितमातङ्गायै
 विद्युद्दामाभिसुन्दर्यै ३९०
 रक्तबीजासुरध्वंस्यै
 वीरपाणारुणेक्षणायै
 महिषोत्तमसंरूढमांसप्रोता
 युधाञ्चलायै
 यशोवत्यै
 हेमकूटतुङ्गशृङ्गनिकेतनायै
 दानकल्पकसच्छायायै
 सन्तानादिफलप्रदायै

आश्रिताभीष्टवरदायै
 अखिलागमगोपितायै
 दारिद्र्यशैलदंभोलये ४००
 क्षुद्रपङ्कजचन्द्रिकायै
 रोगान्धकारचण्डांशवे
 पापद्रुमकुठारिकायै
 भवाटवीदावह्नये
 शत्रुतूलस्फुलिंगरुचे
 स्फोटकोरगमायूर्यै
 क्षुद्रप्राणनिवारिण्यै
 अपस्मारमृगव्याघ्रचै
 चित्तक्षोभविनाशिन्यै
 क्षयमातङ्गपञ्चास्यायै ४१०
 कृच्छ्रवर्गापहारिण्यै
 पीनसश्वासकासघ्नचै
 पिशाचोपाधिमोचिन्यै
 विवादशमन्यै
 लोकबाधापञ्चकनाशिन्यै
 अपवादहरासेव्यायै
 संग्रामविजयप्रदायै
 रक्तपित्तगलव्याधिहरायै
 हरविमोहिन्यै
 क्षुद्रशल्यमयायै ४२०
 दासकार्यारंभसमुत्सुकायै
 कुष्ठगुल्मप्रमेहघ्न्यै
 गूढशल्यविनाशिन्यै
 भक्तिमत्प्राणसौहार्दायै

सुहृदंशाभिवृद्धिकायै
 उपास्यायै
 अखिलम्लेच्छमदमान-
 विमोचन्यै
 भैरव्यै
 भीषणायै
 भीषायै ४३०
 भिनारातिरणाञ्चलायै
 व्यूहध्वंस्यै
 वीरहव्यायै
 वीर्यात्मने
 व्यूहरक्षिकायै
 महाराष्ट्रायै
 महासेनायै
 मांसाश्रयै
 माधवानुजायै
 व्याघ्रध्वजायै ४४०
 वज्रनख्यै
 वज्रचै
 व्याघ्रनिषूदिन्यै
 खड्गिनीकन्यकावेषायै
 कौमार्यै
 खड्गवासिन्यै
 सङ्ग्रामवासिन्यस्तास्त्रायै
 धीरज्यासायकासनायै
 कोदण्डध्वनिकृते
 क्रुद्धायै ४५०

क्रूरदृष्टिभयानकायै
 वीराग्रगामिन्यै
 दुष्टासन्तुष्टायै
 शत्रुभक्षिण्यै
 सन्ध्याटवीचरायै
 वित्तगोपनायै
 वित्तकृच्चलायै
 कैटभासुरसंहार्यै
 काल्यै
 कल्याणकोमलायै ४६०
 नन्दिन्यै
 नन्दिचरितायै
 नरकालयमोचनायै
 मलयाचलशृंगस्थायै
 गन्धिन्यै
 सुरतालसायै
 कादम्बरीकान्तिमत्यै
 कान्तायै
 कादम्बराशनायै
 मधुदानवविद्राव्यै ४७०
 मधुपायै
 पाटलारुणायै
 रात्रिञ्चरायै
 राक्षसघ्न्यै
 रम्यायै
 रात्रिसमर्चितायै
 शिवरात्रिमहापूज्यायै

देवलोकविहारिण्यै
 ध्यानादिकालसञ्ज्यायै
 भक्तसन्तानभाग्यदायै ४८०
 मध्याह्नकालसन्तप्यायै
 जयसंहारशूलिन्यै
 त्रियंबकायै
 मखध्वंस्यै
 त्रिपुरायै
 पुरशूलिन्यै
 रङ्गस्थायै
 रञ्जिन्यै
 रङ्गायै
 सिन्दूरारुणशालिन्यै ४९०
 सुन्दोपसुन्दहन्त्र्यै
 सूक्ष्मायै
 मोहनशूलिन्यै
 अष्टमूर्त्यै
 कलानाथायै
 अष्टहस्तायै
 सुतप्रदायै
 अङ्गारकायै
 कोपनाक्ष्यै
 हंसासुरमदापहायै ५००
 आपीनस्तननम्राङ्ग्यै
 हरिद्रालेपितस्तन्यै
 इन्द्राक्ष्यै
 हेमसंकाशायै

हेमवस्त्रायै	शूलिन्यै
हरप्रियायै	सुरपालिन्यै
ईश्वर्यै	महाशूलधरायै
इतिहासात्मने	शक्त्यै
ईतिबाधानिवारिण्यै	मात्रे
उपास्यायै ५७०	माहेन्द्रपूजितायै
उन्मदाकारायै	शूलदुर्गायै
उल्लंघितसुरापगायै	शूलहरायै
ऊपरस्थलकासारायै	शोभनायै ५४०
उत्पलश्यामलाकृत्यै	शूलिन्यै
ऋड्मय्यै	श्रीशूलिन्यै
सामसंगीतायै	जगद्धीजायै
शुद्धयै	मूलाहङ्कारशूलिन्यै
कल्पकवल्लयै	प्रकाशायै
सायन्तनाहुतये	परमाकाशायै
दासकामधेनुस्वरूपिण्यै ५२०	भावितायै
पञ्चदशाक्षरीमन्त्रायै	वीरशूलिन्यै
तारकावृतपोडश्यायै	नारसिंह्यै
हींकार निष्ठायै	महेन्द्राण्यै ५५०
हींकारहुंकार्यै	सालीशरभशूलिन्यै
दुरितापहायै	ऋङ्कार्यै
षडङ्गायै	ऋतुमत्यै
नवकोणस्थायै	अघोरायै
त्रिकोणायै	अथर्वण गोपिकायै
सर्वतोमुख्यै	घोरघोरायै
सहस्रवदनायै ५३०	जपारागप्रसूनाञ्चितमालिकायै
पद्मायै	सुस्वरूपायै

सौहृदाढ्यालीढायै
 दाडिमपाटलायै ५६०
 लयायै
 लंपटायै
 लीनायै
 कुंकुमारुणकन्धरायै
 इकाराध्यायै
 इलानाथायै
 इलावृतजनावृतायै
 ऐश्वर्यनिष्ठायै
 हरितायै
 हरितालसमप्रभायै ५७०
 मुद्गमाषाज्यभोज्यायै
 युक्तायुक्तभटान्वितायै
 औत्सुक्यै
 अणिमद्गम्यायै
 अखिलाण्डनिवासिन्यै
 हंसमुक्तामणिश्रेण्यै
 हंसारख्यायै
 हासकारिण्यै
 कलिदोषहरायै
 क्षीरपायिन्यै ५८०
 विप्रपूजितायै
 खट्वाङ्गस्थायै
 खड्गरूपायै
 खबीजायै
 खरसूदनायै

आज्यपायिन्यै
 अस्थिमालायै
 पार्थिवाराध्यपादुकायै
 गंभीरनाभिकायै
 सिद्धकिन्नरस्त्रीसमावृतायै ५९०
 खड्गात्मिकायै
 घननिभायै
 वैश्याच्यायै
 माक्षिकप्रियायै
 मकारवर्णायै
 गंभीरायै
 शूद्राच्यायै
 आसवप्रियायै
 चातुर्यै
 पार्वणाराध्यायै ६००
 मुक्ताधावल्यरूपिण्यै
 छन्दोमय्यै
 भौमपूज्यायै
 दुष्टशत्रुविनाशिन्यै
 जयिन्यै
 अष्टमीसेव्यायै
 क्रूरहोमसमन्वितायै
 झङ्कार्यै
 नवमीपूज्यायै
 लांगलीकुसुमप्रियायै ६१०
 सदाचतुर्दशीपूज्यायै
 भक्तानां पुष्टिकारिण्यै

ज्ञानगम्यायै	महत्त्यै
दर्शपूज्यायै	महिषादिन्यै ६४०
डामयै	यजुर्वेदगतायै
रिपुमारिण्यै	शंखचक्रहस्तांबुजद्वयायै
सत्यसङ्कल्पसंवेद्यायै	राजसायै
कलिकालसुसन्धिकायै	राजमातङ्ग्यै
डंभाकारायै	राकाचन्द्रनिभाननायै
कल्पसिद्धायै ६२०	लाघवालाधवाराध्यायै
शल्यकौतुकवर्धिन्यै	रमणीजनमध्यगायै
ठाकृत्यै	वागीश्वर्यै
कविवराराध्यायै	वकुलमाल्यायै
सर्वसंपत्प्रदायिकायै	वाङ्मय्यै ६५०
नवरात्रि दिनाराध्यायै	वारितासुखायै
राष्ट्रदायै	शरभाधीशवनितायै
राष्ट्रवर्धिन्यै	चन्द्रमण्डलमध्यगायै
पानासवमदध्वंसिमूलिका-	षडध्वान्तरतारायै
सिद्धिदायिन्यै	रक्तजुष्टुतावहायै
फलप्रदायै	तत्त्वज्ञानानन्दकलामयायै
कुबेराध्यायै ६३०	सायुज्यसाधनायै
पारिजातप्रसूनभाजे	सदाकर्मसाधकसंलीनधन
बलिमन्त्रौघसंसिद्धायै	दर्शनदायै
मन्त्रचिन्त्यफलावहायै	हंकारिकायै
भक्तिप्रियायै	स्थावरात्मने ६६०
भक्तिगम्यायै	अमरीलास्यमोदनायै
किङ्करायै	लकारत्रयसंभूतायै
भगमालिन्यै	ललितायै
माधवीविपिनान्तस्थायै	लक्ष्मणार्चितायै

लक्ष्ममूर्तये	रमादूत्यै
सदाहारायै	कलासिंह्यै
प्रासादावासलोचनायै	लज्जायै
नीलकण्ठ्यै	धूमवत्यै
हरिद्रुम्यै	जडायै
शुक्ल्यै ६७०	भृङ्गसङ्गिसख्यै
गौर्यै	पीनायै
गोत्रजायै	स्नेहारोगमनस्विन्यै ७००
अपर्णायै	रणीमृडायै
यक्षिण्यै	हृढायै
यक्षायै	ज्येष्ठायै
हरिद्रायै	रमण्यै
हलिन्यै	यमुनारतायै
हल्यै	मुसलीकुण्ठितामोढायै
ददत्यै	चण्डखण्डायै
उन्मदायै ६८०	गणाबलायै
ऊर्म्यै	शुक्लायै
रसायै	स्रष्ट्रीवशायै ७१०
विश्वंभरायै	ज्ञानिमान्यै
स्थिरायै	लीलालकायै
पञ्चास्यायै	शङ्ख्यै
पञ्चमीरागायै	सूरचन्द्रघृण्यै
भाग्ययोगात्मिकायै	योषावीर्याक्रीडारसावहायै
अंबिकायै	नूत्नायै
गणिकायै	सोमायै
काल्यै ६९०	महाराज्ञ्यै
वीणायै	गयायागाहुतप्रभायै
शोणारुणात्मिकायै	धूर्तायै ७२०

सुधाघनालीनपुष्टिमृष्ट	लास्यलोलायै
सुधाकरायै	लयभोगमयालयायै
करिणीकामिनीमुक्तामणि	लावण्यशालिन्यै
श्रेणीफणीश्वरायै	लोलायै
ताक्ष्यै	लाङ्गलायै ७५०
सूक्ष्मायै	ललितांबिकायै
नताचार्यायै	लाञ्छनायै
गौरिकायै	लंपटालंघ्यायै
गिरिजाङ्गनायै	लकुलार्णवमुक्तिदायै
इन्द्रजालायै	ललाटनेत्रायै
इन्दुमुख्यै	लज्जाढ्यायै
इन्द्रोपेन्द्रादिसंस्तुतायै ७३०	लास्यालापमुदाकरायै
शिवदूत्यै	ज्वालाकृत्यै
गरलशितिकण्ठकुटुंबिन्यै	ज्वलद्वीजायै
ज्वलन्तीज्वलनाकारायै	ज्योतिर्मण्डलमध्यगायै ७६०
ज्वलज्वाज्वल्यदंभदायै	ज्योतिस्तंभायै
ज्वालाशयायै	ज्वलद्वीर्यायै
ज्वालमणये	ज्वलन्मन्त्रायै
ज्योतिषां गत्यै	ज्वलत्फलायै
ज्योतिश्शास्त्रानुमेयात्मने	जुषिरायै
ज्योतिषिज्वलितोज्ज्वलायै	जुंफटायै
ज्योतिष्मतीदुर्गासि-	ज्योतिर्मालिकायै
ज्योत्स्नाभायै ७४०	ज्योतिकास्मितायै
ज्वलनार्चितायै	ज्वलद्वलयहस्ताब्जायै
लंकार्यै	ज्वलत्प्रज्वलकोज्ज्वलायै ७७०
ललितावासायै	ज्वालमाल्यायै
ललिताललितात्मिकायै	जगज्ज्वालायै
लङ्काधिपायै	ज्वलज्ज्वलनसज्ज्वलायै

लंबीजायै	शूर्पशोभनायै
लेलिहानात्मने	शूर्पधारिण्यै ८००
लीलाक्लिन्नायै	शूलस्थायै
लयावहायै	शूरचित्तस्थायै
लज्जावत्यै	शूलायै
लब्धपुत्र्यै	शुक्लसुरार्चितायै
लाकिन्यै ७८०	शुक्लपद्मासनारूढायै
लोलकुण्डलायै	शुक्लायै
लब्धभाग्यायै	शुक्लांबरांशुकायै
लब्धकामायै	शुकलालितहस्ताब्जायै
लब्धधिये	श्वेतायै
लब्धमङ्गलायै	शुकनुतायै ८१०
लब्धवीर्यायै	शुभायै
लब्धवृत्तायै	ललिताक्षरमध्यस्थायै
लाभायै	लिप्तकुंकुमभासुरायै
लब्धविनाशिन्यै	लिप्तिरूपायै
लसद्रस्रायै ७९०	लिप्तभस्मायै
लसत्पीडायै	लिप्तचन्दनपङ्किलायै
लसन्माल्यायै	लीलाभाषणसंलोलायै
लसत्प्रभायै	लीनकस्तूरिकाद्रवायै
शूलहस्तायै	लिखितांबुज चक्रस्थायै
शूरसेव्यायै	लिख्यालिखित वैभवायै ८२०
शूलिन्यै	नीलालकायै
शूलनाशिन्यै	नीतिमत्यै
शङ्खुत्यनुमत्यै	नीतिशास्त्रस्वरूपिण्यै

नीचघ्न्यै
 निष्कलायै
 नित्यायै
 नीलकण्ठप्रियाङ्गनायै
 निराशायै
 निर्गुणानीतायै
 निर्मदायै ८३०
 निरुपप्लवायै
 निर्णीतायै
 निर्मलायै
 निष्ठायै
 निरङ्कुशपराक्रमायै
 निर्विण्णदानवबलायै
 निःशेषीकृततारकायै
 निरञ्जनकरामन्त्र्यै
 निर्विघ्नपरनाशिन्यै
 नित्यक्लिन्नायै ८४०
 निराहारायै
 नीवीनीलांबराश्रितायै
 निशाचरकुलध्वंस्यै
 नित्यानन्दपरंपरायै
 निम्बप्रियायै
 निरावेशायै
 निन्दितासुरसुन्दर्यै
 निघोषायै

निगलाकृष्टकृत्तिजाल वृताङ्गणायै
 नीरसायै ८५०
 नित्यकल्याण्यै
 निरन्तरसुखप्रदायै
 निर्लोभायै
 नीतिमत्प्रीतायै
 निर्विघ्नायै
 निमिषापहायै
 दुम्बीजायै
 दुष्टसंहार्यै
 दुर्मदायै
 दुरितापहायै ८६०
 दुरुत्सहमहावीर्यायै
 दुर्मेधोत्सवनाशिन्यै
 दुर्मासभक्षिण्यै
 दुष्टायै
 दूरीकृत निशाचरायै
 दूतीदुष्टग्रहमदचुम्ब्यै
 दुर्बलरक्षक्यै
 ष्टंकार्यै
 ष्टमय्यै
 ष्टंभायै ८७०
 ष्टंबीजायै
 ष्टंभकीलकायै
 ग्रहेश्वर्यै

ग्रहाराध्यायै	हरित्पतिसमाराध्यायै
ग्रहणीरोगमोचन्यै	हलाकृष्टसुरासुरायै ९००
ग्रहावेशकर्यै	हारीतशुकवत्पाण्यै
ग्राहचायै	हयमेधाभिरक्षक्यै
ग्रहग्रामाभिरक्षिण्यै	हंसाक्षर्यै
ग्रामौषधमहावीर्यायै	हंसबीजायै
ग्राम्यसर्वभयापहायै ८८०	हाहाकारहराशुगायै
ग्रहद्वैष्ट्यै	हय्यंगवीनहृद्वृत्त्यै
ग्रहारूढायै	हारीतांशुमणिद्युतये
ग्रामण्यै	हुंकारात्मने
ग्रामदेवतायै	हुताहोम्यायै
गृहीतब्रह्ममुख्यास्त्रायै	हुंकारालयनायिकायै ९१०
गृहीतायुधशक्तिदायै	हुंकारपञ्जरशुक्यै
ग्रासमांसायै	हुंकारकमलेन्दिरायै
गृहस्थाचर्यायै	हुंकाररात्रिकाज्योत्स्नायै
ग्रहभूततिवारिण्यै	हुंकारद्रुममञ्जर्यै
हंभूतायै ८९०	हुंकारदीपिकाज्वालायै
हलधृक्सेव्यायै	हुंकारार्णवकौमुद्यै
हारहारिकुचाञ्चलायै	हुंफट्कर्यै
हर्षप्रदायै	हुंफट्द्युत्यै
हराराध्यायै	हुंकाराकाशभास्करायै
हासनिन्द्यनिशाकरायै	फट्कार्यै ९२०
हविर्भोक्त्र्यै	स्फाटिकाकारायै
हरिद्राभायै	स्फटिकाक्षकरांबुजायै
हरिताश्वाधिरोहिण्यै	फट्कीलकायै

फडस्त्रायै	स्वाधिष्ठानांबुजारूढायै
फट्काराहिशिखामणयै	स्वयंभूतायै ९५०
फट्कारसुमनोमाध्यै	स्वरात्मिकायै
फट्कारकमलेन्दिरायै	स्वर्गाधिपायै
फट्कारसौधशृङ्गस्थायै	स्वर्णवर्णायै
फट्काराध्वरदक्षिणायै	स्वाहाकारस्वरूपिण्यै
फट्कारशुक्तिकामुक्तायै ९३०	स्वयंवरायै
फट्कारद्रुममञ्जरी	स्वरारोहायै
फट्कारवीरखड्गास्त्रायै	स्वप्रकाशायै
फट्कारतनुमध्यगायै	स्वरप्रियायै
फट्कारशिविकारूढायै	स्वचक्रराजनिलयायै
फट्कारच्छत्रलाञ्छितायै	स्वसैन्यविजयप्रदायै ९६०
फट्कारपीठनिलयायै	स्वप्रदानायै
फट्कारवृतमण्डलायै	स्वापकार्यै
फट्कारकुञ्जरमदप्रवाहायै	स्वकृताखिलवैभवायै
फाललोचनायै	स्वैरिणीखेदशमन्यै
फलाशिन्यै ९४०	स्वरूपजितमोहिन्यै
फलकर्यै	हानौपादनिर्मुक्तायै
फलदानपरायणायै	हानितौघनिरासनायै
फट्कारास्त्रफलाकारायै	हस्तिकुंभद्वयकुचायै
फलन्त्यै	हस्तिराजाधिरोहिण्यै
फलवर्जितायै	हयग्रीवसमाराध्यायै ९७०
स्वातन्त्र्यचरितायै	हस्तिकृत्तिप्रियाङ्गनायै
स्वस्थायै	हालीकृतस्वरकुलायै
स्वप्रग्रहनिषूदिन्यै	हानिवृद्धिविवर्जितायै

हाहाहूहूमुखस्तुत्यायै
 हठदानितकृत्तिकायै
 हतासुरायै
 हतद्वेषायै
 हाटकाद्रिगुहागृहायै
 हल्लीनटनसन्तुष्टायै
 हरिगह्वरवल्लभायै ९८०
 हनुमद्रीत संगीतहासितायै
 हरिसोदर्यै
 हकारकन्दरासिंहयै
 हकारकुसुमासबायै
 हकार तटिनीपूरायै
 हकारजलपङ्कजायै
 हकारयामिनीज्योत्स्नायै

हकारखजितारसायै
 हकारचक्रवालाकायै
 हकारसरुदीधितये ९९०
 हकारवासरङ्गयै
 हकारगिरिनिर्झरायै
 हकारमधुमाधुर्यायै
 हकाराश्रमतापस्यै
 हकारमधुवासन्त्यै
 हकारस्वरकाहल्यै
 हकारमन्त्रबीजाणायै
 हकारपटहध्वन्यै
 हकारनारीलाबण्यायै
 हकारपरदेवतायै १०००

श्रीसरस्वती अष्टोत्तरशतनामावलि:

सरस्वत्यै नमः

महाभद्रायै

महामायायै

वरप्रदायै

श्रीप्रदायै

पद्मनिलयायै

पद्माक्ष्यै

पद्मवक्त्रकायै

शिवानुजायै

पुस्तकभृते (१०)

ज्ञानमुद्रायै

रमायै

परायै

कामरूपायै

महाविद्यायै

महापातक-नाशिन्यै

महाश्रयायै

मालिन्यै

महाभोगायै

महाभुजायै (२०)

महाभागायै

महोत्साहायै

दिव्यांगायै

सुरवन्दितायै

महाकाल्यै

महापाशायै

महाकारायै

महांकुशायै

पीतायै

विमलायै (३०)

विश्वायै

विद्युन्मालायै

वैष्णव्यै

चन्द्रिकायै

चन्द्रवदनायै

चन्द्रलेखाविभूषितायै

सावित्र्यै

सुरसायै

देव्यै

दिव्यालंकारभूषितायै (४०)

वाग्देव्यै

वसुदायै

तीव्रायै

महाभद्रायै

महाबलायै

भोगदायै

भारत्यै

भामायै

गोविन्दायै

गोमत्यै (५०)

शिवायै

जटिलायै

विन्ध्यवासायै	मुण्डकायप्रहरणायै
विन्ध्याचलबिराजितायै	धूम्रलोचन-मर्दनायै
चण्डिकायै	सर्वदेवस्तुतायै
वैष्णव्यै	सौम्यायै
ब्राह्म्यै	सुरासुर-नमस्कृतायै
ब्रह्मज्ञानैकसाधनायै	कालरात्र्यै
सौदामिन्यै	कलाधारायै
सुधामूर्त्यै (६०)	रूपसौभाग्यदायिन्यै
सुभद्रायै	वाग्देव्यै
सुरपूजितायै	वरारोहायै (९०)
सुवासिन्यै	वाराह्यै
सुनासायै	वारिजासनायै
विनिद्रायै	चित्रांबरायै
पद्मलोचनायै	चित्रगन्धायै
विद्यारूपायै	चित्रमाल्यविभूषितायै
विशालाक्ष्यै	कान्तायै
ब्रह्मजायायै	कामप्रदायै
महाफलायै (७०)	बन्धायै
त्रयीमूर्तये	विद्याधरसुपूजितायै
त्रिकालज्ञायै	श्वेताननायै (१००)
त्रिगुणायै	नीलभुजायै
शास्त्ररूपिण्यै	चतुर्बर्गफलप्रदायै
शुभासुरप्रमथिन्यै	चतुरानन-साम्राज्यायै
शुभदायै	रक्तमध्यायै
स्वरात्मिकायै	निरंजनायै
रक्तबीजनिहन्त्र्यै	हंसासनायै
चामुण्डायै	नीलजंघायै
अंबिकायै (८०)	ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै (१०८)

श्रीसरस्वतीसहस्रनामावलिः

वाचे
 वाण्यै
 वरदायै
 वन्द्यायै
 वरारोहायै
 वरप्रदायै
 वृत्तयै
 वागीश्वर्यै
 वातायै
 वरायै (१०)
 वागीशवल्लभायै
 विश्वेश्वर्यै
 विश्ववन्द्यायै
 विश्वेशप्रियकारिण्यै
 वाग्वादिन्यै
 वाग्देव्यै
 वृद्धिदायै
 वृद्धिकारिण्यै
 वृद्धयै
 वृद्धायै (२०)
 विषट्त्रयै
 वृष्टयै
 वृष्टिप्रदायिन्यै
 विश्वाराध्यायै
 विश्वमात्रे

विश्वधात्र्यै
 विनायकायै
 विश्वशक्त्यै
 विश्वसारायै
 विश्वायै (३०)
 विश्वविभावर्यै
 वेदान्तवेदिन्यै
 वेद्यायै
 वित्तायै
 वेदत्रयात्मिकायै
 वेदज्ञायै
 वेदजनन्यै
 विश्वायै
 विश्वविभावर्यै
 वरेण्यायै (४०)
 वाङ्मय्यै
 वृद्धायै
 विशिष्टप्रियकारिण्यै
 विश्वतोवदनायै
 व्याप्तायै
 व्यापिन्यै
 व्यापकात्मिकायै
 व्यालघ्न्यै
 व्यालभूषांग्यै
 विरजायै (५०)

वेदनायिकायै	गिरे
वेदवेदान्तसंवेद्यायै	गिरीशप्रियङ्कर्यै
वेदान्तज्ञानरूपिण्यै	गिरिज्ञायै (८०)
विभावयै	ज्ञानविद्यायै
विक्रान्तायै	गिरिरूपायै
विश्वमित्रायै	गिरीश्वर्यै
विधिप्रियायै	गीर्मात्रे
वरिष्ठायै	गणसंस्तुत्यायै
विप्रकृष्टायै	गणनीयगुणान्वितायै
विप्रवर्यप्रपूजितायै (६०)	गूढरूपायै
वेदरूपायै	गुहायै
वेदमय्यै	गोप्यायै
वेदमूर्त्यै	गोरूपायै (९०)
वल्लभायै	गवे
गौर्यै	गुणात्मिकायै
गुणवत्यै	गुर्व्यै
गोप्यायै	गुर्वबिकायै
गन्धर्वनगरप्रियायै	गुह्यायै
गुणमात्रे	गेयजायै
गुहांतस्थायै (७०)	ग्रहनाशिन्यै
गुरुरूपायै	गृहिण्यै
गुरुप्रियायै	गृहदोषघ्न्यै
गिरिविद्यायै	गवघ्न्यै (१००)
गानतुष्टायै	गुरुवत्सलायै
गायकप्रियकारिण्यै	गृहात्मिकायै
गायत्र्यै	गृहाराध्यायै
गिरिशाराध्यायै	गृहबाधाविनाशिन्यै

गङ्गायै	शुद्धिदायै
गिरिसुतायै	शुद्धिरूपिण्यै
गम्यायै	शिवायै
गजयानायै	शिवंकर्यै
गुहस्तुतायै	शुद्धायै
गरुडासनसंसेव्यायै (११०)	शिवाराध्यायै
गोमत्यै	शिवात्मिकायै
गुणशालिन्यै	श्रीमत्यै
शारदायै	श्रीमय्यै (१४०)
शाश्वत्यै	श्राव्यायै
शैव्यै	श्रुत्यै
शांकर्यै	श्रवणगोचरायै
शङ्करात्मिकायै	शान्त्यै
श्रियै	शान्तिकर्यै
शर्वाण्यै	शान्तायै
शतद्वयै (१२०)	शान्ताचारप्रियङ्कर्यै
शरच्चन्द्रनिभाननायै	शीललभ्यायै
शर्मिष्ठायै	शीलवत्यै
शमनद्वयै	श्रीमात्रे (१५०)
शतसाहस्ररूपिण्यै	शुभकारिण्यै
शिवायै	शुभवान्यै
शंभुप्रियायै	शुद्धविद्यायै
श्रद्धायै	शुद्धचित्तप्रपूजितायै
श्रुतिरूपायै	श्रीकर्यै
श्रुतिप्रियायै	श्रुतपापद्वयै
शुचिष्मत्यै (१३०)	शुभाक्ष्यै
शर्मकर्यै	शुचिवल्लभायै

शिवेतरघ्नै	सर्गस्थित्यंतकारिण्यै
शबर्यै (१६०)	सर्वाराध्यायै
श्रवणीयगुणान्वितायै	सर्वमात्रे
शार्यै	सर्वदेवनिषेवितायै
शिरीषपुष्पाभायै	सर्वैश्वर्यप्रदायै (१९०)
शमनिष्ठायै	सत्यायै
शमात्मिकायै	सत्यै
शमान्वितायै	सत्त्वगुणाश्रयायै
शमाराध्यायै	स्वरक्रमपदाकारायै
शितिकण्ठप्रपूजितायै	सर्वदोषनिषूदिन्यै
शुद्ध्यै	सहस्राक्ष्यै
शुद्धिकर्यै (१७०)	सहस्रास्यायै
श्रेष्ठायै	सहस्रपदसंयुतायै
श्रुतानन्तायै	सहस्रहस्तायै
शुभावहायै	साहस्रगुणालंकृतविग्रहायै २००
सरस्वत्यै	सहस्रशीर्षायै
सर्वज्ञायै	सद्रूपायै
सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै	स्वधायै
सरस्वत्यै	स्वाहायै
सावित्र्यै	सुधामय्यै
संध्यायै	षड्ग्रन्थिभेदिन्यै
सर्वेप्सितप्रदायै (१८०)	सेव्यायै
सर्वार्तिघ्नै	सर्वलोकैकपूजितायै
सर्वमय्यै	स्तुत्यायै
सर्वविद्याप्रदायिन्यै	स्तुतिमय्यै (२१०)
सर्वैश्वर्यै	साध्यायै
सर्वपुण्यायै	सवितृप्रियकारिण्यै

संशयच्छेदिन्यै	सर्वमन्त्रकर्यै (२४०)
सांख्यवेद्यायै	सर्वलक्ष्म्यै
संख्यायै	सर्वगुणान्वितायै
सदीश्वर्यै	सर्वानन्दमय्यै
सिद्धिदायै	सर्वज्ञानदायै
सिद्धिसंपूज्यायै	सत्यनायिकायै
सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै	सर्वज्ञानमय्यै
सर्वज्ञायै (२२०)	सर्वराज्यदायै
सर्वशक्त्यै	सर्वमुक्तिदायै
सर्वसंपत्प्रदायिन्यै	सुप्रभायै
सर्वाशुभघ्न्यै	सर्वदायै (२५०)
सुखदायै	सर्वायै
सुखायै	सर्वलोकवशंकर्यै
संवित्स्वरूपिण्यै	सुभगायै
सर्वसंभीषण्यै	सुन्दर्यै
सर्वजगत्सम्मोहिन्यै	सिद्धायै
सर्वप्रियङ्कर्यै	सिद्धांबायै
सर्वशुभदायै (२३०)	सिद्धमातृकायै
सर्वमङ्गलायै	सिद्धमात्रे
सर्वमन्त्रमय्यै	सिद्धविद्यायै
सर्वतीर्थपुण्यफलप्रदायै	सिद्धेश्वर्यै (२६०)
सर्वपुण्यमय्यै	सिद्धरूपिण्यै
सर्वव्याधिघ्न्यै	सुरूपिण्यै
सर्वकामदायै	सुखमय्यै
सर्वविघ्नहर्यै	सेवकप्रियकारिण्यै
सर्ववंदितायै	स्वामिन्यै
सर्वमङ्गलायै	सर्वदायै

सेव्यायै	मन्त्रगम्यायै
स्थूलसूक्ष्मापरांबिकायै	मन्त्रमात्रे
साररूपायै	महामन्त्रफलप्रदायै
सरोरूपायै (२७०)	महामुक्त्यै
सत्यभूतायै	महानित्यायै
समाश्रयायै	महासिद्धिप्रदायिन्यै
सितासितायै	महासिद्धायै (३००)
सरोजाक्ष्यै	महामात्रे
सरोजासनवल्लभायै	महदाकारसंयुतायै
सरोरुहाभायै	महायै
सर्वांग्यै	महेश्वर्यै
सुरेन्द्रादिप्रपूजितायै	मूर्त्यै
महादेव्यै	मोक्षदायै
महेशान्यै (२८०)	मणिभूषणायै
महासारस्वतप्रदायै	मेनकायै
महासरस्वत्यै	मानिन्यै
मुक्तायै	मान्यायै (३१०)
मुक्तिदायै	मृत्युघ्न्यै
मलनाशिन्यै	मेरुरूपिण्यै
महेश्वर्यै	मदिराक्ष्यै
महानन्दायै	मदावासायै
महामन्त्रमय्यै	मखरूपायै
मह्यै	मखेश्वर्यै
महालक्ष्म्यै (२९०)	महामोहायै
महाविद्यायै	महामायायै
मात्रे	मातृणां मूर्ध्नि संस्थितायै
मन्दरवासिन्यै	महापुण्यायै (३२०)

मुदावासायै	मृत्युहार्यै
महासंपत्प्रदायिन्यै	मेधाप्रदायिन्यै
मणिपूरैकनिलयायै	मैध्यायै (३५०)
मधुरूपायै	महावेगवत्यै
महोत्कटायै	महामोक्षफलप्रदायै
महासूक्ष्मायै	महाप्रभाभायै
महाशान्तायै	महत्यै
महाशान्तिप्रदायिन्यै	महादेवप्रियङ्कर्यै
मुनिस्तुतायै	महापोषायै
मोहहन्त्र्यै (३३०)	महर्ष्यै
माधव्यै	मुक्ताहारविभूषणायै
माधवप्रियायै	माणिक्यभूषणायै
मायै	मन्त्रायै (३६०)
महादेवसंस्तुत्यायै	मुख्यचन्द्रार्धशेखरायै
महिषीगणपूजितायै	मनोरूपायै
मृष्टान्नदायै	मनश्शुद्ध्यै
माहेन्द्र्यै	मनश्शुद्धिप्रदायिन्यै
महेन्द्रपददायिन्यै	महाकारुण्यसंपूर्णायै
मत्यै	मनोनमनवन्दितायै
मतिप्रदायै (३४०)	महापातकजालघ्न्यै
मेधायै	मुक्तिदायै
मर्त्यलोकनिवासिन्यै	मुक्तभूषणायै
मुख्यायै	मनोन्मन्यै (३७०)
महानिवासायै	महास्थूलायै
महाभाग्यजनाश्रितायै	महाक्रतुफलप्रदायै
महिलायै	महापुण्यफलप्राप्यायै
महिमायै	मायात्रिपुरनाशिन्यै

महानसायै	भूतधात्र्यै
महामेधायै	भयहर्यै
महामोदायै	भक्तसारस्वतप्रदायै
महेश्वर्यै	भुक्त्यै
मालाधर्यै	भुक्तिप्रदायै
महोपायायै (३८०)	भेक्यै
महातीर्थफलप्रदायै	भक्त्यै
महामङ्गलसंपूणायै	भक्तिप्रदायिन्यै
महादारिद्र्यनाशिन्यै	भक्तसायुज्यदायै (४१०)
महामस्त्रायै	भक्तस्वर्गदायै
महामेधायै	भक्तराज्यदायै
महाकाल्यै	भागीरथ्यै
महाप्रियायै	भवाराध्यायै
महाभूषायै	भाग्यसज्जनपूजितायै
महादेहायै	भवस्तुत्यायै
महाराज्ञ्यै (३९०)	भानुमत्यै
मुदालयायै	भवसागरतारण्यै
भूरिदायै	भूत्यै
भाग्यदायै	भूषायै (४२०)
भोग्यायै	भूतेश्यै
भोग्यदायै	भाललोचनपूजितायै
भोगदायिन्यै	भूतायै
भवान्यै	भव्यायै
भूतिदायै	भविष्यायै
भूत्यै	भवविद्यायै
भूम्यै (४००)	भवात्मिकायै
भूमिसुनायिकायै	बाधापहारिण्यै

बन्धुरूपायै	भिक्षादानकृतोद्यमायै
भुवनपूजितायै (४३०)	भिक्षुरूपायै
भवघ्न्यै	भक्तिकर्त्रे
भक्तिलभ्यायै	भक्तलक्ष्मीप्रदायिन्यै
भक्तरक्षणतत्परायै	भ्रान्तिघ्नायै (४६०)
भक्तार्तिशमन्यै	भ्रान्तिरूपायै
भाग्यायै	भूतिदायै
भोगदानकृतोद्यमायै	भूतिकारिण्यै
भुगङ्गभूषणायै	भिक्षणीयायै
भीमायै	भिक्षुमात्रे
भीमाक्ष्यै	भाग्यवद्दृष्टिगोचरायै
भीमरूपिण्यै (४४०)	भोगवत्यै
भाविन्यै	भोगरूपायै
भ्रातृरूपायै	भोगमोक्षफलप्रदायै
भारत्यै	भोगश्रान्तायै (४७०)
भवनायिकायै	भाग्यवत्यै
भाषायै	भक्ताघौघविनाशिन्यै
भाषावत्यै	ब्राह्म्यै
भीष्मायै	ब्रह्मस्वरूपायै
भैरव्यै	बृहत्यै
भैरवप्रियायै	ब्रह्मवल्लभायै
भूत्यै (४५०)	ब्रह्मदायै
भासितसर्वाङ्ग्यै	ब्रह्ममात्रे
भूतिदायै	ब्रह्माण्यै
भूतिनायिकायै	ब्रह्मदायिन्यै (४८०)
भास्वत्यै	ब्रह्मेश्यै
भगमालायै	ब्रह्मसंस्तुत्यायै

ब्रह्मवेद्यायै	बहुरूपायै
बुधप्रियायै	बलवत्यै (५१०)
बालेन्दुशेखरायै	ब्रह्मजायै
बालायै	ब्रह्मचारिण्यै
बलिपूजाकरप्रियायै	ब्रह्मस्तुत्यायै
बलदायै	ब्रह्मविद्यायै
बिन्दुरूपायै	ब्रह्माण्डाधिपवल्लभायै
बालसूर्यसमप्रभायै (४९०)	ब्रह्मेशविष्णुरूपायै
ब्रह्मरूपायै	ब्रह्मविष्ण्वीशसंस्थितायै
ब्रह्ममय्यै	बुद्धिरूपायै
ब्रध्मण्डलमध्यगायै	बुधेशान्यै
ब्रह्माण्यै	बन्ध्यै (५२०)
बुद्धिदायै	बन्धविमोचन्यै
बुद्धयै	अक्षमालायै
बुद्धिरूपायै	अक्षराकारायै
बुधेश्वर्यै	अक्षरायै
बन्धक्षयकर्यै	अक्षरफलप्रदायै
बाधानाशिन्यै (५००)	अनन्तायै
बन्धुरूपिण्यै	आनन्दसुखदायै
बिन्द्वालयायै	अनन्तचन्द्रनिभाननायै
बिन्दुभूषायै	अनन्तमहिमायै
बिन्दुनादसमन्वितायै	अघोरायै ५३०
बीजरूपायै	अनन्तगम्भीरसम्मितायै
बीजमात्रे	अदृष्टायै
ब्रह्मण्यायै	अदृष्टदायै
ब्रह्मकारिण्यै	अनन्तायै

अदृष्टभाग्यफलप्रदायै	अम्बरस्थायै
अरुन्धत्यै	अम्बरमयायै
अव्ययीनाथायै	अम्बरमालायै
अनेकसद्गुणसंयुतायै	अम्बुजेक्षणायै
अनेकभूषणायै	अम्बिकायै
अदृश्यायै ५४०	अब्जकरायै
अनेकलेखनिषेवितायै	अब्जस्थायै
अनन्तायै	अंशुमत्यै
अनन्तसुखदायै	अंशुशतान्वितायै ५७०
अघोरायै	अम्बुजायै
अघोरस्वरूपिण्यै	अनवरायै
अशेषदेवतारूपायै	अखण्डायै
अमृतरूपायै	अम्बुजासनमहाप्रियायै
अमृतेश्वर्यै	अजरामरसंसेव्यायै
अनवद्यायै	अजरसेवितपद्युगायै
अनेकहस्तायै ५५०	अतुलार्थप्रदायै
अनेकमाणिक्यभूषणायै	अर्थैक्यायै
अनेकविघ्नसंहर्त्र्यै	अत्युदारायै
अनेकाभरणान्वितायै	अभयान्वितायै ५८०
अविद्यायै	अनाथवत्सलायै
अज्ञानसंहर्त्र्यै	अनन्तप्रियायै
अविद्याजालनाशिन्यै	अनन्तेप्सितप्रदायै
अभिरूपायै	अम्बुजाक्ष्यै
अनवद्याङ्गायै	अम्बुरूपायै
अप्रतर्क्यगतिप्रदायै	अम्बुजातोद्भवमहाप्रियायै
अकलङ्कारूपिण्यै ५६०	अखण्डायै
अनुग्रहपरायणायै	अमरस्तुत्यायै

अमरनायकपूजितायै	अक्षयसारस्वतप्रदायै
अजेयायै ५९०	जयायै
अजसङ्काशायै	जयन्त्यै
अज्ञाननाशिन्यै	जयदायै
अभीष्टदायै	जन्मकर्मविवर्जितायै ६२०
अक्तायै	जगत्प्रियायै
अघनेनायै	जगन्मात्रे
अस्त्रेशयै	जगदीश्वरवल्लभायै
अलक्ष्मीनाशिन्यै	जात्यै
अनन्तसारायै	जयायै
अनन्तश्रियै	जितामित्रायै
अनन्तविधिपूजितायै ६००	जप्यायै
अभीष्टायै	जपनकारिण्यै
अमर्त्यसम्पूज्यायै	जीवन्यै
अस्तोदयविवर्जितायै	जीवनिलयायै ६३०
आस्तिकस्वान्तनिलयायै	जीवाख्यायै
अस्त्ररूपायै	जीवधारिण्यै
अस्त्रवत्यै	जाह्नव्यै
अस्खलत्यै	ज्यायै
अस्खलदरूपायै	जपवत्यै
अस्खलद्विधाप्रदायिन्यै	जातिरूपायै
अस्खलत्सिद्धिदायै ६१०	जयप्रदायै
आनन्दायै	जनार्दनप्रियकर्यै
अम्बुजायै	जोषणीयायै
अमरनायिकायै	जगत्स्थितायै ६४०
अमेयायै	जगज्ज्येष्ठायै
अशेषपापघ्न्यै	जगन्मायायै

जीवनत्राणकारिण्यै	जाड्यध्वंसकर्त्र्यै ६७०
जीवातुलतिकायै	जयैश्वर्यै
जीवजन्म्यै	जगद्धीजायै
जन्मनिबर्हण्यै	जयावासायै
जाड्यविध्वंसनकर्त्र्यै	जन्मभुवे
जगद्योनयै	जन्मनाशिन्यै
जयात्मिकायै	जन्मान्तरहितायै
जगदानन्दजनन्यै ६५०	जैत्र्यै
जम्ब्वै	जगद्योनयै
जलजेक्षणायै	जपात्मिकायै
जयन्त्यै	जयलक्षणसम्पूणायै ६८०
जङ्गपूगघ्न्यै	जयदानकृतोद्यमायै
जनितज्ञानविग्रहायै	जंभारात्यादिसंस्तुत्यायै
जटायै	जंभारिफलदायिन्यै
जटावत्यै	जगत्त्रयहितायै
जप्यायै	ज्येष्ठायै
जपकर्तृप्रियङ्कर्यै	जगत्त्रयवशङ्कर्यै
जपकृत्पापसंहर्त्र्यै ६६०	जगत्त्रयाम्बायै
जपकृत्फलदायिन्यै	जगत्यै
जपापुष्पसमप्रख्यायै	ज्वालायै
जपाकुसुमधारिण्यै	ज्वालितलोचनायै ६९०
जनन्यै	ज्वालिन्यै
जन्मरहितायै	ज्वलनाभासायै
ज्योतिर्वृत्त्यभिदायिन्यै	ज्वलन्त्यै
जटाजूटनचन्द्रार्धायै	ज्वलनात्मिकायै
जगत्सृष्टिकर्त्र्यै	जितारातिसुरस्तुत्यायै
जगत्त्राणकर्त्र्यै	जितक्रोधायै

जितेन्द्रियायै
 जरामरणशून्यायै
 जनित्र्यै
 जन्मनाशिन्यै ७००
 जलजाभायै
 जलमय्यै
 जलजासनवल्लभायै
 जलजस्थायै
 जपाराध्यायै
 जनमङ्गलकारिण्यै
 कामिन्यै
 कामरूपायै
 काम्यायै
 कामप्रदायिन्यै ७१०
 कमौल्यै
 कामदायै
 कत्र्यै
 क्रतुकर्मफलप्रदायै
 कृतघ्नघ्न्यै
 क्रियारूपायै
 कार्यकारणरूपिण्यै
 कञ्जाक्ष्यै
 करुणारूपायै
 केवलामरसेवितायै ७२०
 कल्याणकारिण्यै
 कान्तायै
 कान्तिदायै

कान्तिरूपिण्यै
 कमलायै
 कमलावासायै
 कमलोत्पलमालिन्यै
 कुमुद्वत्यै
 कल्याण्यै
 कान्त्यै ७३०
 कामेशवल्लभायै
 कामेश्वर्यै
 कमलिन्यै
 कामदायै
 कामबन्धिन्यै
 कामधेन्वे
 काञ्चनाक्ष्यै
 काञ्चनाभायै
 कलानिधये
 क्रियायै ७४०
 कीर्तिकर्यै
 कीर्त्यै
 क्रतुश्रेष्ठायै
 कृतेश्वर्यै
 क्रतुसर्वक्रियास्तुत्यायै
 क्रतुकृत्प्रियकारिण्यै
 क्लेशनाशकर्यै
 कत्र्यै
 कर्मदायै
 कर्मबन्धिन्यै ७५०

कर्मबन्धहर्यै	करपद्मायै
कृष्टायै	कराभीष्टप्रदायै
कृमघ्नयै	क्रतुफलप्रदायै ७८०
कञ्जलोचनायै	कौशिक्यै
कन्दर्पजनन्यै	कोशदायै
कान्तायै	काव्यायै
करुणायै	कर्त्र्यै
करुणावत्यै	कोशेश्वर्यै
क्लींकारिण्यै	कृशायै
कृपाकारायै ७६०	कूर्मयानायै
कृपासिन्धवे	कल्पलतायै
कृपावत्यै	कालकूटविनाशिन्यै
करुणाद्रायै	कल्पोद्यानवत्यै ७९०
कीर्तिकर्यै	कल्पवनस्थायै
कल्मषघ्नयै	कल्पकारिण्यै
क्रियाकर्यै	कदम्बकुसुमाभासायै
क्रियाशक्त्यै	कदम्बकुसुमप्रियायै
कामरूपायै	कदम्बोद्यानमध्यस्थायै
कमलोत्पलगन्धिन्यै	कीर्तिदायै
कलायै ७७०	कीर्तिभूषणायै
कलावत्यै	कुलमात्रे
कूर्म्यै	कुलावासायै
कूटस्थायै	कुलाचारप्रियङ्कर्यै ८००
कंजसंस्थितायै	कुलानाथायै
कालिकायै	कामकलायै
कल्मषघ्न्यै	कलानाथायै
कमनीयजटान्वितायै	कलेश्वर्यै

कुन्दमन्दारपुष्पाभायै	त्रयीरूपायै
कपर्दस्थितचन्द्रिकायै	त्रयीवेद्यायै
कवित्वदायै	त्रयीश्वर्यै
काव्यमात्रे	त्रय्यन्तवेदिन्यै
कविमात्रे	ताम्रायै
कलाप्रदायै ८१०	तापत्रितयहारिण्यै
तरुण्यै	तमालसदृश्यै
तरुणीतातायै	त्रातायै
ताराधिपसमाननायै	तरुणादित्यसन्निभायै ८४०
तृप्तये	त्रैलोक्यव्यापिन्यै
तृप्तिप्रदायै	तृप्तायै
तर्क्यायै	तृप्तिकृते
तपन्यै	तत्त्वरूपिण्यै
तापिन्ये	तुर्गायै
तर्पण्यै	त्रैलोक्यसंस्तुत्यायै
तीर्थरूपायै ८२०	त्रिगुणायै
त्रिदशायै	त्रिगुणेश्वर्यै
त्रिदशेश्वर्यै	त्रिपुरघ्न्यै
त्रिदिवेश्यै	त्रिमात्रे ८५०
त्रिजनन्यै	ज्यंबकायै
त्रिमात्रे	त्रिगुणान्वितायै
त्र्यम्बकेश्वर्यै	तृष्णाच्छेदकर्यै
त्रिपुरायै	तृप्तायै
त्रिपुरेशान्यै	तीक्ष्णायै
त्र्यम्बकायै	तीक्ष्णस्वरूपिण्यै
त्रिपुराम्बिकायै ८३०	तुलायै
त्रिपुरश्रियै	तुलादिरहितायै

तत्तद्ब्रह्मस्वरूपिण्यै
 त्राणकत्र्यै ८६०
 त्रिपापघ्न्यै
 त्रिपदायै
 त्रिदशान्वितायै
 तथ्यायै
 त्रिशक्त्यै
 त्रिपदायै
 तुर्यायै
 त्रैलोक्यसुन्दर्यै
 तेजस्कत्र्यै
 त्रिमूर्त्याद्यायै ८७०
 तेजोरूपायै
 त्रिधा मतायै
 त्रिचक्रकत्र्यै
 त्रिभगायै
 तुर्यातीतफलप्रदायै
 तेजस्विन्यै
 तापहर्यै
 तापोपप्लवनाशिन्यै
 तेजोगर्भायै
 तपस्सारायै ८८०
 त्रिपुरारिप्रियङ्गुयै
 तन्व्यै
 तापससंतुष्टायै
 तपनाङ्गजभीतिनुदे
 त्रिलोचनायै

त्रिमागायै
 तृतीयायै
 त्रिदशस्तुतायै
 त्रिसुन्दर्यै
 त्रिपथगायै ८९०
 तुरीयपददायिन्यै
 शुभायै
 शुभावत्यै
 शान्तायै
 शान्तिदायै
 शुभदायिन्यै
 शीतलायै
 शूलिन्यै
 शीतायै
 श्रीमत्यै ९००
 शुभान्वितायै
 योगसिद्धिप्रदायै
 योग्यायै
 यज्ञेन परिपूरितायै
 यज्यायै
 यज्ञमय्यै
 यक्ष्यै
 यक्षिण्यै
 यक्षिवल्लभायै
 यज्ञप्रियायै ९१०
 यज्ञपूज्यायै
 यज्ञतुष्टायै

यमस्तुतायै
 यामिनीयप्रभायै
 याम्यायै
 यजनीयायै
 यशस्कयै
 यज्ञकर्त्र्यै
 यज्ञरूपायै
 यशोदायै ९२०
 यज्ञसंस्तुतायै
 यज्ञेश्यै
 यज्ञफलदायै
 योगयोनयै
 यजुस्तुतायै
 यमिसेव्यायै
 यमाराध्यायै
 यमिपूज्यायै
 यमीश्वर्यै
 योगिन्यै ९३०
 योगरूपायै
 योगकर्तृप्रियङ्ग्यै
 योगयुक्तायै
 योगमय्यै
 योगयीगीश्वराम्बिकायै
 योगज्ञानमय्यै
 योनये
 यमाद्यष्टाङ्गयोगदायै
 यन्त्रिताघौघसंहारायै

यमलोकनिवारिण्यै ९४०
 यष्टिव्यष्टीशसंस्तुत्यायै
 यमाद्यष्टाङ्गयोगयुजे
 योगीश्वर्यै
 योगमात्रे
 योगसिद्धायै
 योगदायै
 योगारूढायै
 योगमय्यै
 योगरूपायै
 यवीयस्यै ९५०
 यन्त्ररूपायै
 यन्त्रस्थायै
 यन्त्रपूज्यायै
 यन्त्रितायै
 युगकर्त्र्यै
 युगमय्यै
 युगधर्मविवर्जितायै
 यमुनायै
 यमिन्यै
 याम्यायै ९६०
 यमुनाजलमध्यगायै
 यातायातप्रशमन्यै
 यातनानां निकृन्तन्यै
 योगावासायै
 योगिवन्द्यायै
 यत्तच्छब्दस्वरूपिण्यै

योगक्षेममय्यै	यज्ञतुष्टायै
यन्त्रायै	यायजूकस्वरूपिण्यै
यावदक्षरमातृकायै	यन्त्राराध्यायै ९९०
यावत्पदमय्यै ९७०	यन्त्रमध्यायै
यावच्छब्दरूपायै	यन्त्रकर्तृप्रियङ्कर्यै
यथेश्वर्यै	यन्त्रारूढायै
यत्तदीयायै	यन्त्रपूज्यायै
यक्षवन्द्यायै	योगिध्यानपरायणायै
यद्विद्यायै	यजनीयायै
यतिसंस्तुतायै	यमस्तुत्यायै
यावद्विद्यामय्यै	योगयुक्तायै
यावद्विद्यावृन्दसुवन्दितायै	यशस्कर्यै
योगिहृत्पद्मनिलयायै	योगबद्धायै १०००
योगिवर्यप्रियङ्कर्यै ९८०	यतिस्तुत्यायै
योगिवन्द्यायै	योगज्ञायै
योगिमात्रे	योगनायक्यै
योगीशफलदायिन्यै	योगिज्ञानप्रदायै
यक्षवन्द्यायै	यक्ष्यै
यक्षपूज्यायै	यमबाधाविनाशिन्यै
यक्षराजसुपूजितायै	योगिकाम्यप्रदात्र्यै
यज्ञरूपायै	योगिमोक्षप्रदायिन्यै १००८

॥ श्री बालाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

ओं कल्याण्यै नमः

त्रिपुरायै

बालायै

मायायै

त्रिपुरसुन्दर्यै

सुन्दर्यै

सौभाग्यवत्यै

ह्रींकार्यै

सर्वमङ्गलायै

ह्रींकार्यै (१०)

स्कन्दजनन्यै

परायै

पञ्चदशाक्षर्यै

त्रिलोक्यै

मोहनायै

अधीशायै

सर्वेश्वर्यै

सर्वरूपिण्यै

सर्वसंक्षोभिण्यै

पूर्णायै (२०)

नवमुद्रेष्वर्यै

शिवायै

अनङ्गकुसुमायै

ख्यातायै

अनङ्गभुवनेश्वर्यै

जप्यायै

स्तव्यायै

श्रुत्यै

नित्यायै

नित्यक्लिन्नायै (३०)

अमृतोद्भव्यायै

मोहिन्यै

परमायै

आनन्दायै

कामेश्वर्यै

तरुण्यै

कलायै

कलावत्यै

भगवत्यै

पद्मरागकिरीटिन्यै (४०)

सौगन्धिन्यै

सरिद्वेण्यै

मन्त्रिण्यै

मन्त्ररूपिण्यै

तत्त्वत्रय्यै

तत्त्वमय्यै

सिद्धायै

त्रिपुरवासिन्यै

श्रियै

मत्यै (५०)

महादेव्यै

कालिन्यै

परदेवतायै	भूतमय्यै
कैवल्यरेखायै	पञ्चाशद्वर्णरूपिण्यै
वशिन्यै	षोढान्यासमहाभूषायै
सर्वेश्यै	कामाक्ष्यै
सर्वमातृकायै	दलमातृकायै
विष्णुस्वस्त्रे	आधारशक्त्यै
देवमात्रे	तरुण्यै
सर्वसम्पत्प्रदायिन्यै (६०)	लक्ष्म्यै
आधारायै	श्रीपुरभैरव्यै
हितपत्नीकायै	त्रिकोणमध्यनिलयायै (९०)
स्वाधिष्ठानसमाश्रयायै	षट्कोणपुरवासिन्यै
आज्ञायै	नवकोणपुरावासायै
पद्मासनासीनायै	बिन्दुस्थलसमन्वितायै
विशुद्धस्थलसंस्थितायै	अघोरायै
अष्टत्रिंशत्कलामूर्त्यै	मन्त्रितपदायै
सुषुम्नायै	भामिन्यै
चारुमध्यमायै	भवरूपिण्यै
योगीश्वर्यै (७०)	एतस्यै
मुनिध्येयायै	सङ्कर्षिण्यै
परब्रह्मस्वरूपिण्यै	धात्र्यै (१००)
चतुर्भुजायै	उमायै
चन्द्रचूडायै	कात्यायिन्यै
पुराण्यै	शिवायै
आगमरूपिण्यै	सुलभायै
ओंकारादये	दुर्लभायै
महाविद्यायै	शास्त्र्यै
महाप्रणवरूपिण्यै	महाशास्त्र्यै
भूतेश्वर्यै (८०)	शिखण्डिन्यै (१०८)

श्रीबालासहस्रनामावलि:

ओं सुभगायै नमः

सुन्दर्यै

सौम्यायै

सुषुम्नायै

सुखदायिन्यै

मनोज्ञायै

सुमनसे

रम्यायै

शोभनायै

ललितायै (१०)

शिवायै

कान्तायै

कान्तिमत्यै

कान्त्यै

कामदायै

कमलालयायै

कल्याण्यै

कमलायै

हृदायै

पेशलायै (२०)

हृदयङ्गमायै

सुभद्रारख्यायै

अतिरमण्यै

सर्वस्यै

साध्यै

सुमङ्गलायै

रामायै

भव्यवत्यै

भव्यायै

कमनीयायै (३०)

अतिकोमलायै

शोभायै

अभिरामायै

रमण्यै

रमणीयायै

रतिप्रियायै

मनोन्मन्यै

महामायायै

मातङ्ग्यै

मदिराप्रियायै (४०)

महालक्ष्म्यै

महाशक्त्यै

महाविद्यास्वरूपिण्यै

महेश्वर्यै

महानन्दायै

महानन्दविधायिन्यै

मानिन्यै

माधव्यै

माध्यै

मदरूपायै (५०)

मदोत्कटायै	नित्यायै
आनन्दकन्दायै	नित्यानित्यस्वरूपिण्यै
विजयायै	ह्रींकार्यै (८०)
विश्वेश्वर्यै	कुण्डल्यै
विश्वरूपिण्यै	धात्र्यै
सुप्रभायै	विधात्र्यै
कौमुद्यै	भूतसम्प्लवायै
शान्तायै	उन्मादिन्यै
बिन्दुनादस्वरूपिण्यै	महामाल्यै
कामेश्वर्यै (६०)	सुप्रसन्नायै
कामकलायै	सुरार्चितायै
कामिन्यै	परमायै
कामवर्धिन्यै	आनन्दनिष्पन्दायै (९०)
भेरुण्डायै	परमार्थस्वरूपिण्यै
चण्डिकायै	योगीश्वर्यै
चण्ड्यै	योगमात्रे
चामुण्ड्यै	हंसिन्यै
मुण्डमालिन्यै	कलहंसिन्यै
अणुरूपायै	कलायै
महारूपायै (७०)	कलावत्यै
भूतेश्वर्यै	रक्तायै
भुवनेश्वर्यै	सुषुम्नावर्त्मशालिन्यै
चित्रायै	बिन्ध्याद्रिनिलयायै (१००)
विचित्रायै	सूक्ष्मायै
चित्रांग्यै	हेमपद्मनिवासिन्यै
हेमगर्भस्वरूपिण्यै	बालायै
चैतन्यरूपिण्यै	सुरूपिण्यै

मायायै	मदालसायै
वरेण्यायै	मदात्मिकायै
वरदायिन्यै	मदावासायै
विद्रुमाभायै	मधुबिन्दुकृताधरायै
विशालाक्ष्यै	मूलभूतायै
विशिष्टायै (११०)	महामूलायै
विश्वनायिकायै	मूलाधारस्वरूपिण्यै
वीरेन्द्रवन्द्यायै	सिन्दूररक्तायै
विश्वात्मने	रक्ताक्ष्यै (१४०)
विश्वायै	त्रिनेत्रायै
विश्वादिवर्धिन्यै	त्रिगुणात्मिकायै
विश्वोत्पत्त्यै	वशिन्यै
विश्वमायायै	वाशिन्यै
विश्वाराध्यायै	वाण्यै
विकस्वरायै	वारुण्यै
मदस्विन्नायै (१२०)	वारुणीप्रियायै
मदोद्भिन्नायै	अरुणायै
मानिन्यै	तरुणार्काभायै
मानवर्धिन्यै	भामिन्यै (१५०)
मालिन्यै	बह्निवासिन्यै
मोदिन्यै	सिद्धायै
मान्यायै	सिद्धेश्वर्यै
मदहस्तायै	सिद्ध्यै
मदालयायै	सिद्धाम्बायै
मदनिष्यन्दिन्यै	सिद्धमातृकायै
मात्रे (१३०)	सिद्धार्थदायिन्यै
मदिराक्ष्यै	विद्यायै

सिद्धाढ्यायै	भगायै
सिद्धसम्मतायै (१६०)	भगनिपातिन्यै
वाग्भवायै	भगावहायै
वाक्प्रदायै	भगाराध्यायै
वन्द्यायै	भगाढ्यायै (१९०)
वाङ्मय्यै	भगवाहिन्यै
वादिन्यै	भगनिष्यंदिन्यै
परायै	भगायै
त्वरितायै	भगाभायै
सत्त्वरायै	भगगर्भिण्यै
तुर्यायै	भंगादये
त्वरयित्र्यै (१७०)	भगभोगादये
त्वरात्मिकायै	भगवेद्यायै
कमलायै	भगोद्भवायै
कमलावासायै	भगमात्रे (२००)
सकलायै	भगाभोगायै
सर्वमङ्गलायै	अभगवेद्यायै
भगोदर्यै	अभगोद्भवायै
भगक्लिन्नायै	भगमात्रे
भगिन्यै	भगाकारायै
भगमालिन्यै	भगगुह्यायै
भगप्रदायै (१८०)	भगेश्वर्यै
भगानन्दायै	भगदेहायै
भगेश्यै	अभगावासायै
भगनायिकायै	भगोद्भेदायै (२१०)
भगात्मिकायै	भगालसायै
भगावासायै	भगविद्यायै

भगक्लिन्नायै	विधात्र्यै (२४०)
भगलिङ्गायै	विविधायै
भगद्रवायै	विश्वधात्र्यै
सकलायै	विधाविधायै
निष्कलायै	सर्वाङ्गसुन्दर्यै
काल्यै	सौम्यायै
कराल्यै	लावण्यसरिदम्बुधये
कलभाषिण्यै (२२०)	चतुरांग्यै
कमलायै	चतुर्बाह्वे
हंसिन्यै	चतुरायै
कालायै	चारुहंसिन्यै (२५०)
करुणायै	मंत्रायै
करुणावत्यै	मन्त्रमय्यै
भास्वरायै	मात्रे
भैरव्यै	मणिपूरसमाश्रयायै
भासायै	मन्त्रात्मिकायै
भद्रकाल्यै	मन्त्रमात्रे
कुलांगनायै (२३०)	मन्त्रगम्यायै
रसात्मिकायै	सुमंत्रितायै
रसावासायै	पुष्पबाणायै
रसस्यन्दायै	पुष्पजैत्र्यै (२६०)
रसावहायै	पुष्पिण्यै
कामनिष्यंदिन्यै	पुष्पवर्धिन्यै
काम्यायै	वज्रेश्वर्यै
कामिन्यै	वज्रहस्तायै
कामदायिन्यै	पुराण्यै
विद्यायै	पुरवासिन्यै

तारायै	नित्यायै
सुतरुण्यै	नियमायै
तारायै	निष्कलायै
तरुण्यै (२७०)	प्रभायै
ताररूपिण्यै	श्रीफलायै
इक्षुचापायै	श्रीप्रदायै
महापाशायै	शिष्यायै (३००)
शुभदायै	श्रीमय्यै
प्रियवादिन्यै	शिवरूपिण्यै
सर्वदायै	परायै
सर्वजनन्यै	कुण्डलिन्यै
सर्वार्थायै	कुब्जायै
सर्वपावन्यै	कुटिलायै
आत्मविद्यायै (२८०)	कुटिलालकायै
महाविद्यायै	महोदयायै
ब्रह्मविद्यायै	महारूपायै
विवस्वत्यै	महामायायै (३१०)
शिवायै	कलामय्यै
ईश्वर्यै	वशिन्यै
शिवाराध्यायै	सर्वजनन्यै
शिवनाथायै	चित्रवासायै
शिवात्मिकायै	विचित्रकायै
आत्मिकायै	सूर्यमण्डलमध्यस्थायै
ज्ञाननिलयायै (२९०)	स्थिरायै
निर्भेदायै	शंकरबल्लभायै
निर्वृतिप्रदायै	सुरभ्यै
निर्वाणरूपिण्यै	सुमनस्सूर्यायै (३२०)

सुषुम्नायै	परापरायै
सोमभूषणायै	श्रीमत्यै
सुधाप्रदायै	श्रीकर्यै (३५०)
सुधाधारायै	व्योम्न्यै
सुश्रियै	शिवयोन्यै
सम्पत्तिरूपिण्यै	शिवेक्षणायै
अमृतायै	निरानन्दायै
सत्यसंकल्पायै	निराख्येयायै
सत्यायै	निर्द्ध्वज्यै
षड्ग्रन्थिभेदिन्यै (३३०)	निर्गुणात्मिकायै
इच्छाशक्त्यै	बृहत्यै
महाशक्त्यै	ब्राह्मण्यै
क्रियाशक्त्यै	ब्राह्म्यै (३६०)
प्रियंकर्यै	ब्रह्माण्यै
लीलायै	ब्रह्मरूपिण्यै
लीलालयायै	धृत्यै
आनन्दायै	स्मृत्यै
सूक्ष्मबोधस्वरूपिण्यै	श्रुत्यै
सकलायै	मेधायै
रसनायै (३४०)	श्रद्धायै
सारायै	पुष्ट्यै
सारगम्यायै	स्तुत्यै
सरस्वत्यै	मत्यै ३७०
परायै	अद्वयानन्दसम्बोधायै
परायण्यै	वरायै
पद्मायै	सौभाग्यरूपिण्यै
परनिष्ठायै	निरामयायै

निराकारायै	विनायकायै
जृम्भिण्यै	ध्यायिन्यै
स्तम्भिण्यै	नादिन्यै
रत्यै	तीर्थायै
बोधिकायै	शांक्यै
कमलायै (३८०)	मन्त्रसाक्षिण्यै
रौद्र्यै	सन्मन्त्ररूपिण्यै
द्राविण्यै	हृष्टायै
क्षोभिण्यै	शांक्यै (४१०)
मत्यै	सुरशंक्यै
कुचेल्यै	सुन्दराङ्ग्यै
कुचमध्यस्थायै	सुरावासायै
मध्यकूटगत्यै	सुरवन्द्यायै
प्रियायै	सुरेश्वर्यै
कुलोत्तीणायै	सुवर्णवर्णायै
कुलवत्यै (३९०)	सत्कीर्त्यै
बोधायै	सुवर्णायै
वाग्वादिन्यै	वर्णरूपिण्यै
सत्यै	ललिताङ्ग्यै (४२०)
उमायै	वरिष्ठायै
प्रियव्रतायै	श्रियै
लक्ष्म्यै	अस्पन्दायै
वकुलायै	स्पन्दरूपिण्यै
कुलरूपिण्यै	शांभव्यै
विश्वात्मिकायै	सच्चिदानन्दायै
विश्वयोन्यै (४००)	सच्चिदानन्दरूपिण्यै
विश्वासक्तायै	जयिन्यै

विश्वजनन्यै	हृत्पद्मनिलयायै
विश्वनिष्ठायै (४३०)	शूरायै
विलासिन्यै	स्वरावृत्तयै
भूमध्यायै	स्वरात्मिकायै
अखिलनिष्पाद्यायै	सूक्ष्मरूपायै (४६०)
निर्गुणायै	परानन्दायै
गुणवर्धिन्यै	स्वात्मस्थायै
हृल्लेखायै	विश्वदायै
भुवनायै	शिवायै
ईशान्यै	परिपूर्णायै
भुवनायै	दयापूर्णायै
भुवनात्मिकायै (४४०)	मदघूर्णितलोचनायै
विभूत्यै	शरण्यायै
भूतिदायै	तरुणार्काभायै
भूत्यै	मधुरक्तायै (४७०)
सम्भूत्यै	मनस्विन्यै
भूतिकारिण्यै	अनन्तायै
ईशान्यै	अनन्तमहिमायै
शाश्वत्यै	नित्यतृप्तायै
शैव्यै	निरञ्जन्यै
शर्वाण्यै	अचिन्त्यायै
शर्मदायिन्यै (४५०)	शक्तिचिन्त्यायै
भवान्यै	चिन्त्यायै
भावगायै	चिन्त्यस्वरूपिण्यै
भावायै	जगन्मय्यै (४८०)
भावनायै	जगन्मात्रे
भावनात्मिकायै	जगत्सारायै

जगद्भवायै	माङ्गल्यदायिन्यै (५१०)
आप्यायिन्यै	मान्यायै
परानन्दायै	सर्वमङ्गलदायिन्यै
कूटस्थायै	स्वप्रकाशायै
आवासरूपिण्यै	महाभासायै
ज्ञानगम्यायै	भामिन्यै
ज्ञानमूर्त्यै	भवरूपिण्यै
ज्ञापिन्यै (४९०)	कात्यायिन्यै
ज्ञानरूपिण्यै	कलावासायै
खेचर्यै	पूर्णकामायै
खेचरीमुद्रायै	यशस्विन्यै (५२०)
खेचरीयोगरूपिण्यै	अर्धावसाननिलयायै
अनाथनाथायै	नारायणमनोहरायै
निर्नाथायै	मोक्षमार्गविधानज्ञायै
घोरायै	विरिंचोत्पत्तिभूमिकायै
अघोरस्वरूपिण्यै	अनुत्तरायै
सुधाप्रदायै	महाराध्यायै
सुधाधारायै (५००)	दुष्प्रापायै
सुधारूपायै	दुरतिक्रमायै
सुधामय्यै	शुद्धिदायै
दहरायै	कामदायै (५३०)
दहराकाशायै	सौम्यायै
दहराकाशमध्यगायै	ज्ञानदायै
माङ्गल्यायै	मानदायिन्यै
मङ्गलायै	स्वधायै
दिव्यायै	स्वाहायै
महामाङ्गल्यदेवतायै	सुधायै

मेधायै	ईशवन्दितायै
मधुरायै	विश्ववेद्यायै
मधुमन्दिरायै	महावीरायै
निर्वाणदायिन्यै (५४०)	विश्वघ्न्यै
श्रेष्ठायै	विश्वरूपिण्यै
शर्मिष्ठायै	कुशलायै
शारदार्वितायै	आढ्यायै (५७०)
सुवर्चलायै	शीलवत्यै
सुराराध्यायै	शैलस्थायै
शुद्धसत्त्वायै	शैलरूपिण्यै
सुरार्चितायै	रुद्राण्यै
स्तुत्यै	चण्ड्यै
स्तुतिमय्यै	खट्वाङ्ग्यै
स्तुत्यायै (५५०)	डाकिन्यै
स्तुतिरूपायै	साकिन्यै
स्तुतिप्रियायै	प्रभायै
कामेश्वर्यै	नित्यायै (५८०)
कामवत्यै	निर्वेदखट्वाङ्ग्यै
कामिन्यै	जनन्यै
कामरूपिण्यै	जनरूपिण्यै
आकाशगर्भायै	तलोदर्यै
ह्रींकार्यै	जगत्सूत्र्यै
कङ्काल्यै	जगत्यै
कालरूपिण्यै (५६०)	ज्वलिन्यै
विष्णुपत्न्यै	ज्वल्यै
विशुद्धार्थायै	साकिन्यै
विश्वरूपायै	सारसंह्यायै (५९०)

सर्वोत्तीर्णायै	सरसिकायै
सदाशिवायै	विश्वस्थायै
स्फुरन्त्यै	अतिविचक्षणायै (६२०)
स्फुरिताकारायै	ब्रह्मयोन्यै
स्फूर्त्यै	महायोन्यै
स्फुरणरूपिण्यै	कर्मयोन्यै
शिवदूत्यै	त्रयीतनवे
शिवायै	हाकिन्यै
शिष्टायै	हारिण्यै
शिवज्ञायै (६००)	सौम्यायै
शिवरूपिण्यै	रोहिण्यै
रागिण्यै	रोगनाशिन्यै
रञ्जन्यै	श्रीप्रदायै (६३०)
रम्यायै	श्रिये
रजन्यै	श्रीधरायै
रजनीकरायै	श्रीकरायै
विश्वम्भरायै	श्रीमत्यै
विनीतायै	प्रियायै
इष्टायै	श्रीमत्यै
विधात्र्यै (६१०)	श्रीकर्यै
विधिवल्लभायै	श्रेयसे
विद्योतिन्यै	श्रेयस्यै
विचित्रायै	सुरेश्वर्यै (६४०)
अर्थायै	कामेश्वर्यै
विश्वाद्यायै	कामवत्यै
विविधाभिधायै	कामगिर्यालयस्थितायै
विश्वाक्षरायै	रुद्रात्मिकायै

रुद्रमात्रे
 रुद्रगम्यायै
 रजस्वलायै
 अकारषोडशान्तस्थायै
 भैरव्यै
 ह्लादिन्यै (६५०)
 परायै
 कृपादेहायै
 अरुणायै
 नाथायै
 सुधाबिन्दुसमन्वितायै
 काल्यै
 कामकलायै
 कन्यायै
 पार्वत्यै
 पररूपिण्यै (६६०)
 मायावत्यै
 घोरमुख्यै
 नादिन्यै
 दीपिन्यै
 शिवायै
 मकारायै
 अमृतचक्रेश्यै
 महासेनाविमोहिन्यै
 उत्सुकायै
 अनुत्सुकायै (६७०)
 हृष्टायै

ह्रींकार्यै
 चक्रनायिकायै
 रुद्रायै
 भवान्यै
 चामुण्डायै
 ह्रींकार्यै
 सौख्यदायिन्यै
 गरुडायै
 गरुड्यै (६८०)
 कृष्णायै
 सकलायै
 ब्रह्मचारिण्यै
 कृष्णाङ्गायै
 वाहिन्यै
 कृष्णायै
 खेचर्यै
 कमलायै
 प्रियायै
 भद्रिण्यै (६९०)
 रुद्रचामुण्डायै
 ह्रींकार्यै
 सौभगायै
 ध्रुवायै
 गोरुड्यै
 गारुड्यै
 ज्येष्ठायै
 स्वर्गगायै

ब्रह्मचारिण्यै	परायै
पानानुरक्तायै (७००)	घोरायै
पानस्थायै	करालाक्ष्यै
भीमरूपायै	स्वमूर्त्यै
भयापहायै	मेरुनायिकायै (७३०)
रक्तायै	अकाशलिङ्गसंभूतायै
चण्डायै	परामृतरसात्मिकायै
सुरानन्दायै	शाङ्कर्यै
त्रिकोणायै	शाश्वत्यै
पानदर्पितायै	रुद्रायै
महोत्सुकायै	कपालकुलदीपिकायै
क्रतुप्रीतायै (७१०)	विद्यातनवे
कङ्काल्यै	मन्त्रतनवे
कालदर्पितायै	चण्डायै
सर्ववर्णायै	मुण्डायै (७४०)
सुवर्णाभायै	सुदर्पितायै
परामृतामहार्णवायै	वागीश्वर्यै
योग्यायै	योगमुद्रायै
अर्णवायै	त्रिखण्ड्यै
नागबुद्ध्यै	सिद्धमण्डितायै
वीरपानायै	शृङ्गारपीठनिलयायै
नवात्मिकायै (७२०)	काल्यै
द्वादशान्तसरोजस्थायै	मातङ्गकन्यकायै
निर्वाणसुखदायिन्यै	संवर्तमण्डलान्तस्थायै
आदिसत्त्वायै	भुवनोद्यानवासिन्यै (७५०)
ध्यानसत्त्वायै	पादुकाक्रमसंतृप्तायै
श्रीकण्ठस्वान्तमोहिन्यै	भैरवस्थायै

अपराजितायै	बिन्दुकारिण्यै (७८०)
निर्वाणसौरभायै	चर्चितायै
दुर्गायै	चर्चितपदायै
महिषासुरमर्दिन्यै	चारुखट्वाङ्गधारिण्यै
भ्रमराम्बायै	अघोरायै
शिखरिकायै	मन्त्रितपदायै
ब्रह्मविष्ण्वीशतर्पितायै	भामिन्यै
उन्मत्तहेलायै (७६०)	भवरूपिण्यै
रसिकायै	उषायै
योगिन्यै	सङ्कर्षिण्यै
योगदर्पितायै	धात्र्यै (७९०)
सन्तानायै	उमायै
आनन्दिन्यै	कात्यायन्यै
बीजचक्रायै	शिवायै
परमकारुण्यै	सुलभायै
खेचर्यै	दुर्लभायै
नायिकायै	शास्त्र्यै
योग्यायै (७७०)	महाशास्त्र्यै
परिवृत्तायै	शिखण्डिन्यै
अतिमोहिन्यै	योगलक्ष्म्यै
शाकम्भर्यै	भोगलक्ष्म्यै (८००)
सम्भवित्र्यै	राज्यलक्ष्म्यै
सदानन्दायै	कपालिन्यै
मदार्पितायै	देवयोन्यै
क्षेमंकर्यै	भगवत्यै
सुमाश्वासायै	धन्विन्यै
स्वर्गदायै	नादिन्यै

ईश्वर्यै	उग्रात्मिकायै
मन्त्रात्मिकायै	पद्मवत्यै
महाधात्र्यै	धूर्जट्यै
बलिन्यै (८१०)	चक्रधारिण्यै
केतुरूपिण्यै	देव्यै
सदानन्दायै	तत्पुरुषायै
सदाभद्रायै	शिक्षायै (८४०)
फलगुन्यै	साध्यै
रक्तवर्षिण्यै	स्त्रीरूपधारिण्यै
मन्दारमन्दिरायै	दक्षायै
तीव्रायै	दाक्षायण्यै
ग्राहिकायै	दीक्षायै
सर्वभक्षिण्यै	मदनायै
अग्निजिह्वायै (८२०)	मदनातुरायै
महाजिह्वायै	धिष्ण्यायै
शूलिन्यै	हिरण्यायै
शुद्धिदायै	सरण्यै (८५०)
परायै	धरित्र्यै
सुवर्णिकायै	धररूपिण्यै
कालदूत्यै	वसुधायै
देव्यै	वसुधाच्छायायै
कालस्वरूपिण्यै	वसुधामायै
शङ्खिन्यै	सुधामय्यै
नयन्यै (८३०)	शृङ्गिण्यै
गुर्व्यै	भीषणायै
वाराह्यै	सान्द्र्यै
हुंफडात्मिकायै	प्रेतस्थानायै (८६०)

मतङ्गिन्यै	शब्दायै
खण्डिन्यै	शर्वाण्यै
योगिन्यै	शर्मदायिन्यै (८९०)
तुष्ट्यै	एकाकिन्यै
नादिन्यै	सिन्धुकन्यायै
भेदिन्यै	काव्यसूत्रस्वरूपिण्यै
नट्यै	अव्यक्तरूपिण्यै
खट्वाङ्गिन्यै	व्यक्तायै
कालरात्र्यै	योगिन्यै
मेघमालायै (८८०)	पीठरूपिण्यै
धरात्मिकायै	निर्मदायै
भापीठस्थायै	धामदायै
भवद्रूपायै	आदित्यायै (९००)
महाश्रियै	नित्यायै
धूम्रलोचनायै	सेव्यायै
सावित्र्यै	अक्षरात्मिकायै
सत्कृत्यै	तपिन्यै
कर्त्र्यै	तापिन्यै
उमायै	दीक्षायै
मायायै (८८०)	शोधिन्यै
महोदयायै	शिवदायिन्यै
गन्धर्व्यै	स्वस्ति
सुगुणाकारायै	स्वस्तिमत्यै (९१०)
सद्गुणायै	बालायै
गणपूजितायै	कपिलायै
निर्मलायै	विस्फुलिङ्गिन्यै
गिरिजायै	अर्चिष्मत्यै

द्युतिमत्यै	त्रिदशेश्वर्यै
कौलिन्यै	त्रिकोणसंस्थायै
कव्यवाहिन्यै	त्रिविधायै
जनाश्रितायै	त्रिस्वरायै
विष्णुविद्यायै	त्रिपुरांबिकायै
मानस्यै (९२०)	त्रिविधायै
विन्ध्यवासिन्यै	त्रिदिवेशान्यै
विद्याधर्यै	त्रिस्थायै
लोकधात्र्यै	त्रिपुरदाहिन्यै (९५०)
सर्वस्यै	जङ्घिन्यै
सारस्वरूपिण्यै	स्फोटिन्यै
पापघ्न्यै	स्फूर्त्यै
सर्वतोभद्रायै	स्तम्भिन्यै
त्रिस्थायै	शोषिण्यै
शक्तित्रयात्मिकायै	प्लुतायै
त्रिकोणनिलयायै (९३०)	ऐकाराख्यायै
त्रिस्थायै	वासुदेव्यै
त्रयीमात्रे	खण्डिन्यै
त्रयीपतये	चण्डदण्डिन्यै (९६०)
त्रयीविद्यायै	क्लींकार्यै
त्रयीसारायै	वत्सलायै
त्रयीरूपायै	हृष्टायै
त्रिपुष्करायै	सौःकार्यै
त्रिवर्णायै	मदहंसिकायै
त्रिपुरायै	वज्रिण्यै
त्रिश्रियै (९४०)	द्राविण्यै
त्रिमूर्तये	जैत्र्यै

श्रीमत्यै

गोमत्यै (९७०)

ध्रुवायै

परतेजोमय्यै

संविदे

पूर्णपीठनिवासिन्यै

त्रिधात्मने

त्रिदशाध्यक्षायै

त्रिघ्न्यै

त्रिपुरमालिन्यै

त्रिपुराश्रिये

त्रिजनन्यै (९८०)

त्रिभुवे

त्रैलोक्यसुन्दर्यै

कुमार्यै

कुण्डल्यै

धात्र्यै

बाल भक्तेष्टदायिन्यै

कलावत्यै

भगवत्यै

भक्तिदायै

भवनाशन्यै ९९०

सौगन्धिन्यै

सरिद्वेण्यै

पद्मरागकिरीटिन्यै

तत्त्वत्रय्यै

तत्त्वमय्यै

मन्त्रिण्यै

मन्त्ररूपिण्यै

सिद्धायै

श्री त्रिपुरवासायै

बालात्रिपुरसुन्दर्यै १०००

श्रीकामाक्षीपञ्चशतीनामावलि:

कामाक्ष्यै नमः

करुणामूर्त्यै

कल्याणगिरि-मन्दिरायै

चिदग्निजातायै

चिद्रूपायै

श्रितसंरक्षणोद्यतायै

बालार्ककोटिरुचिर-

वपुस्सन्नद्धयौवनायै

आघृष्टपद्मरागादमनिष्पन्न

मकुटोज्ज्वलायै

स्फुरच्चन्द्रकलाकृतचूडापीड

विराजितायै

सीमन्तरेखारचितसिन्दूर

श्रेणिमञ्जुलायै १०

स्फुरत्कस्तूरितिलककन्दल

नीलकुन्तलायै

कदम्बमञ्जरिलसत् कर्णपूर

मनोहरायै

भ्रूवल्लीस्मरकोदण्डसायकी

भूतलोचनायै

मार्ताण्डमण्डलाकाररत्न

कुण्डलमण्डितायै

विशङ्कटारालकेशकर्णिका

कोशनासिकायै

लसन्मुक्तामणिभ्राजद्नासा

भरणभासुरायै

कस्तूरीकृतसमकरिकादि

राजत्कपोलभुवे

लाक्षालक्ष्मीनिर्व्यपेक्षपाटलोष्ठ

पुटाश्रितायै

कुन्दकोरकसश्रीक दन्तपक्ति

विराजितायै

अतर्क्यौपम्यचुबुकायै २०

मुग्धस्मेरमुखाम्बुजायै

नितम्बलम्बमानत्रिवेणीचूलात्

छालिकायै

शिरीषकोमलभुजविभ्राजत्क

नकाङ्गदायै

लम्बवामकराम्भोजायै

दक्षहस्तलसच्छुकायै

नानामणीगणलसत्सुवर्ण

कृतकङ्कणायै

पाशाङ्कुशधनुर्बाणलसत्पाणि

तलोच्चलायै

रत्नाङ्गुलीयसंदोहरमणीय

कराङ्गुलये

लोलचिन्ताकपदकमुक्तावलि

लसद्गलायै

गन्धकस्तूरिकर्पूरकुङ्कुमा
लंकृतस्तनायै ३०
स्तनभूधरसन्नद्ध सोपान
त्रिवलीयुतायै
नवीनरोमलतिकाजित
कादम्बिनीद्युतये
अर्धोरुकग्रन्थिलसदूरत्न
काञ्चीगुणान्वितायै
सौन्दर्यपूरविलसदावर्तायित
नाभिकायै
जपाकुसुमसच्छायपट्टांशुक
परीवृतायै
जघनाभोगसुभगपृथुश्रोणी
भरालसायै
एकाम्रनायकोत्संगकाम्योरु
महिमोच्छ्रयायै
करीन्द्रकुम्भकठिनजानुद्वय
विराजितायै
स्मरकाण्डीरतूणीर
संप्रदायकजङ्घिकायै
स्फुरन्माणिक्यमञ्जीररञ्जितांग्रि
सरोरुहायै ४०
कमठीकर्परतटीकठोर
प्रपदान्वितायै
यावकश्रीनिर्व्यपेक्षपाद
लौहित्यबाहिन्यै

हरीन्द्रमुखकोटीरतटी
घटितपादुकायै
सौन्दर्यलहरीसीमसर्वावयव
पाटलायै
मरालीलालितगत्यै
रामणीयकशेवधये
सर्वशृङ्गारवेषाढ्यायै
सर्वावगुणवर्जितायै
मोहिताशेषजगत्यै
मोहिनीरूपधारिण्यै ५०
महामाय्यै
परस्यै शक्त्यै
मदिरारुणलोचनायै
संपत्करीमहासेनासमृद्धायै
संपदुन्नतायै
अनेककोटिदैत्येन्द्रगर्व
निर्वापणोल्लेखायै
चक्रराजरथारूढचक्रिणी
चक्रनायिकायै
मन्त्रिणीसेवितपदायै
मन्त्रतन्त्राधिदेवतायै
अश्वारूढासमाराध्यायै ६०
विश्वातीतायै
विरागिण्यै
बालासमेतायै
त्रिपुरायै

कालातीतायै	सान्द्रकरुणायै
कलावत्यै	सनकादिमुनिस्तुतायै
दण्डनाथसमासेव्यायै	महादेव्यै
भण्डासुरवधोद्यतायै	महेशान्यै
कामराजप्रियायै	महेश्वरपतिव्रतायै
कामसंजीवनमहौषधये ७०	लोपामुद्रागस्त्यनुतायै
ब्रह्मादिदेवताराध्यायै	लोभघ्न्यै
ब्रह्मविद्यायै	लोभवर्जितायै
बृहत्तनवे	पावन्यै १००
चापिन्यै	पशुपाशघ्न्यै
चन्दनालिप्तायै	पश्यन्त्यै
चन्द्रविद्यायै	परमेश्वर्यै
पराङ्मुखायै	कदम्बकलिकोत्तंसायै
मनुविद्यायै	कामेश्वर्यै
महारात्र्यै	कामपूजितायै
महाविद्यायै ८०	नन्दिविद्यायै
महीयस्यै	आनन्दमय्यै
सिंहासनेभ्यै	नीलस्निग्धाब्जलोचनायै
सिन्दूररुचये	कल्याण्यै ११०
सूर्याभिवन्दितायै	कामरहितायै
सुन्दर्यै	कामदायै
सुदत्यै	कामकोटिकायै
सुभ्रुवे	चराचरजगद्धात्र्यै
वन्दारुजनवत्सलायै	चन्द्रिकायै
समानाधिकशून्यार्घ्यायै	चन्द्रवर्तिन्यै
सकलार्थप्रदायिन्यै ९०	शिरीषसुकुमाराङ्ग्यै
सम्प्राप्त्यै	शितिकण्ठप्रियायै

शिवायै	निरहंकृत्यै
अनङ्गवल्लभायै १२०	निगमादष्टचरणायै
अनङ्गशास्त्रसिद्धान्तमञ्जर्यै	निराधारायै
कुबेरविद्यायै	निरीश्वर्यै
कुलजायै	नियन्त्र्यै
कुरुकुल्लायै	नियत्यै १५०
कुलेश्वर्यै	नित्यायै
कुलाङ्गनायै	निराशायै
त्रिकूटस्थायै	निरपायिन्यै
कुरङ्गाङ्गकलाधरायै	अखण्डानन्दभरितायै
दुर्वासःपूजितायै	खण्डत्रयपरिष्कृतायै
दुःखहन्त्र्यै १३०	काञ्चीक्षेत्रगतायै
दुर्मतिदूरगायै	कामपीठस्थायै
आम्नायनाथायै	कामपूजितायै
नाथेश्यै	महाश्मशाननिलयायै
सर्वाम्नायनिवासिन्यै	गायत्रीमण्डपेश्वर्यै १६०
सर्वारुणायै	कैलासनाथदयितायै
संगहीनायै	कम्पातीरविहारिण्यै
सावित्र्यै	अविच्छिन्नानन्दमूर्त्यै
सर्वतोमुख्यै	अप्रमेयायै
ब्रह्मगीतायै	अपराजितायै
ब्रह्ममय्यै १४०	अगम्यायै
ब्रह्मानन्दरसात्मिकायै	गगनाकारायै
निरामयायै	प्रकृतिप्रत्ययात्मिकायै
निरानन्दायै	अवेद्यायै
निर्द्वन्द्वायै	वेद्यविज्ञायै १७०

पञ्चकृत्यपरायणायै	त्रिकोणस्थायै
सृष्टिस्थितिक्षयतिरोधाना	त्रिमूर्तये
नुग्रहकारिण्यै	त्रिगुणास्पदायै
ब्रह्मगोविन्दादिपञ्चप्रेत	यज्ञरूपायै
मञ्चाधिवासिन्यै	यज्ञभोक्त्यै
तमोतीतायै	कार्याकार्यविचक्षणायै २००
तमोहन्त्र्यै	नामरूपादिरहितायै
तत्वातत्त्वविवेचिन्यै	वामदक्षाध्वपूजितायै
सर्वतत्त्वमय्यै	विश्वेश्वर्यै
सर्वभूतिदायै	विश्वबन्धायै
समयप्रियायै	विद्येश्यै
जिताखिलेन्द्रियग्राममानसा	वेदरूपिण्यै
म्बुजहंसिकायै १८०	आदिमध्यान्तरहितायै
सुरासुरगणाराध्यायै	सर्वशक्तिस्वरूपिण्यै
सदसद्रूपिण्यै	अतर्क्यमूर्तये
सत्यै	अजितायै २१०
चण्डिकायै	प्रधानायै
चारुबदनायै	अतर्क्यवैभवायै
खण्डितारातिमण्डलायै	चिदूर्मिमालायै
अगस्त्यविद्यासंसेव्यायै	सञ्चिन्त्यायै
नन्दिताशेषविष्टपायै	चिन्तितार्थप्रदायिन्यै
संविदे	चिन्तामणिगृहान्तस्थायै
सत्यमय्यै १९०	चित्रकर्मायै
सौम्यायै	चिरंतन्यै
दुर्निरीक्ष्यायै	मोहहन्त्र्यै
दुरत्ययायै	मोक्षदात्र्यै २२०
त्रिकालस्थायै	मुग्धचन्द्रावतंसिन्यै

मुद्रेशीन्यस्तराज्यश्रिये
 मूदुमुग्धस्मिताननायै
 क्रोडीकृताशेषघृणायै
 कोमलाङ्ग्यै
 कुटुम्बिन्यै
 षडङ्गदेवतासेव्यायै
 षडानननमस्कृतायै
 शिवाराध्यायै
 शिवमय्यै २३०
 शिवमायायै
 शिवाङ्कगायै
 षडूर्मिहन्त्र्यै
 तरुण्यै
 वन्द्यायै
 षट्चक्रनायिकायै
 माधव्यै
 माधवाराध्यायै
 माधवीकुमुमप्रियायै
 ब्रह्मविष्णवादिजनन्यै २४०
 बृहत्यै
 ब्रह्मवादिन्यै
 संगीतरसिकायै
 रामायै
 वीणागानविनोदिन्यै
 ज्योतिर्मय्यै
 जगद्वन्द्यायै

जयिनीजयदायिन्यै
 भक्तिनम्रजनाधीनायै
 भक्तानुग्रहकारिण्यै २५०
 जामदग्न्यार्चितायै
 धौम्यपूजितायै
 मूकसंनुतायै
 भक्तिगेयायै
 भक्तिगतायै
 भक्तक्लेशविनाशिन्यै
 भुक्तिमुक्तिकर्थै
 सिद्धविद्यायै
 सिद्धगणार्चितायै
 रागद्वेषादिरहितायै २६०
 रागिण्यै
 रागवर्धन्यै
 साम्राज्यदाननिरतायै
 रत्न्यै
 सुरतलम्पटायै
 राजराजेश्वर्यै
 धीरायै
 नासीरमुखभासुरायै
 क्षेत्रेश्वर्यै
 क्षेत्ररूपायै २७०
 क्षेत्रज्ञायै
 क्षयवर्जितायै
 क्षराक्षरमय्यै

रक्षायै	कान्तिधूतजपाच्छव्यै ३००
दक्षिणामूर्तिरूपिण्यै	हृदयाकाशतरण्यै
मदिरास्वादरसिकायै	ह्रींकार्यै
मतङ्गकुलनायिकायै	हृष्टमानसायै
मन्दारकुसुमापीडायै	हीमत्यै
मातङ्ग्यै	हृदयाकाशज्योत्स्नायै
मदहारिण्यै २८०	हार्दतमोपहायै
कल्पान्तसाक्षिण्यै	परापररहस्याख्यसर्वा
कामायै	नन्दमयेश्वर्यै
कल्पनाकल्पनक्षमायै	सर्वसिद्धिप्रदारूढाति
संकल्पनिर्मिताशेषभुवनायै	रहस्याधिदेवतायै
भुवनेश्वर्यै	रहस्ययोगिनीक्षेत्रसर्वरोग
भव्यायै	हराधिपायै
भवार्णवतर्यै	निगर्भयोगिन्यावाससर्व
भावारूढायै	रक्षाकरेश्वर्यै ३१०
भयापहायै	सर्वार्थसाधकभ्राजत्कुलोत्तीर्णा
रहस्ययोगिनीपूज्यायै २९०	भिवन्दितायै
रहोगम्यायै	सौभाग्यसत्संप्रदाययोगिनी
रमार्चितायै	परिपूजितायै
अन्तर्वदनसंदृश्यायै	क्षोभणोद्यद्गुप्ततरयोगिनी
संततध्यानदीपितायै	गणसेवितायै
कन्दलत्प्रीतिहृदयायै	आशापरीपूरकात्तगुप्त
कमलायै	योगिन्यभिष्टुतायै
कर्मसाक्षिण्यै	त्रैलोक्यमोहनस्थप्रकट
कान्तार्थदेहायै	योगिन्युपासितायै
दीप्यन्त्यै	कलातिथिनिधीष्विन्दुवर्ण

मन्त्रस्वरूपिण्यै	स्वयंभुवे
गुणरेखाश्रिवृत्तान्तनृप	आत्मभुवे
नागदलालयायै	अभुवे ३४०
मुनिदिक्पङ्क्तिवसुभूकोणान्त	त्रक्षर्यै
बिन्दुवासिन्यै	त्रिगुणातीतायै
वेदतुदिक्सूर्यकलादस्र	ह्रींकार्यै
पत्राब्जचक्रगायै	क्लमहारिण्यै
मृणालतन्तुसदृश्यै ३२०	प्रसादरूपायै
सुषमावासिन्यै	पदव्यै
वसवे	पराप्रासादरूपिण्यै
सदाराध्यायै	शर्वाण्यै
सदाध्येयायै	शर्मदायै
सत्संगत्यै	धात्र्यै ३५०
अनुत्तमायै	धर्मरूपायै
पीयूषरससंस्त्रावसंतर्पित	परायै गत्यै
जगत्त्रय्यै	मुञ्जकेश्यै
सन्तत्यै	मुक्तसंगायै
सन्ततिच्छेदहारिण्यै	पञ्चयज्ञपराकृतये
धारणायै ३३०	षट्त्र्येक कर्मनिरतजन
धरायै	रक्षणदीक्षितायै
स्वाहाकारायै	स्वीकृतानुग्रहकलायै
हविर्भोक्त्र्यै	दूरस्थापितनिग्रहायै
यजमानाकृत्यै	निरन्तरसुखायै
कृत्यै	गौर्यै ३६०
पितृप्रसूपसुवे	नीपारण्यनिवासिन्यै
पद्मायै	मोक्षदेशानमहिष्यै

लक्ष्यालक्ष्यस्वरूपिण्यै	परनिर्वाणरूपिण्यै
राजस्यै	सर्वभूतहितायै
कमलावासायै	वाण्यै ३९०
ब्राह्म्यै	ब्रह्मरन्ध्रनिवासिन्यै
सृष्टिविधायिन्यै	तटित्कोटिसमच्छायायै
सत्त्वाढ्यायै	सर्वविद्यास्वरूपिण्यै
वैष्णव्यै	महापद्माटवीसंस्थायै
पात्र्यै ३७०	कारणानन्दविग्रहायै
तामस्यै	सिद्धलक्ष्म्यै
रुद्ररूपिण्यै	महालक्ष्म्यै
हन्त्र्यै	राज्यलक्ष्म्यै
ईश्वर्यै	पराङ्मुखायै
तिरोधानकारिण्यै	छन्दोमय्यै ४००
बहुरूपिण्यै	चतुष्पष्टिकला काव्यार्थदर्शिन्यै
सदाशिवायै	ऐंकारिण्यै
अनुग्रहदायै	कालरूपायै
सदाशिवमय्यै	अणिमादिकफलप्रदायै
मत्यै ३८०	महोरूपायै
अखण्डैकरसानन्दतन्त्र्यै	महायोगिन्यै
पीयूषरूपिण्यै	अमलायै
ऐंकारस्यन्दितत्वाख्य विश्वे	भूतिदायै कलायै
न्द्रियफलप्रदायै	कूटत्रयमय्यै
आनन्दाज्याहुतिप्रीतायै	मूलमन्त्ररूपायै ४१०
भक्तिज्ञानप्रदायिन्यै	मनोन्मन्यै
त्रिमुद्रिण्यै	बन्धकासुरसंहर्त्र्यै
भगाराध्यायै	कन्यकारूपधारिण्यै

महाबिलगुहालीनायै
 महामुनिमनोनट्यै
 शृङ्गारमूर्तये
 सम्राड्यै
 शृङ्गाररसनायिकायै
 भद्राकृत्यै
 कान्तिमत्यै ४२०
 भद्रदायै
 भक्तवत्सलायै
 महाबलायै
 महानन्दायै
 महाभैरवमोहिन्यै
 सौभाग्यदायिन्यै
 स्वामिन्यै
 उदग्रायै
 संप्रदायिन्यै
 गोमत्यै ४३०
 गुह्यानिलयायै
 गुह्यमूर्तये
 गुणास्पदायै
 विवैकदायिन्यै
 शिष्टायै
 शिष्टचेतोनिवासिन्यै
 कात्यायन्यै
 कामकोटये
 अन्नपूर्णायै

अभयंकयै ४४०
 शाकिन्यै
 शांभव्यै
 भद्रायै
 भैरव्यै
 भारतीमय्यै
 अभ्याससाध्यायै
 जयदायै
 विजयायै
 भगमालिन्यै
 रुक्मिण्यै ४५०
 रुक्मसच्छायरोचना
 तिलकोज्ज्वलायै
 वेदान्तमृग्यचरणायै
 जरामृत्युभयापहायै
 कान्त्यै
 कामकलायै
 कान्तायै
 विधुमण्डलवासिन्यै
 शंभुलोचनपीयूषवत्यै
 आर्तिनिवारिण्यै
 विघ्नकादम्बिनीवात्यायै ४६०
 सर्वप्राणिमय्यै
 स्मृत्यै
 लोकहन्त्र्यै
 लोकभत्र्यै

भोगकर्त्र्यै	कलालापायै
परात्परायै	भार्गव्यै
वीरप्रियायै	जगदीश्वर्यै
वीतरागायै	विमानस्थायै
नाशिताशेषवैकृत्यै	मानवत्यै
नमज्जनाह्लादकर्यै ४७०	नित्यतृप्तजनप्रियायै
नादब्रह्मस्वरूपिण्यै	परस्यै विभूत्यै
विप्राधीनायै	सर्वज्ञायै ४९०
विप्ररूपायै	अनादिबोधायै
विप्रजिह्वाविहारिण्यै	दयानिधये
विप्राराध्यायै	अनन्तशक्त्यै
विप्रगणपूजातुष्टायै	अचलायै
वियन्मय्यै	प्रणतप्रियबान्धवायै
अव्याहताज्ञायै	अनादये
जनन्यै	अखिलाधारायै
जयिन्यै ४८०	सच्चिदानन्दरूपिण्यै
प्रणवात्मिकायै	सर्वोपनिदुष्टवैभवायै
कामरूपायै	सर्वमङ्गलायै ५००

SDEV2

